

भारतीय रिज़र्व बैंक  
**बुलेटिन**



अगस्त 2020

खंड 74 अंक 8

अध्यक्ष  
माइकल देबब्रत पात्र

संपादन समिति  
देब प्रसाद रथ  
राजीव रंजन  
सितीकांत पट्टनाईक  
जी. पी. सामंता  
पल्लवी चव्हाण  
स्नेहल हेरवाडकर  
एस. गंगाधरन

संपादक  
शशीधर एम. लोकरे

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2020

सर्वाधिकार सुरक्षित।  
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,  
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया “भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन” खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से  
<http://www.bulletin.rbi.org.in> पर भी देखा जा सकता है।

# विषय-वस्तु

## गवर्नर का वक्तव्य

गवर्नर का वक्तव्य 1

## मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2020-21

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2020-21 7

## विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर वक्तव्य

विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर वक्तव्य 13

## भाषण

क्या भारतीय अर्थव्यवस्था में गतिमान परिवर्तन हो रहे हैं?  
शक्तिकांत दास 19

भारतीय अर्थव्यवस्था निर्णायक मोड़  
पर: वित्तीय स्थिरता की दृष्टि से विवेचन  
शक्तिकांत दास 25

## लेख

मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण 31

मौद्रिक नीति और वित्तीय बाजार : ट्विस्ट और टैंगो 41

मीडिया में नीतिगत दर संबंधी अपेक्षाएं 51

वर्तमान सांख्यिकी 61

हाल के प्रकाशन 107



# गवर्नर का वक्तव्य

गवर्नर का वक्तव्य



## गवर्नर का वक्तव्य\*

### शक्तिकांत दास

मौद्रिक नीति समिति ने अपने तत्वावधान में 24 वीं बार नए मौद्रिक नीति ढांचे के तहत अपने परिचालन के चार वर्ष पूर्ण करते हुए 2020-21 की दूसरी बैठक के लिए 4, 5 और 6 अगस्त को बैठक आयोजित की। एमपीसी ने घरेलू और वैश्विक परिस्थितियों के बीच विस्तार किया और भारत और दुनिया के लिए समग्र दृष्टिकोण पर उनके प्रभाव को बढ़ाया। अपने विचार-विमर्श के अंत में, एमपीसी ने सर्वसम्मति से 4 प्रतिशत की पॉलिसी रेपो दर को अपरिवर्तित रखने के लिए वोट किया और यह सुनिश्चित करते हुए कि आगे बढ़ने वाले लक्ष्य के भीतर मुद्रास्फीति बनी रहे, यह निर्णय लिया गया कि विकास को पुनर्जीवित करने, COVID-19 के प्रभाव को कम करने के लिए जब तक आवश्यक हो मौद्रिक नीति के आक्रामक रुख के साथ बने रहे। सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर 4.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित बने रहे। रिवर्स रेपो दर 3.35 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहा। मैं आज लिए गए नीतिगत निर्णय के लिए अपने बहुमूल्य योगदान देने के लिए एमपीसी सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) शायद दुनिया का एकमात्र केंद्रीय बैंक है जिसने बैंकिंग, वित्तीय बाजार परिचालन और भुगतान प्रणाली में व्यापार की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कार्यों के लिए लगभग 200 की संख्या में अपने अधिकारियों, कर्मचारियों और सेवा प्रदाताओं के साथ एक विशेष संगरोध सुविधा स्थापित की है। आरबीआई की अन्य टीमों ने डिजिटल बैंकिंग चैनल, एटीएम, इंटरनेट / मोबाइल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, ग्राहकों की शिकायतों के निवारण की उपलब्धता सुनिश्चित की है, और आरबीआई कहता है के माध्यम से डिजिटल लेनदेन के सुरक्षित उपयोग के बारे में निरंतर अभियान चलाया है। हमारी टीमों ने वित्तीय सहायता और मौद्रिक नीतियों के संचालन की सहायता के लिए भी तार्किक सहायता प्रदान की है, और विश्लेषण और अनुसंधान में लगे हुए हैं। सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी अथक प्रतिबद्धता के लिए मुझे उन सभी पर गर्व है। मैं इन

कठिन समय में निर्बाध परिचालन सुनिश्चित करने के लिए बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के सभी कर्मचारियों की सराहना करना चाहूंगा। हमारी कृतज्ञता सभी COVID योद्धाओं - चिकित्सा और स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों, विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों के लिए और अन्य पर भी लागू होती है।

### मूल्यांकन

एमपीसी के आकलन में, वैश्विक आर्थिक गतिविधि नाजुक बनी हुई है और 2020 की पहली छमाही में कटौती पर है। जुलाई में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में COVID-19 संक्रमणों में नए सिरे से वृद्धि ने पुनरुद्धार के कुछ शुरुआती संकेतों को मात दे दी है जो मई और जून में दिखाई दिए थे। हालांकि, वैश्विक वित्तीय बाजार, वास्तविक अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित स्थिति से एक डिस्कनेक्ट डालने वाले जोखिम-बंद भावना की वापसी के साथ उछाल वाले रहे हैं। उभरते बाजारों में पोर्टफोलियो प्रवाह फिर से शुरू हो गया है और उनकी मुद्राओं में उछाल आया है।

वैश्विक विनिर्माण क्रय प्रबंधक का सूचकांक (पीएमआई) और वैश्विक सेवाएं पीएमआई जुलाई में क्रमशः 50.3 और 50.5 तक पहुंच गईं और विस्तार क्षेत्र में वापस आ गईं। विश्व व्यापार संघ (डब्ल्यूटीओ) ने अनुमान लगाया है कि पहली तिमाही (क्यू 1) में वर्ष-दर-वर्ष में व्यापार की मात्रा 3.0 प्रतिशत से कम हो गई है और शुरुआती अनुमानों से पता चलता है कि दूसरी तिमाही (क्यू 2) में 18.5 प्रतिशत की गिरावट है। सीपीआई मुद्रास्फीति सौम्य ईंधन की कीमतों और मार्च के बाद से नरम समग्र मांग के कारण मुख्य रूप से प्रमुख एई में मंदी बनी हुई है। हालांकि, ज्यादातर ईएमई में, सीपीआई मुद्रास्फीति, अप्रैल-मई में ढील के बाद, जून में लागत-वृद्धि के दबाव में बढ़ी। महामारी की शुरुआत के बाद से अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ी हुई है।

एमपीसी ने यह पाया है कि भारत में भी अप्रैल-मई के दौरान आर्थिक गतिविधियों में कमी आने लगी थी; हालांकि, नए संक्रमणों के बढ़ने से कई शहरों और राज्यों में लॉक डाउन फिर से लागू करना पड़ा है। फलस्वरूप, कई उच्च आवृत्ति संकेतक बंद हो गए हैं। कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और खरीफ फसलों के तहत बोए गए कुल क्षेत्र में विस्तार, जो

\* गवर्नर का वक्तव्य - 06 अगस्त 2020

पिछले वर्ष की तुलना में 31 जुलाई तक 13.9 प्रतिशत था, ने मजबूत किया है। हालांकि, औद्योगिक उत्पादन मई में मध्यम गति से संकुचन में बना रहा। विनिर्माण क्रय प्रबंधक का सूचकांक (पीएमआई) लगातार चौथे महीने जुलाई में संकुचित रहा। पीएमआई सेवाएं जुलाई में संकुचन क्षेत्र में रही, हालांकि जून की रीडिंग के सापेक्ष मंदी में कमी आई।

हैडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति, जो मार्च 2020 में 5.8 प्रतिशत थी, को जून 2020 के अनंतिम अनुमानों में 6.1 प्रतिशत पर रखा गया था। मुद्रास्फीति के दबाव सभी उप-समूहों में स्पष्ट थे। रिजर्व बैंक के सर्वेक्षण के जुलाई 2020 के दौर में परिवारों की एक वर्ष आगे की मुद्रास्फीति की उम्मीदें उनके तीन महीने की अपेक्षा से कम थीं, जो कि लंबे क्षितिज पर कम मुद्रास्फीति की प्रत्याशा को दर्शाता है। इनपुट मूल्य पर उत्पादकों की भावनाएं म्यूट रही, क्योंकि उनके वेतन में गिरावट आई थी। रिजर्व बैंक के औद्योगिक आउटलुक सर्वेक्षण के अप्रैल-जून दौर में उनकी बिक्री मूल्य पहली तिमाही (Q1) में संकुचित हुई।

भारत का व्यापारिक निर्यात जून 2020 में लगातार चौथे महीने के लिए संकुचित हुआ, हालांकि गिरावट की गति मध्यम रही। कमजोर घरेलू मांग और कम अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों को दर्शाते हुए जून में व्यापक रूप से आयात में गिरावट आई। माल व्यापार संतुलन ने 18 वर्षों के अंतराल के बाद जून में अधिशेष (अमेरिकी डॉलर \$ 0.8 बिलियन) दर्ज किया।

वित्त पोषण के संबंध में, शुद्ध विदेशी प्रत्यक्ष निवेश एक वर्ष पहले अमेरिकी डॉलर \$ 7.2 बिलियन की तुलना में अप्रैल-मई 2020 में 4.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर कम हो गया। 2020-21 (अप्रैल-जुलाई) में, इक्विटी में शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) एक वर्ष पूर्व के अमेरिकी डॉलर 1.2 बिलियन की तुलना में अमेरिकी डॉलर 5.3 बिलियन से अधिक था। ऋण खंड में, हालांकि, इसी अवधि के दौरान एक वर्ष पूर्व के अमेरिकी डॉलर यूएस \$ 2.0 बिलियन की तुलना में बहिर्वाह अमेरिकी डॉलर \$ 4.4 बिलियन रहा। उसी अवधि के दौरान स्वैच्छिक अवधारण मार्ग के तहत शुद्ध निवेश में अमेरिकी डॉलर \$ 0.9 बिलियन की वृद्धि हुई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2020-21 में (अप्रैल-जुलाई) तक अमेरिकी डॉलर \$ 56.8 बिलियन से बढ़कर अमेरिकी

डॉलर 534.6 बिलियन (31 जुलाई 2020 तक) - आयात के 13.4 महीनों के बराबर हो गया है। बाहरी ऋण के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का अनुपात मार्च 2019 के 76.0 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2020 के अंत में 85.5 प्रतिशत हो गया है।

### संभावनाएं

इस पृष्ठभूमि में, एमपीसी का मानना था कि COVID-19 के कारण दोनों खाद्य और गैर खाद्य कीमतों के लिए निहितार्थ के साथ आपूर्ति श्रृंखला अवरोध जारी रह सकते हैं। बंपर रबी फसल द्वारा अनाज की कीमतों के सुविधाजनक बन जाने से, खासकर यदि खुले बाजार की बिक्री और सार्वजनिक वितरण के लिए उठाव में विस्तार से काफी अधिक खरीद को देखते हुए अधिक अनुकूल खाद्य मुद्रास्फीति दृष्टिकोण उभर सकता है। बहरहाल, खाद्य कीमतों के लिए विपरित जोखिम बने हुए हैं। प्रमुख सब्जियों में मूल्य दबाव में कमी विलंबित और आपूर्ति सामान्यीकरण पर निर्भर रहती है। प्रोटीन आधारित खाद्य पदार्थ भी दबाव बिंदु के रूप में उभर सकते हैं। पेट्रोलियम उत्पादों पर उच्च घरेलू करों के परिणामस्वरूप घरेलू पंप की कीमतें बढ़ी हैं और इससे व्यापक आधार वाला लागत धक्के का दबाव बढ़ेगा। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, एमपीसी को उम्मीद है कि हैडलाइन मुद्रास्फीति 2020-21 की दूसरी तिमाही में ऊंची रहेगी, लेकिन अनुकूल आधार प्रभावों से सहायता के साथ 2020-21 की दूसरी छमाही में उसके आसान होने की संभावना है।

जहां तक विकास की संभावनाओं का संबंध है, एमपीसी ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वसूली मजबूत होने की उम्मीद है, जो खरीफ बुवाई में प्रगति से उत्साहित है। विनिर्माण फर्मों को घरेलू मांग के दूसरी तिमाही से धीरे से उबरने की और 2021-22 की पहली तिमाही में उसके बने रहने की उम्मीद है। दूसरी ओर, उपभोक्ता विश्वास रिजर्व बैंक के सर्वेक्षण के पिछले दौर के सापेक्ष जुलाई में अधिक निराशावादी हो गया। वैश्विक मंदी और वैश्विक व्यापार में संकुचन के दबाव में बाहरी मांग में कमी रहने की उम्मीद है। उपर्युक्त कारकों को ध्यान में रखते हुए, वर्ष की पहली छमाही में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में संकुचन का अनुमान है। कुल मिलाकर वर्ष 2020-21 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि भी नकारात्मक होने का अनुमान है। COVID-19

महामारी की प्रारंभिक रोकथाम इस दृष्टिकोण को पलट सकती हैं। महामारी का एक और अधिक लंबा प्रसार, सामान्य मानसून से विचलन और वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता के पूर्वानुमान प्रमुख नकारात्मक जोखिम हैं।

एमपीसी ने कहा कि अभूतपूर्व तनाव के माहौल में, मौद्रिक नीति संचालन में अर्थव्यवस्था की वसूली का समर्थन महत्वपूर्ण है। जबकि आगे मौद्रिक नीति कार्रवाई के लिए अवसर उपलब्ध है, विवेकपूर्ण तरीके से अंतर्निहित आर्थिक गतिविधि के लिए अधिकतम लाभकारी प्रभाव के लिए उसका उपयोग करना महत्वपूर्ण है। साथ ही एमपीसी अपने मध्यम अवधि मुद्रास्फीति लक्ष्य के प्रति सजग है। अप्रैल-मई 2020 के शीर्ष मुद्रास्फीति प्रिंट (क) खाद्य कीमतों में उछाल और (ख) लागत धक्का दबाव अस्पष्ट हैं। इस बीच, 250 आधार अंकों की संचयी कमी मुद्रा, बांड और ऋण बाजार में ब्याज दरों को कम और स्प्रेडों को संकुचित कर के अर्थव्यवस्था के माध्यम से अपनी तरह से काम कर रही है। मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के आसपास की अनिश्चितता और चल रही महामारी से एक अभूतपूर्व सदमे के बीच अर्थव्यवस्था की बेहद कमजोर स्थिति को देखते हुए, एमपीसी ने नीति दर को 'होल्ड पर' रखने का फैसला किया है, ताकि मुद्रास्फीति में एक स्थायी कमी के लिए सतर्क रहकर अर्थव्यवस्था के पुनरुज्जीवन के समर्थन के लिए उपलब्ध शेष अवसर का उपयोग किया जा सके।

घर से काम कर के ; आभासी बैठकें आयोजित कर के और "संपर्क रहित" लेनदेन अपनाकर हमने महामारी प्रबंधित करने के तरीके में सुधार लाया है। इस दर्दनाक अवधि के दौरान, एक बात उभर कर सामने आई है-मानवता की अदम्य भावना और एक आंतरिक दृढ़ विश्वास कि कोई भी चुनौती हो, हममें उसका मुकाबला करने, उस पर काबू और विजय पाने का सहज लचीलापन है। मैं एक शाश्वत आशावादी बने रहना चाहता हूँ; महात्मा गांधी हमें प्रेरित करते हैं कि : "यदि हमारा संकल्प दृढ़ है और हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है, तो उसका मतलब है कि हमने आधी लड़ाई जीत ली है ...."<sup>1</sup>

<sup>1</sup> महात्मा गांधी, हरिजन, 21 जुलाई 1940

## रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए मौद्रिक और तरलता उपायों का प्रभाव

इस पृष्ठभूमि में, मैं आरबीआई द्वारा अब तक किए गए मौद्रिक और तरलता उपायों के प्रभाव की ओर मुड़ता हूँ ताकि COVID-19 के नकारात्मक परिणामों को कम किया जा सके।

यह नोट किया जा सकता है कि एमपीसी द्वारा दरों में कटौती का अब तक हासिल की गई सीमा तक का संचरण सुविधाजनक तरलता की स्थिति निर्माण किए बिना संभव नहीं हो पाता था। अधिभावी उद्देश्य था वित्तीय बाजारों को ठंडे पड जाने से रोकना; वित्तीय बिचौलियों के सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करना; घरों और व्यवसायों के सामने आने वाले तनाव को कम करना और वित्त को प्रवाहित बनाए रखना। इसे चलनिधि समायोजन सुविधा के माध्यम से अन्वेषण (इंजेक्शन) और अवशोषण के माध्यम से प्रणाली के अंतर्गत और बाहर तरलता की बड़ी मात्रा में निवेश करके हासिल किया गया। इस प्रक्रिया में, वित्तीय स्थितियों को सुविधाजनक बनाने से वास्तव में मौद्रिक संचरण में वृद्धि हुई है और यह ही एमपीसी के उदार रुख और कार्यों की प्रभावशीलता है। और क्या है कि खुले बाजार के संचालन, विशेष अभियानों और विदेशी मुद्रा हस्तक्षेपों के माध्यम से नकदी के अन्वेषण (इंजेक्शन) को रिवर्स रेपो के माध्यम से अवशोषण द्वारा पूरी तरह से निष्फल किया जा रहा है, जबकि अत्यधिक जोखिम से बचने और अनिश्चितता से मुद्रा बाजार की जब्ती को रोका जा रहा है।

एक अन्य पहलू जिसे स्वीकृत किए जाने की आवश्यकता है, वह यह है कि रिज़र्व बैंक की खुले बाजार में खरीद का उद्देश्य निजी क्षेत्र की संस्थाओं के लिए वित्तपोषण लागत को कम करना है जो बाजार में ऐसे उपकरण जारी करते हैं जिनकी कीमत आमतौर पर बेंचमार्क के रूप में जी-सेक प्रतिफल से होती है। दरअसल, यह देखना सार्थक है कि रिज़र्व बैंक के कार्यों से किसे फायदा हो रहा है। वित्तीय बाजारों में प्रचुर मात्रा में तरलता से उधार लेने की लागत एक दशक के अपने सबसे कम स्तर तक गिर गई है। 3 महीने के खजाना बिल, कमर्शियल पेपर (सीपी) और जमा प्रमाणपत्रों जैसे साधनों पर ब्याज दरों ने पॉलिसी रेट में कमी की पूरी कीमत वसूल की है और दरअसल सेकेंडरी मार्केट में इसके नीचे कारोबार कर रहे हैं। एनबीएफसी के सीपी 31

जुलाई 2020 को घटकर 3.80 प्रतिशत रह गए हैं। गैर-एनबीएफसी उधारकर्ताओं के लिए 31 जुलाई, 2020 को दरें गिरकर 3.40 प्रतिशत हो गई हैं।

ट्विस्ट परिचालन और टीएलटीआरओ 1.0 के प्रभाव के तहत तरलता प्रीमिया के अपव्यय के साथ, इसी तरह की समान अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों की तुलना में 3 साल के एए-रेटेड कॉर्पोरेट बांड के स्प्रेड में भी 26 मार्च 2020 को 276 आधार अंकों की घटौती होकर 31 जुलाई 2020 को वह 50 आधार अंक हो गया। एए+ रेटेड बांड पर स्प्रेड भी घटकर 307 आधार अंक से 104 आधार अंक हो गया; इसी अवधि में एए बांड 344 आधार अंक से 142 आधार अंक तक संकुचित हो गया। यहां तक कि सबसे कम निवेश ग्रेड बांड (बीबीबी-) के लिए भी स्प्रेड में 31 जुलाई 2020 को 125 आधार अंकों की कमी आई।

कम उधार लेने की लागत ने (अप्रैल-जून) 2020-21 की पहली तिमाही में ₹ 2.09 लाख करोड़ के कॉर्पोरेट बॉन्ड के प्राथमिक निर्गम का रिकॉर्ड बनाया है। विशेष रूप से, एनबीएफसी के लिए बाजार वित्तपोषण की स्थिति, जो चुनौतीपूर्ण हो गई थी, लक्षित नीति उपायों के फलस्वरूप काफी हद तक स्थिर हो गई है। एए + रेटेड 3-वर्षीय एनबीएफसी बॉन्ड्स के लिए, समान अवधि के सरकारी प्रतिभूति पर स्प्रेड 26 मार्च 2020 को 360 आधार अंकों से सीमित होकर 31 जुलाई 2020 को 139 आधार अंक हो गए हैं।

प्रचुर चलनिधि ने वित्तीय बाजारों के अन्य क्षेत्रों को भी समर्थन दिया है। विशेष रूप से, फ्रैंकलिन टेम्पलटन प्रकरण के बाद से एमएफ स्थिर हो गया है। एमएफ के ऋण प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां, जो 29 अप्रैल 2020 तक ₹12.20 लाख करोड़ तक कम हुईं, उनमें 31 जुलाई 2020 तक सुधार हुआ और वे ₹13.89 लाख करोड़ तक पहुंच गईं।

इसी समय, विशिष्ट क्षेत्रों में वित्तीय स्थितियों में सुधार हुआ है। हालांकि गैर-खाद्य बैंक ऋण 5.6 प्रतिशत तक धीमा हो गया है (17 जुलाई तक), जून में एनबीएफसी को ऋण 25.7 प्रतिशत तक, सेवाओं पर ऋण 10.7 प्रतिशत और आवास पर 12.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। मौद्रिक संचरण में भी काफी सुधार हुआ है। फरवरी 2019-जून 2020 के दौरान बैंकों द्वारा स्वीकृत नए रूपी ऋणों पर भारित औसत उधार दर (डब्ल्यूएलआर) में

162 आधार अंकों की गिरावट आई, जिसमें मार्च-जून 2020 के दौरान 91 आधार अंकों का संचरण देखा गया था।

### अतिरिक्त उपाय

COVID-19 संक्रमणों के बढ़ने के साथ असंतुलित नाजुक वृहद आर्थिक और वित्तीय परिस्थितियों में, हम अतिरिक्त विकासात्मक और विनियामक नीति उपायों को करने का प्रस्ताव करते हैं (i) वित्तीय बाजारों और अन्य हितधारकों के लिए चलनिधि समर्थन में वृद्धि; (ii) क्रेडिट क्षेत्र को मजबूत करते हुए COVID-19 व्यवधानों के कारण उत्पन्न वित्तीय तनाव को कम करना; (iii) ऋण के प्रवाह को बढ़ाना; (iv) डिजिटल भुगतान प्रणाली को मजबूत करना; (v) चेक भुगतान में ग्राहक सुरक्षा; और (vi) प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर वित्तीय क्षेत्र में नवाचारों की सुविधा प्रदान करना।

पिछले 100 वर्षों के सबसे खराब स्वास्थ्य और आर्थिक संकट में, जिसका सामना हम आज कर रहे हैं, विनियामक प्रतिक्रिया को गतिशील, सक्रिय और संतुलित होना चाहिए। आज मैं जो प्रमुख घोषणाएं कर रहा हूँ, उन्हें डिजाइन करते हुए, हमने यह सुनिश्चित किया है कि वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए हैं। हम वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता बनाए रखने के लिए रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी के प्रति पूर्ण रूप से सतर्क हैं। जबकि मैं मुख्य उपायों को रेखांकित कर रहा हूँ, विकासात्मक और विनियामक उपायों पर वक्तव्य उन्हें अधिक विस्तार से बताएगा।

### (i) अतिरिक्त विशेष चलनिधि सुविधा (एएसएलएफ)

₹10,000 करोड़ की अतिरिक्त विशेष चलनिधि सुविधा पॉलिसी रेपो दर पर प्रदान की जाएगी जिसमें शामिल हैं: ₹5,000 करोड़ राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) को आवास क्षेत्र को चलनिधि अवरोधों से बचाने और इस क्षेत्र में वित्त के प्रवाह को बढ़ाने के लिए आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के माध्यम से दिया जाएगा; और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) को ₹5,000 करोड़ रुपये का भुगतान जो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और सूक्ष्म-वित्त संस्थानों द्वारा चलनिधि तक पहुंच प्राप्त करने के लिए सामना किए जा रहे दवाब को कम करने के लिए किया गया है।

## (ii) COVID-19-संबंधित दवाब के लिए समाधान ढांचा

7 जून 2019 का “दवाबग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान पर विवेकपूर्ण ढांचा” उधारकर्ता चूककर्ता का निवारण करने के लिए एक सिद्धांत-आधारित समाधान ढांचा प्रदान करता है। विवेकपूर्ण ढांचा के तहत कार्यान्वित कोई भी समाधान योजना, जिसमें उधारकर्ता की वित्तीय कठिनाई के कारण किसी भी रियायत को प्रदान करना शामिल है, वह यदि निर्धारित शर्तों के अधीन, स्वामित्व में परिवर्तन के साथ हो तो उसे छोड़कर परिसंपत्ति वर्गीकरण डाउनग्रेड करता है।

COVID-19 के कारण हुए व्यवधानों ने देश भर में उधारकर्ताओं के लिए वित्तीय दवाब को बढ़ा दिया है। बड़ी संख्या में फर्म जो मौजूदा प्रमोटरों के तहत एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखते हैं, उनके नकदी प्रवाह उत्पादन क्षमताओं के सापेक्ष उनके ऋण के बोझ से असुरक्षित होने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। यह संभावित रूप से उनके दीर्घकालिक व्यवहार्यता को प्रभावित कर सकता है और यदि यह व्यापक रूप से बढ़ा तो यह महत्वपूर्ण वित्तीय स्थिरता जोखिम पैदा कर सकता है। तदनुसार, यह निर्णय किया गया है कि निर्दिष्ट शर्तों के अधीन, इस तरह के एक्सपोजर को मानक संपत्ति के रूप में वर्गीकृत करते हुए 7 जून के प्रूडेंशियल फ्रेमवर्क के तहत एक विंडो प्रदान किया जाए ताकि ऋणदाताओं को पात्र कॉर्पोरेट जोखिमों के संबंध में- स्वामित्व में बदलाव के बिना- साथ ही व्यक्तिगत ऋण के लिए समाधान योजना लागू करने में सक्षम बनाया जा सके।

विनियामक नम्रता के उपयोग के संबंध में पिछले अनुभव के प्रकाश में, आवश्यक सुरक्षा उपायों को शामिल किया गया है, जिसमें विवेकपूर्ण प्रवेश मानदंड, स्पष्ट रूप से परिभाषित सीमा स्थितियां, विशिष्ट बाध्यकारी अनुबंध, स्वतंत्र सत्यापन और कार्यान्वयन-पश्चात कार्यनिष्पादन संबंधी सख्त निगरानी शामिल हैं। इस समाधान विंडो का अंतर्निहित विषय भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता का संरक्षण है।

रिजर्व बैंक एक विशेषज्ञ समिति (अध्यक्ष: श्री के.वी. कामथ) का गठन कर रहा है, जो रिजर्व बैंक के लिए अपेक्षित वित्तीय मापदंडों के साथ-साथ ऐसे मापदंडों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट बेंचमार्क श्रेणियों को समाधान योजनाओं में फैक्टर किए जाने के लिए

अनुशंसा देगा। विशेषज्ञ समिति भी एक निर्दिष्ट सीमा से ऊपर उधार खातों के लिए समाधान योजनाओं की एक सत्यापन प्रक्रिया का कार्य करेगी। समाधान ढांचे का विवरण एमपीसी प्रस्ताव के भाग ‘बी’ और परिपत्र में दिया गया है, इन दोनों को प्रेस वक्तव्य के तुरंत बाद जारी किया जाएगा।

## (iii) एमएसएमई ऋण का पुनर्गठन

ऐसे एमएसएमई, जो डिफॉल्ट में थे लेकिन 1 जनवरी 2020 तक “मानक” थे, के लिए एक पुनर्गठन ढांचा पहले से ही तैयार कर लिया गया है। इस योजना से बड़ी संख्या में एमएसएमई को राहत मिली है। COVID-19 द्वारा सामान्य कामकाज और नकदी प्रवाह को बाधित करने से एमएसएमई क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, और उन्हें अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता है। तदनुसार, यह निर्णय लिया गया है कि तनावग्रस्त एमएसएमई उधारकर्ताओं को मौजूदा ढांचे के तहत अपने ऋण के पुनर्गठन के लिए पात्र बनाया जाएगा, बशर्ते संबंधित ऋणदाता के साथ उनके खातों को 1 मार्च 2020 को मानक के रूप में वर्गीकृत किया गया हो। इस पुनर्गठन को 31 मार्च 2021 तक लागू करना होगा।

## (iv) स्वर्ण आभूषण और गहने के एवज में अग्रिम

मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए सोने के आभूषणों और गहनों को गिरवी रखने के एवज में बैंकों द्वारा स्वीकृत ऋण सोने के आभूषणों और गहनों के मूल्य का 75 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। परिवारों पर COVID-19 के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से, यह निर्णय लिया आया है कि ऐसे ऋणों के लिए मूल्य की तुलना में अनुमेय ऋण (एलटीवी) बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दिया जाए। यह छूट 31 मार्च 2021 तक उपलब्ध रहेगी।

## (v) डेट म्यूचुअल फंड और डेट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में बैंक का निवेश

### बाजार जोखिम हेतु ऋण प्रभार

रिजर्व बैंक के मौजूदा बेसल III दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि कोई बैंक सीधे तौर पर ऋण लिखत रखता है, तो उसे म्यूचुअल फंड (एमएफ) / एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) के माध्यम से उसी

ऋण लिखत की तुलना में कम पूंजी आवंटित करनी होगी। वर्तमान में मौजूद अंतर उपचार के सामंजस्य का निर्णय लिया गया है। इसके परिणामस्वरूप बैंकों के लिए पर्याप्त पूंजी की बचत होगी और यह भी संभावना है कि कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को बढ़ावा मिले।

#### (vi) प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र उधार दिशानिर्देशों की समीक्षा

उभरती राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ दिशानिर्देशों को संरेखित करने और समावेशी विकास पर तीव्र ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से, प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र ऋण (पीएसएल) दिशानिर्देशों की समीक्षा की गई है। बैंकों के लिए प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र ऋण के प्रवाह में क्षेत्रीय विषमताओं को दूर करने के लिए अब एक प्रोत्साहन ढांचा तैयार किया जा रहा है। जबकि कम ऋण प्रवाह वाले पहचान किए गए जिलों में वृद्धिशील प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र ऋण के लिए अत्यधिक ध्यान दिया जाएगा, वहीं ऐसे पहचान किए गए जिलों, जहाँ ऋण प्रवाह तुलनात्मक रूप से अधिक है, में कम भार संरेखित किया जाएगा। स्टार्ट-अप्स को भी पीएसएल स्टेटस दिया जा रहा है; और सौर ऊर्जा और संपीड़ित जैव-गैस संयंत्रों सहित नवीकरणीय ऊर्जा की सीमाएं बढ़ाई जा रही हैं।

#### (vii) आज घोषित किए जा रहे अन्य उपायों में शामिल हैं:

- (क) ई-कुबेर प्रणाली में एक स्वचालित तंत्र का आरंभ किया गया, ताकि बैंकों को उनकी चलनिधि और आरक्षित नकदी आवश्यकताओं के रखरखाव के प्रबंधन में अधिक लचीलापन / विवेक प्रदान किया जा सके।
- (ख) विभिन्न उपायों के माध्यम से उधारकर्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए ऋणदाताओं को अनुमति देते समय, क्रेडिट अनुशासन को मजबूत करने के लिए उचित उपाय करना भी आवश्यक माना जाता है। उधारकर्ताओं द्वारा कई परिचालन खातों, दोनों चालू खातों के साथ-साथ नकद ऋण (सीसी) / ओवरड्राफ्ट (ओडी) खाते, के उपयोग से उत्पन्न होने वाली चिंताओं के मद्देनजर, कई बैंकों से ऋण सुविधा प्राप्त करने वाले उधारकर्ताओं के लिए इस तरह के खाते खोलने के लिए कुछ सुरक्षा उपायों को तैयार करने का निर्णय लिया गया है।

- (ग) रिजर्व बैंक ने वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में संस्थाओं द्वारा जिम्मेदार नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किया है। ऐसे माहौल को और बढ़ावा देने और सुविधाजनक बनाने के लिए जो वित्तीय क्षेत्र में नवाचार को गति दे सकता है, रिजर्व बैंक भारत में एक नवाचार केंद्र स्थापित करेगा। नवाचार केंद्र के बारे में अतिरिक्त जानकारी यथासमय घोषित की जाएगी।
- (घ) चेक भुगतान की सुरक्षा बढ़ाने के लिए, ₹ 50,000 और इससे अधिक मूल्य के सभी चेक के लिए सकारात्मक भुगतान का एक तंत्र आरंभ करने का निर्णय लिया गया है। इसमें कुल चेक के आयतन और मूल्य का लगभग 20 प्रतिशत और 80 प्रतिशत शामिल होगा। इस संबंध में परिचालन दिशानिर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।
- (ङ) कार्ड और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करके ऑफलाइन माध्यम से खुदरा भुगतान की एक योजना और डिजिटल भुगतान के लिए ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) व्यवस्था संबंधी एक प्रणाली भी आरंभ की जाएगी।

#### समापन टिप्पणी

इस मोड़ पर, COVID-19 के विरुद्ध युद्ध सबसे तीव्र है, और दुनिया इसकी दूसरी लहर जो खुल रही है के लिए सावधानीपूर्वक तैयार है। महामारी ने हमारे समक्ष बहुत बड़ी चुनौती प्रस्तुत की है, लेकिन हमारे सामूहिक प्रयास, निर्भिक विकल्प, नवाचार और सच्चे धैर्य अंततः हमें जीत तक ले जाएंगे। जैसा कि महात्मा गांधी ने कहा था, “धैर्य और दृढ़ता, अगर हमारे पास है, तो हम कठिनाइयों के पहाड़ों को भी पार कर सकते हैं”<sup>2</sup>। आज की चुनौतियां केवल हमारे लचीलापन और आत्म विश्वास को मजबूत करेंगी। हम सतर्क और चौकस रहेंगे तथा अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए जो कुछ भी आवश्यक है, हम सामूहिक रूप से करेंगे। साहस और दृढ़ विश्वास ही COVID-19 से जीत दिलाएगा।

धन्यवाद।

<sup>2</sup> माइंड ऑफ महात्मा गांधी (ईडीएस: प्रभु एंड राव), 3रा अंक, 1968 पीपी.365

# मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2020-21

मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2020-21



## मौद्रिक नीति समिति वक्तव्य, 2020-21 मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का संकल्प 4 से 6 अगस्त 2020\*

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आज (6 अगस्त 2020) अपनी बैठक में वर्तमान और उभरती समष्टिगत आर्थिक परिस्थिति के आकलन के आधार पर यह निर्णय लिया है कि:

- चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत नीतिगत रेपो दर को 4.0 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा जाए;

नतीजतन, एलएएफ के तहत प्रतिवर्ती रेपो दर 3.35 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर 4.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखी जाएं।

- यह सुनिश्चित करते हुए कि मुद्रास्फीति लक्ष्य के भीतर बनी रहे, एमपीसी ने विकास को पुनर्जीवित करने और अर्थव्यवस्था पर COVID-19 के प्रभाव को कम करने के लिए जब तक आवश्यक हो निभावकारी रुख बनाए रखने का निर्णय लिया।

ये निर्णय वृद्धि को सहारा प्रदान करते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4 प्रतिशत के मध्यावधिक लक्ष्य को +/-2 प्रतिशत के दायरे में हासिल करने के उद्देश्य से भी है।

इस निर्णय के समर्थन में प्रमुख विवेचनों को नीचे दिए गए विवरण में वर्णित किया गया है।

### आकलन

#### वैश्विक अर्थव्यवस्था

2. मई 2020 में एमपीसी की बैठक के बाद से, वैश्विक आर्थिक गतिविधि नाजुक बनी हुई है और कई भौगोलिक क्षेत्रों में छंटनी हो रही है। जबकि कुछ देशों में COVID-19 लॉकडाउन प्रतिबंधों की असहज और अलग-अलग प्रकार की वापसी से मई-जुलाई के दौरान उच्च आवृत्ति संकेतकों में एक अनुक्रमिक सुधार

दिखाई दिए, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में COVID-19 संक्रमणों में एक नए सिरे से वृद्धि और संक्रमण की एक दूसरी लहर के खतरों ने पुनर्जीवन के इन प्रारंभिक संकेतों को कमजोर बना दिया है। आर्थिक गतिविधियों में संकुचन 2020 में पहली तिमाही की तुलना में दूसरी तिमाही में अधिक गंभीर है और निकट अवधि की संभावनाओं ने तेज नकारात्मक जोखिम के साथ एक धीमी, असमान और संकुचित वसूली को वर्ष की दूसरी छमाही तक धकेल दिया है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (ईईएस) में अमेरिका और यूरो क्षेत्र में उत्पादन पिछली तिमाही की तुलना में 2020 की दूसरी तिमाही में एक गहरे संकुचन से गुजरा है। उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमएस) की दूसरी तिमाही में सिकुड़ने की उम्मीद है जैसा कि उच्च आवृत्ति संकेतकों में परिलक्षित होता है।

3. वैश्विक वित्तीय बाजारों में रुक-रुक कर मार्च 2020 के अंत के बाद से खुशहाली लौटने लगी है, जो 2020 की पहली तिमाही में दर्ज अस्थिरता और तेज सुधार को दूर कर रही है। दूसरी तिमाही में उलटफेर के बाद ईएमईएस में पोर्टफोलियो प्रवाह एक बड़े पैमाने पर लौट आए, हालांकि पिछले महीने के स्तर से जुलाई में सुधार हुआ है। ईएमई मुद्राओं ने भी कमजोर पड़ रहे अमेरिकी डॉलर की तुलना में करीबी सह आंदोलन में सराहना पाई है। कच्चे तेल की कीमतों में तेल उत्पादक देशों (ओपेक प्लस) द्वारा आपूर्ति में कटौती और मई के बाद से लॉकडाउन प्रतिबंधों को क्रमिक रूप से आसान बनाने पर मांग की संभावनाओं में सुधार के कारण समर्थन बना हुआ है। सोने की कीमतें सुरक्षित मांग (सेफ हेवेन डिमांड) के कारण 5 अगस्त को एक सर्वकालिक उंचाई को प्राप्त कर गई हैं। ईईएस में सौम्य ईंधन की कीमतों और मंद सकल मांग ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखा है। कई ईएमई में, हालांकि, आपूर्ति अवरोधों और मांग पुनरुद्धार से उत्पन्न लागत-पुश दबाव जून 2020 में उपभोक्ता कीमतों में दिखाई दिए हैं। वैश्विक खाद्य कीमतों में हर तरफ से वृद्धि हो रही है।

#### घरेलू अर्थव्यवस्था

4. घरेलू मोर्चे पर, आर्थिक गतिविधि ने जून में देश के कुछ हिस्सों के असमान रूप से फिर से खुल जाने के बाद अप्रैल-मई के निम्न स्तर से उबरने की शुरुआत कर दी थी; हालांकि, ताजा

\* 06 अगस्त 2020 को जारी किया गया।

संक्रमणों के उछाल ने कई शहरों और राज्यों में लॉकडाउन को फिर से लागू करने के लिए मजबूर कर दिया है। नतीजतन, कई उच्च आवृत्ति संकेतक स्थिर हो गए हैं।

5. कृषि क्षेत्र एक उज्ज्वल स्थान के रूप में उभरा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की अच्छी स्थानिक और वास्तविक प्रगति से इसकी संभावनाएं मजबूत हुई हैं। संचयी मानसून की वर्षा 5 अगस्त 2020 तक दीर्घावधि के औसत (एलपीए) से 1 प्रतिशत कम थी। वर्षा के विस्तार से प्रेरित होकर 31 जुलाई को खरीफ फसलों के तहत बोया गया कुल क्षेत्र 2014-15 से 2018-19 की अवधि में औसत के आधार पर मापे गए सामान्य क्षेत्र की तुलना में 5.9 प्रतिशत अधिक था। 30 जुलाई 2020 तक प्रमुख जलाशयों में जीवित भंडारण पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) का 41 प्रतिशत था, जो रबी के मौसम के लिए अच्छा संकेत है। इन घटनाक्रमों का ग्रामीण मांग पर हितकारी प्रभाव पड़ा है जैसा कि उर्वरक उत्पादन और ट्रैक्टरों, मोटरसाइकिलों और तेजी से चलने वाली उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री में परिलक्षित होता है।

6. देश के विभिन्न हिस्सों में लॉकडाउन के शिथिल हो जाने से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) द्वारा मापे गए औद्योगिक उत्पादन के संकुचन की गति में एक महीने पहले के (-) 57.6 प्रतिशत से मई में (-) 34.7 प्रतिशत तक सुधार हो गया। फार्मास्यूटिकल्स को छोड़कर सभी विनिर्माण उप-क्षेत्र नकारात्मक क्षेत्र में रहे। जून में प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में लगातार चौथे महीने हालांकि काफी सौम्यता से संकुचन हो गया। 2020-21 की पहली तिमाही के लिए रिजर्व बैंक का कारोबार मूल्यांकन सूचकांक (बीएआई) सर्वेक्षण के इतिहास में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया। विनिर्माण पीएमआई संकुचन में रहा, जो जुलाई में पिछले महीने में 47.2 से 46.0 तक सिकुड़ गया।

7. मई-जून के लिए सेवा क्षेत्र की गतिविधि के उच्च आवृत्ति संकेतक, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में हालांकि एक साल पहले की तुलना में कम स्तर पर आर्थिक गतिविधियों की मामूली बहाली के संकेत देते हैं। विशेष रूप से, यात्री वाहन बिक्री में मई में (-) 85.3 प्रतिशत से जून में (-) 49.6 प्रतिशत तक सुधार हो गया, जो संभावित शहरी मांग का और ग्रामीण क्षेत्रों में बिक्री में तेजी से सुधार का संकेत है। दूसरी ओर जून में घरेलू हवाई यात्री

यातायात और कार्गो यातायात में तेज संकुचन जारी रहा। निर्माण गतिविधि नरम रहीं-सीमेंट उत्पादन गिर गया और इस्पात की खपत में तेजी से सुधार हुआ। पूंजीगत वस्तुओं के आयात - निवेश गतिविधि के एक प्रमुख संकेतक - में जून में और गिरावट आई। सेवा पीएमआई जुलाई में संकुचन जारी रखते हुए 34.2 हो गया, हालांकि मंदी मई और जून रीडिंग के सापेक्ष सौम्य रही।

8. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 13 जुलाई 2020 को अप्रैल और मई 2020 के लिए सूचकांक के तयशुदा पुनः मुद्रित प्रिंट के साथ 2020 जून के महीने के लिए हेडलाइन सीपीआई पर डेटा जारी किया। जिससे अप्रैल और मई महीने के लिए खाद्य मुद्रास्फीति में तेजी से वृद्धि देखी गई। पहली तिमाही के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति अप्रैल में 10.5 प्रतिशत से घटकर जून 2020 में 7.3 प्रतिशत हो गई। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय केरोसिन और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के रूप में ईंधन मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। खाद्य और ईंधन को छोड़कर मुद्रास्फीति जून में 5.4 प्रतिशत थी, जो अधिकांश उप-समूहों में कीमतों में वृद्धि को दर्शाती है। परिवहन और संचार में मुद्रास्फीति, व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव, अखिल तंबाकू क्षेत्र और शिक्षा में जून में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। मार्च 2020 में 5.8 प्रतिशत पर आधारित सीपीआई मुद्रास्फीति को जून 2020 के अनंतिम अनुमानों में 6.1 प्रतिशत रखा गया।

9. लगातार दूसरे दौर के लिए, परिवारों की तीन महीने आगे की उम्मीदें अपने एक वर्ष आगे की उम्मीदों से ऊपर रहीं, जो लंबे क्षितिज पर कम मुद्रास्फीति की प्रत्याशा का संकेत है। इनपुट कीमतों पर उत्पादकों के मनोभाव मौन रहे क्योंकि उनका वेतन पर व्यय कम हुआ। रिजर्व बैंक के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण के अप्रैल-जून दौर में पहली तिमाही में उनकी बिक्री की कीमतें संकुचित रहीं। उत्पादन मूल्यों में संकुचन की पुष्टि विनिर्माण पीएमआई सर्वेक्षण में भाग लेने वाली फर्मों द्वारा भी की जाती है।

10. फरवरी 2020 से रिजर्व बैंक द्वारा पारंपरिक और अपरंपरागत उपायों के कारण घरेलू वित्तीय स्थितियों में काफी ढील दी गई है और प्रणालीगत चलनिधि बड़े अधिशेष में बनी हुई

है। संचयी रूप से, इन उपायों ने 9.57 लाख करोड़ रुपये या सकल घरेलू उत्पाद के 4.7 प्रतिशत तक की चलनिधि का आश्वासन दिया। इन घटनाक्रमों को दर्शाते हुए, मुद्रा की मांग में वृद्धि (23.1 प्रतिशत) से प्रेरित होकर वर्ष-दर-वर्ष आधार (31 जुलाई, 2020 तक) पर आरक्षित धन (आरएम) में 15.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, 17 जुलाई, 2020 को मुद्रा आपूर्ति (एम3) में वृद्धि 12.4 प्रतिशत थी। चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत औसत दैनिक निवल अवशोषण मई 2020 में 5.3 लाख करोड़ रुपये से जून में 4.1 लाख करोड़ रुपये तक कम हो गया क्योंकि सरकारी खर्च धीमा हो गया। जुलाई में, एलएएफ के तहत औसत दैनिक निवल अवशोषण 4.0 लाख करोड़ रुपये तक कम हो गया, क्योंकि सरकारी खर्च नियंत्रण में रहा। 2020-21 (31 जुलाई तक) के दौरान, खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) खरीद के माध्यम से 1,24,154 करोड़ रुपये उपलब्ध करवाए गए। चलनिधि को और अधिक समान रूप से संरचना में वितरित करने और पारेषण में सुधार करने के लिए, रिज़र्व बैंक ने 2 जुलाई 2020 को 10,000 करोड़ रुपये के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की एक साथ बिक्री और खरीद से जुड़ी 'ऑपरेशन ट्विस्ट' नीलामियां आयोजित कीं। इसके अलावा, रिज़र्व बैंक द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) और राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) को मई नीति के दौरान प्रदान की गई 22,334 करोड़ रुपये की पुनर्वित्त सुविधा में 31 जुलाई 2020 को 34,566 करोड़ रुपये तक वृद्धि की गई।

11. मार्च-जून 2020 के दौरान 91 बीपीएस की गिरावट के साथ नए रुपये ऋण पर भारित औसत उधार दर (डबल्यूएलआर) से बैंक ऋण दरों में संचरण में और सुधार हुआ है। समान परिपक्वता वाले जी-सेक की तुलना में 3-वर्षीय एएए रेटेड कॉर्पोरेट बॉन्ड का स्प्रेड 26 मार्च 2020 को 276 बीपीएस से घटकर जुलाई 2020 तक 50 बीपीएस हो गया। यहां तक कि सबसे कम निवेश ग्रेड बांड (बीबीबी-) के लिए, जुलाई 2020 तक स्प्रेड में 125 बीपीएस तक की कमी आई है। उधार की कम लागत ने 2020-21 की पहली तिमाही में ₹ 2.1 लाख करोड़ के कॉर्पोरेट बॉन्ड के प्राथमिक निर्गम का रिकॉर्ड बनाया है।

12. भारत का व्यापारिक निर्यात जून 2020 में लगातार चौथे महीने संकुचित हुआ, हालांकि कृषि और औषधि उत्पादों के शिपमेंट में सुधार पर गिरावट की गति मंद हुई है। जून में आयात में वैविध्यपूर्ण रूप से तेजी आई है, जो कमजोर घरेलू मांग और अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कम कीमतों को दर्शाता है। माल व्यापार संतुलन ने 18 वर्षों के अंतराल के बाद जून में अधिशेष (0.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर) दर्ज किया। चालू खाता शेष एक वर्ष पहले के 0.7 प्रतिशत की कमी की तुलना में 2019-20 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद के 0.1 प्रतिशत के सीमांत अधिशेष में बदल गया। वित्त पोषण की ओर, निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अप्रैल-मई 2020 में एक साल पहले के 7.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में मंद होकर 4.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। 2020-21 (31 जुलाई तक) में, इक्विटी में 5.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) एक वर्ष पहले यूएस 1.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक था। ऋण खंड में, हालांकि, इस अवधि के दौरान एक वर्ष पहले 2.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अंतर्वाह की तुलना में 4.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह थे। उसी अवधि के दौरान स्वैच्छिक अवधारण मार्ग के तहत निवल निवेश में 0.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2020-21 (31 जुलाई तक) में अब तक 56.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़कर 534.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है- जो आयात के 13.4 महीनों के बराबर है।

### संभावनाएं

13. COVID-19 के कारण खाद्य और गैर-खाद्य कीमतों दोनों के लिए निहितार्थ के साथ आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान एक अधिक अनुकूल खाद्य मुद्रास्फीति संभावना के रूप में उभर सकता है क्योंकि बम्पर रबी की फसल अनाज की कीमतों को कम करती है, खासकर तब जब उच्च खरीद की पृष्ठभूमि पर खुले बाजार में बिक्री और सार्वजनिक वितरण की कुल खरीद का विस्तार होता है। खरीफ फसलों और मानसून के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में अपेक्षाकृत सामान्य वृद्धि भी सौम्य मुद्रास्फीति की संभावनाओं का समर्थन कर रही है। बहरहाल, खाद्य कीमतों के लिए उच्च जोखिम बना हुआ है। प्रमुख सब्जियों में कीमतों के

दबाव की कमी में देरी है और आपूर्ति के सामान्य होने पर निर्भर बनी हुई है। दालों के मामले में तंग मांग-आपूर्ति संतुलन को देखते हुए प्रोटीन आधारित खाद्य पदार्थ एक दबाव बिंदु के रूप में भी उभर सकते हैं। हालांकि, गैर-खाद्य श्रेणियों की मुद्रास्फीति संभावनाएं अनिश्चितता से भरी हुई है। पेट्रोलियम उत्पादों पर उच्च घरेलू करों के परिणामस्वरूप घरेलू पंप कीमतों में वृद्धि हुई है और यह आगे वैविध्यपूर्ण लागत-जन्य दबावों को प्रकट करेगी। वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और बढ़ती परिसंपत्ति की कीमतें भी संभावनाओं को उच्च जोखिम प्रदान करती है। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, हेडलाइन मुद्रास्फीति 2020-21 की दूसरी तिमाही में उच्च रह सकती है, लेकिन बृहद अनुकूल आधार प्रभावों द्वारा सहायता प्राप्त कर 2020-21 की दूसरी छमाही में मंद हो सकती है।

14. संवृद्धि की संभावना की ओर रुख करें तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में रिकवरी मजबूत होने की उम्मीद है, जो खरीफ बुवाई में प्रगति से प्रभावित है। रिज़र्व बैंक के औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण में प्रतिक्रिया देने वाली विनिर्माण फर्मों को उम्मीद है कि घरेलू मांग दूसरी तिमाही से धीरे-धीरे ठीक होगी और 2021-22 की पहली तिमाही तक बनी रहेगी। दूसरी ओर, रिज़र्व बैंक के सर्वेक्षण के पूर्ववर्ती दौर के मुकाबले जुलाई में उपभोक्ता विश्वास अधिक निराशावादी हो गया है। वैश्विक मंदी और वैश्विक व्यापार में संकुचन के भार के तहत बाहरी मांग के सुस्त बने रहने की उम्मीद है। उपरोक्त कारकों को ध्यान में रखते हुए, दूसरी-चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी संवृद्धि मई के संकल्प में उल्लिखित वक्तव्यों के अनुसार विकसित होने की उम्मीद है। वर्ष 2020-21 तक, पूर्ण रूप से, वास्तविक जीडीपी विकास नकारात्मक होने की उम्मीद है। COVID-19 महामारी का एक प्रारंभिक नियंत्रण संभावनाओं को बदल सकता है। महामारी का अत्यधिक प्रसार, एक सामान्य मानसून के पूर्वानुमान से विचलन और वैश्विक वित्तीय बाजार की अस्थिरता, प्रमुख नकारात्मक जोखिम हैं।

15. दो महीने के अंतराल के बाद हेडलाइन मुद्रास्फीति की जून रिलीज़ और अप्रैल-मई के लिए सीपीआई के आरोपित प्रिंट ने मुद्रास्फीति के संभावनाओं में अनिश्चितता को जोड़ा है। एनएसओ ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण डेटा संग्रह के लिए चुनौतियों का सामना करते हुए व्यापार निरंतरता के उद्देश्य से इन आरोपण

(इंप्यूटेशन) के उत्पादन में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया है। हालांकि, एनएसओ ने अप्रैल और मई के लिए मुद्रास्फीति की दरें प्रदान नहीं की हैं। मौद्रिक सूत्रीकरण और आचरण के उद्देश्य से, एमपीसी का मानना है कि अप्रैल और मई के सीपीआई प्रिंट को सीपीआई श्रृंखला में विराम के रूप में माना जा सकता है।

16. एमपीसी ने उल्लेख किया कि अर्थव्यवस्था कठोर वैश्विक वातावरण में अभूतपूर्व तनाव का सामना कर रही है। चरम अनिश्चितता संभावनाओं की विशेषता है, जो महामारी की तीव्रता, प्रसार और अवधि पर टिकी हुई है - विशेष रूप से संक्रमण की एक दूसरी लहर के साथ जुड़े उच्च जोखिम- और टीके की खोज पर। इन स्थितियों में, अर्थव्यवस्था की रिकवरी का समर्थन मौद्रिक नीति के संचालन में प्रधान मान लिया गया है। इस उद्देश्य की खोज में, मौद्रिक नीति का निभावकारी रुख तब तक बना रहेगा जब तक कि विकास को पुनर्जीवित करना और अर्थव्यवस्था पर COVID-19 के प्रभाव को कम करना आवश्यक है। जबकि इस रुख के समर्थन में आगे की मौद्रिक नीति कार्रवाई के लिए जगह उपलब्ध है, अंतर्निहित आर्थिक गतिविधि के लिए लाभकारी प्रभावों को बढ़ाने के लिए इसका उपयोग विवेकपूर्ण और अवसरवादी रूप से करना महत्वपूर्ण है।

17. इसी समय, एमपीसी इस बात से अवगत है कि इसका प्राथमिक अधिदेश +/- 2 प्रतिशत के एक बैंड के भीतर 4 प्रतिशत के सीपीआई मुद्रास्फीति के मध्यम अवधि लक्ष्य को प्राप्त करना है। यह इसे भी स्वीकार करता है कि अप्रैल-मई, 2020 के हेडलाइन सीपीआई प्रिंट में और अधिक स्पष्टता की आवश्यकता है। वर्तमान समय में, मुद्रास्फीति का उद्देश्य अपने आप निम्न के कारण और अधिक अस्पष्ट है (क) पूर्वी भारत में बाढ़ और चल रहे लॉकडाउन संबंधी व्यवधानों के कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि; और (ख) पेट्रोलियम उत्पादों पर उच्च करों, दूरसंचार शुल्कों में वृद्धि, कच्चे माल की बढ़ती लागत जो स्टील की कीमतों के उच्च रिविज़न में दिखता है और सुरक्षित मांग (सेफ हेवेन डिमांड) के कारण सोने की कीमतों में वृद्धि के रूप में लागत-जन्य दबाव। मुद्रास्फीति की संभावनाओं के आस-पास की अनिश्चितता को देखते हुए और चल रही महामारी से एक अभूतपूर्व झटके के बीच अर्थव्यवस्था की अत्यंत कमजोर स्थिति को ध्यान में रखते हुए, बुद्धिमानी इसी में है कि ठहरा जाए और आने वाले आंकड़ों के प्रति सतर्क रहा जाए कि कैसे संभावनाएं स्पष्ट होती है।

18. इस बीच, फरवरी 2019 के बाद से 250 आधार अंकों की संचयी कमी अपने अनुसार अर्थव्यवस्था के लिए काम कर रही है, मुद्रा, बांड और क्रेडिट बाजारों में ब्याज दरों को कम कर रही है और स्प्रेड को संकीर्ण कर रही है। वित्तीय बाजारों के माध्यम से वित्तीय प्रवाह को सक्षम करते हुए, विशेषकर ऐसे समय में, जब बैंकों को अत्यधिक जोखिम है, वित्तीय स्थितियों में तनाव काफी कम हुआ है। तदनुसार, एमपीसी ने पॉलिसी दर के संबंध रुकने और अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार का समर्थन करने के लिए उपलब्ध अवसर का उपयोग करने हेतु मुद्रास्फीति में स्थायी गिरावट के लिए सतर्क रहने का निर्णय लिया है।

19. एमपीसी के सभी सदस्य डॉ. चेतन घाटे, डॉ. पामी दुआ, डॉ.रविंद्र एच. ढोलकिया, डॉ. मृदुल के. सागर, डॉ. माइकल देवव्रत पात्र और श्री शक्तिकांत दास ने सर्वसम्मति से नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने के लिए मतदान किया और यह सुनिश्चित करते हुए कि मुद्रास्फीति लक्ष्य के भीतर बनी रहे, विकास को पुनर्जीवित करने और अर्थव्यवस्था पर COVID-19 के प्रभाव को कम करने के लिए जब तक आवश्यक हो, तब तक के लिए निभावकारी रुख जारी रखा।

20. एमपीसी की बैठक के कार्यवृत्त 20 अगस्त 2020 तक प्रकाशित किए जाएंगे।



# विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर वक्तव्य

विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर वक्तव्य



## विकासात्मक और विनियामक नीतियों पर वक्तव्य

यह वक्तव्य वित्तीय बाजारों और अन्य हितधारकों के लिए चलनिधि समर्थन को बढ़ाने के लिए विभिन्न विकासात्मक और विनियामक नीति उपायों को निर्धारित करता है; ऋण क्षेत्र को मजबूत करते हुए COVID-19 व्यवधानों के कारण वित्तीय दबाव को और कम करना; ऋण के प्रवाह में सुधार; डिजिटल भुगतान को मजबूत करना; चेक भुगतान में ग्राहक सुरक्षा की बढ़ोतरी; और एक नवाचार हब के माध्यम से प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर वित्तीय क्षेत्र में नवाचारों की सुविधा प्रदान करना है।

### I. चलनिधि प्रबंधन और वित्तीय बाजार

#### 1. राष्ट्रीय आवास बैंक के लिए अतिरिक्त चलनिधि सुविधा

सभी भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई) - राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड); भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी); राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी); और एक्जिम बैंक को ₹ 65,000 करोड़ की कुल राशि के लिए विशेष पुनर्वित्त सुविधाएं - विभिन्न क्षेत्रों की वित्तपोषण आवश्यकताओं को पूरा करने में उनकी भूमिका का समर्थन करने के लिए प्रदान की गईं। मौजूदा परिस्थितियों में चलनिधि व्यवधानों से आवास क्षेत्र का परिरक्षण करने और इस क्षेत्र में वित्त के प्रवाह को बढ़ाने के लिए, एनएचबी को पहले से उपलब्ध कराए गए ₹ 10,000 करोड़ के अलावा ₹ 5,000 करोड़ की राशि - आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) को समर्थन देने के लिए अतिरिक्त स्थायी चलनिधि सुविधा (एएसएलएफ) प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह सुविधा एक वर्ष की अवधि के लिए होगी और आरबीआई की रेपो दर लगाया जाएगा।

#### 2. नाबार्ड के लिए अतिरिक्त चलनिधि सुविधा

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) को COVID-19 के कारण आई चुनौतियों का सामना करने के लिए कृषि कार्यों को समर्थन देने और कृषि क्षेत्र की उज्ज्वल संभावनाओं, इस कष्टकारी समय में रोजगार देने की इसकी क्षमता, और इसके पिछले और आगे की सहलग्नता के लिए अप्रैल 2020

में ₹ 25,000 करोड़ की चलनिधि सहायता प्रदान की गई थी। छोटे गैर-बैंक वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) और सूक्ष्म-वित्त संस्थानों द्वारा चलनिधि तक पहुंच प्राप्त करने के लिए सामना किए जा रहे दबाव को कम करने के लिए, अब नाबार्ड को एक वर्ष की अवधि के लिए, आरबीआई की नीतिगत रेपो दर पर ₹ 5,000 करोड़ की अतिरिक्त विशेष चलनिधि सुविधा (एएसएलएफ) प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ताकि ₹ 500 करोड़ या उससे कम की परिसंपत्ति आकार वाली एनबीएफसी-एमएफआई और अन्य छोटे एनबीएफसी को पुनर्वित्त प्रदान किया जाए और कृषि और संबद्ध गतिविधियों और ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित किया जा सके।

### 3. सीआरआर शेष प्रबंधन के लिए एक लचीले स्वचालित विकल्प को शुरू करना

बैंकों को अपने दिन की समाप्ति पर नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) शेष का प्रबंधन करने के लिए अधिक लचीलापन / अधिकार प्रदान करने के लिए रिजर्व बैंक एक वैकल्पिक सुविधा शुरू करेगा। ई-कुबेर प्रणाली में इस सुविधा का उपयोग करके, बैंक दिन की समाप्ति पर आरबीआई के साथ अपने चालू खाते में शेष राशि (विशिष्ट या कोई सीमा) निर्धारित कर सकते हैं। इस पूर्व निर्धारित राशि के आधार पर, सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) और रिवर्स रेपो बोलियां, जैसा भी मामला हो, दिन की समाप्ति में ऑटो-जनरेट किया जाएगा।

विस्तृत दिशानिर्देश अलग से जारी किए जा रहे हैं।

### II. विनियमन और पर्यवेक्षण

#### COVID-19 के आर्थिक पतन को कम करने के उद्देश्य से किए गए उपाय

पिछले कुछ महीनों में विनियामक ध्यान वित्तीय संस्थानों और उनके घटकों पर COVID-19 के तत्काल प्रभाव को कम करने के लिए उपयुक्त नीति प्रतिक्रियाओं को तैयार करने के लिए था। इन उपायों का उद्देश्य महामारी से प्रभावित उधारकर्ताओं को अस्थायी राहत प्रदान करना, साथ ही साथ वित्तीय प्रणाली के विभिन्न क्षेत्रों की चलनिधि की जरूरतों का समाधान, इसके लचीलेपन को बनाए रखते हुए करना था। रिजर्व बैंक इस दिशा में कोई भी आवश्यक उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसके

साथ ही वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। आगे, जैसे ही आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने की गति प्राप्त करती है, महामारी के कारण कई व्यवहार्य संस्थाओं के गहन नकदी प्रवाह / तुलन पत्रक दबाव उजागर हुए हैं और वित्तीय संस्थानों पर परिणामी प्रभाव को दूर करने के लिए उसकी पहचान करनी होगी।

#### 4. COVID-19-संबंधित दबाव के लिए समाधान ढांचा

एक सामान्य परिदृश्य में 7 जून 2019 का “दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान पर विवेकपूर्ण ढांचा” उधारकर्ता चूककर्ता का निवारण करने के लिए एक सिद्धांत-आधारित समाधान ढांचा प्रदान करता है। विवेकपूर्ण ढांचा के तहत कार्यान्वित कोई भी समाधान योजना, जिसमें उधारकर्ता की वित्तीय कठिनाई के कारण किसी भी रियायत को प्रदान करना शामिल है, वह यदि निर्धारित शर्तों के अधीन, स्वामित्व में परिवर्तन के साथ हो तो उसे छोड़कर परिसंपत्ति वर्गीकरण डाउनग्रेड करता है।

COVID-19 महामारी के कारण आर्थिक पतन ने देश भर में कई उधारकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय दबाव उत्पन्न कर दिया है। परिणामी दबाव संभावित रूप से बड़ी संख्या में फर्म जो मौजूदा प्रमोटर्स के तहत एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखते हैं, उनके नकदी प्रवाह उत्पादन क्षमताओं के सापेक्ष उनके ऋण के बोझ से असुरक्षित होने की चुनौती का सामना कर रहे हैं, उसे प्रभावित कर सकता है। इस तरह के व्यापक प्रसार प्रभाव पूरी वसूली प्रक्रिया को खराब कर सकते हैं, जिससे महत्वपूर्ण वित्तीय स्थिरता जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, वास्तविक क्षेत्र की गतिविधियों को पुनर्जीवित करने और अंतिम उधारकर्ताओं पर प्रभाव को कम करने के विचार के साथ, विवेकपूर्ण ढांचा के तहत एक विंडो प्रदान करने का निर्णय लिया गया है ताकि निर्दिष्ट शर्तों के अधीन, इस तरह के एक्सपोजर को मानक के रूप में वर्गीकृत कर, ऋणदाता को पात्र कॉर्पोरेट जोखिमों के संबंध में स्वामित्व में बदलाव के बिना और व्यक्तिगत ऋण के लिए समाधान योजना लागू करने में सक्षम बनाया जा सके। ऐसी शर्तों को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक माना जाता है कि यह समाधान विंडो की सुविधा केवल COVID-19 संबंधित दबावग्रस्त परिसंपत्तियों

के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा, वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के महत्वपूर्ण पहलू को भी उपयुक्त रूप से चित्रित किया गया है।

विनियामक पूर्वाभासों के उपयोग के संबंध में पिछले अनुभवों को देखते हुए, आवश्यक सुरक्षा उपायों को शामिल किया जा रहा है, जिसमें विवेकपूर्ण प्रवेश मानदंड, स्पष्ट रूप से परिभाषित सीमा स्थितियां, विशिष्ट अनिवार्य पारस्परिक संविदा, स्वतंत्र सत्यापन और सख्त कार्यान्वयन पश्चात कार्यनिष्पादन निगरानी शामिल हैं। स्थावर क्षेत्र की गतिविधियों को पुनर्जीवित करने और अंतिम उधारकर्ताओं पर प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से, यह ढांचा वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों, स्थानीय सरकारी निकायों (जैसे नगर निगम) और संसद या राज्य विधानमंडल के किसी भी निकाय के लिए उपलब्ध नहीं होगा।

वैयक्तिक ऋणों के अलावा अन्य जोखिमों के लिए समाधान ढांचे की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- केवल उन्हीं उधारकर्ताओं के खाते इस ढांचे के तहत समाधान के लिए पात्र होंगे जिन्हें मानक के रूप में वर्गीकृत किया गया था, लेकिन जो 1 मार्च 2020 तक किसी भी उधार देने वाली संस्था के साथ 30 दिनों से अधिक समय तक डिफॉल्ट रूप में न हो। इसके अलावा, आमंत्रण की तारीख तक खाते मानक बने रहने चाहिए। अब तक, अन्य सभी खातों पर, 7 वें विवेकपूर्ण ढांचा के तहत या जहां विवेकपूर्ण ढांचा लागू न हो, संबंधित निर्देश जो उधार देने वाले संस्थानों की विशिष्ट श्रेणी पर लागू होते हैं, समाधान के लिए विचार किया जा सकता है।
- समाधान योजना को 31 दिसंबर 2020 तक कभी भी लागू किया जा सकता है और इसे आमंत्रण की तारीख से 180 दिनों के भीतर लागू किया जाना चाहिए।
- ऋणदाताओं को समाधान के पश्चात ऋण पर 10 प्रतिशत के अतिरिक्त प्रावधान रखना होगा।
- सामूहिक कार्रवाई को लागू करने के लिए, समाधान योजना के आमंत्रण के लिए भी विशिष्ट मतदान सीमा निर्धारित की जा रही है; और जो उधार संस्थाएँ आमंत्रण की तारीख से

- 30 दिनों के भीतर इंटर-क्रेडिटर समझौते (आईसीए) पर हस्ताक्षर नहीं कर रही हैं, उन पर 20 का उच्च प्रावधान लगाया जाएगा।
- v. कार्यान्वयन के बाद, खाते का परिसंपत्ति वर्गीकरण मानक के रूप में बरकरार रखा जाएगा, या यदि खाता आमंत्रण के बाद, परंतु कार्यान्वयन से पहले एनपीए में चला गया हो तो, परिसंपत्ति वर्गीकरण को कार्यान्वयन पर बहाल किया जाएगा।
  - vi. रिजर्व बैंक एक विशेषज्ञ समिति का गठन कर रहा है (अध्यक्ष: श्री के.वी. कामथ) जो अपेक्षित वित्तीय मापदंडों पर, साथ ही ऐसे मापदंडों के लिए क्षेत्र विशेष बेंचमार्क श्रेणियों, जिसे प्रत्येक समाधान योजनाओं में शामिल किया जा सके के लिए रिजर्व बैंक को सिफारिश करेगा। इस संबंध में रिजर्व बैंक द्वारा सिफारिशों पर विचार करने के बाद अंतिम अधिसूचना जारी की जाएगी।
  - vii. विशेषज्ञ समिति एक निर्दिष्ट सीमा से ऊपर के खातों के लिए समाधान योजनाओं का एक प्रक्रिया सत्यापन भी करेगी।
  - viii. उधार देने वाले संस्थान ऋण के अवशिष्ट कार्यकाल के विस्तार की अनुमति भुगतान स्थगन के साथ या बिना, लेकिन दो वर्ष से कम की अवधि के लिए दे सकते हैं।
  - ix. जहां-जहां समाधान योजनाओं में ऋण के एक हिस्से को इक्विटी और अन्य ऋण लिखतों में परिवर्तित करना शामिल है, ऋण के समान शर्तों वाले ऋण उपकरणों को समाधान के बाद के ऋण के हिस्से के रूप में गिना जाएगा, जबकि अन्य गैर-इक्विटी उपकरणों में परिवर्तित किया गया भाग पूरी तरह से अवलेखित किया जाएगा।
  - x. संघ या बहु बैंकिंग व्यवस्था वाले खातों के संबंध में, उधारकर्ता द्वारा सभी रसीदें; उधारकर्ता द्वारा उधार देने वाली संस्थाओं को सभी चुकौतियाँ; साथ ही सभी अतिरिक्त संवितरण, यदि कोई हो, तो समाधान योजना के एक भाग के रूप में उधारकर्ता संस्थानों द्वारा उधारकर्ता

को, उधार देने वाले संस्थानों में से एक के साथ रखे गए एस्करो खाते के माध्यम से भेजा जाएगा।

वैयक्तिक ऋण के संबंध में, एक अलग रूपरेखा निर्धारित की जा रही है। इस ढांचे के तहत वैयक्तिक ऋण के लिए समाधान योजना 31 दिसंबर 2020 तक लागू की जा सकती है और इसके बाद 90 दिनों के भीतर कार्यान्वित की जाएगी। हालांकि, उधार देने वाली संस्थाओं को पात्र मामलों में शीघ्र आमंत्रण के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वैयक्तिक ऋणों के मामले में समाधान योजना को लागू करने की समयसीमा का आकलन किया जाएगा, क्योंकि बड़े कॉर्पोरेट एक्सपोजर के विपरीत, एक्सपर्ट कमेटी द्वारा तीसरे पक्ष के सत्यापन, या क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा, या आईसीए की आवश्यकता नहीं होगी। योजना की रूप-रेखा का निर्धारण ऋण की अवशिष्ट अवधि के विस्तार, भुगतान अधिस्थगन के साथ या इसके बिना, दो वर्ष से कम की अवधि तक, बोर्ड द्वारा उधारदाताओं के अनुमोदित नीतियों के आधार पर किया जा सकता है।

इस संबंध में दिशानिर्देश आज जारी किए जा रहे हैं।

### 5. एमएसएमई ऋण का पुनर्गठन

31 दिसंबर 2020 तक कार्यान्वित पुनर्गठन के अधीन ऐसे एमएसएमई, जो डिफॉल्ट में थे लेकिन 1 जनवरी 2020 तक 'मानक' थे, के लिए एक पुनर्गठन ढांचा पहले से ही तैयार कर लिया गया है। इस योजना ने बड़ी संख्या में एमएसएमई को राहत प्रदान की है। हालांकि, एमएसएमई क्षेत्र में तनाव COVID-19 के प्रभाव के कारण बढ़ गया है।

एमएसएमई के सार्थक पुनर्गठन के लिए निरंतर समर्थन की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, यह निर्णय लिया गया है कि, एमएसएमई उधारकर्ताओं के संबंध में, जिन्हें महामारी के आर्थिक पतन के कारण तनाव का सामना करना पड़ रहा है, उधार देने वाली संस्थाएं मौजूदा ढांचे के तहत अपने ऋण के पुनर्गठन करेगी, बशर्ते संबंधित ऋणदाता के साथ उनके खातों को 1 मार्च 2020 तक मानक के रूप में वर्गीकृत किया गया हो। इस पुनर्गठन को 31 मार्च 2021 तक लागू करना होगा।

इस संबंध में दिशानिर्देश आज अलग से जारी किए जाएंगे।

### 6. स्वर्ण आभूषण और गहने के एवज में अग्रिम

मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार, गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए सोने के आभूषणों और गहनों को गिरवी रखने के एवज में बैंकों द्वारा स्वीकृत ऋण सोने के आभूषणों और गहनों के मूल्य का 75 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। परिवारों, उद्यमों और छोटे कारोबारों पर COVID-19 के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से, यह निर्णय लिया आया है कि गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए सोने के आभूषणों और गहनों को गिरवी रखने के एवज में लिए गए ऋण के लिए मूल्य की तुलना में अनुमेय ऋण (एलटीवी) को 75 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दिया जाए। यह छूट 31 मार्च 2021 तक उपलब्ध रहेगी।

इस संबंध में दिशानिर्देश आज अलग से जारी किए जाएंगे।

### 7. बड़े उधारकर्ताओं द्वारा बहु परिचालन खातों के उपयोग को व्यवस्थित करना

विभिन्न उपायों के माध्यम से उधारकर्ताओं को आवश्यक राहत प्रदान करने के लिए ऋण देने वाली संस्थाओं को अनुमति देते समय, क्रेडिट अनुशासन को मजबूत करने के लिए उचित उपाय करना भी आवश्यक माना जाता है। यह पाया गया है कि उधारकर्ताओं द्वारा बहु परिचालन खातों का उपयोग, दोनों चालू खातों के साथ-साथ नकद क्रेडिट (सीसी) / ओवरड्राफ्ट (ओडी) खाते, क्रेडिट अनुशासन का दुरुपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। चालू खातों को खोलने के लिए मौजूदा ढांचे में लगाए गए चेक और बैलेंस अपर्याप्त हैं।

अतः, बहु बैंकों से ऋण सुविधा प्राप्त करने वाले ग्राहकों के लिए चालू खातों और CC / OD खातों को खोलने के लिए उपयुक्त सुरक्षा उपायों के माध्यम से उपरोक्त चिंताओं का समाधान करने का निर्णय लिया गया है।

इस संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

उपरोक्त उपायों से यह भी अपेक्षित है कि उधारकर्ताओं के खातों में तनाव के त्वरित समाधान के लिए लेनदारों द्वारा सामूहिक क्रियाओं में अपेक्षित अनुशासन लाया जाए, जो COVID-19-

संबंधित तनाव के लिए संकल्प ढांचा के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण होगा, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है।

### 8. डेट म्यूचुअल फंड और डेट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स में बैंकों द्वारा निवेश – बाजार जोखिम हेतु ऋण प्रभार

आरबीआई के मौजूदा बेसल III दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि कोई बैंक सीधे ऋण लिखत रखता है, तो उसे म्यूचुअल फंड (एमएफ) / एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) के माध्यम से उसी ऋण लिखत की तुलना में कम पूंजी आवंटित करनी होगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि इक्विटी पर लागू होने वाले विशिष्ट जोखिम ऋण प्रभार को म्यूचुअल फंड / ईटीएफ में निवेश के लिए लागू किया जाता है; जबकि यदि बैंक को ऋण लिखत सीधे रखना था, तो ऋण लिखत की प्रकृति और रेटिंग के आधार पर विशिष्ट जोखिम पूंजी प्रभार लगाया जाता है। अतः वर्तमान में मौजूदा अंतर उपचार के सामंजस्य का निर्णय लिया गया है। उसी समय, यह देखा गया है कि एमएफ / ईटीएफ ऋण में इक्विटी जैसे ही विशेषताएं हैं, क्योंकि एमएफ / ईटीएफ टोकरी में ऋण प्रतिभूतियों में से एक के डिफॉल्ट होने की स्थिति में भी फंड पर अक्सर गंभीर मोचन दबाव होता है। इस तथ्य के बावजूद कि टोकरी में अन्य ऋण प्रतिभूतियां उच्च गुणवत्ता की हैं। इसलिए, यह निर्णय लिया गया है कि 9 प्रतिशत के सामान्य बाजार जोखिम शुल्क को लागू रहने दिया जाएगा। इस प्रकार, बाजार जोखिम के लिए कुल पूंजी प्रभार की गणना में ऋण और इक्विटी दोनों लिखतों के तत्वों को शामिल किया जाएगा। इससे बैंकों के लिए पर्याप्त पूंजी की बचत होगी और इससे बॉन्ड बाजार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस संबंध में परिपत्र अलग से जारी किया जा रहा है।

### III. वित्तीय समावेशन

#### 9. प्राथमिकता क्षेत्र उधार दिशानिर्देशों की समीक्षा

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी प्राथमिकता क्षेत्र उधार (पीएसएल) दिशानिर्देशों की पिछली समीक्षा अप्रैल 2015 में की गई थी। उभरती हुई राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ दिशानिर्देशों को संरेखित करने और समावेशी विकास पर तीव्र ध्यान देने के

लिए, सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद दिशानिर्देशों की समीक्षा की गई है। संशोधित दिशानिर्देशों का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में मदद करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल ऋण नीतियों को प्रोत्साहित करना और समर्थन करना है।

प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के प्रवाह में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के उद्देश्य से, बैंकों के लिए एक प्रोत्साहन ढांचा तैयार किया गया है। जबकि पहचान किए गए जिलों में वृद्धिशील प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के लिए अधिक महत्व दिया जाएगा जहां ऋण प्रवाह तुलनात्मक रूप से कम है, और पहचान किए गए जिलों में वृद्धिशील प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के लिए कम महत्व दिया जाएगा जहां क्रेडिट प्रवाह तुलनात्मक रूप से अधिक है।

अन्य परिवर्तनों में स्टार्ट-अप को शामिल करने के लिए पीएसएल के दायरे को व्यापक बनाना; सौर ऊर्जा और संपीडित बायो गैस संयंत्रों सहित नवीकरणीय ऊर्जा के लिए सीमा बढ़ाना; और 'लघु और सीमांत किसानों' और 'कमजोर वर्गों' को ऋण देने के लिए लक्ष्य बढ़ाना शामिल है।

इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे।

#### IV. भुगतान और निपटान प्रणाली

##### 10. कार्ड और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करके ऑफलाइन खुदरा भुगतान की योजना

मोबाइल फोन, कार्ड, वॉलेट आदि का उपयोग कर डिजिटल भुगतान में काफी वृद्धि हुई है। इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी या इंटरनेट की कम गति, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में, डिजिटल भुगतान को अपनाने में एक प्रमुख बाधा है। इस पृष्ठभूमि के विरुद्ध, कार्ड, वॉलेट और मोबाइल उपकरणों के माध्यम से ऑफ-लाइन भुगतान का एक विकल्प प्रदान करने से डिजिटल भुगतान को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। रिजर्व बैंक ऑफलाइन भुगतान समाधान विकसित करने के लिए संस्थाओं को प्रोत्साहित कर रहा है। अतः, यह प्रस्तावित है कि ऑफ-लाइन मोड में छोटे मूल्य के भुगतान के लिए एक पायलट स्कीम की अनुमति दी जाए, जिसमें यूजर्स के हितों की सुरक्षा, देयता संरक्षण इत्यादि के लिए बिल्ट-इन फीचर्स हों।

इस संबंध में निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे। प्राप्त अनुभव के आधार पर, योजना के रोल-आउट के लिए विस्तृत दिशा-निर्देशों की घोषणा की जाएगी।

##### 11. डिजिटल भुगतान के लिए ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर)

जैसे-जैसे डिजिटल लेनदेन की संख्या में काफी वृद्धि होती है, विवादों और शिकायतों की संख्या में एक सहवर्ती वृद्धि होती है। समय पर और प्रभावी तरीके से उनसे निपटने के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित निवारण तंत्रों जो नियम-आधारित, पारदर्शी हैं और न्यूनतम (या नहीं) मैनुअल हस्तक्षेप वाले हों का सहारा लेना आवश्यक है। तदनुसार, रिजर्व बैंक को चरणबद्ध तरीके से ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) सिस्टम लागू करने के लिए भुगतान प्रणाली ऑपरेटरों (पीएसओ) की आवश्यकता होगी। शुरुआत में, अधिकृत पीएसओ को अपने संबंधित भुगतान प्रणालियों में विफल लेनदेन के लिए ओडीआर सिस्टम को लागू करने की आवश्यकता होगी। प्राप्त अनुभव के आधार पर, ओडीआर व्यवस्था को अन्य प्रकार के विवादों और शिकायतों के लिए विस्तारित किया जाएगा।

इस संबंध में निर्देश आज जारी किए जाएंगे।

##### 12. चेक के लिए सकारात्मक भुगतान तंत्र

चेक समाशोधन के लिए चेक ट्रंकेशन सिस्टम (सीटीएस) ऑपरेशनल पैन-इंडिया है और वर्तमान में मात्रा और मूल्य के संदर्भ में कुल खुदरा भुगतानों का 2 प्रतिशत और 15 प्रतिशत कवर करता है; वर्तमान में सीटीएस में समाशोधन किया गया चेक का औसत मूल्य ₹ 82,000 है। चेक के पन्नों पर न्यूनतम सुरक्षा सुविधाओं को निर्दिष्ट करने वाला सीटीएस-2010 मानक चेक धोखाधड़ी के खिलाफ एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जबकि चेक फॉर्म पर फ़िल्ड प्लेसमेंट का मानकीकरण ऑप्टिकल / छवि वर्ण पहचान तकनीक के उपयोग द्वारा सीधे-थ्रू-प्रोसेसिंग सक्षम बनाता है। चेक भुगतान में ग्राहक सुरक्षा को और बढ़ाने और चेक पत्तियों से छेड़छाड़ के कारण होने वाली धोखाधड़ी की घटनाओं को कम करने के लिए, ₹ 50,000 और उससे अधिक के सभी चेक के लिए सकारात्मक भुगतान का एक तंत्र शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इस तंत्र के तहत, चेक जारी करने के समय उसके ग्राहक द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर चेक को भुगतान बैंक के भुगतान के लिए संसाधित किया जाएगा। यह उपाय देश में मात्रा और मूल्य के आधार पर जारी किए गए कुल चेकों के लगभग क्रमशः 20 प्रतिशत और 80 प्रतिशत को कवर करेगा।

इसके लिए परिचालन संबंधी दिशानिर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

### **13. रिजर्व बैंक नवाचार हब का निर्माण**

रिजर्व बैंक ने वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में संस्थाओं द्वारा जिम्मेदार नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास किया है। विनियामक सैंडबॉक्स ढांचा हाल ही में एक ऐसी पहल थी जिसमें डिजिटल पेमेंट पहला दल (कोहार्ट) था। सैंडबॉक्स के तहत छह प्रस्तावों को स्वीकार किया गया था, जिसका वर्तमान COVID-19 स्थिति के कारण पायलट अध्ययन / परीक्षण में देरी हुई है। वित्तीय क्षेत्र में नवाचार के बारे में सोचते समय साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स, डिलीवरी प्लेटफॉर्म, भुगतान सेवाएँ आदि जैसे क्षेत्र सबसे आगे रहते हैं। प्रौद्योगिकी

को बढ़ावा देते हुए वित्तीय क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने और एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए जो नवाचार को सुविधाजनक और बढ़ावा देगा, रिजर्व बैंक भारत में एक नवाचार हब स्थापित करेगा। नवाचार हब नई क्षमताओं के विचार और ऊष्मायन के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो नवोन्मेषी और व्यवहार्य वित्तीय उत्पादों को निर्मित करने और/ या गहन वित्तीय समावेशन के व्यापक उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए, कुशल बैंकिंग सेवाओं, आपातकाल में व्यापार निरंतरता और उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने आदि के लिए लगाया जा सकता है। नवाचार हब विनियामक रेमिट्स और राष्ट्रीय सीमाओं को विस्तारित करते हुए क्रॉस-थिंकिंग का समर्थन करेगा, बढ़ावा देगा।

## भाषण

क्या भारतीय अर्थव्यवस्था में गतिमान परिवर्तन हो रहे हैं?  
शक्तिकांत दास

भारतीय अर्थव्यवस्था निर्णायक मोड़  
पर: वित्तीय स्थिरता की दृष्टि से विवेचन  
शक्तिकांत दास



## क्या भारतीय अर्थव्यवस्था में गतिमान परिवर्तन हो रहे हैं?\*

शक्तिकांत दास

भारतीय उद्योग महापरिसंघ (सीआईआई) राष्ट्रीय परिषद, के सदस्यों के साथ इस चर्चा में मुझे शामिल करने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मुझे यह देख कर खुशी हो रही है कि उदय कोटक, श्री टीवी नरेंद्रन, श्री संजीव बजाज, श्री चंद्रजीत बनर्जी और अन्य प्रमुख सदस्यों के सक्षम और दूरदर्शी नेतृत्व में 2020-21 में सीआईआई ने अपने कार्य और विचार प्रक्रियाओं को एक नए विषय के केंद्र में रखा है - नए विश्व के लिए भारत का निर्माण: जीवन, जीविका, संवृद्धि।

वर्तमान में कोविड-19 हर चर्चा का एक अपरिहार्य विषय हो गया है। हर तरफ़ इस कर्व को फ्लैट करने; एक मारीचिकेय टीके के आगमन; जीवन व जीविका को बचाने और होने वाले आर्थिक समुत्थान के आकार को लेकर प्रश्नों की बाढ़ सी है। ये प्रश्न दिन-रात हमारा पीछा कर रहे हैं और अभी तक कोई विश्वसनीय उत्तर नहीं है। अभी के लिए बस एक बात पक्की है कि हमें अदृश्य दुश्मन के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़नी है और जीत कर निकलना है।

आज मैंने सोचा कि इस अनिश्चित वर्तमान से कुछ अलग हटकर भारतीय अर्थव्यवस्था में गतिमान परिवर्तनों पर कुछ चिंतन किया जाए। हो सकता है कि महामारी के सर्वग्रासी चिंतन के कारण इन पर हमारा ध्यान न गया हो। परंतु हो सकता है इनमें संभावना पल रही हो सुधार की, पुनर्निर्माण की और विकास की आकांक्षाओं के साथ हमारी मुलाकात को कोई एक नया रूप देने की। ये परिवर्तन कुछ समय से घटित हो रहे हैं और अभी अपने प्रारंभिक दौर में हैं। इनको समझने और इन परिवर्तनों का हमारे भविष्य को आकार देने में जो हाथ हो सकता है उसका मूल्यांकन करने के लिए आपको जरा पीछे हटकर एक अधिक मध्यावधि दृष्टि लेनी होगी। अपने संबोधन में मैं ऐसे पाँच प्रमुख गतिमान परिवर्तनों की चर्चा करना चाहूँगा: (i) भाग्य चक्र

का कृषि क्षेत्र की तरफ मुड़ना; (ii) ऊर्जा क्षेत्र के घटकों का नवीकरणीय विकल्पों के पक्ष में जाना (iii) संवृद्धि को गति देने के लिए सूचना व संचार प्रौद्योगिकी(आईसीटी) तथा स्टार्ट-अप्स का उपयोग (iv) घरेलू और वैश्विक दोनों की आपूर्ति व मूल्य श्रृंखलाओं में परिवर्तन और (v) और संवृद्धि की गति बढ़ाने वाली बुनियादी संरचना।

### I. भाग्य चक्र का कृषि क्षेत्र की तरफ मुड़ना

यह बिलकुल सपष्ट है कि भारतीय कृषि में परिवर्तन आया है। पिछले दशक में 3.6 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए 2019-20 में खाद्यान्न का उत्पादन 296 मिलियन टन पर पहुंच गया। बागबानी उत्पादन भी पिछले 10 वर्षों में 4.4% की वार्षिक औसत दर से बढ़ते हुए 320 मिलियन टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर आ गया। भारत विश्व में अब दूध, अनाजों, दालों, सब्जियों, फलों, मछली, मुर्गी एवं मवेशी के अग्रणी उत्पादकों में से एक है। अन्न का वर्तमान बफर स्टॉक 91.6 मिलियन टन का है जो बफर के मानक से 2.2 गुना अधिक है। ये उपलब्धियां मेरी दृष्टि में वर्तमान परिदृश्य में आशा की सबसे प्रखर किरणें हैं।

व्यापार की शर्तों का कृषि के पक्ष में जाना वह कुंजी है जो इस गतिशील परिवर्तन को कायम रखेगी और कृषि में सकारात्मक आपूर्ति प्रतिसाद पैदा करेगा। अनुभव दिखलाता है कि व्यापार की शर्तें कृषि के अनुकूल रहीं तो कृषि जीवीए की वार्षिक औसत वृद्धि 3% से अधिक रही है। अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य मुख्य साधन रहा है किंतु सबक यह रहा है कि कीमत संबंधी प्रोत्साहन महंगे, अपर्याप्त और स्वरूप बिगाड़ने वाले भी रहे हैं। भारत अब एक ऐसे चरण में पहुँच गया है जहाँ अधिशेष प्रबंधन (सरप्लस मैनेजमेंट) एक बड़ी चुनौती बन गया है। नीति के स्तर पर हमें ऐसी रणनीतियां अपनानी होंगी जिसमें उपभोक्ताओं के लिए वाजिब कीमतें हों और किसानों की आय भी बढ़े।

एक कुशल घरेलू आपूर्ति श्रृंखला यहाँ महत्वपूर्ण हो जाती है। तदनुसार, अब उन प्रमुख सुधारों का लाभ उठाने पर ध्यान देना होगा जो कृषि में निःशुल्क व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए किए जा रहे हैं। पहला, आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसीए) में संशोधन से वेयर हाउस, प्रशीतन गृह (कोल्ड

\* श्री शक्तिकांत दास, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक - 27 जुलाई, 2020 को भारतीय उद्योग महापरिसंघ (सीआईआई) राष्ट्रीय परिषद, मुंबई को संबोधन।

स्टोरेज), तथा बाजार-स्थलों के साथ-साथ आपूर्ति-शृंखला अवसंरचना में निजी निवेश को प्रोत्साहन की प्रत्याशा है। दूसरा, कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सुगमन) अध्यादेश [फार्मर्स प्रोड्यूस ट्रेड एंड कॉमर्स (प्रमोशन एंड फेसिलिटेशन) ऑर्डिनेंस] 2020 का लक्ष्य कृषि उत्पाद में बाधा-रहित व्यापार को सुविधाजनक बनाना है। तीसरा, फार्मर्स (एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन) एग्रीमेंट ऑन प्राइस एस्योरेंस एंड फार्म सर्विसेज ऑर्डिनेंस, 2020, कृषकों को प्रोसेसर, एग्रीगेटर्स, थोकविक्रेता, बड़े फुटकर विक्रेता तथा निर्यातकों से प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से लेन-देन का अधिकार देगा। इस सशक्तिकारी कानूनी ढांचे के साथ ध्यान इन बातों पर केंद्रित किया जाना चाहिए: (ए) फसलों का विविधीकरण, जलभक्षी (अधिक पानी पीने वाली) फसलों (वाटर गजलर्स) पर जोर कम, (बी) खाद्यान्न प्रसंस्करण जो कृषि उत्पाद की निधानी आयु (शेल्फ लाइफ़) को बढ़ाए तथा फसल कटने के बाद बरबादी में कमी लाए; (सी) कृषिगत निर्यात जो भारतीय किसानों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की शर्तों एवं प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में सक्षम बनाए तथा (डी) कृषि क्षेत्र में सरकारी और निजी पूंजी निर्माण। कृषक आय को दुगुना करने से संबंधित समिति की प्रत्याशा है कि कृषि में निजी निवेश 2015-16 के ₹61000 करोड़ रूपए से बढ़कर 2022-23 तक ₹139,424 करोड़ हो जाएगा। इन सभी प्रयासों ने उद्योग और व्यवसाय के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोल दी है। रोजगार सृजन और किसानों की आय में इसके परिणाम स्वरूप होने वाली वृद्धि बहुत बड़ी हो सकती है।

## II. नवीकरणीय ऊर्जा की ओर मुड़ता ऊर्जा उत्पादन का स्वरूप

अवसर का ऐसा ही आकाश अब ऊर्जा क्षेत्र में मौजूद है, विशेषतः नवीकरणीय ऊर्जा में। बिजली के क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के असंतुलन को दूर करने में भारत की प्रगति उल्लेखनीय रही है। यह ऊर्जा अधिशेष वाला देश बन गया है जो पड़ोसी देशों को बिजली का निर्यात करता है। 2015-16 से 2019-20 के बीच भारत में बिजली की मांग औसतन 3.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि आपूर्ति 4.5% के औसत दर से तथा इसी अवधि में स्थापित क्षमता 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी।

नवीकरणीय ऊर्जा की भूमिका विशेष उल्लेखनीय है। समग्र स्थापित क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा का अंश मार्च 2015 के अंत के 11.8 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2020 के अंत में दुगुना होकर 23.4 प्रतिशत हो गया। विगत 5 वर्षों में कुल स्थापित क्षमता में कुल वृद्धि का 66.6% नवीकरणीय ऊर्जा के रूप में रहा है जिसने विद्युत के वृद्धिशील उत्पादन में 33.6 प्रतिशत का योगदान दिया है। इस उछाल का लगभग 90 प्रतिशत सौर और पवन ऊर्जा से आया है। इस शानदार प्रगति ने भारत के लिए 2030 तक कुल ऊर्जा उत्पादन में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा बढ़ाकर 40% करने के लक्ष्य की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है। हरित ऊर्जा की ओर जाने से कोयला आयात बिल घटेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे, नए निवेश का सतत प्रवाह सुनिश्चित होगा और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ विकास को बढ़ावा मिलेगा।

नवीकरणीय ऊर्जा की उत्पादन लागत में बड़ी कमी ऊर्जा मिश्रण में बदलाव को बढ़ाने वाला एक बड़ा कारक रहा है। फलतः दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में नवीन क्षमता सृजन में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की तकनीकें न्यूनतम लागत वाला विकल्प बन गई हैं। नवीकरणीय क्षमता में वृद्धि की भारित औसत लागत 2019 में भारत में दुनिया में सबसे कम रही। इसने बिजली की हाजिर (स्पॉट) कीमतों पर उल्लेखनीय अधोमुखी दबाव डालना शुरू कर दिया है।

आगे चलकर यह उल्लेखनीय प्रगति, ऊर्जा क्षेत्र के महत्वपूर्ण बदलाव में परिणत हो सकती है जिसमें विनियमन, विकेंद्रीकरण और सक्षम मूल्य संधान शामिल होंगे। वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) के लिए नवीकरणीय क्रय दायित्व (आरपीओ), बढ़े हुए मूल्यहास लाभ व्यवहारिकता अंतराल निधियन (वायाबिलिटी गैप फंडिंग) और ब्याज दर अनुदान जैसे वित्तीय प्रोत्साहनों के रूप में नीतिगत हस्तक्षेपों को पुनर्विचार/समीक्षा से गुजरना होगा। वाणिज्य, तकनीकी और संचरण क्षतियों में कमी लाते हुए बिजली के खुदरा वितरण में सुधार एक प्रमुख चुनौती बना हुआ है। अन्य क्षेत्रों के लिए क्रॉस-सब्सिडी का उन्मूलन और आपूर्ति की औसत लागत (एसीएस) एवं प्राप्त औसत राजस्व (एआरआर) में अंतराल मिटाने के लिए त्वरित

डिस्कॉम सुधारों (निजीकरण और स्पर्धा सहित) की आवश्यकता होगी। जब और जहाँ नवीकरणीय स्रोत उत्पन्न हो वहाँ से सप्लाई ले सकने वाले एक राष्ट्रव्यापी ग्रीड एकीकरण की जरूरत है ताकि नवीकरणीय स्रोतों से संबंधित दैनिक व मौसमी उतार-चढ़ाव को संभाला जा सके। नवीकरणीय ऊर्जा माध्यमों में ये गतिमान परिवर्तन भारत की प्रति व्यक्ति बिजली खपत को बढ़ाने में सहायक हो सकता है जो विश्व में न्यूनतम में से एक है। यहाँ भी भारतीय उद्योग को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

### III. संवृद्धि को गति देने के लिए सूचना व संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) तथा स्टार्ट-अप्स का उपयोग

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) पिछले दो दशकों से अधिक समय से भारत की आर्थिक प्रगति का एक इंजन रहा है। गत वर्ष आईसीटी उद्योग ने भारत की जीडीपी में लगभग 8% का योगदान दिया तथा शहरी व ग्रामीण दोनों इलाकों में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा रोजगार निर्माता रहा। 2019-20 में अमेरिका को यूएस \$ 93 बिलियन के सॉफ्टवेयर निर्यात ने भारत के कुल सेवा निर्यात में से 44% का योगदान दिया और विगत 5 वर्षों में भारत के पण्य व्यापार घाटे का 51% फाइनेंस किया।

हालाँकि, नजर में आने वाले ये प्रमुख आँकड़े (हेडलाइन नंबर) अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र के योगदान को ठीक से नहीं बता पाते। आईटी ने सभी क्षेत्रों में कार्य प्रक्रियाओं में क्रांति ला दी है और चारों ओर उत्पादकता लाभ उत्पन्न किए हैं। आईसीटी क्रांति ने भारत को ज्ञान आधारित समाधानों के एक सक्षम, विश्वसनीय और कम लागत वाले आपूर्तिकर्ता के रूप में वैश्विक मानचित्र पर ला खड़ा किया है। भारतीय आईटी फर्म कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), रोबोटिक्स तथा ब्लॉकचेन टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल करते हुए एप्लीकेशंस का विकास करने में सबसे आगे हैं। इसने एक नवोन्मेष/नवप्रवर्तन केंद्र (इनोवेशन हब) के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने में मदद की है, जिसमें कई स्टार्ट-अप्स ने यूनीकॉर्न स्टेटस (यूएस \$ 1 बिलियन का वैल्यूएशन) प्राप्त किया है। भारत ने 2019 में 7 नए यूनीकॉर्न देकर, कुल गिनती 24 तक पहुँचा दी, जो विश्व में तीसरा सबसे बड़ा है<sup>1</sup>।

‘स्टार्ट-अप इंडिया’ अभियान देश के युवा उद्यमियों की क्षमताओं को पहचान प्रदान करता है तथा इसका लक्ष्य उन्हें एक सहायक परितंत्र (इकोसिस्टम) उपलब्ध कराना है। ट्रेक्ससीएन डेटाबेस के अनुसार, भारतीय टेक स्टार्ट-अप को मिलने वाली फंडिंग 2019 में यूएस \$ 16.3 बिलियन को छू गई, जो एक साल पहले के स्तर से 40 प्रतिशत से अधिक है। हेल्थटेक और फिनटेक जहाँ अग्रणी क्षेत्र हैं, सभी सेक्टरों और बाजारों में उद्यमी अवसरों का लाभ उठा रहे हैं, और इस परितंत्र की गहराई और व्यापकता को बढ़ा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत में स्टार्ट-अप का एक बड़ा हिस्सा छोटे और मंझोले व्यवसायों तथा निम्न व मध्यम आय वर्गों को सेवा दे रहा है।

कोविड-19 ने स्टार्टअप्स के परिदृश्य को प्रभावित किया है, विशेषतः व्यापक रूप से फैली हुए जोखिम विमुखता के माहौल के कारण धन (फंड) की उपलब्धता के मामले में। कोविड-19 से पहले भी, एक वैश्विक तकनीकी मंथन चल रहा था, जिसमें कंपनियां गतानुगतिक (लीगेसी) हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सिस्टम पर खर्च कम कर रही थीं, लेकिन डिजिटल टेक्नॉलॉजियों और कंप्यूटिंग/विश्लेषणात्मक क्षमताओं में तेजी से प्रगति हो रही थी। दुनिया के अग्रणी आउटसोर्सिंग केंद्र के रूप में भारत की पोजीशन के लिए वैसी अन्य विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से भयंकर प्रतिस्पर्धा तेजी से एक चुनौती बनकर उभर रही है जो किफायती आईटी सेवाएं प्रदान कर सकती हैं। वैश्विक स्तर पर, वर्क परमिट और आप्रवास (इमिग्रेशन) नीतियों से संबंधित नियामक अनिश्चितता भी चुनौतियों को बढ़ा सकती है। इस क्षेत्र को डेटा गोपनीयता और डेटा सुरक्षा के मुद्दों से भी निपटना है।

सृजनात्मक विध्वंस एक मजबूत गतिशील अर्थव्यवस्था की एक अभिन्न विशेषता है। इस प्रक्रिया आगे बढ़ाने और इसके परिणामों को संभालने में आईटी सेक्टर सबसे अच्छी स्थिति में है। किसी जिले में पनपने वाली नई फर्मों की संख्या और वहाँ के सकल घरेलू उत्पाद के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है<sup>2</sup>। भारत में अधिक रोजगार सृजन और उच्च उत्पादकता वाले आर्थिक विकास के लिए युवा फर्मों और स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देना

<sup>1</sup> नैस्कॉम: इंडियन स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, 2019 (नवंबर)।

<sup>2</sup> आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20, अध्याय 2 और 3, भारत सरकार।

महत्वपूर्ण होगा। संसाधन और नीतिगत ध्यान को इस दिशा में मोड़ना आवश्यक होगा। नवोन्मेष तथा विचारों को पोषण देकर मूर्त रूप देने की क्षमता प्रमुख चुनौती होगी। इस संदर्भ में निजी उद्यम और निवेश की भूमिका पासा पलटने वाली होगी।

#### IV. आपूर्ति / मूल्य श्रृंखला में बदलाव - घरेलू और वैश्विक

एक प्रतिस्पर्धी बाजार अर्थव्यवस्था में, एक कुशल आपूर्ति श्रृंखला आर्थिक कल्याण को बढ़ा सकती है। आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत उत्पादनोत्तर एवं उत्पादन-पूर्व सहबद्धताओं (फॉरवर्ड एंड बैकवर्ड लिंकेज) वाले क्षेत्रों में निवेश से अधिक उत्पादन, आय और रोजगार पैदा हो सकता है। फलतः, ऐसे क्षेत्रों की पहचान रणनीतिक नीतिगत हस्तक्षेप के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। मजबूत अंतर-क्षेत्रीय अंतर्निर्भरता घरेलू मूल्य श्रृंखलाओं की सक्षमता बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) में किसी देश की स्थिति को मजबूत करने से खुलेपन के लाभों को बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। जीवीसी में किसी उत्पाद के प्रारंभिक चरण से लेकर उसकी डिजाइनिंग, उत्पादन, विपणन, वितरण और बिक्री के बाद सपोर्ट सर्विसेज़ से शुरू होने वाली गतिविधियों की पूरी श्रृंखला समाहित है जिसमें विभिन्न देशों में स्थित कई फर्म और श्रमिक शामिल हो सकते हैं। किसी देश की जीवीसी की भागीदारी जितनी अधिक होगी, व्यापार (ट्रेड) से उतने ही अधिक लाभ होंगे क्योंकि इसमें शामिल देश जीवीसी में दूसरों के तुलनात्मक लाभ से लाभान्वित हो सकते हैं। जीवीसी के माध्यम से दो-तिहाई से अधिक विश्व व्यापार होता है।

विश्व बैंक (2020)<sup>3</sup> के शोध निष्कर्ष बताते हैं कि जीवीसी भागीदारी में एक प्रतिशत की वृद्धि किसी देश की प्रति व्यक्ति आय स्तर को एक प्रतिशत से अधिक बढ़ा सकती है। जीवीसी भागीदारी सूचकांक के अनुसार भारत का जीवीसी एकीकरण (कुल सकल निर्यात के अनुपात में 34.0 प्रतिशत), आसियान देशों (कुल सकल निर्यात के अनुपात में 45.9 प्रतिशत) की तुलना में कम है। इसे बदलने की जरूरत है।

कोविड -19 और अन्य घटनाओं के फलस्वरूप जीवीसी में वैश्विक परिवर्तनों से भारत के लिए अवसर पैदा होंगे। आयात

<sup>2</sup> वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट (2020), "ट्रेडिंग फॉर डेवलपमेंट इन द एज ऑफ वैल्यू चेन्स", वर्ल्ड बैंक।

के स्रोतों के विविधिकरण पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, अधिक रणनीतिक व्यापार एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना भी आवश्यक हो सकता है जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और यूनाइटेड किंगडम के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का जल्दी पूरा किया जाना शामिल होगा।

#### V. संवृद्धि की गति बढ़ाने वाली बुनियादी संरचना

विगत पाँच वर्षों में भारत में भौतिक आधारभूत संरचना में हुई प्रगति को किसी गतिमान परिवर्तन से कमतर नहीं देखा जाना चाहिए। भारत में परिवहन के प्राथमिक माध्यम, सड़क का निर्माण 2015-16 के 17 किमी प्रतिदिन से बढ़कर गत वर्षों में लगभग 29 किमी प्रतिदिन हो गया है। 142 एयरपोर्टों वाला भारत नागर विमानन का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार है। वर्ल्ड इकनॉमिक फ़ोरम के ग्लोबल कम्पीटीटिवनेस रिपोर्ट 2019 में एयरपोर्ट संपर्क (कनेक्टिविटी) में भारत चौथे स्थान पर है। फरवरी 2020 में दूरसंचार में, समग्र टेली-घनत्व (प्रति 100 व्यक्तियों पर टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या) 87.7 प्रतिशत थी। भारत में इंटरनेट और ब्रॉडबैंड पैठ में तेजी से वृद्धि हुई है। कुल ब्रॉडबैंड कनेक्शन 2014 के 610 लाख से दस गुना बढ़कर फरवरी 2020 में 6811 लाख तक पहुँच गए जिससे इंटरनेट ट्रैफिक में बड़ा विस्तार हुआ है। मासिक डेटा की खपत में भारत दुनिया में अग्रणी है जहाँ प्रति माह प्रति ग्राहक (सब्सक्राइबर) औसत खपत 2014 के 62 एमबी से 168 गुना बढ़कर 2019 के अंत में 10.4 जीबी हो गई। डेटा की लागत भी दुनिया में निम्नतम में से एक है जिससे लाखों लोगों को इंटरनेट किफायत पर मिल रहा है।

नौपरिवहन उद्योग (शिपिंग इंडस्ट्री) बाह्य पण्य वस्तु व्यापार के रीढ़ की हड्डी है क्योंकि लगभग 95 प्रतिशत व्यापारिक मात्रा (ट्रेडिंग वॉल्यूम) समुद्री मार्गों से जहाजों के माध्यम से पहुँचाई जाती है। भारतीय बंदरगाहों की औसत प्रतिवर्तन अवधि (टर्नएराउंड टाइम), जो क्षमता का सूचक मानी जाती है, 2012-13 के 102.0 घंटों से सुधरकर 2018-19 में 59.5 घंटे हो गई। बिजली क्षेत्र की उपलब्धियों के बारे में पहले ही कह चुका हूँ। रेलवे में पूर्वी व पश्चिमी समर्पित माल दुलाई मार्ग (ईस्टर्न एंड वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडॉर्स) का तेजी से

विकास किया जा रहा है जिससे माल ढुलाई प्रभार (फ्रेट चार्ज) में काफ़ी कमी आने की संभावना है। 2019-20 में कुल 15 महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी की गईं जिनकी ट्रेक लंबाई लगभग 562 किमी होगी तथा 2019-20 में कुल 5782 रूट किमी का रेलवे विद्युतीकरण भी पूरा किया गया। शहरी सामूहिक परिवहन की मेट्रो रेल परियोजनाओं में भी भारत ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

इस प्रगति के बावजूद, बुनियादी ढांचे में अभी भी बड़ी कमी बनी हुई है। नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, देश को 2030 तक बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए लगभग \$ 4.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होगी। बुनियादी ढांचे के लिए वित्त पोषण के विकल्पों के मामले में, बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में बैंकों के अत्यधिक एक्सपोजर के नतीजों से हम अभी उबर ही रहे हैं। स्पष्ट रूप से वित्तपोषण विकल्पों में विविधता लाने की आवश्यकता है। 2015 में नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) की स्थापना इस दिशा में नीतिगत स्तर पर एक प्रमुख रणनीतिक कदम है। कॉरपोरेट बॉन्ड मार्केट को बढ़ावा, दबावग्रस्त एसेट्स की समस्या के लिए बाजार आधारित समाधान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिभूतिकरण तथा उचित मूल्य निर्धारण और उपयोगकर्ता प्रभार (यूजर चार्ज) की वसूली आदि विषयों की नीतिगत स्तर पर प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए।

स्वर्णिम चतुर्भुज की तरह, कुछ लक्षित विशाल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की दिशा में एक बड़ा प्रयास अर्थव्यवस्था में फिर से प्राण फूँक सकता है। इसकी शुरुआत उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम एक्सप्रेसवे के रूप में उच्च गति रेल मार्ग के साथ हो सकती है, जो कि अर्थव्यवस्था के कई अन्य क्षेत्रों तथा रेल / सड़क नेटवर्क के आसपास के क्षेत्रों के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादनोत्तर व उत्पादनपूर्व सहबद्धताएं (बैकवर्ड एंड फॉरवर्ड लिकेज) उत्पन्न करेगा। सार्वजनिक और निजी दोनों तरह के निवेश हमारे बुनियादी ढांचे में निवेशों के वित्तपोषण के लिए महत्वपूर्ण होंगे। भारतीय उद्योग महापरिसंघ (सीआईआई) इस संबंध में एक रचनात्मक भूमिका निभा सकता है।

आज के अपने संबोधन में, एक महामारी की दुश्चिंता से बोझिल परिदृश्य से अलग हटकर मैंने आशावाद की ओर जाने की कोशिश की है। अपनी अर्थव्यवस्था के इन गतिमान बदलावों को संरचनात्मक परिवर्तनों में रूपांतरित करना होगा जिसका फायदा हमारी अर्थव्यवस्था को बड़े पैमाने पर मिले और राष्ट्रों के समूह में भारत को एक अग्रणी स्थान दिलाने में सहायक हों। इनमें कठिन परीक्षा की चुनौती है पर बड़े लाभ भी हैं। यह एक मौन क्रांति हो सकती है जिसमें भारतीय उद्योग की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। क्या सीआईआई इसको नेतृत्व दे सकता है? मैं आपको ये विचार दिए जा रहा हूँ और दे रहा हूँ चुनौती, सपने देखने की।

धन्यवाद।



# भारतीय अर्थव्यवस्था निर्णायक मोड़ पर: वित्तीय स्थिरता की दृष्टि से विवेचन\*

शक्तिकांत दास

आप सभी को नमस्कार। प्रमुख वक्ता के रूप में मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं भारतीय स्टेट बैंक का आभारी हूँ। इस वर्चुअल सम्मेलन के आयोजकों के प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ। वर्चुअल सम्मेलन अब एक सामान्य बात बन गई है। कोविड-19 के आर्थिक प्रभाव के विरुद्ध देश के प्रतिकार में आज बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाएं सबसे आगे हैं। रिज़र्व बैंक के मौद्रिक, नियामक और अन्य नीतिगत उपायों के वे प्रसारण चैनल हैं। वे सरकार द्वारा घोषित वित्तीय अवलंब उपायों (बैंकस्टॉप मेज़र्स) के कार्यान्वयन का माध्यम भी हैं।

पिछले 100 वर्षों में कोविड-19 महामारी का प्रकोप, सबसे भयावह स्वास्थ्य और आर्थिक संकट है जिसके कारण उत्पादन, रोजगार और स्वास्थ्य पर अप्रत्याशित नकारात्मक परिणाम हुए हैं। इसने मौजूदा विश्व व्यवस्था, वैश्विक मूल्य श्रृंखला, विश्व में श्रम और पूंजी की आवाजाही तथा विश्व जनसंख्या के बड़े वर्ग की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को क्षतिग्रस्त कर दिया है।

कोविड-19 महामारी, हमारी आर्थिक और वित्तीय प्रणाली की मजबूती और पुनरुत्थानशीलता की अब तक की शायद सबसे बड़ी परीक्षा है। आज हम जिन असाधारण परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, उनमें केंद्रीय बैंकों की भूमिका के संबंध में इतिहास हमें कुछ उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। केंद्रीय बैंक को अंतिम ऋणदाता (एलओएलआर) की भूमिका देने वाले बागहॉट के सिद्धांत<sup>1</sup> से सीख लेते हुए हमारी वित्तीय प्रणाली की रक्षा और मौजूदा संकट में वास्तविक अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए

\* भारतीय स्टेट बैंक द्वारा 11 जुलाई 2020 को आयोजित 7वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव में भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास का संबोधन।

<sup>1</sup> वाल्टर बागहॉट (1873), लोम्बार्ड स्ट्रीट: ए डिस्क्रिप्शन ऑफ मनी मार्केट (न्यूयॉर्क: चार्ल्स रिबनर्स सन्स)

भारतीय रिज़र्व बैंक ने कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपाय किए हैं। हमारे नीतिगत प्रतिसादों की अंतिम सफलता जहाँ कुछ समय बाद ही पता चलेगी, वहीं अब तक वे प्रभावी प्रतीत होते हैं। अर्थव्यवस्था को संकट से बाहर निकाल लाने के इरादे और समर्पण को दोहराते हुए, मैं अपने नीतिगत उपायों के कुछ प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डालना चाहूँगा।

## I. मौद्रिक नीति उपाय

कोविड-19 के प्रकोप से पहले ही, फरवरी 2019 में और महामारी की शुरुआत के बीच रेपो दर में 135 आधार अंकों की संचयी कटौती के साथ, मौद्रिक नीति ने उदार रुख अपनाया था। मौद्रिक नीति के रुख में इस विशेष बदलाव का प्रमुख तर्काधार मंदी को विकास की गति में परिवर्तित करना था, जबकि बेमौसम बारिश के चलते 2019-20 की दूसरी छमाही में खाद्य मुद्रास्फीति में अल्पकालिक उछाल आया था। इस नीतिगत रुख के अनुरूप, जून 2019 से ही चलनिधि की स्थिति को भी पर्याप्त अधिशेष में रखा गया था। इन उपायों के विलंबित प्रभाव आर्थिक गतिविधियों में एक चक्रीय परिवर्तनों की शुरुआत करने ही वाले थे कि कोविड-19 की विनाशकारी आपदा ने, लोगों के जीवन और आजीविका दोनों को ही खतरे में डाल दिया।

कोविड वक्र की स्थिति के बारे में अनिश्चितता को देखते हुए, उभरते हुए आर्थिक जोखिमों का पूर्वानुमान लगाना तथा नीति उपायों की एक व्यापक रेंज का उपयोग करते हुए बड़े पैमाने पर अग्रसक्रिय मौद्रिक नीति कार्रवाई करना बहुत ही महत्वपूर्ण था ताकि नीतिगत कदमों का असर हो। तेजी से बदलते समष्टि आर्थिक वातावरण और वृद्धि के बिगड़ते परिदृश्य के कारण मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की ऑफ-साइकिल बैठकों की आवश्यकता पड़ी - पहले मार्च में और फिर मई 2020 में। एमपीसी ने इन दोनों बैठकों में नीति रेपो रेट में 115 आधार अंकों की कटौती करने का निर्णय लिया, जिसके परिणामस्वरूप फरवरी 2019 के बाद से कुल नीतिगत दर में 250 आधार अंकों की कमी आई है।

### चलनिधि उपाय

रिज़र्व बैंक द्वारा, बाजार विश्वास बहाल करने, चलनिधि दबाव को समाप्त करने, वित्तीय स्थितियों को सहज बनाने, ऋण बाजारों से नियंत्रण हटाने और उत्पादक प्रयोजनों की आवश्यकता वाले लोगों के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रवाह बढ़ाने के उद्देश्य से पारंपरिक और गैरपारंपरिक मौद्रिक नीति और चलनिधि उपाय किए गए हैं। इसका व्यापक उद्देश्य वित्तीय स्थिरता को बनाए रखते हुए वृद्धि की जोखिमों को कम करना था। रिज़र्व बैंक द्वारा फरवरी 2020 से घोषित चलनिधि उपाय लगभग ₹9.57 लाख करोड़ (2019-20 के अभिहित (नॉमिनल) जीडीपी के लगभग 4.7 प्रतिशत के बराबर) हैं।

### II. वित्तीय स्थिरता और विकासात्मक उपाय

रिज़र्व बैंक की विभिन्न नियामक और पर्यवेक्षी कदमों के कारण महामारी के प्रारंभ में देश की वित्तीय प्रणाली एक बहुत बेहतर स्थिति में थी। हमने ऋण अनुशासन को मजबूत करने और ऋण संकेंद्रण को कम करने के लिए कई उपायों को लागू करने के अलावा दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए एक ढांचा तैयार किया था। वर्ष 2015-16 और 2019-20 के बीच पाँच वर्षों के लिए, सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कुल ₹3.08 लाख करोड़ रुपये लगाए थे। रिज़र्व बैंक और सरकार दोनों के प्रयासों के परिणामस्वरूप बैंकिंग प्रणाली में दबावग्रस्त आस्तियों में गिरावट आई थी और पूंजी की स्थिति में सुधार हुआ था। उपलब्ध आँकड़ों (जिनमें से कुछ अनंतिम हैं) के अनुसार, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का समग्र पूंजी पर्याप्तता अनुपात मार्च 2019 के 14.3 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2020 में 14.8 प्रतिशत था। पीएसबी के जोखिम भारत आस्तियों का अनुपात (सीआरएआर) मार्च 2019 के 12.2 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2020 में 13.0 प्रतिशत हो गया था। मार्च 2020 में एससीबी का सकल अनर्जक आस्ति (एनपीए) अनुपात और शुद्ध एनपीए अनुपात मार्च 2019 के क्रमशः 9.1 प्रतिशत और 3.7 प्रतिशत की तुलना में 8.3 प्रतिशत और 2.9 प्रतिशत था। प्रोविजन कवरेज अनुपात (पीसीआर) मार्च 2019 के 60.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2020 में 65.4 प्रतिशत हो गया जो जोखिम अवशोषण क्षमता के

संदर्भ में उच्च लचीलापन का संकेत देता है। वर्ष के दौरान एससीबी की लाभप्रदता में भी सुधार हुआ था। 31 मार्च 2020 तक गैर बैंक वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) का सकल और शुद्ध एनपीए 31 मार्च 2019 की स्थिति 6.1 प्रतिशत और 3.3 प्रतिशत की तुलना में से 6.4 प्रतिशत और 3.2 प्रतिशत रहा। वर्ष 2019-20 के दौरान उनका सीआरएआर 20.1 प्रतिशत से मामूली घटकर 19.6 प्रतिशत रह गया।

### पर्यवेक्षी और विनियामकीय पहल

रिज़र्व बैंक की पर्यवेक्षी पहल का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य ऐसी प्रणालियों और संरचनाओं को लागू करना रहा है जो वित्तीय संस्थाओं की कमजोरियों की पहचान, आकलन और सक्रिय रूप से प्रबंधन करे या इनमें कमी लाए। वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर सकने वाली घटनाओं के आकलन के आधार पर पिछले एक वर्ष के दौरान, रिज़र्व बैंक ने विनियमन और पर्यवेक्षण के लिए एक समग्रतात्मक दृष्टिकोण स्थापित करने के उद्देश्य से अपने विनियामक और पर्यवेक्षी कार्यों को पुनर्गठित किया है। एकीकृत दृष्टिकोण का उद्देश्य बैंकों और एनबीएफसी के बढ़ते आकार, जटिलताओं और अंतर-संबद्धता को देखना है। इसका उद्देश्य उन संभाव्य प्रणालीगत जोखिमों को भी प्रभावी ढंग से दूर करना है जो संभावित पर्यवेक्षी या विनियामक अंतरपणन के कारण उत्पन्न हो सकते हैं। इसके अलावा, जोखिम भरे संस्थाओं और प्रथाओं पर बेहतर ध्यान देने के लिए; पर्यवेक्षी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उपकरणों और प्रौद्योगिकी की उचित रेंज का प्रयोग करने के लिए; और पर्यवेक्षित संस्थाओं में चिंता के चिह्नित क्षेत्रों पर क्षैतिज या विषयगत अध्ययन करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए एक नपी-तुली पद्धति तैयार की गई है जो पर्यवेक्षण कार्य में आवश्यक प्रतिरूपता (मॉड्यूलरिटी) और स्केलेबिलिटी दे। उभरते जोखिमों को पहचानने और समय पर कार्रवाई हेतु पर्यवेक्षित संस्थाओं की कमजोरियों का आकलन करने के लिए, नपी-तुली पर्यवेक्षी पद्धति की धुरी के रूप में रिज़र्व बैंक ने अपने ऑफ-साइट निगरानी तंत्र को मजबूत किया है। व्यक्तिगत और तकनीकी दोनों आसूचना की सहायता से हम पर्यवेक्षी बाजार आसूचना क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

रिज़र्व बैंक द्वारा कमजोर संस्थाओं की विशेष देखभाल से ऐसी संस्थाओं की अब बगैर हालचल गहरी निगरानी और सफल समाधान में सहायता मिलती है। यस बैंक का समय पर और सफल समाधान इसका उदाहरण है। सभी संभव विकल्प समाप्त होने के बाद और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने और वित्तीय प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करने की दृष्टि से, जब बैंक की निवल मालियत पॉजिटिव थी, हमने उचित समय पर हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया था। यस बैंक पुनर्निर्माण योजना ने भारत की अग्रणी वित्तीय संस्थाओं के बीच एक अनूठी सार्वजनिक-निजी भागीदारी की। इसे बहुत ही कम समय में लागू किया गया था, जिससे बैंक के पुनरुद्धार में मदद मिली, बैंक के जमाकर्ताओं के हितों की सफलतापूर्वक रक्षा की गई और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित हुई। मैं भारतीय स्टेट बैंक को इस पहल का नेतृत्व करने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। पंजाब और महाराष्ट्र सहकारी बैंक के संबंध में, रिज़र्व बैंक सभी हितधारकों के साथ एक व्यावहारिक समाधान खोज रहा है, चूँकि घाटा बहुत अधिक है जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक जमाराशि की हानि हुई है।

एनबीएफसी के मामले में, उभरते जोखिमों की पहचान तथा त्वरित कार्रवाई हेतु हितधारकों के साथ सक्रिय जुड़ाव उपयोगी रहा। उनके बढ़ते आकार और परस्पर जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए रिज़र्व बैंक ने एनबीएफसी के जोखिम प्रबंधन और चलनिधि प्रबंधन ढाँचे को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। जैसा कि आप जानते हैं, ₹5,000 करोड़ रुपये से अधिक के आकार वाले एनबीएफसी को एक कार्यात्मक रूप से स्वतंत्र मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) नियुक्त करने को कहा गया है जिनकी भूमिका और जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट हों। साथ ही, सरकार के स्वामित्व वाली एनबीएफसी को रिज़र्व बैंक के ऑन-साइट निरीक्षण ढाँचे और ऑफ-साइट निगरानी के तहत लाया गया है। 1 अगस्त, 2019 से प्रभावी भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 में संशोधन ने एनबीएफसी को बेहतर ढंग से विनियमित और पर्यवेक्षण करने की रिज़र्व बैंक की क्षमता को मजबूत किया है। इसके अलावा, कुछ बड़े एनबीएफसी और कुछ खास समस्याओं से ग्रसित एनबीएफसी पर लगातार कड़ी नजर रखी जाती है।

शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के मामले में उनके संचालन में कमजोरियों की पहचान जल्दी करने के लिए जोखिम आधारित तथा सक्रिय पर्यवेक्षी दृष्टिकोण की ओर बढ़ने के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। कमजोर बैंकों की समय पर पहचान तथा उसपर उचित कार्रवाई के लिए एक दबाव-परीक्षण ढांचा युक्त पूर्व चेतावनी प्रणाली बनाई गई है। यूसीबी को चलनिधि, पूंजी, आईटी और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करने के लिए एक 'छत्र संगठन' के गठन को मंजूरी दी गई है। क्रेडिट संकेंद्रण को कम करने के लिए यूसीबी की एक्सपोजर सीमा को कम किया गया है तथा प्राथमिकता क्षेत्र के लक्ष्यों को काफी बढ़ाया गया है ताकि यूसीबी अपने मुख्य क्षेत्र-अर्थात्, सूक्ष्म और छोटे उधारकर्ता पर केंद्रित रहें। भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 और बैंकारी विनियमन अधिनियम, 1949 में हाल ही में किए गए संशोधनों से क्रमशः एनबीएफसी और यूसीबी की हमारी पर्यवेक्षण प्रक्रियाओं में सहायता मिलेगी।

#### महामारी के संबंध में प्रतिसाद

महामारी के प्रतिसाद के रूप में, रिज़र्व बैंक ने कई उपाय किए हैं जो पहले से ही लोग जानते हैं। इसके अलावा, रिज़र्व बैंक इस पर भी ध्यान दे रहा था कि सभी विनियमित संस्थाओं द्वारा कोविड-19 संबंधी आकस्मिक प्रतिसाद को तेजी से लागू किया जाए ताकि व्यवधानों को कम किया जा सके। तदनुसार, संकट की शुरुआत से ही, नीतिगत उपायों का उद्देश्य परिचालन संबंधी मुद्दों और विशेष रूप से, वित्तीय बाजार के इन्फ्रास्ट्रक्चर की कारोबार निरंतरता और निर्बाध संचालन सुनिश्चित करना रहा। रिज़र्व बैंक ने अपने कार्यों के लिए एक विस्तृत कारोबार निरंतरता योजना लागू की और साथ ही यह सुनिश्चित किया कि बैंक भी अपनी कारोबार निरंतरता योजनाएं लागू करें। 16 मार्च, 2020 को हमने सभी बैंकों को महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का जायजा लेने और अपने कारोबार निरंतरता योजना (बीसीपी) को फिर से देखने को कहा। सभी संस्थाओं को यह भी सूचित किया गया कि वे अपनी बैलेंस शीट, आस्ति गुणवत्ता और चलनिधि पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करें, और अपने जोखिमों के प्रबंधन हेतु तत्काल आकस्मिक उपाय करें।

चूंकि लॉक-डाउन ने हमारी ऑन-साइट पर्यवेक्षी जांच को एक हद तक बाधित किया है, हम अपने ऑफ-साइट निगरानी तंत्र को और विस्तार दे रहे हैं। ऑफ साइट निगरानी प्रणाली का उद्देश्य यदि कोई संकट हो तो उस 'संकट को भाँपना', तथा अग्रसक्रिय कार्रवाई शुरू कर पाना है। इसके लिए संभावित कमजोरियों पर बाजार आसूचनाओं के उपयोग और वित्तीय संस्थाओं के साथ सतत संपर्क की आवश्यकता है। ऑफ-साइट मूल्यांकन फ्रेमवर्क, जो मैक्रो और माइक्रो वेरिफेबल्स को ध्यान में रखता है, अधिक विश्लेषणात्मक व भविष्योन्मुखी है और इसका उद्देश्य कमजोर क्षेत्रों, उधारकर्ताओं और साथ ही पर्यवेक्षित संस्थाओं की पहचान करना है।

रिजर्व बैंक द्वारा अपनाए गए बहुआयामी दृष्टिकोण ने जहाँ बैंकों को महामारी के तत्काल प्रभाव से दूर रखा है, वहीं मध्यावधि परिदृश्य अनिश्चित है और कोविड-19 की दिशा पर निर्भर करता है। मध्यावधि नीतिगत कार्रवाई के लिए एक सजग आकलन की आवश्यकता होगी कि संकट कैसे फैल रहा है। बफर का निर्माण और पूंजी जुटाना केवल ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए ही नहीं बल्कि वित्तीय प्रणाली में सृदृढ़ता निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। हमने हाल ही में (19 जून और 1 जुलाई, 2020) सभी बैंकों, जमाराशि स्वीकार न करने वाले एनबीएफसी (₹5,000 करोड़ रुपये की आस्ति आकार वाली) और सभी जमा राशि स्वीकार करने वाले एनबीएफसी को कहा है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में अपनी बैलेंस शीट, आस्ति गुणवत्ता, चलनिधि, लाभप्रदता और पूंजी पर्याप्तता पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करें। इस तरह के दबाव परीक्षण के परिणाम के आधार पर, बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को हानि कम करने के संभावित उपाय तैयार करने को कहा गया है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ पूंजी योजना, पूंजी जुटाने और आकस्मिक चलनिधि योजना शामिल हो। उद्देश्य यह है कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को ऋण की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखा जाए।

### III. प्रमुख चुनौतियां

भविष्य की बात करें तो, वित्तीय प्रणाली में कुछेक बिंदुओं पर दबाव रहेगा जिनकी ओर विनियामकीय और नीतिगत ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होगी ताकि जोखिम को कम किया जा सके। इस वैश्विक महामारी के आर्थिक कुप्रभाव – लॉकडाउन और लॉकडाउन के पश्चात आर्थिक संवृद्धि में अनुमानित गिरावट – के परिणामस्वरूप अनर्जक आस्तियाँ (एनपीए) बढ़ सकती हैं और

बैंकों की पूंजी का क्षरण संभव है। इसलिए, पीएसबी और निजी बैंकों (पीवीबी) के पुनः पूंजीकरण की योजना तैयार करना आवश्यक हो गया है। हालांकि, समग्र एनबीएफसी क्षेत्र तो फिर भी मजबूत दिख सकता है, लेकिन एनबीएफसी और म्यूचुअल फंडों पर पड़ने वाले मोचन दबाव पर करीब से नज़र रखने की आवश्यकता है। म्यूचुअल फंड एनबीएफसी द्वारा जारी किए जाने वाले बाजार लिखतों में सबसे बड़े निवेशक के तौर पर उभरे हैं और इसी वजह से एक प्रतिकूल फीडबैक लूप विकसित हो गया है जिससे जुड़े प्रणालीगत जोखिम से निपटने के लिए लक्षित नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक हो गया है। बैंक उधार में एनबीएफसी की बढ़ती हिस्सेदारी और एनबीएफसी तथा आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के सम्मुख बाजार आधारित उधार की उपलब्धता की निरंतर बनी हुई समस्या पर भी सावधानीपूर्वक नज़र रखने की भी आवश्यकता है।

वर्ष 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट और कोविड-19 महामारी ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया है कि वित्तीय प्रणाली के सम्मुख अनुगामी जोखिम शायद ही कभी मूर्त रूप लेंगे। जोखिम की घटनाओं की प्रायिकता का वितरण दर्शाता है कि अनुगामी जोखिमों को दर्शाने वाला हिस्सा जितना हम सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा समतल है। वित्तीय प्रणाली को लगने वाले झटके बढ़े हैं क्योंकि पूरे जीवनकाल में एकाध बार होने वाली घटनाओं की आवृत्ति एक दशक के अंतराल पर घटित होने वाली घटनाओं से भी ज्यादा हो गयी है। तदनुसार, बैंकों की न्यूनतम पूंजी अपेक्षाएं, जिनका आकलन बीते वर्षों में हुई नुकसान की घटनाओं के आधार पर किया जाता है, अब वित्तीय नुकसान को सहन कर सकने में पर्याप्त नहीं मानी जा सकतीं। न्यूनतम पूंजी अपेक्षाओं को पूरा करना आवश्यक है, लेकिन यह वित्तीय स्थिरता की गारंटी नहीं है। इसलिए, यह अत्यावश्यक हो गया है कि जोखिम की घटनाओं की बढ़ी हुई बारंबारता, उनकी विविधता और उनके अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव को देखते हुए बैंकों में जोखिम प्रबंधन का दृष्टिकोण उसी के अनुरूप विकसित किया जाए। बैंकों को वह पुरानी कहावत याद रखनी होगी कि सावधानी और परिश्रम से ही भाग्य का निर्माण होता है। ऑस्कर वाइल्ड को उद्धृत करते हुए कह सकते हैं कि बिना किसी तैयारी के खतरा झेलना पड़े तो इसे दुर्भाग्य कहा जाएगा, परंतु अगर हम अनजान बने रहकर एक से ज्यादा बार किसी जोखिम में पड़ते हैं तो इसे लापरवाही कहा जाएगा<sup>2</sup>

<sup>2</sup> मूल उद्धरण ऑस्कर वाइल्ड द्वारा लिखे गए इम्पोर्टेंस ऑफ बिइंग एरनेस्ट नामक नाटक से है।

पहले से ही उठाए गए कई कदमों के बावजूद, मध्यम से दीर्घावधि में उभरने वाले अनेक मुद्दों का समाधान तलाशने की दिशा में हमेशा सुधार की गुंजाइश रहती है। ये मुद्दे एनबीएफसी और अन्य वित्तीय मध्यस्थों के लिए भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने कि बैंकों के लिए। रिज़र्व बैंक का पर्यवेक्षी दृष्टिकोण जोखिमों की पहचान करने, मापने और उन्हें कम करने के लिए वित्तीय संस्थानों की क्षमता विकसित करने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। नया पर्यवेक्षी दृष्टिकोण दो-आयामी होगा - पहला, पर्यवेक्षणाधीन संस्थाओं की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना; और दूसरा, आरंभिक चेतावनी संकेतों की पहचान करने और तदनुसार सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करना।

आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, अब अधिक जोर कमजोरियों के कारणों पर दिया जा रहा है न कि लक्षणों पर। कमजोर बैंकों के लक्षण आमतौर पर खराब आस्ति गुणवत्ता, लाभप्रदता में कमी, पूंजी में क्षरण, अत्यधिक कर्जभार, अत्यधिक जोखिमपूर्ण ऋण, खराब आचरण और चलनिधि से जुड़ी चिंताएं हैं। ये विभिन्न लक्षण अक्सर एक साथ उभरते हैं। वित्तीय संस्थानों में आने वाली कमजोरी का कारण आमतौर पर निम्नलिखित स्थितियों में से कोई एक या अधिक हो सकती है: वर्तमान व्यापारिक वातावरण को देखते हुए अनुपयुक्त व्यापार मॉडल; लचर या अनुचित अभिशासन और विश्वास कायम करने से जुड़े कार्यों; वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा खराब निर्णय; और बाह्य हितधारकों के हितों के साथ आंतरिक प्रोत्साहन संरचनाओं का अनुचित तालमेल।<sup>3</sup>

हम कारोबारी मॉडल के मूल्यांकन, अभिशासन और विश्वास कायम करने से जुड़े कार्यों (अनुपालन, जोखिम प्रबंधन और आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यों) के मूल्यांकन पर विशेष जोर दे रहे हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में पर्यवेक्षण से जुड़ी चिंताएं बढ़ी हैं। पर्यवेक्षण संस्थाएं आमतौर पर व्यावसायिक पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं, भले ही इसके लिए उन्हें अभिशासन से जुड़े पहलुओं और विश्वास बनाए रखने के लिए किए जाने वाले कार्यों

की अनदेखी ही क्यों न करनी पड़े। उनके द्वारा तैयार की गयी कारोबारी रणनीति और उनके वास्तविक व्यापार संचालन के बीच स्पष्ट रूप से कोई संबंध नहीं था। इसलिए इस दृष्टिकोण के अंतर्गत जोर इस बात पर डाला जा रहा है कि वित्तीय संस्थानों में जोखिम, अनुपालन और अभिशासन की संस्कृति में सुधार किया जाए। इस संबंध में, रिज़र्व बैंक ने घरेलू वित्तीय प्रणाली की स्थिति को ध्यान में रखते हुए और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ मौजूदा विनियामक ढांचे का तालमेल बनाने के उद्देश्य से 'भारत में वाणिज्यिक बैंकों में अभिशासन' विषय पर एक चर्चा पत्र जारी किया है। इस चर्चा पत्र में अधिक बल प्रबंधन से स्वामित्व को अलग करने को प्रोत्साहित करने पर दिया गया है - स्वामी जहाँ मुख्य रूप से अपने निवेश पर होने वाले लाभ पर अपना ध्यान केंद्रित करता है, वहीं प्रबंधन को सभी हितधारकों के हितों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना होता है। बोर्ड को अपना दायित्व निभाते हुए, संगठन की संस्कृति और मूल्यों को निर्धारित करना चाहिए; हितों के टकराव की पहचान और उसका प्रबंधन करना चाहिए; जोखिम उठाने की सीमा तय करनी चाहिए और उस सीमा के भीतर ही जोखिमों का प्रबंधन करना चाहिए; वरिष्ठ प्रबंध-तंत्र की निगरानी करनी चाहिए और विविध प्रकार के हस्तक्षेपों के माध्यम से इस निगरानी और विश्वास बहाली को मजबूत करते रहना चाहिए। रिज़र्व बैंक यथासमय सुशासन के इन सिद्धांतों को एनबीएफसी क्षेत्र तक भी ले जाएगा।

#### IV. भावी दिशा

हमारे दैनिक जीवन में महामारी के बड़े प्रभाव के बावजूद, सभी भुगतान प्रणाली व वित्तीय बाजारों सहित देश की वित्तीय प्रणाली, बिना किसी बाधा के काम कर रही है। प्रतिबंधों में क्रमशः ढील लाने के प्रतिसाद में भारतीय अर्थव्यवस्था के सामान्य स्थिति में वापस आने के संकेत दिखने लगे हैं। हालांकि, यह अभी भी अनिश्चित है कि आपूर्ति श्रृंखला कब तक पूरी तरह बहाल हो पाएगी; मांग की स्थिति को सामान्य होने में कितना समय लगेगा; और हमारी संभावित वृद्धि पर महामारी किस तरह के स्थायी प्रभाव छोड़ जाएगी। सरकार द्वारा पहले से घोषित लक्ष्योन्मुखी और व्यापक सुधार उपायों से देश की संभावित वृद्धि में सहायता मिलनी चाहिए। संभवतः कोविड के बाद एक बेहद अलग वैश्विक

<sup>3</sup> बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (जुलाई 2015): कमजोर बैंकों की पहचान और उनके समाधान संबंधी दिशा निर्देश।

वातावरण में, अर्थव्यवस्था में उत्पादन के कारकों का पुनर्अबंटन और आर्थिक गतिविधियों के अभिनव विस्तार से कुछ पुनर्संतुलन और नए विकास कारकों का उद्भव हो। नीतिगत उपाय, यानी मौद्रिक, राजकोषीय, विनियामक और संरचनात्मक सुधार, अल्पावधि व्यवधानों को कम करते हुए आर्थिक गतिविधि में तेजी से सुधार लायक स्थिति प्रदान कर रहे हैं।

विश्वास की बहाली, वित्तीय स्थिरता का संरक्षण, वृद्धि को पुनर्जीवन और मजबूत समुत्थान समय की मांग है। केंद्रीय बैंक में, हम वित्तीय स्थिरता के संरक्षण, बैंकिंग प्रणाली को सुदृढ़ रखने तथा आर्थिक गतिविधियां जारी रखने के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास करते हैं। कोविड-19 पर काबू पाने के बाद, प्रतिक्रिय विनियामक उपायों को सुव्यवस्थित रूप से सावधानीपूर्वक हटाया जाना है और विनियामक छूट पर नए ढर्रे के रूप में निर्भर हुए बिना वित्तीय क्षेत्र को सामान्य कामकाज पर लौटना है। रिज़र्व बैंक वित्तीय स्थिरता जोखिमों के बदलते स्वरूप का निरंतर आकलन कर रहा है तथा वित्तीय स्थिरता के संरक्षण के लिए अपने पर्यवेक्षी ढांचे को अपग्रेड कर रहा है। बैंकों और वित्तीय

मध्यस्थों को हमेशा सतर्क रहना होगा तथा अभिशासन, आश्वासन कार्यों और जोखिम संस्कृति के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को काफी अपग्रेड करना होगा।

यह सच है कि महामारी एक विशाल चुनौती है; हालांकि, सामूहिक प्रयासों, बुद्धिमान चयन और नवाचार के रूप में मनुष्य की धीरता से हमें वर्तमान संकट से बाहर आने में काफी सहायता मिलेगी। महात्मा गांधी ने कहा था, "... भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आप आज क्या करते हैं"। मैंने इस अभूतपूर्व स्थिति का मुकाबला करने के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा वर्तमान में लिए गए निर्णयों का एक विहंगम दृश्य प्रस्तुत किया है। मुझे विश्वास है कि हमारे नीतिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में ये उपाय सरकार के कदमों के पूरक होंगे। हजारों लोगों के अथक प्रयासों और अपने देश के आम आदमी के अदम्य साहस के साथ मैं आशा करता हूँ कि इन नीतिगत कार्रवाइयों से वांछित परिणाम मिलेंगे। परीक्षा का यही समय हमारी अर्थव्यवस्था की पुनरुत्थानशीलता पर दुनिया के विश्वास को मजबूत करेगा। हम साथ मिलकर इसे सिद्ध करेंगे।

धन्यवाद।

# लेख

मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण

मौद्रिक नीति और वित्तीय बाजार : ट्विस्ट और टैंगो

मीडिया में नीतिगत दर संबंधी अपेक्षाएं



## मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण\*

ऐसा प्रतीत होता है कि मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण का विकास वैश्वीकरण के साथ-साथ स्वतः होता गया है। बहुत सी मुद्राएँ, विशेष रूप से उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) की मुद्राएँ, अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए प्रमुख दावेदार बनाकर उभरी हैं। वर्ष 2019 में, रिज़र्व बैंक ने रुपया बाजार को देश की सीमाओं से बाहर भी ले जाने के लिए एक कार्यदल का गठन किया, जिसकी सिफारिशों ने अनेक उपायों को लागू करने की प्रेरणा दी है। इसके लिए जो विनियामकीय ढांचा अपनाया गया है, उससे भारतीय रुपये (आई एनआर) के सम्मुख जोखिमों की हेजिंग के लिए घरेलू बाजार की ओर रुख किया जाएगा। घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार के उदारीकरण और इसे और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से किए गए हाल के उपायों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रोफाइल के अनुरूप ही आईएनआर के पूर्ण अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण होगा।

### भूमिका

ऐसा लगता है कि मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण – अर्थात् राष्ट्रीय मुद्रा द्वारा अपनी सीमाओं से परे भी व्यापार और वित्तीय लेनदेन में व्यापार और वित्तीय लेनदेन, वस्तुओं और विदेशी मुद्रा भंडार के चालान में प्रायः उपयोग में लाया जाना - वैश्वीकरण के साथ साथ स्वाभाविक रूप से विकसित होने वाला सिद्धांत है। इस पर लिखे गए विपुल साहित्य में इस बात को दर्शाया गया है कि मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण से जहां अत्यधिक लाभ होता है (ईचैनग्रीन, 2011), वहीं इसके साथ-साथ जिम्मेदारियां भी आती हैं – वित्तीय बाजारों की पहुँच को गहन बनाना, उनमें चलनिधि की सुलभता बनाए रखना; व्यापक आर्थिक स्थितियों को बुनियादी तौर पर सुदृढ़ बनाए रखना; अंतरराष्ट्रीय लेनदेन पर प्रतिबंध न लगाना; आरक्षित मुद्रा की अच्छी स्थिति बनाए रखना (केनन, 2011)। पिछले 100 वर्षों में, मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण एकध्रुवीय रहा है - यूएस डॉलर द्वारा पाउंड स्टर्लिंग की जगह लिया जाना। अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएँ परिवर्तनीय मुद्रा बनने और ऊपर बताई गयी जिम्मेदारियों के निर्वहन में सक्षम होने के

बावजूद आकर्षण हासिल करने में असफल रही हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में, भीतर ही भीतर एक क्रांति चुपचाप चलती रही है। कई मुद्राओं ने, विशेष रूप से उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं ने, 'गैर-परिवर्तनीय' होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए अपना दावा प्रस्तुत किया है। इन घटनाओं ने रूढ़िवादी चलन को चुनौती दी है और यह दिखाया है कि परिवर्तनीयता आवश्यक हो सकती है लेकिन यह अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए पर्याप्त शर्त नहीं है। इस मामले में परंपरा को तोड़ने का काम किया है गैर-सुपर्दगी वायदा (एनडीएफ) बाजार ने। पिछले तीन वर्षों में, विदेशी मुद्रा बाजारों के वैश्विक कारोबार में 33 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, लेकिन, ईएमई मुद्राओं के कारोबार में लगभग 60 प्रतिशत विस्तार हुआ है, जिससे उनकी वैश्विक हिस्सेदारी 23 प्रतिशत हो गई है जो 2023 में 15 प्रतिशत हुआ करती थी। इस वृद्धि के प्रमुख वाहकों में भारतीय रुपया (आईएनआर) है जिसने मैक्सिकन पेसो (MXN), दक्षिण अफ्रीकी रैंड (ZAR), मलेशियाई रिंगित (MYR) और यहां तक कि सिंगापुर डॉलर (SGD) के विपरीत अब लगभग दोगुना व्यापार होने लगा है। यदि औसत दैनिक कारोबार की बात की जाए तो आईएनआर एनडीएफ बाजार विश्व का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और यह राष्ट्रीय वायदा बाजार से बड़ा है (BIS, 2019)। ऑफ़शोर एनडीएफ बाजारों में व्यापार की मात्रा भी बढ़ी है जिसके लिए विभिन्न कारक जिम्मेदार हैं यथा- सुविधाजनक पहुँच वैश्विक बैंकों द्वारा अपने लिए बाजार बनाना, हेज फंड जैसे बड़े प्रतिभागियों की उपलब्धता, प्राइम ब्रोकरेज<sup>1</sup> जैसी मध्यस्थता सेवाएं, अनुकूल कर व्यवस्था, टाइम जोन की सुविधा तथा इलेक्ट्रॉनिकीकरण (पटेल और ज़िया, 2019)।

एनडीएफ एक विदेशी मुद्रा व्युत्पन्नी अनुबंध है, जो निवेशकों को परिवर्तनीय मुद्रा (ज्यादातर अमेरिकी डॉलर) में अनुबंध निष्पादित करते हुए गैर-परिवर्तनीय मुद्राओं में व्यापार करने की अनुमति देता है। एनडीएफ मुख्य रूप से मुद्रा के ऑनशोर क्षेत्राधिकार की सीमाओं से बाहर ('ऑफ़शोर') व्यापार करते हैं, जिससे निवेशकों को घरेलू ('ऑनशोर') विनियामकीय ढांचे के बाहर जाकर लेनदेन करने का अवसर मिलता है (मैकॉले एवं अन्य, 2014)। ऑनशोर और ऑफ़शोर कीमतों के द्विदिश सम्बन्धों के अस्तित्व को समझते हुए (आरबीआई, 2019)

\* यह लेख भारतीय रिज़र्व बैंक के वित्तीय बाजार विनियमन विभाग के अभिषेक कुमार और ऋतुराज द्वारा तैयार किया गया है। इस लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

<sup>1</sup> विदेशी मुद्रा प्रधान दलाली के तहत ग्राहकों को एक एकल इकाई, आमतौर पर एक बड़े बैंक या एक निवेश कंपनी, जिसे प्रधान ब्रोकर कहा जाता है, के साथ निधीयन, समाशोधन और निपटान का संबंध बनाए रखते हुए कई डीलरों से चलनिधि प्राप्त करने की अनुमति दी जाती है।

ऑफशोर बाजारों में आने वाली अस्थिरता के प्रसार की संभावनाओं, ऑनशोर और ऑफशोर बाजारों के बीच के विभाजन के कारण कीमत निर्धारण दक्षता में आने वाली कमी और विनियामक ढांचे के घटते महत्व के मद्देनजर रिजर्व बैंक अपने ऑनशोर विदेशी मुद्रा बाजार को अधिकाधिक गहन और तरल बनाने के लिए प्रयासरत है। इसने प्रमुख रूप से ऑनशोर बाजारों तक निवासियों और अनिवासियों की पहुँच को बेहतर बनाने और नए-नए उत्पाद लाने पर अपने प्रयास केन्द्रित किए हैं जिनमें क्रमशः 2008 और 2010 में लाए गए एक्सचेंज ट्रेडेड करेंसी फ्यूचर्स और ऑपशंस शामिल हैं। 2019 में, रिजर्व बैंक ने ऑफशोर रुपया बाजार पर एक कार्यदल का गठन किया, जिसकी सिफारिशों के आधार पर भी कई उपायों को लागू किया गया है।

इसी पृष्ठभूमि में यह लेख मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में हाल में किए गए प्रयासों की विवेचना करता है। भाग II में वैश्विक स्तर पर एनडीएफ बाजारों का तुलनात्मक अवलोकन प्रस्तुत किया गया है, और भाग III में रुपया एनडीएफ बाजार की सूक्ष्म संरचना की पड़ताल पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भाग IV, एनडीएफ बाजार के प्रति अलग-अलग देशों के दृष्टिकोण और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एनडीएफ बाजारों के संदर्भ में किए गए प्रयासों पर चर्चा की गई है। भाग V में सारांश प्रस्तुत करते हुए आगे के परिदृश्य पर प्रकाश डाला गया है।

## II. वैश्विक एनडीएफ बाजार

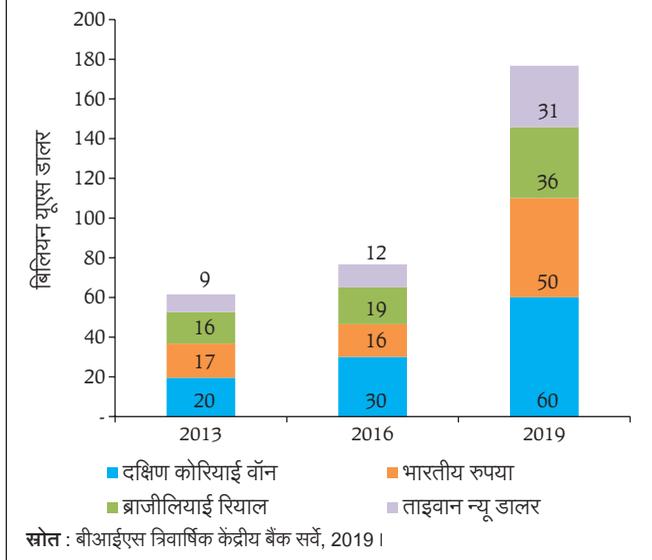
ऐतिहासिक रूप से देखें तो, एनडीएफ बाजार गैर-परिवर्तनीय मुद्राओं के लिए विकसित हुआ, जिसकी शुरुआत मैक्सिको और ब्राजील से हुई और क्रमशः इसने भारत सहित उभरती हुई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को अपने दायरे में ले लिया। इस मामले में सबसे हाल का घटनाक्रम रहा है ऑफशोर तुर्की लीरा (TRY) बाजार की खुलती संभावनाएं जो हाल के नियामक उपायों के मद्देनजर दिख रही हैं जिनके कारण TRY<sup>2</sup> पर जारी अटकलें कम हुई हैं।

वैश्विक एनडीएफ बाजार में औसत दैनिक कारोबार अप्रैल 2019 में 259 बिलियन अमरीकी डॉलर था<sup>3</sup> और कुल एनडीएफ कारोबार में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी दक्षिण कोरियाई वोन (KRW), आईएनआर, ब्राजीलियाई रियाल (BRL) और ताइवान न्यू डॉलर

<sup>2</sup> <https://www.risk.net/derivatives/7551741/turkey-turmoil-opens-door-to-offshore-ndf-market>.

<sup>3</sup> बीआईएस त्रिवाषिक केंद्रीय बैंक सर्वेक्षण, 2019.

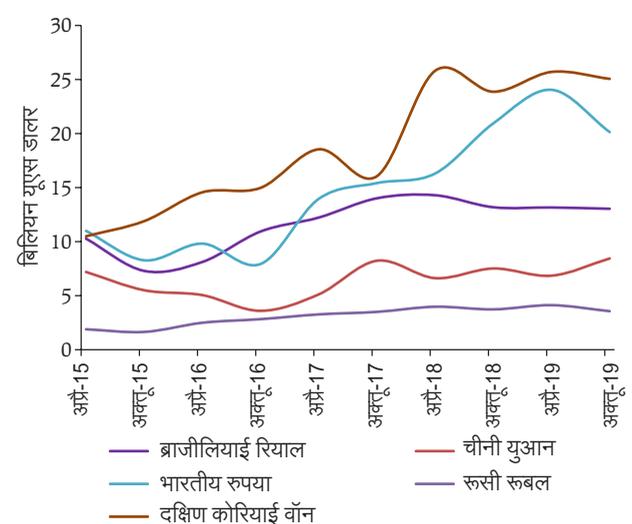
चार्ट 1 : शीर्ष 4 एनडीएफ मुद्राओं का औसत दैनिक कारोबार

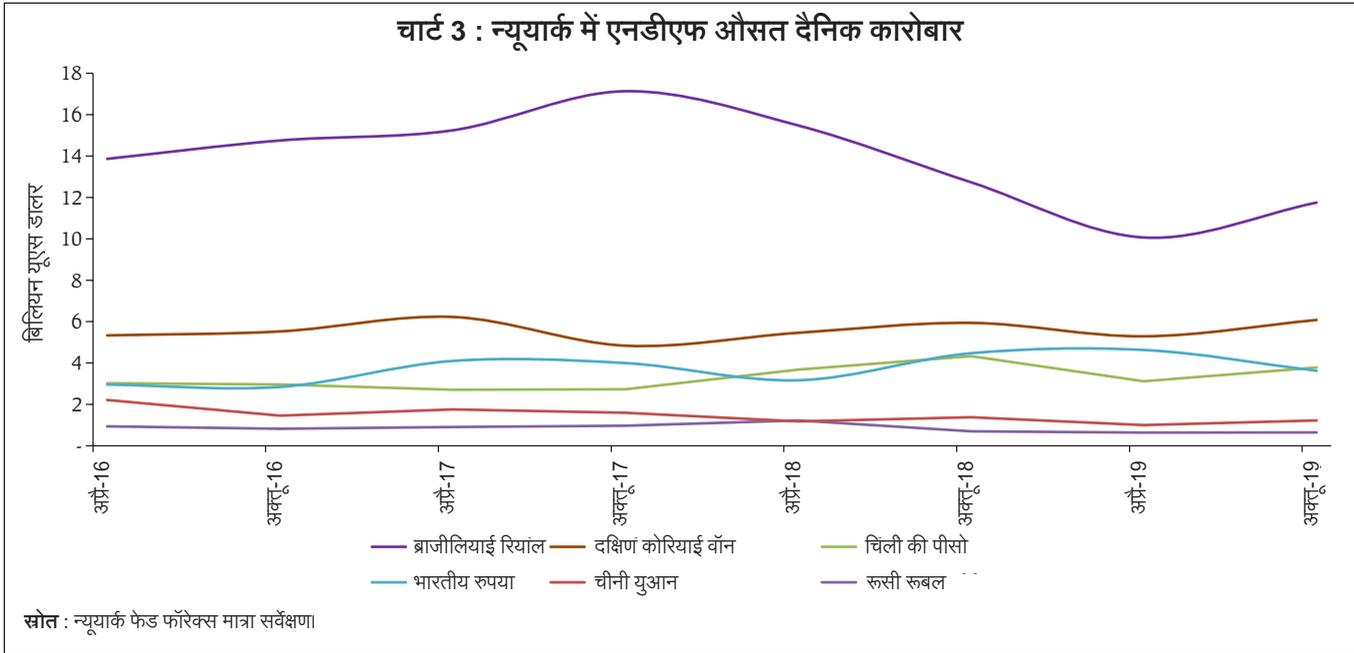


(TWD) की थी। इन चारों मुद्राओं के कारोबार में अप्रैल 2016 और अप्रैल 2019 के बीच उल्लेखनीय वृद्धि हुई (चार्ट 1)।

विश्व स्तर पर, एनडीएफ का कारोबार केवल कुछ स्थानों पर किया जाता है, जिसमें अधिकतम कारोबार लंदन में होता है और उसके बाद क्रमशः न्यूयॉर्क, सिंगापुर और हांगकांग का स्थान आता है (पटेल और ज़िया, 2019)। KRW और आईएनआर लंदन में सबसे व्यापक रूप से कारोबार करने वाले एनडीएफ हैं (चार्ट 2)।

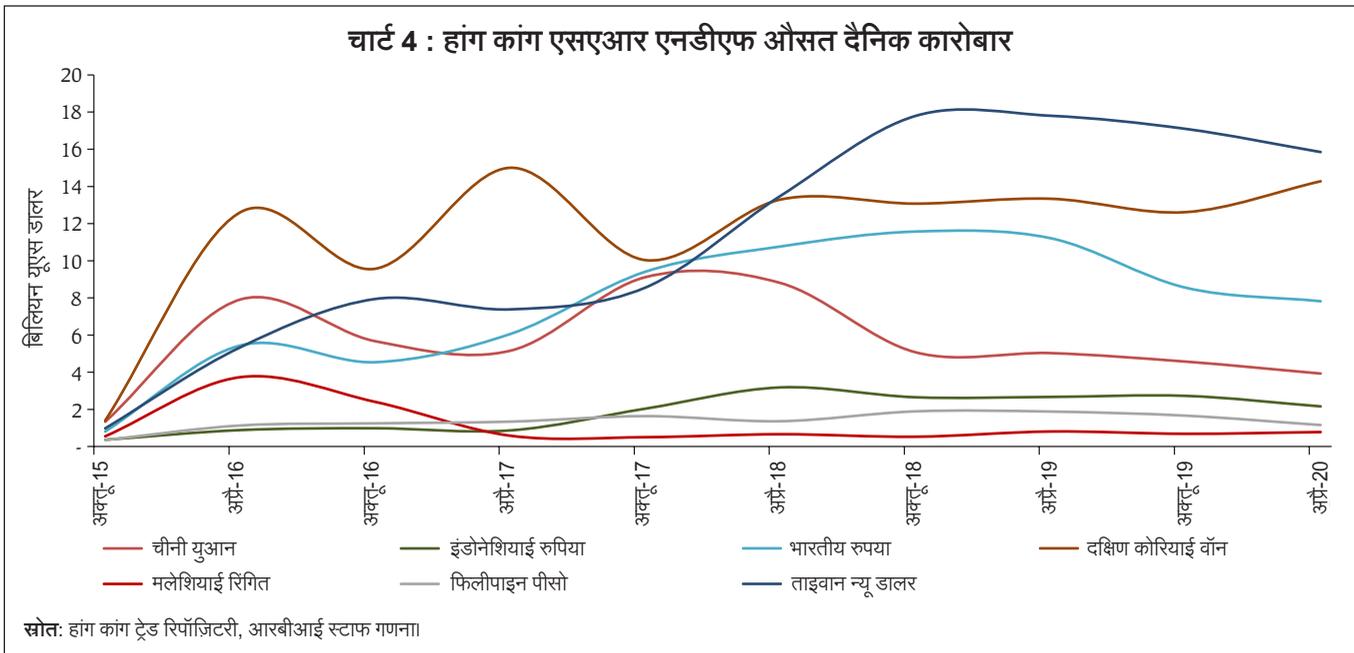
चार्ट 2 : लंदन में एनडीएफ औसत दैनिक कारोबार



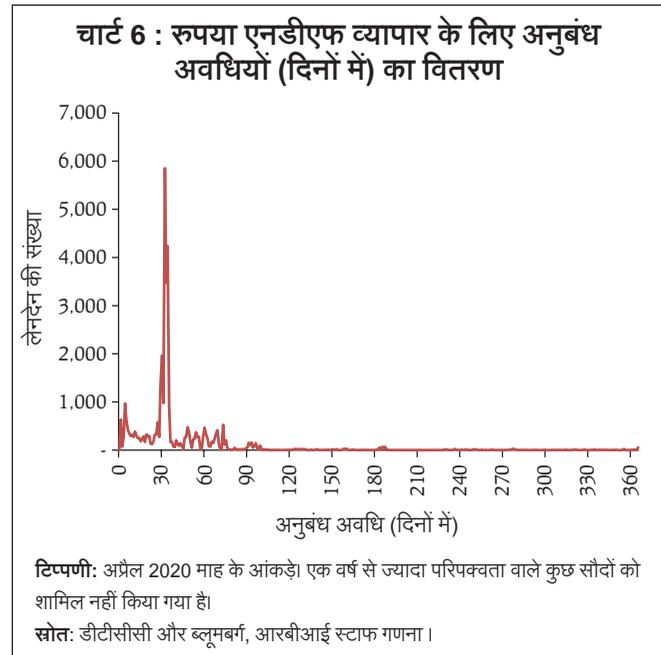
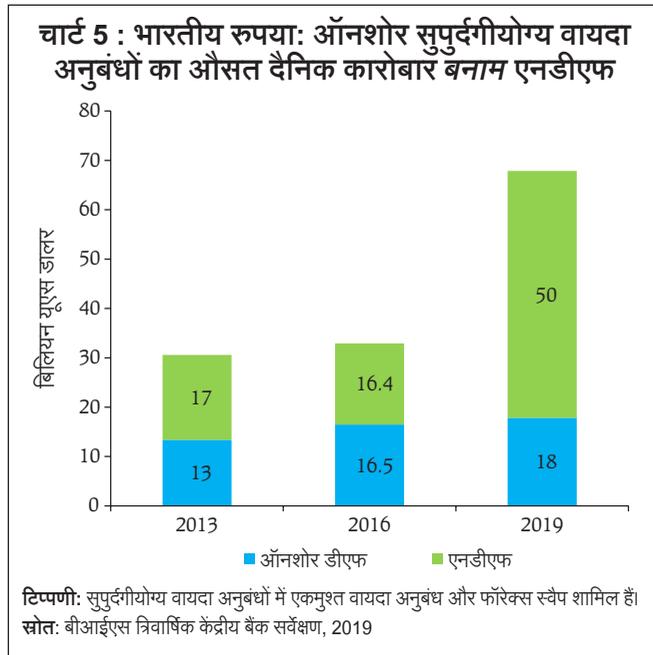


न्यूयॉर्क में, बीआरएल के एनडीएफ का कारोबार सबसे अधिक होता है और उसके बाद केआरडब्ल्यू, चिलियन पीसो (सीएलपी) और आईएनआर (चार्ट 3) का स्थान आता है। हांगकांग में SAR, TWD, KRW और आईएनआर सबसे

अधिक कारोबार करने वाले एनडीएफ हैं (चार्ट 4)। आईएनआर के एनडीएफ सभी प्रमुख केंद्रों में सर्वाधिक कारोबार करने वाले अनुबंधों में शामिल हैं<sup>4</sup>। हालांकि, इन केंद्रों में आईएनआर एनडीएफ का औसत दैनिक कारोबार अप्रैल 2019 में शीर्ष पर पहुँचने के बाद कम होने लगा है।



<sup>4</sup> सिंगापुर के लिए मुद्रावार एनडीएफ कारोबार के आंकड़े उपलब्ध न होने की स्थिति में, बीआईएस त्रिवाषिक सर्वेक्षण और बाजार सहभागियों के साथ चर्चा से सिंगापुर में उच्च आईएनआर एनडीएफ व्यापार के संकेत मिलते हैं।

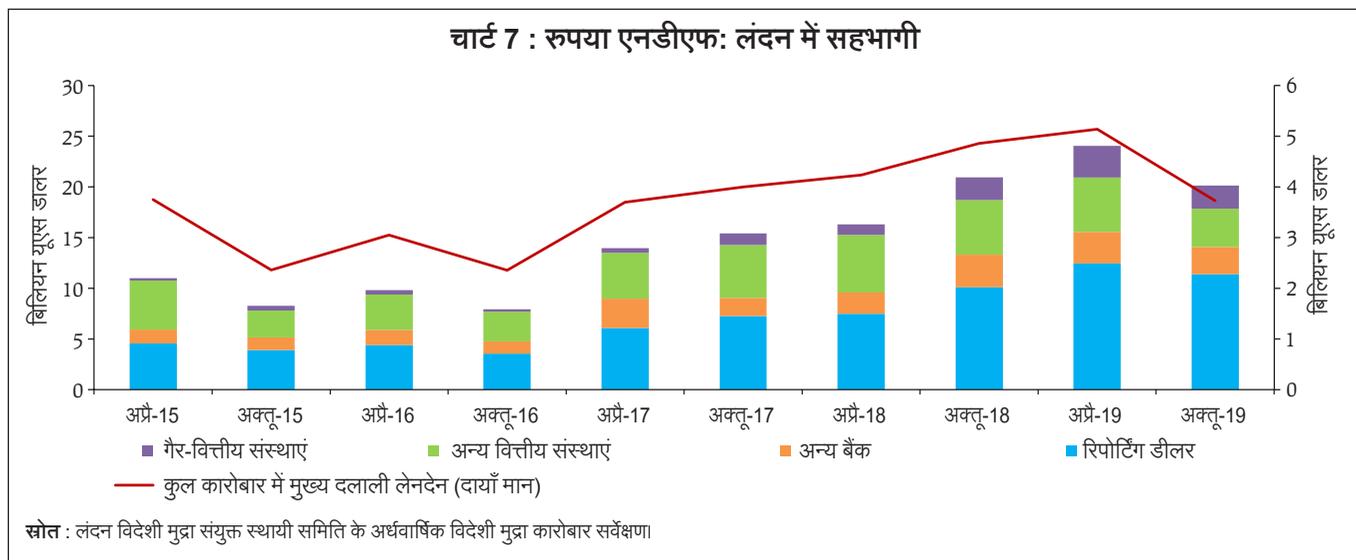


### III. रुपया एनडीएफ का सूक्ष्म विवेचन

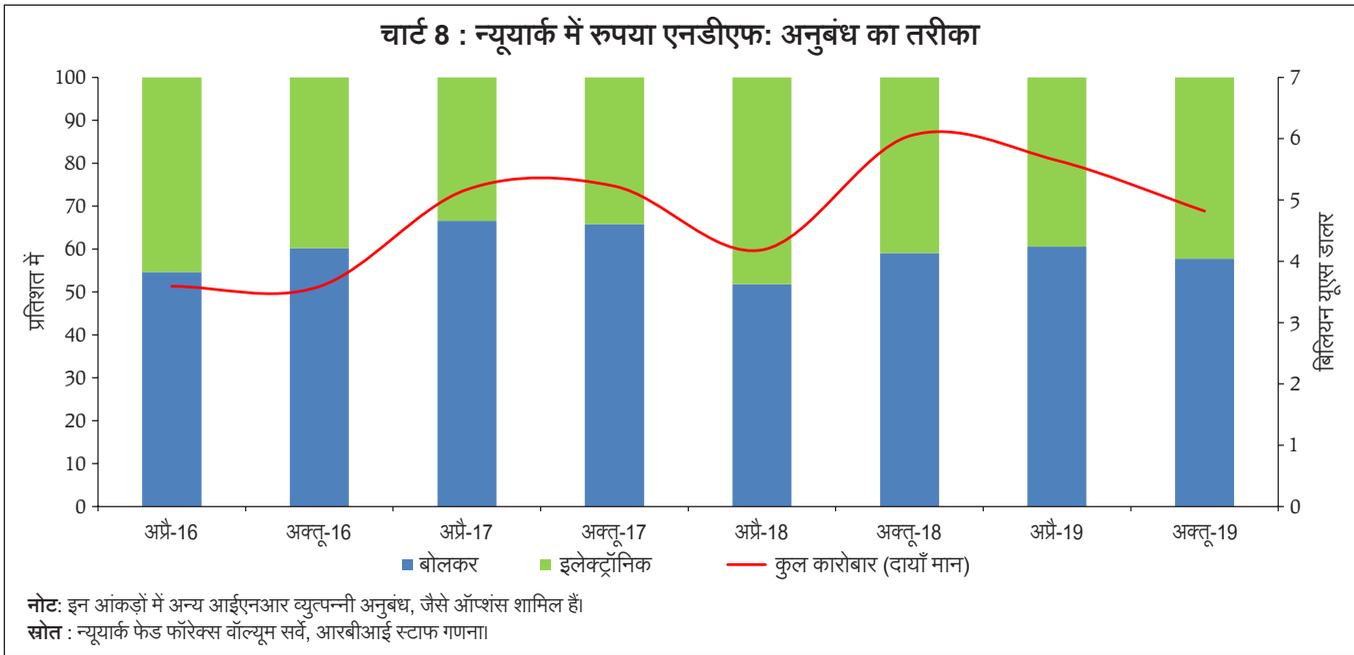
बीआईएस द्वारा अप्रैल 2013 और अप्रैल 2016 में किए गए त्रैवार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, रुपया एनडीएफ बाजार आकार में ऑनशोर सुपुर्दगीयोग्य वायदा बाजार के समतुल्य था। हालांकि 2019 का सर्वेक्षण, यह बताता है कि इस बाजार का आकार बढ़कर ऑनशोर बाजार का लगभग तीन गुना हो गया है (चार्ट 5)। आईएनआर एनडीएफ बाजार में सबसे अधिक तरल एक महीने

या उससे कम की परिपक्वता वाले अनुबंध हैं<sup>5</sup>, जो कुल अनुबंधों के लगभग 70 प्रतिशत के करीब होते हैं, और जो संभवतः अल्पकालिक सट्टा स्थितियों के परिचायक हैं (चार्ट 6)।

लंदन के बाजार में सहभागियों का आंकड़ा देखने से पता चलता है कि रिपोर्टिंग करने वाले व्यापारियों (अपेक्षाकृत बड़े बैंकों) का योगदान आईएनआर एनडीएफ लेनदेन में हुई वृद्धि में सर्वाधिक रहा होगा (चार्ट 7)। प्रमुख दलाली लेनदेन इस कारोबार



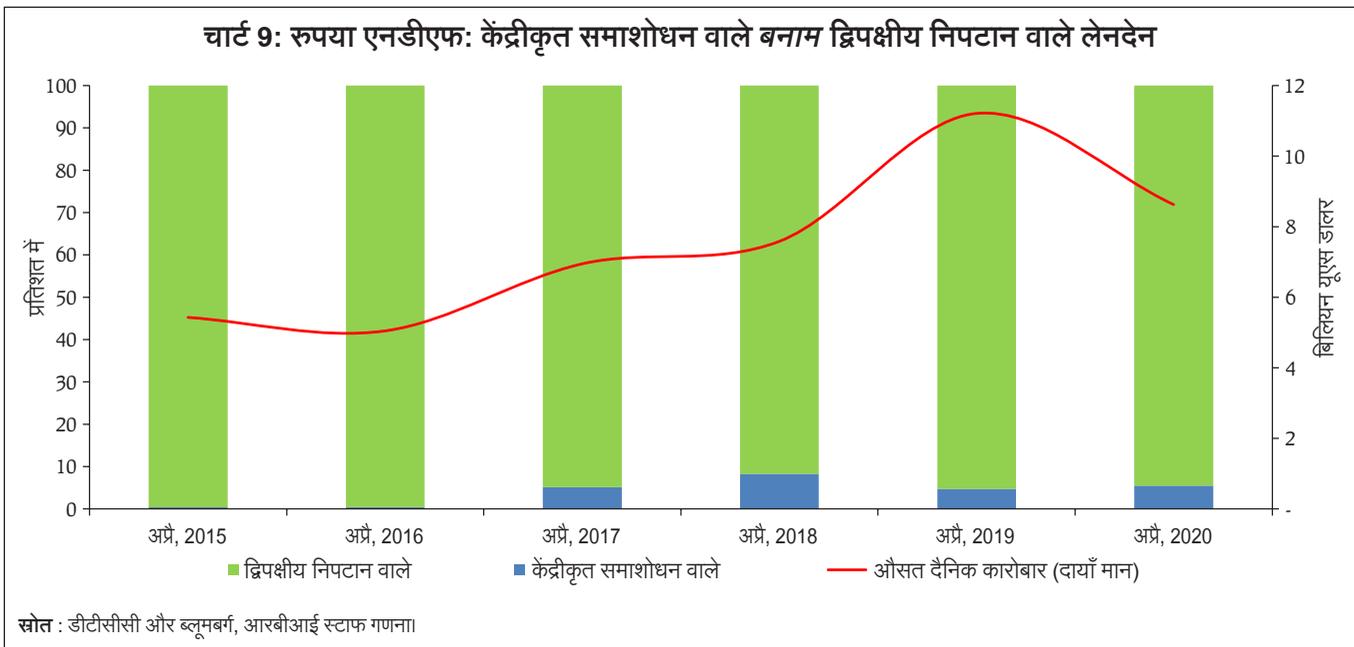
<sup>5</sup> मानक परिपक्वता अवधियाँ (1 महीने, 2 महीने आदि) आम तौर पर गैर-मानक परिपक्वता अवधियों की तुलना में अधिक तरलता वाली होती हैं। आम तौर पर जैसे जैसे परिपक्वता अवधि बढ़ती है, वैसे-वैसे तरलता में गिरावट आती है (हाऊ एवं अन्य, 2019)।



के एक चौथाई के करीब है। न्यूयार्क में, जो करार निष्पादन विधि पर आंकड़े जारी करने वाला एकमात्र केंद्र है, लगभग आधा व्यापार इलेक्ट्रॉनिक तरीकों का उपयोग करके किए गए अनुबंधों के माध्यम से किया गया है (चार्ट 8)।

अधिकांश एनडीएफ व्यापार की तरह, आईएनआर एनडीएफ व्यापार काउंटर पर (OTC) किया जाता है और इसका निपटान द्विपक्षीय होता है। हाल के वर्षों में, हालांकि, डेरिवेटिव बाजारों के लिए वैश्विक स्टार पर किए जा रहे कानूनी और विनियामक सुधार

एनडीएफ बाजार की सूक्ष्म संरचना को एक विकेंद्रीकृत, द्विपक्षीय बाजार से बदलकर एक ऐसे बाजार में तब्दील कर रहे हैं जिसमें व्यापार, प्रकटीकरण और समाशोधन केंद्रीकृत होगा (मैकाले और शू, 2016)। अब आईएनआर एनडीएफ लेनदेन का व्युत्पन्नी समाशोधन संगठन (DCO) के माध्यम से केंद्रीकृत समाशोधन प्रारम्भ कर दिया गया है। हालाँकि, समग्र रूप से अनुमान लगाया जाए तो अभी भी लगभग 94 प्रतिशत व्यापार का निपटान द्विपक्षीय रूप से किया जाता है (चार्ट 9)।



#### IV. नीतिगत प्रतिसाद

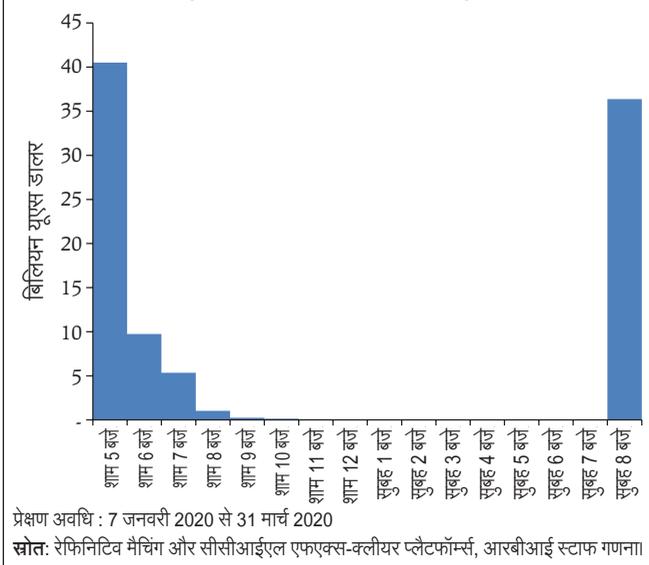
एनडीएफ कारोबार की बढ़ती मात्रा से जुड़ी चिंताओं के परिणामस्वरूप अलग-अलग स्थानों पर अलग-अलग नीतियां अपनाई गई हैं। कोरिया ने एनडीएफ बाजार में स्थानीय बैंकों की भागीदारी की अनुमति दी जिसके परिणाम यह हुआ कि KRW एनडीएफ के ऑनशोर बाजारों के साथ एकीकरण में घनिष्ठता आयी। कोरियाई अधिकारियों ने ऐसे उपाय किए जिनमें कुछेक पूंजी खाता लेनदेनों के लिए अनुमोदन आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया गया और ऑनशोर के आरडब्ल्यू बाजार का उदारीकरण हुआ। ऑनशोर विदेशी मुद्रा बाजार के उदारीकरण और सुपर्दगीयोग्य अंतरराष्ट्रीय बाजार (CNH) के विकास के साथ-साथ, चीनी युआन (CNY) एनडीएफ बाजार के व्यापार की मात्रा काफी कम हो गयी। यद्यपि, ताइवान के प्राधिकारियों ने एनडीएफ बाजारों में व्यापार को प्रतिबंधित करने के कदम उठाए, उनके केंद्रीय बैंक ने 2014 में घरेलू बैंकों की विदेशी शाखाओं को न्यू ताइवान डॉलर (TWD) एनडीएफ में लेन-देन करने की अनुमति दे दी। बैंक नेगारा मलेशिया ने रिगित के ओफशोर व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया और इसके क्षेत्राधिकार के भीतर व्यवसायगत अंतरराष्ट्रीय बैंकों से कहा कि वे एनडीएफ बाजार से दूर रहें। बैंक इंडोनेशिया ने इंडोनेशियन रुपिया (IDR) के लिए घरेलू गैर-सुपर्दगीयोग्य वायदा (डीएनडीएफ) बाजार की स्थापना 2018 में

की, ताकि यह एनडीएफ के समानांतर बाजार के रूप में कार्य कर सके, ऑनशोर बाजार में निपटान का कार्य कर सके और विदेशी निवेशकों को प्रिंसिपल के आदान-प्रदान के बिना अपने IDR जोखिम से सुरक्षा मिल सके और साथ ही, एनडीएफ बाजार तक केंद्रीय बैंक की पहुंच बढ़ाते हुए उसकी बेहतर निगरानी की जा सके।

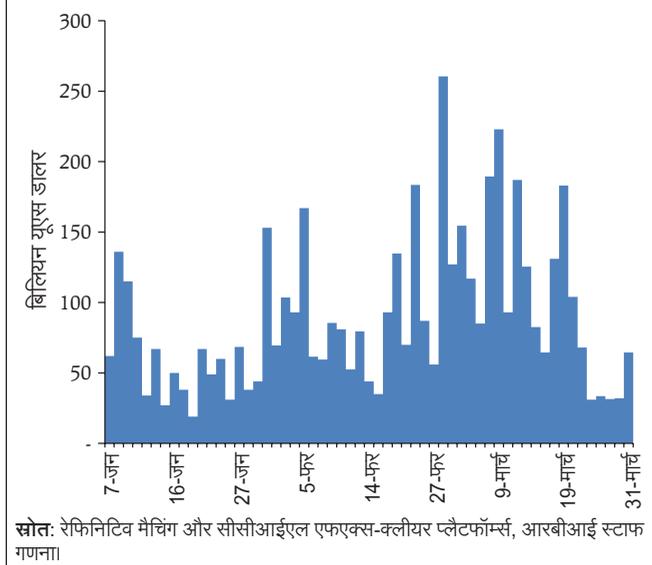
भारतीय संदर्भ में, रिज़र्व बैंक द्वारा हाल के महीनों में विशेष रूप से गैर-निवासियों के लिए ऑनशोर बाजारों तक पहुंच में सुधार के लिए कई उपाय किए गए हैं।

इस व्यापार में अलग-अलग टाइम जोन के कारण आने वाली बाधाओं को दूर करने की दृष्टि से जनवरी 2020 से, AD श्रेणी- I बैंकों को यह छूट दी गई है कि वे अपनी भारतीय लेखा-बहियों से ही किसी भी समय घरेलू बिक्री दल या अपनी विदेशी शाखाओं के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के लिए विदेशी मुद्रा की कीमतों की बोली लगा सकते हैं। इसने घरेलू बैंकों को अधिक संख्या में अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुंचने के अवसर प्रदान किए, जिसमें उन्होंने अपने विदेशी शाखा-नेटवर्क का लाभ भी उठाया। लेन-देन के आंकड़ों से पता चलता है कि कोविड-19 का प्रकोप प्रारम्भ होने के पूर्व ऑनशोर बाजार में विशिष्ट समयावधियों में चलनिधि का भण्डारण प्रारम्भ हो रहा था विशेष रूप से बाजार समय से पहले और बाजार समय बीतने के बाद (चार्ट 10 और 11)।

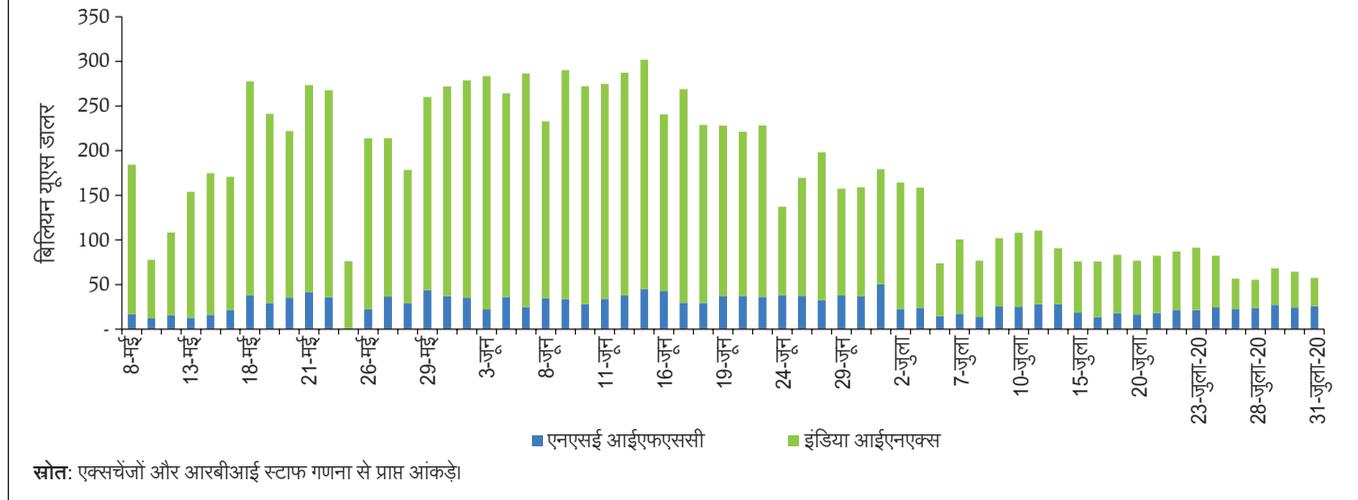
**चार्ट 10: अंतर-बैंक स्पॉट बाजार में औसत दैनिक कारोबार (अतिरिक्त बाजार समय में)**



**चार्ट 11: अंतर-बैंक स्पॉट बाजार में दैनिक कारोबार (अतिरिक्त बाजार समय में)**



**चार्ट 12: आईएफएससी एक्सचेंजों पर रुपया व्युत्पन्नियों का दैनिक कारोबार**

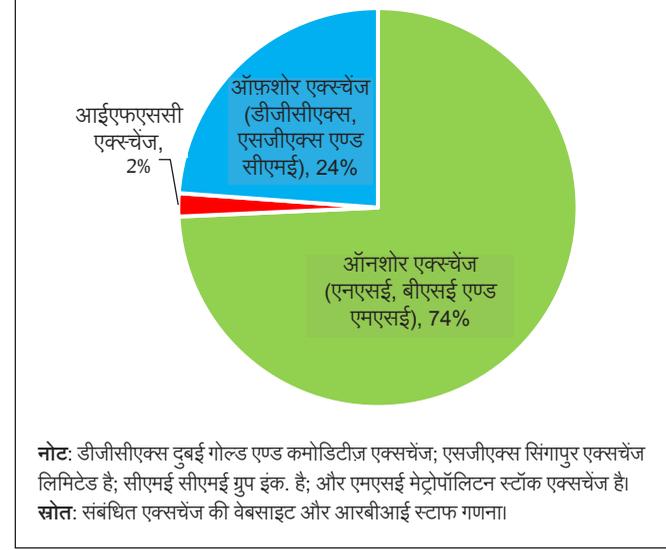


जनवरी 2020 में, रिज़र्व बैंक ने गिफ्ट (GIFT) सिटी में बने इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (आईएफएससी) के एक्सचेंजों को अनुमति दी है कि वे विदेशी मुद्रा में निपटान वाले आईएनआर व्युत्पन्नी अनुबंध की पेशकश कर सकें। 8 मई 2020 को दो आईएफएससी एक्सचेंजों - इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज लिमिटेड (India INX)<sup>6</sup> और एनएसई आईएफएससी लिमिटेड (एनएसई आईएफएससी)<sup>7</sup> ने आईएनआर व्युत्पन्नी अनुबंध जारी किए। तब से, आईएफएससी एक्सचेंजों में रुपया व्युत्पन्नियों का औसत दैनिक कारोबार 172 मिलियन यूएस डॉलर रहा है, और 15 जून को इसने 300 मिलियन यूएस डॉलर के उच्च स्तर को छुआ। आईएफएससी पर आईएनआर व्युत्पन्नी द्वारा किए जाने वाले कुल कारोबार में औसतन लगभग 80 प्रतिशत हिस्सेदारी भारत आईएनएक्स है (चार्ट 12)। वैश्विक स्तर पर आईएनआर व्युत्पन्नियों के कुल कारोबार में आईएफएससी एक्सचेंजों पर कारोबार करने वाले आईएनआर व्युत्पन्नियों की हिस्सेदारी अभी केवल 2 प्रतिशत ही है (चार्ट 13)।

भारत में व्यवसायगत ऐसे बैंक जो आईएफएससी बैंकिंग इकाइयाँ (IBU) संचालित करते हैं, उन्हें 1 जून, 2020 से एनडीएफ बाज़ार में भाग लेने की अनुमति दे दी गयी। तब से बहुत

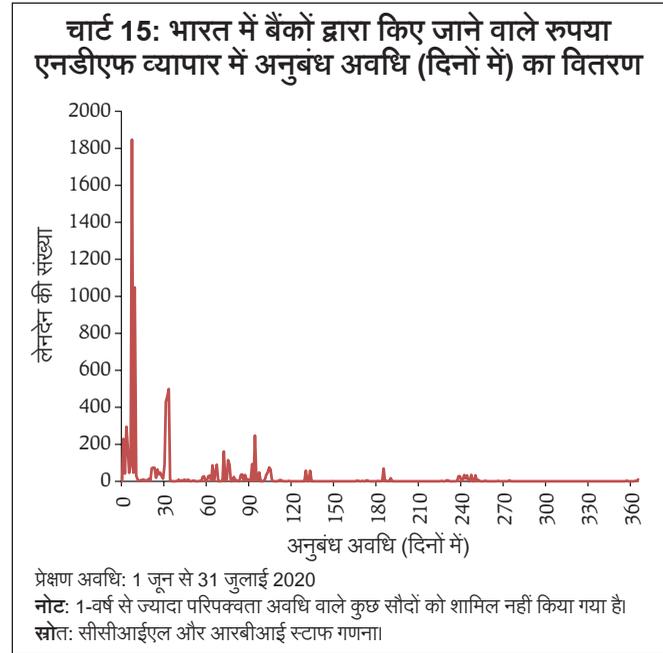
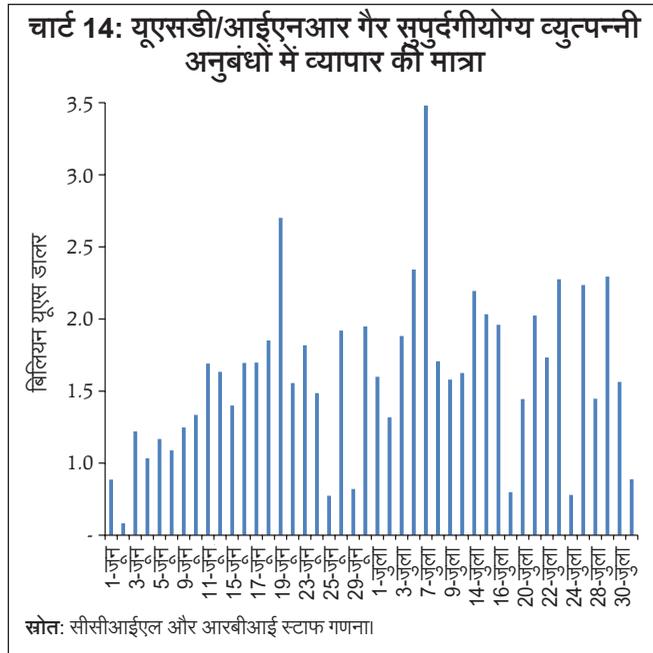
से बैंक आईएनआर एनडीएफ बाज़ारों में भाग लेने लगे हैं। भारत में बैंकों<sup>8</sup> द्वारा गैर-सुपुर्दगी योग्य व्युत्पन्नी अनुबंध (फॉरवर्ड और ऑप्शन) में औसत दैनिक कारोबार वर्तमान में 1.1 बिलियन अमरीकी डालर का है<sup>9</sup> जिसका उच्चतम स्तर 2.97 बिलियन

**चार्ट 13: एक्सचेंजों पर व्यापार करने वाले रुपया व्युत्पन्नियों की तुलनात्मक हिस्सेदारी**



<sup>6</sup> बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की सहायक कंपनी।  
<sup>7</sup> नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की सहायक कंपनी।

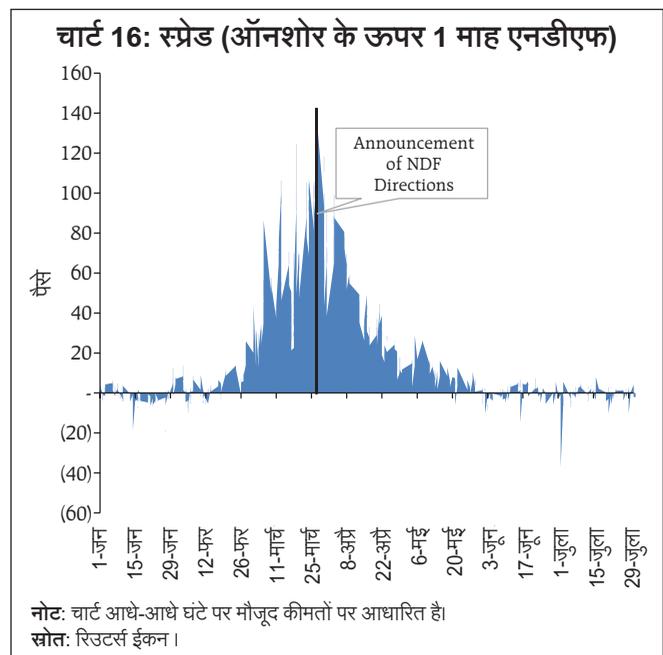
<sup>8</sup> बैंक भारत में अपनी शाखाओं के माध्यम से, अपनी IBUs के माध्यम से या अपनी विदेशी शाखाओं के माध्यम से (यदि विदेशी बैंक अपनी किसी शाखा के माध्यम से भारत में परिचालन कर रहे हों) इस तरह के लेनदेन कर सकते हैं।  
<sup>9</sup> बैंक शाखाओं के बीच बैक-टु-बैक लेनदेन सहित।

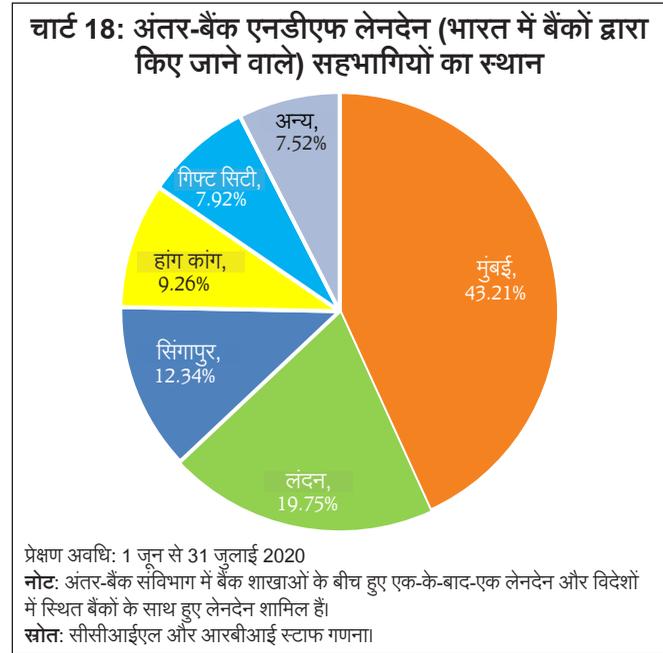
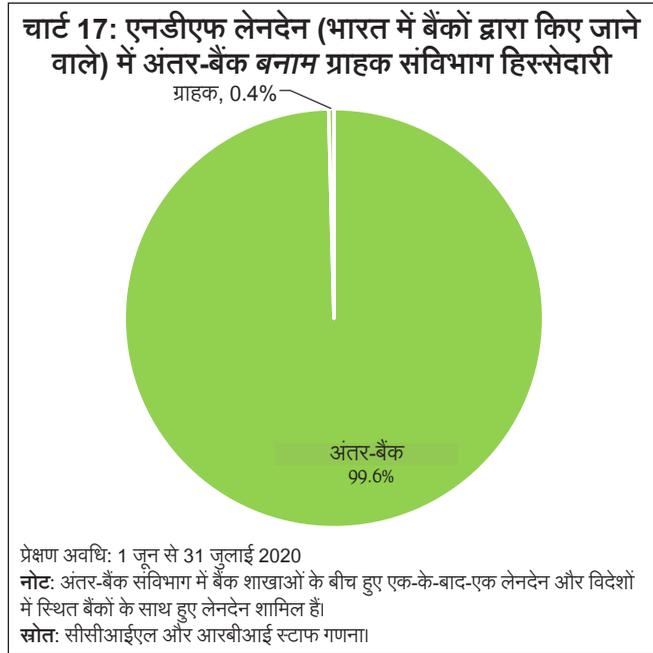


अमरीकी डालर 7 जुलाई 2020 को दर्ज किया गया (चार्ट 14)। हालांकि भारतीय बैंक फॉरवर्ड और ऑप्शन दोनों प्रकार के गैर-सुपुर्दगी योग्य व्युत्पन्नी अनुबंध में लेनदेन करते हैं, अब तक कुल कारोबार में 97 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ फॉरवर्ड अनुबंधों का दबदबा है जिनमें से अधिकांश अनुबंध लगभग एक सप्ताह की अल्प परिपक्वता अवधि वाले होते हैं (चार्ट 15)। इससे बाजार की सूक्ष्म संरचना- अपेक्षाकृत कम अवधि में अधिक तरलता- का पता चलता है और इस तथ्य का भी कि भारतीय बैंक अभी भी नये-नये (अनधिकृत) क्षेत्रों के आसपास ही अपना रास्ता तलाश रहे हैं, प्रतिपक्ष रेखाएं स्थापित कर रहे हैं और आंतरिक जोखिम प्रबंधन प्रणालियों को लागू कर रहे हैं।

अब तक लगभग समस्त व्यापार यूएस डालर / आईएनआर मुद्रा युग्म में हुआ है। मात्रावार देखें, तो यह पूरा का पूरा व्यापार अंतर-बैंक संविभाग में ही केंद्रित रहा है, हालांकि वैश्विक निधियों और कॉर्पोरेट्स का इस ओर रुझान धीरे-धीरे बढ़ने के भी संकेत मिल रहे हैं (चार्ट 17)। कुल लेनदेन का आधे से अधिक मुंबई स्थित भारतीय बैंक शाखाओं या आईबीयू द्वारा किया गया है

ऐसा प्रतीत होता है कि एनडीएफ बाजार में भारतीय बैंकों के आने से ऑफशोर एवं ऑनशोर बाजारों के बीच कीमतों के अंतर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है (चार्ट 16)। अस्थिरता कम होने और 27 मार्च 2020 को एनडीएफ संबंधी दिशानिर्देशों की घोषणा के प्रभाव के कारण स्प्रेड धीरे-धीरे सामान्य होता गया है। यह स्प्रेड जो मार्च 2020 में 100 पैसे से अधिक हो गया था, वह 01 जून आते-आते शून्य/शून्य के निकट (कुछ मौकों पर ऋणात्मक) हो गया क्योंकि ऑफशोर एवं ऑनशोर बाजारों के बीच कीमतों के अंतर के अंतरपणन को मिटाने लगे।





(चार्ट 18)। ऑफशोर सहभागी मुख्य रूप से लंदन, सिंगापुर और हांगकांग में स्थित थे।

यह महत्वपूर्ण है कि एक ऑनशोर अंतर-बैंक एनडीएफ बाजार विकसित हुआ है जिसमें स्थानीय बैंक एक दूसरे के साथ लेनदेन कर रहे हैं। एनडीएफ बाजार में भारतीय बैंकों की भागीदारी से अंतर-बैंक जोखिम प्रबंधन के विकल्प बढ़ गए हैं और इससे आगे चलकर ग्राहकों के लिए हेजिंग लागत कम करने में मदद मिल सकती है।

इस बढ़ते अंतरराष्ट्रीयकरण के अनुसरण में विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव के लिए विनियामकीय ढांचा भी विकसित हुआ है। विदेशी मुद्रा जोखिमों से बचाव के लिए संशोधित विनियामकीय ढांचा 7 अप्रैल को लाया गया। इसके दिशानिर्देश 1 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगे। इनकी प्रमुख बातें इस प्रकार हैं :

- निवासियों और गैर-निवासियों को उपलब्ध सुविधाओं को एक साथ मिलाते हुए सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एकल एकीकृत सुविधा की शुरुआत ;
- उपयोगकर्ता वर्गीकरण फ्रेमवर्क लाया गया है, जो न केवल छोटे उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान करता है, बल्कि अधिक परिष्कृत ग्राहकों के लिए उत्पाद नवाचार को भी सुविधाजनक बनाता है ;

- वैध जोखिम का सामना कर रहे उपयोगकर्ताओं को यह अनुमति देना कि वे किसी भी उपलब्ध उपकरण का उपयोग करके अपने जोखिम से सुरक्षा प्राप्त कर सकें ;
- अनुबंधों का निः शुल्क निरस्तीकरण और उनकी पुनः बुकिंग;
- प्रत्याशित जोखिमों से बचाव के लिए सुविधा प्रदान करना; तथा
- प्राधिकृत डीलरों के लिए विदेशी मुद्रा व्युत्पन्नी की पेशकश की प्रक्रिया को सरल बनाना।

## V. निष्कर्ष

ऑनशोर विदेशी मुद्रा बाजार को चौबीसों घंटे काम करने की अनुमति मिल जाने के बाद से आईएनआर में तरलता सीमित रूप से ही सही पर अब सामान्य बाजार समय के बाद भी बनी रह रही है, लेकिन इससे घरेलू बाजारों तक गैर-निवासियों की व्यापक पहुंच के लिए जमीन तैयार हो रही है। भारतीय बैंकों की स्थिति ऐसी नहीं है कि वे ऐसे ऑफशोर ग्राहकों तक पहुंच सकें जो अभी तक एनडीएफ बाजार पसंद करते रहे हैं। एनडीएफ बाजारों में व्यापार की शुरुआती मात्रा लगभग पूरी तरह से अंतर-बैंक संविभाग में थी और कुछ सीमित समकक्षों के साथ।

यह अप्रत्याशित नहीं था क्योंकि भारत में बैंकों के केवल कुछ ही प्रतिपक्षी हैं जिसमें विदेशी संस्थाओं की संख्या बहुत कम है। ऑफ़शोर बाजारों से ऑनशोर बाजारों की ओर बढ़ने में ग्राहकों की हिचक धीरे-धीरे कम हो रही है और वैश्विक कॉर्पोरेट्स और फंडों की ओर से इसमें रुचि लिए जाने के संकेत पहले से ही दिख रहे हैं। चूंकि एनडीएफ बाजार में भारतीय बैंक बड़ी संख्या में सक्रिय रूप से भाग लेना शुरू कर रहे हैं, उनसे आईएनआर व्यापार का रुख ऑफ़शोर बाजारों से ऑनशोर बाजारों और साथ ही, आईएफएससी की ओर करने हेतु प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। जो विनियामकीय ढांचा अपनाया गया है उससे आईएनआर जोखिम से सुरक्षा के लिए ऑनशोर बाजार का रुख करने वालों की संख्या बढ़ेगी। अन्य पहलों – ब्याज-दर

व्युत्पन्नियों के लिए बने दिशानिर्देशों में संशोधन ताकि उन तक अनिवासियों की पहुँच को आसान बनाया जा सके, लंबी अवधि के लिए निवेश की इच्छा रखने वाले पोर्टफोलियो निवेशकों को आकर्षित करने के लिए स्वैच्छिक अवधारण मार्ग (वीआरआर), और हाल ही में सरकारी कर्ज प्रतिभूतियों में जोखिम बढ़ाने की अनुमति देने वाला सम्पूर्ण सुलभ मार्ग (एफएआर) – से आईएनआर जोखिम और उससे सुरक्षा की ज़रूरतें बढ़ेंगी। इसके साथ ही, घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार के उदारीकरण और इसे और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से किए गए हाल के उपायों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रोफाइल के अनुरूप ही आईएनआर के पूर्ण अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण होगा।

## मौद्रिक नीति और वित्तीय बाजार : ट्विस्ट और टैंगो\*

यह लेख भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल में किए गए विशेष बाजार परिचालनों – ऑपरेशन ट्विस्ट (ओटी) और दीर्घ-कालिक रेपो परिचालनों (एलटीआरओ) का विश्लेषण करता है, जिसे इस प्रकार तैयार किया गया है कि चलनिधि को आरामदायक और मौद्रिक नीति के संचरण को सहज बनाना सुनिश्चित किया जा सके। हम मौद्रिक नीतिगत घोषणाओं के प्रत्याशित और अप्रत्याशित घटकों को पृथक करने के लिए ओवरनाइट इन्डेक्स्ड स्वैप (ओआईएस) दरों का उपयोग करते हैं और सरकारी बॉन्ड के प्रतिफलों पर मौद्रिक नीतिगत हैरत और विशेष परिचालनों के प्रभाव का विश्लेषण करते हैं। घोषणा के दिनों के आसपास की घटनाओं के अध्ययन-विश्लेषण संकेत देते हैं कि (i) सरकारी प्रतिभूति (जीसेक) से होनेवाले प्रतिफल आम तौर पर मौद्रिक नीतिगत हैरत से प्रभावित होते हैं, और (ii) ओटी एवं एलटीआरओ का कतिपय परिपक्वताओं वाले जीसेक प्रतिफलों पर खासा प्रभाव पड़ा है।

### परिचय

वित्तीय बाजार परिवेश वास्तविक अर्थव्यवस्था में मौद्रिक नीति के आवेगों के संचरण का प्रमुख चैनल है, जबकि तुलन पत्र चैनल, विनिमय दर चैनल, आस्ति मूल्य चैनल और विश्वास चैनल (मिशकिन, 2012) अन्य चैनल हैं। विशिष्ट अनुक्रम में, नीति दर में बदलाव का मुद्रा बाजार दरों पर पूर्ण रूप से सतत प्रभाव पड़ता है। जहां तक ये अल्प-कालिक दरें बेंचमार्क के रूप में कार्य करती हैं, नीति दर में बदलाव जीसेक प्रतिफल और बैंक उधार दरों जैसी दीर्घ-कालिक दरों का रास्ता खोज लेती हैं। बदले में, कॉर्पोरेट बॉन्ड और अन्य स्थायी आय लिखतों के मूल्य निर्धारण के लिए जीसेक प्रतिफल का बेंचमार्क के रूप में उपयोग किया जाता है, जबकि बैंक की उधार दरें अन्य वित्तीय बिचौलियों द्वारा लगाई जाने वाली ब्याज दरों के लिए संदर्भ बिंदु के रूप में काम करती हैं। जहां मौद्रिक नीति की प्रसार प्रक्रिया का यह सार रूप पाठ्य-पुस्तक के अर्थ में सहज रूप से तार्किक और समुचित प्रतीत होता

है, वहीं वास्तविक जीवन में ऐसा नहीं होता। व्यवहार में, कई अड़चनें हैं जो मौद्रिक नीति के संचरण में विलंब पैदा करती हैं, पूरा होने नहीं देती हैं और कभी-कभी खंडित कर देती हैं। यह एक ऐसा विषय है जिस पर साहित्य (रोमर, 1989; और रोमर, 2015; बर्नानके और गर्टलर, 1995; कहस्यप एवं अन्य, 1993) की भरमार है और भारत (मित्रा और चट्टोपाध्याय, 2020) में भी। इसके परिणामस्वरूप, मौद्रिक प्राधिकारी संचरण के उद्देश्य से प्रायः इन अड़चनों को सहज बनाने, दुरुस्त करने और उपाय करने में लगे रहते हैं। मात्रात्मक सहजता (क्यूई) केंद्रीय बैंकों की हाल की एक ऐसी गतिविधि है जो अत्यधिक प्रकट उदाहरण है, जिसका अर्थव्यवस्था में टर्म प्रीमिया और दीर्घकालिक ब्याज दरों पर प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ता है। बैंक ऑफ जापान की आय वक्र प्रबंधन नीति एक दूसरा व्यापक रूप से देखा गया कदम है जो समान प्रकार का उपाय है जिसका मकसद मौद्रिक संचरण की क्षमता को बढ़ाना होता है। इस पृष्ठभूमि में, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल में किए गए दो विशेष प्रकार के बाजार परिचालनों – ओटी और एलटीआरओ का अध्ययन करना इस लेख को लिखने के लिए प्रेरित करता है।

ओटी के जरिए दीर्घावधि परिपक्वता (अर्थात्, दस साल एवं पांच साल) वाले जीसेक खीरदे जाते हैं और एक एवं तीन साल के वास्तविक/अवशिष्ट परिपक्वता वाले अल्पावधि जीसेक बेचे जाते हैं। एलटीआरओ पुनः क्रय करार हैं जो सरकारी प्रतिभूतियों द्वारा संपार्श्वकीकृत होते हैं, जिसके द्वारा केंद्रीय बैंक नीतिगत रेपो दर पर बैंकों को एक से तीन साल के लिए पैसा उधार देता है। दर असल, वे निधि की लागत (एलटीआरओ के मामले में) और टर्म प्रीमिया (ओटी के मामले में) को कम कर के मौद्रिक संचरण को आसान बनाएंगे। जहां निधि लागत चैनल ऋण उठाने में मदद करेगा वहीं टर्म प्रीमिया में कटौती से साफ़ हो जाता है कि वित्तीय बाजार परिवेश की मीयाद संरचना में दरों में कमी आएगी। कुल मिलाकर, इन परिचालनों का लक्ष्य प्रणाली में पर्याप्त सुलभ चलनिधि सुनिश्चित कराना है जिससे मौद्रिक नीति के संचरण में मदद हो सके।

तदनुसार, हम मौद्रिक नीति के रुख और ओवरनाइट इन्डेक्स्ड स्वैप (ओआईएस) बाजार, जीसेक प्रतिफलों और जीसेक-ओआईएस स्प्रेड के बीच के संबंध का विश्लेषण करते हैं। हम मौद्रिक नीतिगत घोषणाओं के प्रत्याशित और अप्रत्याशित

\* यह लेख टी. रबी शंकर, कार्यपालक निदेशक, आरबीआई के संपूर्ण मार्गदर्शन में कार्यनीतिक अनुसंधान इकाई के सतदु दास, सौरभ घोष और विद्या कामट द्वारा तैयार किया गया है। लेख में व्यक्त विचार लेखकों के अपने विचार हैं और जरूरी नहीं है कि वे भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों को दर्शाते हों।

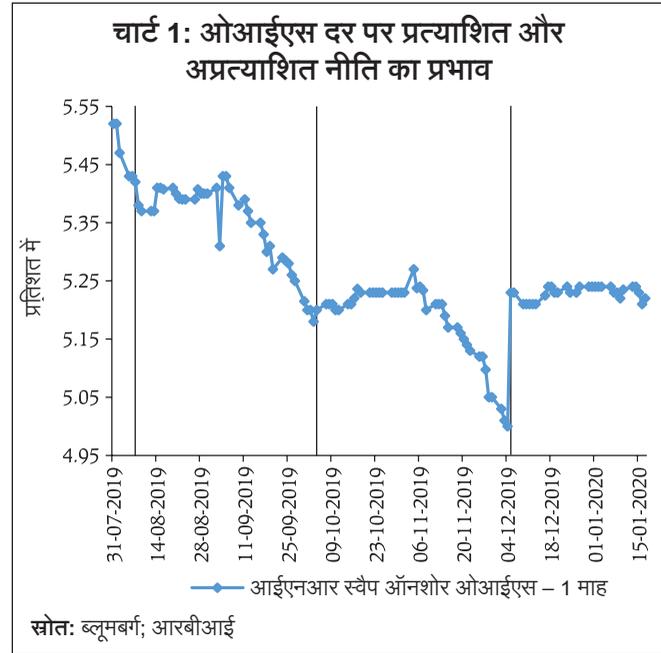
घटकों को पृथक करने के लिए ओआईएस दरों का उपयोग कर के सरकारी बॉन्ड के प्रतिफलों पर पाए गए 1-दिवसीय प्रभाव का आकलन करने के जरिए, जिसे ऐसे विशेष परिचालनों के गतिशील प्रभाव का मॉडल-आधारित आकलन का सहारा प्राप्त है, मौद्रिक नीतिगत हैरत और विशेष परिचालनों के प्रभाव का विश्लेषण करते हैं। संक्षेप में कहें तो, हमारे नतीजे संकेत देते हैं कि (i) सामान्यतः जीसेक प्रतिफल मौद्रिक नीतिगत हैरत को लेकर प्रतिक्रिया देते हैं, तथा (ii) ओटी और एलटीआरओ का कतिपय परिपक्वता वाले जीसेक प्रतिफलों पर काफ़ी प्रभाव पड़ा है।

लेख के शेष अंश को तीन भागों में विभाजित किया गया है। भाग II ओआईएस संविदाओं के प्रगतिशील स्वरूप का साक्ष्य प्रदान करता है जो सरकारी बॉन्ड पर मौद्रिक नीतिगत घोषणाओं के प्रभाव को आंकने में ओआईएस को इस्तेमाल करने योग्य बनाता है। भाग III बॉन्ड प्रतिफलों पर आरबीआई के विशेष परिचालनों के प्रभाव का विश्लेषण करता है। भाग IV में कतिपय नीतिगत नज़रिया बताया गया है।

## II. ओआईएस एवं सरकारी प्रतिभूतियों पर मौद्रिक नीति का प्रभाव

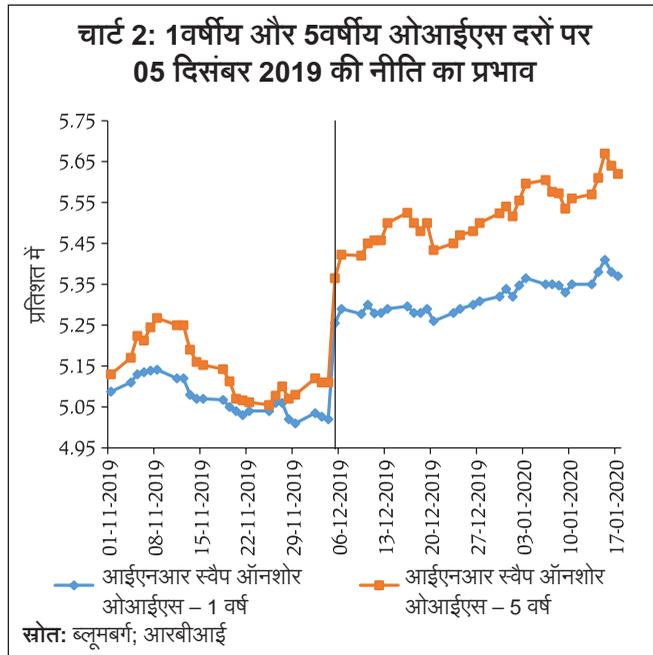
ओवरनाइट इन्डेक्सड स्वैप दुनिया भर में वित्तीय संस्थाओं द्वारा ब्याज दर जोखिम प्रबंधन के लिए बहुधा इस्तेमाल किया जाने वाला साधन है। स्वैप के अस्थिर अंश को एक-दिवसीय (ओवरनाइट) ब्याज दर, अर्थात्, मुंबई अंतर-बैंक प्रस्तावित दर (माइबोर) के साथ लिंक किया गया है, जिसे संविदा की अवधि के दौरान प्रति दिन जोड़ा जाता है ताकि टर्म प्रीमियम के साथ ही स्वैप का स्थिर अंश प्राप्त किया जा सके। इसमें शामिल पक्षकार परिपक्वता<sup>1</sup> पर स्थिर और अस्थिर ब्याज दरों के अनुसार अनुमानित मूलधन पर परिकलित उपचित ब्याज में होने वाले अंतर की अदला-बदली के लिए सहमत होते हैं।

<sup>1</sup> भारत में ओआईएस बाजार को लेकर विस्तृत चर्चा के लिए घोष और आचार्य (2010) का संदर्भ लें। यह उल्लेख किया जा सकता है कि शीर्षकित लेख के अनुसार जीसेक दर ओआईएस दर का प्रमुख निर्धारक है, तथापि हम पाते हैं कि सैम्पल अवधि के दौरान जीसेक बाजार मौद्रिक नीति (नीति की तारीखों के दौरान ओआईएस दर में बड़े बदलावों का प्रॉक्सी के रूप में इस्तेमाल करना) के अप्रत्याशित या आश्चर्यजनक घटक से संकेत लेते हैं। हमारी अनुभवजन्य कार्यनीति कतिपय हाल के अध्ययनों (लॉयड, 2018; कंबर और मोहंती, 2018) का अनुसरण करती हैं और नीति दर के वायदों के लिए ओआईएस दर का प्रॉक्सी के रूप में इस्तेमाल करती हैं। यह भी स्पष्ट कहा जा सकता है कि इस लेख में विचाराधीन सैम्पल (मई 2014 - दिसंबर 2019) में हमें जीसेक दर ओआईएस दर का निर्धारक होने का कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। हमारे सैम्पल की मदद से किया गया ग्रेन्जर केशुअल्टी टेस्ट विपरीत परिणाम दर्शाता है, अर्थात्, ओआईएस दर ग्रेन्जर कॉज़ जीसेक दर और न कि इसके उल्टे।



ओआईएस संविदाएं अपनी आकृति के अनुसार मुद्रा बाजार के लिए वायदा खंड के रूप में कार्य करती हैं। बगैर-अंतरपणन वाली स्थिति यह सुनिश्चित करती है कि ओआईएस संविदा का स्थिर अंश प्रत्याशित एक-दिवसीय दरों, जो संविदा की अवधि के दौरान प्रति दिन जुड़ती जाती हैं, सहित टर्म प्रीमियम के बराबर होना चाहिए। अतः, संविदा की अवधि के दौरान यदि एक-दिवसीय दरें बढ़ने (घटने) की उम्मीद की जाती हैं तो नतीजतन ओआईएस दर बढ़नी (घटनी) चाहिए। ओआईएस की यह विशेषता 'हैरत' कर देने वाली विषय-वस्तु को अलग करने में मददगार होती है जो मुद्रा बाजार दरों को प्रभावित कर सकती है। सभी प्रत्याशित सूचना का ओआईएस दरों में मूल्य-निर्धारण किया जाता है इसलिए केवल अप्रत्याशित बाजार संवेदनशील समाचार का ही इस पर प्रभाव पड़ सकता है (चार्ट 1)।

वर्टिकल बार मौद्रिक नीतिगत घोषणाओं की तारीख दर्शाते हैं (चार्ट 1)। ओआईएस बाजार आम तौर पर मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा दर के संबंध में किए गए फैसलों के प्रमुख संकेत देते हैं। 07 अगस्त 2019 और 04 अक्टूबर 2019 की घोषणाओं में बाजार को आश्चर्यचकित करने वाली कोई बात नहीं थी एवं इसलिए इन तारीखों में ओआईएस दर में ज्यादा फेरबदल देखने को नहीं मिला। फिर भी, 05 दिसंबर 2019 को एमपीसी द्वारा दर में कोई कटौती नहीं करने की घोषणा किए जाने के बाद 1-माह ओआईएस उछलकर 23 आधार अंक हो गया, जो दर्शाता है कि



इसने बाजार को आश्चर्यचकित कर दिया क्योंकि दर में कटौती की उम्मीद की जा रही थी। उसके बाद, 1-माह ओआईएस दर स्थिर रही, जो दर्शाती है कि फरवरी 2020 की बैठक में बाजार में दर में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं की जा रही थी।

1-वर्षीय और 5-वर्षीय ओआईएस दरें एकाधिक नीति दर घोषणा संबंधी प्रत्याशाओं को हिसाब में लेती हैं और, इस प्रकार दीर्घावधि नीति दर प्रत्याशा संबंधी बाजार अनुमान लगाती हैं। हम देख सकते हैं कि 1 और 5 वर्षीय ओआईएस दरें दोनों दिसंबर 2019 की घोषणा के बाद से धीरे-धीरे बढ़ने लगी थीं, जो दीर्घावधि स्फीतिकारी प्रत्याशाओं और जीडीपी वृद्धि का न्यूनतम स्तर पर पहुंचने की आशंका को हिसाब में लेने के बाद भावी अल्पावधि दर बढ़ने की प्रत्याशाओं का संकेत देती हैं (चार्ट 2)।

ओआईएस दर में वास्तविक नीति की घोषणा से काफी पहले ही आगामी मौद्रिक नीति के फैसलों की प्रत्याशा में संचलन देखने को मिलता है और जीसेक बाजार ओआईएस बाजार से संकेत प्राप्त करता है। यह दर्शाता है कि वास्तविक नीतिगत फैसले के काफी पहले ही नीति में प्रत्याशित बदलाव का जीसेक प्रतिफल में मूल्य निर्धारित किया जाता है (चार्ट 3)।

इस अनुमान की औपचारिक रूप से जांच नीति दर में परिवर्तन से जीसेक प्रतिफल में 1-दिवसीय बदलाव और नीति

के दिनों में ओआईएस दर में 1-दिवसीय बदलाव को पूर्वावस्था में लाते हुए की जा सकती है<sup>2</sup> यदि जीसेक प्रतिफल वास्तविक नीतिगत फैसला आने से पहले ही प्रत्याशित दर संबंधी फैसलों के अनुकूल हो जाता है तो अधिकांश मौद्रिक नीतिगत फैसलों का नीति की घोषणा के दिनों में जीसेक प्रतिफल पर प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि इस तरह की प्रत्याशित नीतियों का जीसेक बाजार में पहले से ही मूल्य निर्धारित किया जाएगा। जीसेक प्रतिफल सिर्फ नीतिगत फैसलों के प्रतिक्रियास्वरूप बदलता है, जिसकी कोई प्रत्याशा, अर्थात् 'आश्चर्य', नहीं किया गया था, जिसका पता नीति के दिनों में ओआईएस में बदलाव द्वारा लगाया जा सकता है। ओआईएस लिखतों की परिभाषा के मुताबिक वे प्रगतिशील होते हैं और इसमें निकट भविष्य के सभी प्रत्याशित मौद्रिक नीतिगत फैसलों को हिसाब में लिया जाता है। मौद्रिक नीति में 'आश्चर्य' के मामले में, ओआईएस में 1-दिवसीय बदलाव नीति में आश्चर्य के अंश की माप देगा क्योंकि इससे यह पता लगेगा कि बाजार प्रत्याशाएं वास्तविक नीति से कितनी दूर हैं। हम मई 2014 और दिसंबर 2019 अवधि के बीच 33 नीति दिनों पर विचार करते हैं। सारणी 1 में रिग्रेशन का नतीजा दिया हुआ है।

<sup>2</sup> हम केनेथ एन. कुटनर (2001) के प्रयोगसिद्ध मॉडल का अनुसरण करते हैं।

सारणी 1: जीसेक पर मौद्रिक नीति का प्रभाव

	10वर्षीय जीसेक प्रतिफल	10वर्षीय जीसेक प्रतिफल
मौद्रिक नीति का प्रभाव	-0.0150 (0.0438)	0.0237 (0.0221)
10वर्षीय ओआईएस का प्रभाव (नीति का अप्रत्याशित अंश)		<b>0.4496***</b> (0.0631)
N	33	33

कोष्ठकों में मानक त्रुटियां

\* $p < 0.10$ , \*\* $p < 0.05$ , \*\*\* $p < 0.01$ 

सारणी में सूचित किया गया रिग्रेशन इस प्रकार है

- $\Delta \text{Log}(GSEC)_{t,t-1} = b * \Delta \text{Log}(Repo)_{t,t-1} + e_t$
- $\Delta \text{Log}(GSEC)_{t,t-1} = b * \Delta \text{Log}(Repo)_{t,t-1} + c * \Delta \text{Log}(OIS)_{t,t-1} + e_t$

सैम्पल में मई 2014 से दिसंबर 2019 के नीतिगत दिनों को शामिल किया गया है।

प्रथम कॉलम के अनुसार जीसेक प्रतिफलों का नीति के फैसलों के साथ सांख्यिकीय तौर पर महत्वपूर्ण संबंध प्रतीत नहीं होता है। फिर भी, यदि हम मौद्रिक नीति के अप्रत्याशित अंश या 'आश्चर्य' को लेकर जीसेक प्रतिफल को रिग्रेशन करते हैं, जिसका पता नीति के दिनों में 10-वर्षीय ओआईएस दरों में बदलाव द्वारा लगाया जाता है, तो यह अप्रत्याशित नीतिगत फैसलों का जीसेक प्रतिफलों के साथ महत्वपूर्ण संबंध दर्शाता है। इसका आशय है कि नीति के फैसलों को घोषणा से पहले ही जीसेक प्रतिफल में हिसाब में लिया जाता है, जिसकी प्रत्याशाएं नीति की घोषणा के दिनों के पूर्व की जाती हैं और सिर्फ नीतिगत आश्चर्य का नीति के दिनों में जीसेक प्रतिफल पर प्रभाव पड़ता है।

आगे, हम जीसेक प्रतिफल पर इस तरह के आश्चर्य के प्रभाव की मात्रा और निरंतरता को मापते हैं। जैसा ऊपर इंगित किया गया है, ओआईएस, जीसेक बाजार पर अप्रत्याशित घटनाओं के प्रभाव का पता लगाता है। प्रयोगसिद्ध साक्ष्य बताते हैं कि ओआईएस में 1-दिवसीय बदलाव जितना अधिक होता है उतना ही अधिक आश्चर्य का अंश होता है। इस तरह की घटनाओं में मौद्रिक नीतिगत आश्चर्य, अप्रत्याशित राजकोषीय नीतिगत परिवर्तन, अप्रत्याशित जीडीपी वृद्धि दर, अप्रत्याशित मुद्रास्फीति,

और सरकार का अप्रत्याशित राजस्व, आदि हो सकते हैं<sup>3</sup> हम जीसेक प्रतिफल पर ओआईएस दरों में बड़े 1-दिवसीय बदलावों के प्रभाव को मापने के लिए स्थानीय लीनियर प्रॉजेक्शन (एलएलपी) उपाय का इस्तेमाल करते हैं।

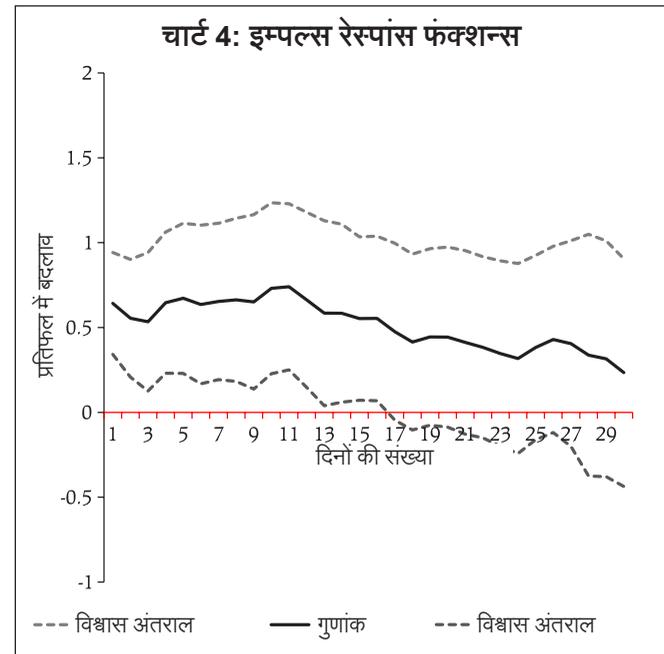
स्थानीय लीनियर प्रॉजेक्शन उपाय को निम्नलिखित समीकरण द्वारा बताया गया है :

$$3. \Delta \text{Log}(GSEC)_{t,t-1} = \beta_1 * Surprise + \theta_h * \Delta \text{Log}(GSEC)_{t-1,t-2} + \epsilon_t, \text{ where } h = 1, 2, \dots, 30$$

यहां 'आश्चर्य' अंश को ओआईएस दर में बड़े दैनिक बदलाव के रूप में परिभाषित किया गया है। हम सर्वाधिक 2.0 प्रतिशत के ऐसे बदलावों पर विचार करते हैं, जो हमें ऐसे 31 'आश्चर्य' की घटनाएं प्रदान करते हैं।

हम 2014 और 2019 के बीच की अवधि पर विचार करते हैं। नतीजों को इम्पल्स रेस्पॉन्स फंक्शन्स के रूप में दर्शाया गया है (चार्ट 4)।

हम देख सकते हैं कि बड़े आश्चर्य का जीसेक बाजार पर बड़ा और निरंतर प्रभाव पड़ता है। यह 0.5 से अधिक के परिमाण के



<sup>3</sup> हम जीसेक प्रतिफल पर 33 मौद्रिक नीतिगत घोषणाओं के प्रभाव का माप कर रहे हैं। जब तक गैर-मौद्रिक आश्चर्य एमपीसी की घोषणाओं के साथ नियमानुसार सहसंबद्ध नहीं होते हैं तब तक हमारे अनुमान इस तरह की घोषणाओं से प्रभावित नहीं होंगे।

साथ अगले पूरे 15-16 दिनों के लिए जीसेक प्रतिफल को प्रभावित करता है। गुणांकों से तात्पर्य है कि एक दिन में ओआईएस दर में एक प्रतिशत बदलाव से जीसेक प्रतिफल 16 दिनों तक के लिए औसतन 0.5 प्रतिशत अधिक होगा।

### जीसेक और ओआईएस के बीच का स्प्रेड

यह उल्लेख किया जाता है कि जनवरी 2019 से 10-वर्षीय जीसेक प्रतिफल और ओआईएस दरों के बीच का स्प्रेड बढ़ने लगा है (चार्ट 3)। साथ ही, यह दर्शाता है कि अगस्त 2019 तक जीसेक बाजार में मौद्रिक नीति का ठीक-ठाक संचरण देखने को मिलता है और उसके बाद दर में कटौती का जीसेक प्रतिफल पर प्रभाव कम होता प्रतीत होता है तथा स्प्रेड और अधिक बढ़ गया है।

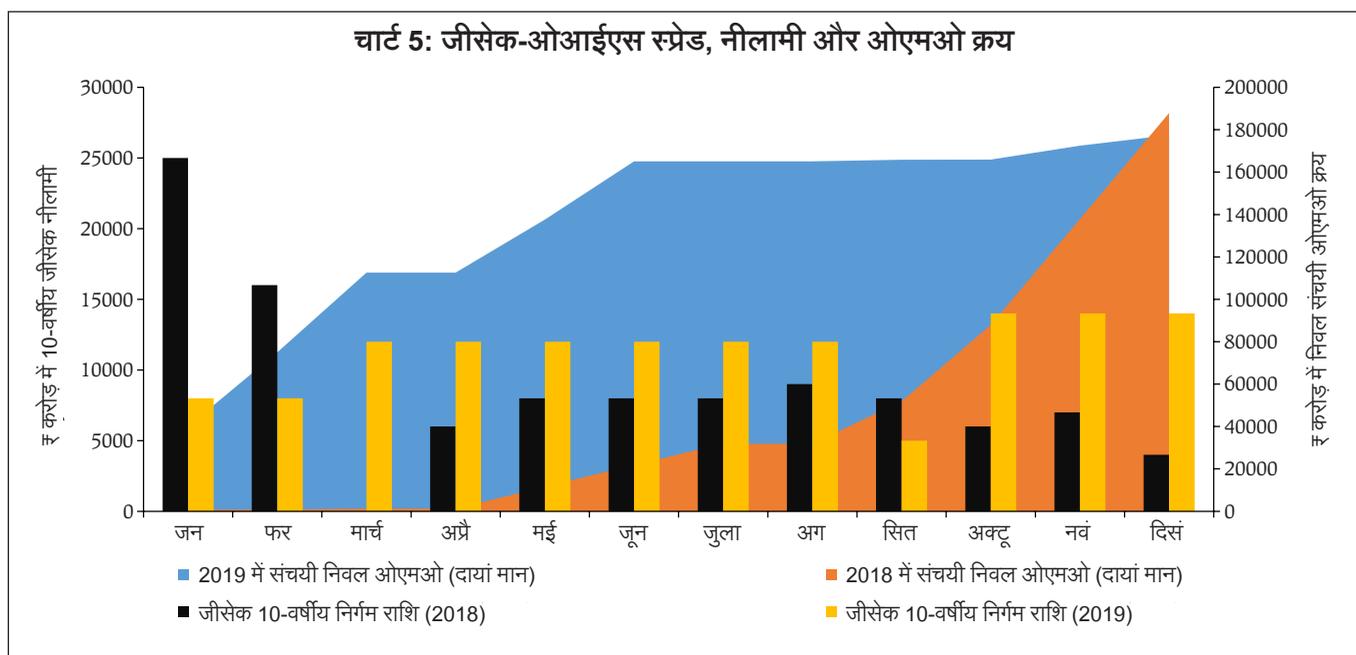
प्रतिभूतियों की मांग और आपूर्ति के संदर्भों में स्प्रेड में इस तरह के इजाफे को स्पष्ट करने के लिहाज से, हम जीसेक नीलामियों और निवल खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) से किए गए क्रय का विश्लेषण करते हैं। यह पाया गया है कि 2019 में 10-वर्षीय जीसेक आपूर्ति में वृद्धि हुई है तथा नतीजतन जीसेक प्रतिफलों पर दबाव बढ़ा है। ओएमओ क्रय, जो इस तरह की प्रतिभूतियों की मांग में इजाफा करता है, 2018 की अपेक्षा 2019 में कम था जहां आपूर्ति और मांग में बेमेलपन की वजह से जीसेक प्रतिफल बल्कि स्थिर हुआ, वहीं ओआईएस दर ने नीति में उदारता के सिलसिले का अनुसरण किया जिससे उसमें गिरावट आई और स्प्रेड बढ़ा (चार्ट 5)।

### III. आरबीआई के विशेष बाजार परिचालनों का प्रभाव

रिज़र्व बैंक ने संचरण को बेहतर करने और बैंकों को प्रचलित बाजार स्थितियों की अपेक्षा किफ़ायती लागत पर टिकाऊ चलनिधि की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से दो प्रकार के विशेष बाजार परिचालन किए – ओटी एवं एलटीआरओ। इन परिचालनों का उद्देश्य बैंकों को परिपक्वता रूपांतरण करने और लाभप्रद क्षेत्रों को ऋण प्रवाह में वृद्धि के लिए बढ़ावा देना है।

#### ए. ऑपरेशन ट्विस्ट

रिज़र्व बैंक ने दिसंबर 2019 और जनवरी 2020 में चार दफे ओएमओ के तहत एकसाथ सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय की घोषणा की और उसे अंजाम दिया। इस योजना में अधिक परिपक्वताओं वाले जीसेक खरीदे जाते हैं और समान रकम के कम परिपक्वताओं वाले जीसेक बेचे जाते हैं, जिसे ऑपरेशन ट्विस्ट के नाम से जाना जाता है। दीर्घावधि जीसेक खंड में कॉर्पोरेट बॉन्ड को प्रतिफलों के साथ बेंचमार्क किया जाता है। ओटी का लक्ष्य लंबे समय के लिए सरकारी प्रतिभूतियों से होने वाले प्रतिफलों को कम करने के जरिए वर्तमान उदार नीतिगत रुख का कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार में संचरण को बेहतर करना होता है। रिज़र्व बैंक के ओएमओ के घोषणा की तारीख और प्रतिभूति खरीद/बिक्री विवरण अनुबंध में सूचीबद्ध हैं (सारणी 1)।



हमने रिजर्व बैंक द्वारा इन चार विशेष ओएमओ के लिए घोषणा दिवस के आसपास एक उच्च आवृत्ति घटना अध्ययन विश्लेषण किया [स्वानसन, एवं अन्य (2011) और जोन्स (1998)]। तर्कसंगत प्रत्याशाओं की परिकल्पना के तहत, आस्ति मूल्यों को घोषणा के तुरंत बाद सार्वजनिक घोषणा से सभी जानकारी पूरी तरह से शामिल करनी चाहिए। दरों में 1-दिवसीय परिवर्तन का अध्ययन आस्ति से होनेवाली आय को लेकर घोषणा के प्रभाव का निष्पक्ष अनुमान प्रदान करना चाहिए।

हम रिजर्व बैंक द्वारा घोषणाओं के बाद ओआईएस दरों में 1-दिवसीय बदलाव को देखते हैं। रिजर्व बैंक द्वारा इन सभी चार ओएमओ की घोषणा प्रेस विज्ञप्ति के रूप में हुई जो वित्तीय बाजारों के बंद होने के बाद इसकी वेबसाइट पर पोस्ट की गई थी। लिहाजा, दरों में 1-दिवसीय बदलाव की गणना घोषणा के दिन और अगले कारोबार दिवस के बीच ओआईएस दरों में बदलाव के रूप में की जाती है। इस विश्लेषण के लिए, हम 1-महीने, 3-महीने, 6-महीने, 1-वर्ष, 5-वर्ष और 10-वर्ष की ओआईसी दरों<sup>4</sup> पर विचार करते हैं। इन प्रतिक्रियाओं में से प्रत्येक के सांख्यिकीय महत्व को इन विशेष ओएमओ की घोषणा के महीने से पहले एक वर्ष की अवधि में समान आकार के विंडो पर इसी दरों के बेशर्त मानक विचलन के सापेक्ष मापा जाता है। घोषणाओं के संगत महीनों को मानक विचलन की गणना से बाहर रखा जाता है, ताकि मानक विचलन को खुद घटना से बुरी तरह से प्रभावित होने से रोका जा सके।

इस विश्लेषण के लिए अशक्त परिकल्पना यह है कि ओटी की घोषणाओं का किसी भी परिपक्वता वाली ओआईएस दरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वैकल्पिक परिकल्पना बताती है कि घोषणाएं मौद्रिक नीति के भावी राह को लेकर वित्तीय बाजारों के लिए एक संकेत प्रदान कर सकती हैं।

घटना के अध्ययन के परिणामों से संकेत मिलता है कि ओआईएस दरों पर ओटी घोषणाओं का प्रभाव मिश्रित है और सभी परिपक्वताओं में महत्वहीन है (सारणी 2)। 10-वर्षीय ओआईएस दरों पर सभी चार ओएमओ घोषणाओं की घोषणा का संचयी प्रभाव नगण्य है। यह अपेक्षित दिशा पर है। ओआईएस दरें मौद्रिक नीति के भावी राह को लेकर बाजार की प्रत्याशाओं का पता लगाता है। विशेष ओएमओ का उद्देश्य है कि जीसेक प्रतिफलों तक बेहतर संचरण स्थापित किया जा सके और इस तरह उसकी ओआईएस बाजारों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। ओआईएस दरें केवल ओटी घोषणाओं की सीमा तक प्रभावित होने की संभावना है जो भावी नीतिगत दरों में कटौती की दीर्घावधि प्रत्याशाओं के संकेत के रूप में काम करती हैं और ये प्रभाव छोटे होने की संभावना है<sup>5</sup>

इसके अलावा, हम 10 साल के बेंचमार्क जीसेक प्रतिफल पर नीति के प्रभाव को मापने के लिए सारणी 2 में प्रस्तुत किए गए प्रयोग के समान ही एक अभ्यास करते हैं (सारणी 3)।

नतीजों से संकेत मिलता है कि जीसेक प्रतिफलों पर दिसंबर 2019 की घोषणाओं के दौरान ओटी का सांख्यिकीय रूप से

## सारणी 2: ऑपरेशन ट्विस्ट की घोषणाओं का ओआईएस दरों पर प्रभाव

1-दिवसीय परिवर्तन	परिपक्वता					
	1-माह	3-माह	6-माह	1-वर्ष	5-वर्ष	10-वर्ष
	घोषणा संबंधी अनुमानित प्रतिक्रियाएं (आधार अंकों में)					
16 जनवरी 2020 - 17 जनवरी 2020	1.00	0.00	-1.00	-1.00	-2.00	-8.00
2 जनवरी 2020 - 3 जनवरी 2020	0.00	2.50	1.00	1.75	4.13	6.00
26 दिसंबर 2019 - 27 दिसंबर 2019	1.00	2.00	1.00	0.87	2.00	2.00
19 दिसंबर 2019 - 20 दिसंबर 2019	0.00	3.00	-1.00	-3.00	-6.63	-7.00
संचयी, सभी चार घोषणाएं (आधार अंकों में)	2.00	7.50	0.00	-1.38	-2.50	-7.00
1-दिवसीय ओआईएस दर परिवर्तन का बेशर्त मानक विचलन	3.96	3.29	3.04	3.40	5.08	5.21

<sup>4</sup> कोविड-19 के प्रकोप से पहले की घोषणाओं पर विचार किया गया है ताकि इन नीतियों के प्रभाव की एक सही पहचान करने की कोशिश की जा सके जिसके लिए मार्च 2020 की समाप्ति के बाद से वित्तीय बाजारों में कोलाहल और अस्थिरता को कारगर तरीके से हटाया गया।

<sup>5</sup> हम संयुक्त राज्य की ओआईएस दरों के संबंध में फेडरल रिजर्व के 2011-12 के ऑपरेशन ट्विस्ट के प्रभाव के समरूप विश्लेषण का भी नतीजा प्रदान करते हैं। विश्लेषण के नतीजों के मुताबिक फेड की नीति का ओआईएस पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा (अनुबंध सारणी 2)।

**सारणी 3: घोषणा के दिन ऑपरेशन ट्विस्ट की घोषणाओं का जीसेक प्रतिफलों पर प्रभाव**

1-दिवसीय परिवर्तन	10 वर्ष बेंचमार्क
16 जनवरी 2020 - 17 जनवरी 2020	0
2 जनवरी 2020 - 3 जनवरी 2020	0
26 दिसंबर 2019 - 27 दिसंबर 2019	-8*
19 दिसंबर 2019 - 20 दिसंबर 2019	-13**
संचयी, सभी चार घोषणाएं (आधार अंकों में)	-21**
जीसेक प्रतिफल में 1-दिवसीय परिवर्तन का बेशर्त मानक विचलन	4.56

\* $p < 0.10$ , \*\* $p < 0.05$ , \*\*\* $p < 0.01$

महत्वपूर्ण 1-दिवसीय प्रभाव था। जीसेक प्रतिफल पर संचयी प्रभाव लगभग 21 आधार अंक है। हमने 1-वर्षीय जीसेक प्रतिफलों पर ओटी घोषणाओं का नगण्य प्रभाव पाया, जो जीसेक प्रतिफल वक्र का ढलान समतल होने का संकेत देता है।

हमने पहले ही दर्शाया है कि ओटी की घोषणा का ओआईएस दरों पर कोई प्रमुख प्रभाव नहीं पड़ा है बल्कि उसका 10-वर्षीय जीसेक प्रतिफलों पर सांख्यिकीय तौर पर प्रमुख ऋणात्मक प्रभाव पड़ा है (सारणी 2 और सारणी 3)। इसलिए, हम ओटी की वजह से जीसेक - ओआईएस स्प्रेड के कम होने का पता लगाने की उम्मीद करते हैं। हम 10-वर्ष के परिपक्वता वाले जीसेक - ओआईएस स्प्रेड पर ओटी संबंधी घोषणाओं के 1-दिवसीय प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए उसी घटना अध्ययन तकनीक का इस्तेमाल करते हैं (सारणी 4)।

कुल मिलाकर, 10-वर्षीय जीसेक - ओआईएस स्प्रेड पर ओटी का संचयी प्रभाव 14 आधार अंक होता है, जो 10 प्रतिशत<sup>6</sup> पर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है।

**सारणी 4: जीसेक और ओआईएस के बीच के स्प्रेड पर ऑपरेशन ट्विस्ट की घोषणाओं का प्रभाव**

1-दिवसीय परिवर्तन	जीसेक और ओआईएस (10वर्षीय) के बीच के स्प्रेड पर प्रभाव
16 जनवरी 2020 - 17 जनवरी 2020	8*
2 जनवरी 2020 - 3 जनवरी 2020	-6
26 दिसंबर 2019 - 27 दिसंबर 2019	-10**
19 दिसंबर 2019 - 20 दिसंबर 2019	-6
संचयी, सभी चार घोषणाएं (आधार अंकों में)	-14*
जीसेक प्रतिफल में 1-दिवसीय परिवर्तन का बेशर्त मानक विचलन	4.25

\* $p < 0.10$ , \*\* $p < 0.05$ , \*\*\* $p < 0.01$

<sup>6</sup> 16 जनवरी 2020 की घोषणा का स्प्रेड पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता प्रतीत होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि घोषणा का 10-वर्षीय जीसेक प्रतिफल पर नगण्य प्रभाव पड़ा, जबकि इस दिन ओआईएस दर में कमी आई। संयोगवश आरबीआई ने उसी दिन जीसेक को लेकर स्विट्च ऑपरेशन की घोषणा की, जिसने संभवतः ओटी की घोषणा के प्रभाव को बराबर कर दिया।

**बी. दीर्घावधि रेपो परिचालन (एलटीआरओ)**

रिजर्व बैंक ने विकासात्मक और विनियामक नीति संबंधी अपने वक्तव्य में एलटीआरओ को लेकर अपने इरादे की घोषणा की, जिसे 06 फरवरी 2020 के मौद्रिक नीति वक्तव्य के साथ-साथ जारी किया गया था। एलटीआरओ के तहत, रिजर्व बैंक ने घोषणा की कि वह 1 साल और 3 साल के परिपक्वताओं वाले जीसेक को लेकर ₹1 लाख करोड़ मूल्य की पुनःक्रय संविदाएं करेगा। पुनःक्रय संविदाएं नीतिगत रेपो दर पर किए जाने होते हैं। नीतिगत रेपो दर इन परिपक्वताओं वाले जीसेक प्रतिफलों की अपेक्षा काफी कम होने की वजह से इस तरह की घोषणा संभवतः बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं के लिए अंतरपणन के अवसर का निर्माण कर सकता है। इस तरह के अंतरपणन से तुलना योग्य परिपक्वताओं वाले सरकारी एवं कॉर्पोरेट बॉन्ड के प्रतिफल घट सकते हैं और उधार की दरें कम हो सकती हैं, जिसे सरकारी बॉन्ड के साथ बेंचमार्क किया गया है।

06 फरवरी 2020 को जारी वक्तव्य में परिचालन के परिमाण और परिपक्वताओं को लेकर लक्ष्य निर्दिष्ट किया गया है। फिर भी, उसमें खरीद की जाने वाली प्रत्येक प्रतिभूति की राशि, एवं उनकी तारीख निर्दिष्ट नहीं की गई है। यह वक्तव्य बाजार के कार्य समय के दौरान सार्वजनिक किया गया था एवं इसलिए यह उम्मीद की जाती है कि बॉन्ड बाजार ने 06 फरवरी को कम से कम आंशिक रूप से ही प्रतिक्रिया दी होगी।

07 फरवरी 2020 को, रिजर्व बैंक ने इन लेनदेनों के प्रथम हिस्से की तारीखों की घोषणा की। प्रथम हिस्से के रूप में, 17 फरवरी 2020 को 3 साल के अवशिष्ट परिपक्वता वाले ₹25,000 करोड़ के जीसेक और 24 फरवरी 2020 को 1 साल के अवशिष्ट परिपक्वता वाले ₹25,000 करोड़ के जीसेक खरीदे जाने थे। यह घोषणा अपराह्न 5.30 बजे (अर्थात, बाजार के कार्य समयोपरांत) सार्वजनिक की गई थी। इसलिए, घोषणा का पूरा प्रभाव अगले व्यापार दिवस, अर्थात, 10 फरवरी 2020 को ही देखा जा सकता था।

लगातार दो अलग-अलग दिनों में एलटीआरओ की घोषणाओं को देखते हुए, हम एलटीआरओ के तहत चयनित प्रतिभूतियों के प्रतिफल में 3-दिवसीय परिवर्तन के साथ-साथ संगत परिपक्वताओं के ओआईएस में इन प्रतिभूतियों के स्प्रेड में 3-दिवसीय परिवर्तन का विश्लेषण करते हैं।

**सारणी 5: एलटीआरओ का जीसेक और जीसेक – ओआईएस स्प्रेड पर प्रभाव**

घोषणा संबंधी अनुमानित प्रतिक्रियाएं	3-वर्षीय जीसेक	जीसेक – ओआईएस स्प्रेड (3 वर्ष)	1-वर्षीय जीसेक	जीसेक – ओआईएस स्प्रेड (1 वर्ष)
3-दिवसीय परिवर्तन, 5 फरवरी 2020 – 10 फरवरी 2020 (8 और 9 फरवरी समाह का अंत)	-27.9***	-9.65	-8.5	2.5
मानक विचलन (4-दिवसीय)	7.1	6.1	5.7	5.8

\* $p < 0.10$ , \*\* $p < 0.05$ , \*\*\* $p < 0.01$

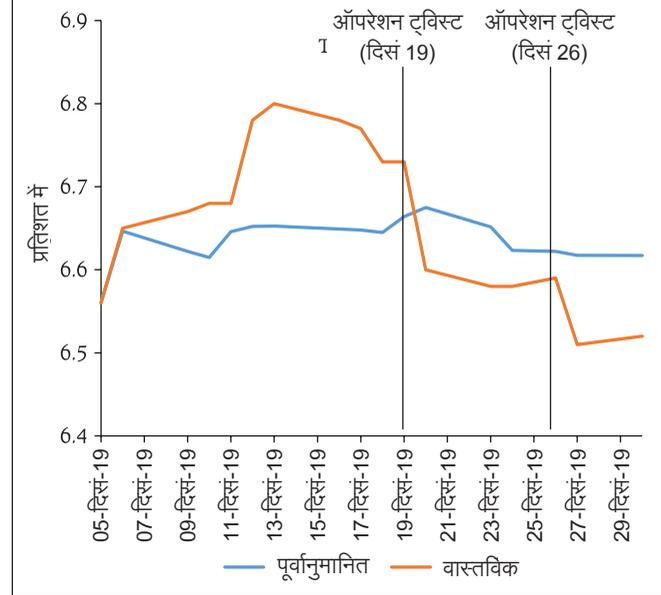
नतीजे दर्शाते हैं कि एलटीआरओ की घोषणा का संगत ओआईएस दरों की तुलना में 3-वर्षीय जीसेक पर सांख्यिकीय तौर पर महत्वपूर्ण ऋणात्मक प्रभाव पड़ा है बल्कि 1-वर्षीय जीसेक या स्प्रेड पर नहीं (सारणी 5)।

#### सी. विशेष ओएमओ का गतिशील प्रभाव

हमने सारणी 2 और सारणी 3 में ओटी से जुड़ी घोषणाओं के एक-दिवसीय प्रभाव का अनुमान लगाया है। फिर भी, समीकरण 3 में परिभाषित हमारा स्थानीय लीनियर प्रॉजेक्शन मॉडल दर्शाता है कि मौद्रिक नीति में हैरत करने वाली घोषणा का जीसेक प्रतिफल पर अगले 16 कारोबार दिवस तक प्रभाव पड़ सकता है (चार्ट 4)। हमारे मॉडल में हैरत को ओआईएस में 1-दिवसीय बदलाव के रूप में परिभाषित किया गया है, जो इस तरह के सभी बदलावों में शीर्ष के 2 प्रतिशत में स्थान पाता है। 05 दिसंबर 2019 के एमपीसी फैसले में नीति की दरों को अपरिवर्तित रखने के फैसले को ओआईएस बाजार में बड़े आश्चर्य के रूप में देखा गया और नतीजतन सभी परिपक्वताओं वाले ओआईएस में तेजी से उछाल आया (चार्ट 1 और चार्ट 2)। वास्तव में, ओआईएस में 05 दिसंबर 2019 को हुआ एक-दिवसीय बदलाव हमारे सैम्पल में ओआईएस में हुआ सर्वाधिक एक-दिवसीय बदलाव है। भाग II में की गई चर्चा के अनुसार, ओआईएस दर में कोई अप्रत्याशित बदलाव से जीसेक प्रतिफलों में उसी दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव होता है। इसलिए, यह उम्मीद की जाती है कि ओआईएस में भारी वृद्धि की वजह से जीसेक में 05 दिसंबर 2019 के बाद वृद्धि हुई होगी। हम समीकरण 3 के मॉडल का इस्तेमाल 05 दिसंबर की नीतिगत घोषणा के आश्चर्य वाले प्रभाव के आधार पर जीसेक की रूपरेखा तैयार करने के लिए करते हैं। हम इसके साथ-साथ वास्तविक जीसेक की भी रूपरेखा तैयार करते हैं।

वास्तविक 10-वर्षीय जीसेक प्रतिफल में मॉडल के पूर्वानुमान की अपेक्षा अधिक वृद्धि हुई, भले ही दोनों में 05 दिसंबर की

**चार्ट 6: वास्तविक बनाम मॉडल पूर्वानुमानित प्रतिफल**



नीतिगत घोषणा के बाद वृद्धि हुई (चार्ट 6)। हम यह भी देखते हैं कि 19 और 26 दिसंबर 2019 के दो ओटी घोषणाओं की वजह से जीसेक प्रतिफलों में भारी गिरावट आई है। इस मॉडल का विशेष ओएमओ (हमारे सैम्पल का विश्लेषण विशेष ओएमओ शुरू होने से पहले समाप्त हो जाता है) के साथ कोई सरोकार नहीं है, इसलिए ओटी घोषणाओं का मॉडल-पूर्वानुमानित जीसेक पर प्रभाव नहीं पड़ता। हमारे मॉडल बताते हैं कि विशेष ओएमओ के अभाव में दो ओएमओ ने जीसेक प्रतिफल को मॉडल द्वारा पूर्वानुमानित स्तरों से नीचे कर दिया है।

#### IV. निष्कर्ष

इस लेख में रिज़र्व बैंक के मौद्रिक नीतिगत घोषणाओं और विशेष बाजार परिचालनों के जीसेक प्रतिफलों पर प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। हम ओआईएस दर का इस्तेमाल मौद्रिक नीतिगत घोषणाओं के हैरत वाले तत्व को अलग करने के लिए करते हैं और उसे हमारे अधिकांश सैम्पल अवधि के लिए दर्शाते हैं। जीसेक बाजार प्रगतिशील ओआईएस बाजार से संकेत प्राप्त करता है और औपचारिक नीति दर घोषणाओं के पूर्व ही प्रतिफल का समायोजन करता है। दूसरी तरफ, नीतिगत फैसले से होने वाले आश्चर्य का जीसेक प्रतिफलों पर तत्काल और निरंतर प्रभाव पड़ता है। हम यह भी पाते हैं कि 2019-20 के उत्तरार्ध के बाद से मौद्रिक नीति के जीसेक प्रतिफलों में संचरण की यह प्रक्रिया कमजोर पड़ गई है, जो जीसेक बाजार में आपूर्ति के आधिक्य और

मांग में कमी के कारण हो सकता है। मौद्रिक नीति की जीसेक प्रतिफलों में संचरण प्रक्रिया के कमजोर पड़ जाने से नीतिगत दर में कटौती का कॉर्पोरेट बॉन्ड और उधार दरों में संचरण फीका पड़ा गया है क्योंकि जीसेक प्रतिफल इन दरों के लिए बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है। हो सकता है इस वजह से रिज़र्व बैंक को विशेष बाज़ार परिचालन, नामतः, ओटी और एलटीआरओ करने की अनिवार्यता महसूस हुई होगी। हम इन विशेष परिचालनों के जीसेक प्रतिफल पर प्रभाव का विश्लेषण करते हैं और पाते हैं कि ओटी एवं एलटीआरओ काफी संचरण दर्शाते हैं जो जीसेक प्रतिफलों के चुनिंदा परिपक्वताओं में दिखता है। हमारे विश्लेषण संकेत देते हैं कि ओटी एवं एलटीआरओ जैसे विशेष परिचालन, जो बॉन्ड बाज़ार में प्रत्यक्ष रूप से मध्यक्षेप करता है, मौद्रिक नीति के संचरण को आरामदायक बनाने में एक उपयोगी साधन हो सकता है, जब संचरण की नियमित प्रक्रिया अपेक्षानुसार प्रदर्शन न कर पाता हो।

### संदर्भ

Bernanke, Ben S. and Mark Gertler (1995). "Inside the Black Box: The Credit Channel of Monetary Policy Transmission". *The Journal of Economic Perspectives* 9.4, pp. 27–48.

Ghosh, S., & A. Acharya (2010). Determinants of Overnight Index Swap (OIS) Rates: Some Empirical Findings from an Emerging Market Economy, India. *Reserve Bank of India Occasional Papers, Vol. 31*.

Swanson, E. T., Reichlin, L., & Wright, J. H. (2011). Let's Twist Again: A High-Frequency Event-Study Analysis of Operation Twist and Its Implications for QE2 [with Comments and Discussion]. *Brookings Papers on Economic Activity*, 151-207.

Jones, C. M., Lamont, O., & Lumsdaine, R. L. (1998). Macroeconomic news and bond market volatility. *Journal of financial economics*, 47(3), 315-337.

Kashyap A.K., Stein J.C. and D.W. Wilcox (1993). "Monetary policy and credit conditions: evidence from the composition of external finance". *American Economic Review* 83.1, pp. 73–98.

Kenneth N. Kuttner (2001). Monetary policy surprises and interest rates: Evidence from the Fed funds futures market. *Journal of Monetary Economics, Vol 47*

Edwin Prabu A, Partha Ray (2019). "Monetary Policy Transmission in Financial Markets". *Economic and Political Weekly* 54.13, pp. 68–74.

Mishkin, Frederic (2012). "The Economics of Money, Banking, and Financial Markets". Prentice Hall ISBN 9781408200728.

Mitra A. K. and S. Chattaphadhay (2020), Monetary policy transmission in India – recent trends and impediments, *Reserve Bank of India Bulletin*, Vol. LXXIV No. 3

Romer, C. and D. Romer (2015). "New evidence on the monetary transmission mechanism". *Brookings Paper on Economic Activity* 3.1, pp. 149–213.

Romer, Christina D. and David H. Romer (1989). "Does Monetary Policy Matter? A New Test in the Spirit of Friedman and Schwartz". *NBER Working Paper Series* 2966.

## अनुबंध

## सारणी 1: रिज़र्व बैंक द्वारा विशेष ओएमओ की घोषणा

घोषणा की तारीख	क्रय/विक्रय तारीख	खरीद की गई प्रतिभूतियों का ब्योरा				बिक्री की गई प्रतिभूतियों का ब्योरा			
		क्र. सं.	प्रतिभूति	परिपक्वता की तारीख	समग्र राशि	क्र. सं.	प्रतिभूति	परिपक्वता की तारीख	समग्र राशि
19-दिसं-19	23-दिसं-19	1	6.45% GS 2029	07-अक्टू-29	₹ 10,000 करोड़	1	6.65% GS 2020	09-अप्रै-20	₹ 10,000 करोड़ (प्रतिभूति-वार कोई अधिसूचित राशि नहीं)
		2				2	7.80% GS 2020	03-मई-20	
		3				3	8.27% GS 2020	09-जून-20	
		4				4	8.12% GS 2020	10-दिसं-20	
26-दिसं-19	30-दिसं-19	1	6.45% GS 2029	07-अक्टू-29	₹ 10,000 करोड़	1	6.65% GS 2020	09-अप्रै-20	₹ 10,000 करोड़ (प्रतिभूति-वार कोई अधिसूचित राशि नहीं)
		2				2	7.80% GS 2020	03-मई-20	
		3				3	8.27% GS 2020	09-जून-20	
		4				4	8.12% GS 2020	10-दिसं-20	
02-जन-20	06-जन-20	1	7.32% GS 2024	28-जन-24	₹ 10,000 करोड़ (प्रतिभूति-वार कोई अधिसूचित राशि नहीं)	1	6.65% GS 2020	09-अप्रै-20	₹ 10,000 करोड़ (प्रतिभूति-वार कोई अधिसूचित राशि नहीं)
		2	7.27% GS 2026	08-अप्रै-26		2	7.80% GS 2020	03-मई-20	
		3	6.45% GS 2029	07-अक्टू-29		3	8.27% GS 2020	09-जून-20	
		4				4	8.12% GS 2020	10-दिसं-20	
16-जन-20	23-जन-20	1	7.32% GS 2024	28-जन-24	₹ 10,000 करोड़ (कोई अधिसूचित राशि नहीं)	1	7.80% GS 2021	11-अप्रै-21	₹ 10,000 करोड़ (कोई अधिसूचित राशि नहीं)
		2	6.45% GS 2029	07-अक्टू-29		2	7.94% GS 2021	24-मई-21	

## अनुबंध सारणी 2: फेड की ऑपरेशन ट्विस्ट घोषणाओं का यूएस ओआईएस दरों पर प्रभाव

1-दिवसीय बदलाव	परिपक्वता		
	1-वर्ष	5-वर्ष	10-वर्ष
	घोषणा संबंधी अनुमानित प्रतिक्रियाएं (आधार अंकों में)		
1-दिवसीय बदलाव, 21 सितं 2011 – 20 सितं 2011	-2	-3	-4
1-दिवसीय बदलाव, 20 जून 2012 – 19 जून 2012	-2	1	4
1-दिवसीय ओआईएस दर बदलावों का बेशर्त मानक विचलन	1.92	4.22	5.54

## मीडिया में नीतिगत दर संबंधी अपेक्षाएं\*

टेक्स्ट माइनिंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसे बिग डेटा उपकरण अपरंपरागत डेटा स्रोतों से सूचना निष्कर्षण के अपेक्षाकृत आधुनिक तरीके हैं, जो केंद्रीय बैंकों को अतिरिक्त नीतिगत इनपुट प्रदान करने में मदद करते हैं। यह लेख रिपो रेट में अपेक्षित दिशात्मक परिवर्तन के संबंध में मीडिया के रुख का मूल्यांकन करने हेतु एक साइन सक्सेस रेशियो (एसएसआर) उत्पन्न करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत (रिपो) दर<sup>1</sup> संबंधी मीडिया से प्राप्त महत्वपूर्ण असंरचित न्यूज़फ़ीड का विश्लेषण करता है। अनुभवाश्रित विश्लेषण से पता चलता है कि मीडिया का रुख नीतिगत दर से संबंधित निर्णयों को यथोचित रूप से ट्रैक करता है।

### परिचय

जैसा कि वर्ष 1987 में फेडरल रिजर्व सिस्टम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के पूर्व अध्यक्ष एलन ग्रीनस्पैन ने, यद्यपि, मजाक में कहा था, "जब से मैं एक केंद्रीय बैंकर बना हूँ, मैंने बड़ी बेतरतीबी के साथ फुसफुसाना सीखा है। यदि मैं आपको अति स्पष्ट लगता हूँ, तो इसका मतलब है कि जो मैंने कहा है उसे जरूर आपने गलत समझ लिया है।" (मरे, 1987, सुब्वाराव, 2011)। आर्थिक कारकों की अपेक्षाओं को प्रभावित करने हेतु अधिक पारदर्शिता के लिए प्राथमिकता में एक सचेत बदलाव आया है, जिसमें पहले गोपनीयता, अपारदर्शिता और रचनात्मक अस्पष्टता थी।

अपने कार्य की सार्वजनिक समझ बढ़ाने के उद्देश्य के अलावा, समष्टि-आर्थिक परिणामों को प्रभावित करने में एजेंटों की अपेक्षाओं की भूमिका को पहचान करने के लिए पिछले कुछ दशकों में, केंद्रीय बैंक संचार-व्यवस्था में काफी बदलाव आया है, और रणनीतिक संचार-व्यवस्था भी मौद्रिक नीति संचरण की अपेक्षाओं को प्रभावित कर सकती है (बेयर एवं अन्य, 2017, वेड्डमैन, 2018)।

\* यह लेख गीता गिद्धी और श्वेता कुमारी, बिग डेटा एनालिटिक्स डिवीजन, सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन विभाग (डीएसआईएम), भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तैयार किया गया है। इस लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और बैंक के विचारों को व्यक्त नहीं करते हैं। लेखक डॉ. ससांका शेखर मैती द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार करते हैं। त्रुटियाँ, यदि कोई हो, तो वे लेखकों के हैं।

<sup>1</sup> नीतिगत दर और रिपो दर का उपयोग इस लेख में परस्पर रूप से किया गया है।

बाजार अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रीय बैंक की संचार-व्यवस्था के बढ़ते महत्व के साथ, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया की भूमिका को महत्व मिला है। मीडिया आम जनता के लिए समाचारों का प्रसार, व्याख्या और व्याख्या करता है, और नीति निर्माताओं को विभिन्न आर्थिक कारकों की चिंताओं, धारणाओं और विचारों को भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बताता है। परंपरागत रूप से, केंद्रीय बैंकों ने डेटा अंतरालों को पाटने और नीतिगत इनपुट के लिए उच्च आवृत्ति डेटा उत्पन्न करने के लिए फर्मों, हाउसहोल्ड और पेशेवरों से व्यापक-आर्थिक और वित्तीय चर की एक विस्तृत श्रृंखला के संबंध में फीडबैक प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रगतिशील-सर्वेक्षणों का उपयोग किया है। इंटरनेट की गहरी पैठ होने से, नए स्रोत (न्यूज़फ़ीड, ऑनलाइन पोर्टल्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म) बाजार के साथ-साथ जनता के लिए समाचार प्रसारित कर रहे हैं, जिससे उच्च आवृत्ति पर प्रचुर मात्रा में सूक्ष्म डेटा उत्पन्न हो रहा है।

इस पृष्ठभूमि में, आम तौर पर जनता की अपेक्षाओं का अनुमान लगाने के लिए, नीति की घोषणा की तारीख से पहले, रिपो दर पर मीडिया की अपेक्षाओं/धारणाओं का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस आलेख में रिजर्व बैंक की नीतिगत (रिपो) दर संबंधी मीडिया से महत्वपूर्ण असंरचित न्यूज़फ़ीड का विश्लेषण किया गया है। हमारी जानकारी के अनुसार, शायद यह भारतीय रिजर्व बैंक की नीतिगत (रिपो) दर निर्णयों के बारे में मीडिया के रुख पर आधारित पहला ऐसा अध्ययन है, जिसे लगभग वास्तविक समय के आधार पर शामिल और संकलित किया गया है।

बाकी का आलेख पांच खंडों में व्यवस्थित है। खंड II में साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा प्रस्तुत की गयी है, खंड III में अध्ययन में प्रयुक्त डेटा और कार्यप्रणाली का वर्णन किया गया है। खंड IV में अनुभावजन्य परिणाम दिए गए हैं। खंड V में टिप्पणी को प्रस्तुत किया गया है।

### II. साहित्य की समीक्षा

केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति की कार्रवाइयों को मीडिया में व्यापक कवरेज मिलता है और इसे बड़े पैमाने पर जानबूझकर किया जाता है। मीडिया संचार का एक महत्वपूर्ण चैनल है और केंद्रीय बैंक और अधिक से अधिक लोगों के बीच एक सेतु का काम करता है। किसी वास्तविक समय के आधार पर रिपोर्ट की गई खबरें आम जनता, बाजार, विश्लेषकों, अर्थशास्त्रियों और शिक्षाविदों का ध्यान आकर्षित करती हैं। विश्वसनीय और प्रभावी

नीति, स्पष्ट संप्रेषण के साथ, केंद्रीय बैंकों के उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है। एक आदर्श स्थिति में, नीतिगत रुख और हितधारकों की अपेक्षाओं/ धारणाओं को संरेखित किया जाना चाहिए; जो अभी तक, फिलहाल, नहीं हैं। मौद्रिक नीति की मीडिया रिपोर्टिंग के बाबत पर्याप्त साहित्य है और यह भी कि मीडिया कैसे हितधारकों की धारणा को सबसे आगे लाता है। आधुनिक मौद्रिक नीति फ्रेमवर्क में इस पहलू को तेजी से स्वीकार किया गया है। हम हाल के कुछ अध्ययनों की संक्षिप्त समीक्षा करेंगे।

प्रिंट मीडिया में रिपोर्ट की गई यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की मौद्रिक नीति कार्यों के कवरेज का विश्लेषण मीडिया कवरेज की मात्रा पर मात्रात्मक सूचकांक और मौद्रिक नीति चर्चाओं की अनुकूलता और तीव्रता को मापने वाले गुणात्मक सूचकांक का उपयोग करके किया गया था (बर्जर एवं अन्य, 2006)। यह पाया गया कि मीडिया गंभीर रूप से बाजार की अपेक्षाओं और मौजूदा मुद्रास्फीति की गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए ईसीबी नीति कार्यों पर चर्चा करता है। इसके अलावा, नीति संबंधी कार्रवाई पर मीडिया कवरेज ईसीबी संप्रेषण के लिए अत्यधिक ग्रहणशील पाया गया।

इसी तर्ज पर, ईसीबी वक्तव्यों संबंधी मीडिया रिपोर्टों के आधार पर एक मीडिया प्रत्याशा सूचकांक तैयार किया गया था और यह देखा गया था कि मीडिया संचार ने अगले नीतिगत निर्णय के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान किया है (लामला और स्टर्म, 2013)।

यूएस फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के वक्तव्यों और समाचारों में एफओएमसी के वक्तव्यों की चर्चा का अर्थ सिमेंटिक ओरिएंटेशन स्कोर का उपयोग करके विश्लेषण किया गया था, जिसमें नीतिगत दर निर्णयों के साथ महत्वपूर्ण संबंध पाया गया था (लुक्का एवं ट्रेबी, 2009)।

बैंक ऑफ कनाडा (बीओसी) संचार और इसकी बाजार संबंधी टिप्पणी का विश्लेषण अल्पावधि ब्याज दरों में अस्थिरता/ प्रतिफल के स्तर पर प्रभावों की जांच करने के लिए किया गया था। विषयों के निष्कर्षण के लिए टेक्स्ट माइनिंग टूल्स प्रयोग किए गए थे और यह स्थापित किया गया था कि बाजार की कहानियों का अल्पावधि बाजारों में अस्थिरता और प्रतिफल पर महत्वपूर्ण प्रभाव था (हेन्डी, 2012)।

एक अन्य अध्ययन में, हॉकिश-डोविश (एचडी) संकेतक का निर्माण समाचार लेखों के आधार पर तैयार किया गया था, जो

ईसीबी के आधिकारिक सूचना की मीडिया द्वारा की गयी व्याख्या को दर्शाते हैं और अनुभवजन्य विश्लेषण से पता चलता है कि इस तरह के संकेतक भविष्य की मौद्रिक नीति रुख का आकलन करने में मदद कर सकते हैं (टोबैक एवं अन्य, 2017)।

हालिया एक शोध कार्य में, बैंक ऑफ इंडोनेशिया की नीतिगत दर पर हितधारकों की अपेक्षाओं का निष्कर्षण करने के लिए मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग किया गया था। समाचार पर आधारित किसी प्रत्याशा सूचकांक को नीतिगत बैठक से एक पखवाड़े पहले बनाया गया था, और विश्लेषण ने नीतिगत दर के साथ सहसंबंध के उसके उच्च स्तर का पता लगाया (जुलेन और विबिसन, 2018)।

### III. डेटा और कार्यपद्धति

**III.1 डेटा** - रिज़र्व बैंक द्वारा घोषित नीति दर को अध्ययन में बेंचमार्क संकेतक के रूप में लिया गया है। मीडिया में नीतिगत दर संबंधी प्रत्याशाएँ इस आलेख के लिए मुख्य डेटा स्रोत हैं, जो नीचे वर्णित हैं। हम ऑनलाइन प्रिंट मीडिया में समाचारों के संग्रह से शुरू करेंगे। यह कदम ठीक-ठाक कोष (समाचार वस्तुओं का संग्रह) के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सामान्य रूप से समाचार में कई विषयों पर जानकारी होती है, जो बेकाम और संदर्भ से बाहर की हो सकती है। निम्नलिखित चरणों का पालन करके डेटा को उपयुक्त रूप से छांटा गया है और पूर्व-संसाधित किया गया है।

ए. कोष का निर्माण - इस अध्ययन में उपयोग किए जाने वाले समाचार आलेख मेल्टवाटर<sup>2</sup> से प्राप्त हुए हैं। अप्रैल 2015 से दिसंबर 2019 तक नीतिगत दर से संबंधित दैनिक समाचार को इस स्रोत से हटा दिया गया था। भारत में लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (एफआईटी) व्यवस्था की शुरुआत के मद्देनजर अप्रैल 2015 को शुरुआती बिंदु के रूप में चुना गया था।

बी. भाषा आधारित समाचार फिल्टरिंग - सूचना निष्कर्षण और रुख वर्गीकरण पद्धति अंग्रेजी भाषा के लिए काफी विकसित हैं और इसलिए, हमने वर्तमान अध्ययन में अपने दायरे को अंग्रेजी समाचार

<sup>2</sup> मीडिया इंटेलिजेंस फर्म

तक सीमित किया है। कोई भी अन्य भारतीय भाषाओं में समाचारों से रुख का पता लगाने और निकालने के बारे में सोच सकता है, ताकि भाषा (यदि कोई हो) के कारण रुख में संभावित भिन्नता की जांच की जा सके। हालाँकि, भारत में राज्यों/क्षेत्रों में अंग्रेजी का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है, ऐसे में हमारा मानना है कि अंग्रेजी में रिपोर्ट की गई खबरों से निकाली गई रुख काफी प्रतिरूप होंगी।

- सी. कीवर्ड आधारित समाचार फ़िल्टरिंग - रिज़र्व बैंक के रिपो दर, नीतिगत दर, एमपीसी और रिज़र्व बैंक के गवर्नर के नाम से संबंधित विषयों पर चर्चा करने वाले समाचार लेखों पर विचार किया गया है।
- डी. तारीख आधारित समाचार फ़िल्टरिंग - यह देखा गया है कि नीति की घोषणा वाला दिन जैसे-जैसे नजदीक आता है, वैसे-वैसे रिपो दर संबंधित समाचारों पर मीडिया कवरेज आम तौर पर बढ़ जाती है। इसलिए, पिछले चरण के बाद फ़िल्टर की गई खबर को फिर से फिल्टर किया गया था ताकि मौद्रिक नीति की घोषणा की तारीख से पहले केवल लगातार छह दिनों तक के समाचार को रखा जा सके। हालाँकि, यह भी देखा गया है कि यदि कोई अन्य प्रमुख घटनाएँ हैं (जैसे कि राजकोषीय नीति, अन्य केंद्रीय बैंकों में प्रमुख गतिविधियां), तो रिपो दर पर मीडिया कवरेज तुलनात्मक रूप से कम है। इसलिए, कोष में एक अवधि से दूसरे अवधि तक उतार-चढ़ाव होता रहा है।

### III.2 कार्य-पद्धति

रुख वर्गीकरण के लिए कार्य-पद्धति, रुख का एकत्रीकरण और सत्यापन नीचे विस्तार से वर्णित है।

#### III.2.1 रुख का वर्गीकरण

टेक्स्ट माइनिंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसे बिग डेटा टूल्स अपरंपरागत डेटा स्रोतों से सूचना निष्कर्षण के अपेक्षाकृत आधुनिक तरीके हैं और केंद्रीय बैंकों को अतिरिक्त नीतिगत इनपुट प्रदान कर सकते हैं।

### सारणी 1: सिमेंटिक ओरिएंटेशन कीवर्ड्स

वृद्धि	कमी	तटस्थ
राइज़, इंफ़्लेज़, गो अप, हाइक, रेज़, हवकेश, टाइटेन	डिक्लाइन, डिफ़्लेज़, ईज, कटेल, कट, स्लैश, सोफ़ेन, डोविश	स्टेटस क्वो, होल्ड, न्यूट्रल, नो चेंज, स्टे पुट, रिमेन, अंचेंज्ड, मेंटेन, पौज़

प्रत्येक समाचार सामाग्री को समाचार में मौजूद सिमेंटिक ओरिएंटेशन कीवर्ड के आधार पर तीन प्रकार के रुख श्रेणियों, अर्थात्, वृद्धि, कमी, तटस्थ में वर्गीकृत किया गया था। कीवर्ड्स को इसलिए चुना जाता है ताकि वे समान अर्थ-संबंधी अभिविन्यास का प्रतिनिधित्व कर सकें, जैसा कि सारणी 1 में दर्शाया गया है।

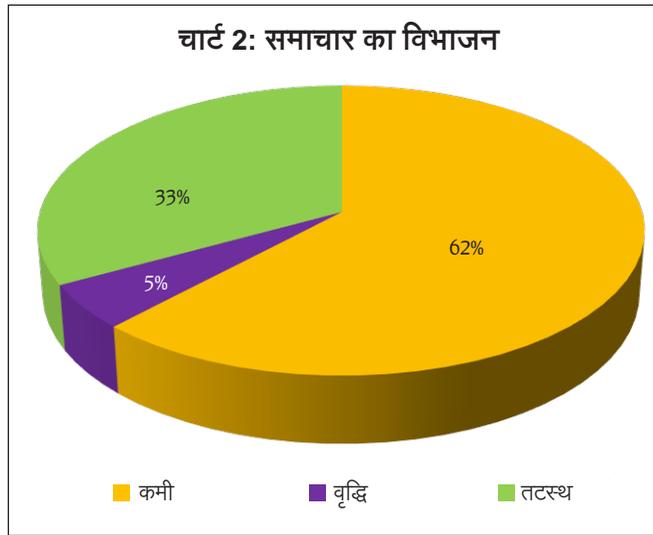
कुछ समाचार सामाग्री किसी भी रुख को निर्दिष्ट नहीं किए गए थे, क्योंकि रुख संबंधी स्पष्टता स्थापित नहीं की जा सकती थी। समाचार सामाग्री<sup>3</sup> को अच्छी तरह से पढ़कर प्रत्येक समाचार को रुख दिया गए थे। वस्तुनिष्ठ बने रहने और मानवीय त्रुटि को कम करने के लिए, रुख प्रदान करने के कार्य को स्वतंत्र रूप से लेखकों द्वारा किया गया था और जहां कहीं भी आवश्यक थी, रुख का फिर से मिलान / पुनः सौंपा गया था। इस संबंध में दिए गए उदाहरण नीचे चार्ट 1 में दिए गए हैं।

पूर्व-संसाधन के बाद, शून्य रुख वाले समाचारों की छंट्टाई करने और हटाने के बाद, समाचार सामाग्री को विचाराधीन अवधि

### चार्ट 1: नीतिगत दर संबंधी रुख का उदाहरण



<sup>3</sup> मशीन लर्निंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसे बिग डेटा टूल को टेक्स्ट माइनिंग और सेंटिमेंट असाइनमेंट के लिए अनुप्रयोग किया जा सकता है। हालाँकि, मानव विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किया गया रुख व्यवहार में है (बेकर्स एवं अन्य, 2017, लामला एवं स्टर्म, 2013)।



(अप्रैल 2015 से दिसंबर 2019) के दौरान तीन श्रेणियों, अर्थात्, वृद्धि, कमी, तटस्थ में से एक में रखा गया था। चार्ट 2 में समाचार सामग्री का रुख श्रेणी-वार अनुपात प्रस्तुत किया गया है।

### III.2.2 रुख का एकत्रीकरण

रुख श्रेणियों अर्थात् "वृद्धि", "कमी" और "तटस्थ" में से एक के तहत दस्तावेजों (समाचार सामग्री) के वर्गीकरण के उपरांत, अगला कदम दस्तावेजों को एकत्र करना और एक निश्चित अवधि के लिए समग्र रुख प्राप्त करना है। यह सेंटिमेंट कॉन्सेंट्रेशन क्लास (एसएससी) के संदर्भ में किया जाता है, जो निम्नलिखित तरीके से होता है:

**ए. चरण 1** - प्रत्येक समाचार सामग्री को एक रुख स्कोर दिया जाता है जैसा कि नीचे दिखाया गया है-

- "वृद्धि" रुख: स्कोर 1
- "कमी" रुख: स्कोर 2
- "तटस्थ" रुख: स्कोर 3

यह स्कोर एक रुख श्रेणी के लिए केवल एक व्यापक संख्यात्मक प्रतिनिधित्व है और यह एक रुख श्रेणी की सटीक परिमाण का संकेत नहीं देता है।

**बी. चरण 2** - किसी विशेष दिन की वजह से कोई त्रुटि उस दिन के रूप में संचयी रुख पर पहुंचने के दौरान समायोजित हो जाती है। हालाँकि, किसी एक दिन के रुख पर भी विचार किया जा सकता है, विशेषकर उन स्थितियों में जिनमें कुछ महत्वपूर्ण घटनाएं मौद्रिक नीति की घोषणा से पहले होती हैं, जिसका मीडिया के रुख पर प्रभाव पड़ सकता है।

समाचार सामग्री किसी एक दिन और संचयी दिनों के आधार पर एकत्र किए जाते हैं, जैसा कि नीचे परिभाषित किया गया है।

$$P_{c,j|t} = \frac{n_{c,j|t}}{\sum_{c=1}^3 n_{c,j|t}} \quad \dots (1)$$

$$PP_{c,j|t} = \frac{nn_{c,j|t}}{\sum_{c=1}^3 nn_{c,j|t}} \quad \dots (2)$$

जहां,

$n_{c,j|t}$  = नीति की घोषणा के दिन  $t$  से पहले  $j$  दिन को सेंटिमेंट स्कोर  $c$  के साथ समाचार सामग्रियों की कुल संख्या

$nn_{c,j|t}$  = नीति की घोषणा के दिन  $t$  से पहले  $j$  दिन को सेंटिमेंट स्कोर  $c$  के साथ समाचार सामग्रियों की कुल संख्या

$$c = 1, 2, 3$$

$$j = 6, 5, 4, 3, 2, 1$$

$$t = 1, 2 \dots m$$

$m$  = विचाराधीन समय अवधि (नीति घोषणा का दिन) की संख्या<sup>4</sup>

**सी. चरण 3** – सेंटिमेंट कन्सेंट्रेशन क्लास निम्नानुसार निकाला जाता है:

$$SCC_{i,j|t} = c, \text{ for which } P_{c,j|t} = \max_c(P_{c,j|t}) \dots (3)$$

$$SCC_{k,j|t} = c, \text{ for which } PP_{c,j|t} = \max_c(PP_{c,j|t}) \dots (4)$$

उपरोक्त चरणों के बाद, एससीसी को प्रत्येक पॉलिसी घोषणा दिवस  $t$  के लिए  $j$  दिन हेतु, किसी एक दिन के आधार पर (i) और

<sup>4</sup> भारत में नीतिगत दर की समीक्षा द्विमासिक आधार पर की जाती है। तदनुसार, पॉलिसी डेटा हर दूसरे महीने में होती है। इस आलेख में, यह 1 अवधि के अंतराल के साथ, सरलता के लिए, असतत तरीके से इंगित किया गया है।

साथ ही संचयी दिन के आधार (k) के लिए प्राप्त किया जा सकता है। एससीसी दी गई नीति विंडो<sup>5</sup> के लिए अधिकाधिक प्रतिक्रियाओं के लिए रुख श्रेणी को इंगित करता है।

### III.2.3 सत्यापन पद्धति

इसकी उपयोगिता की जांच करने के लिए बेंचमार्क के साथ किसी भी संकेतक को मान्य करना महत्वपूर्ण है। हम यह जांचने का प्रयास करेंगे कि मीडिया का रुख कितनी अच्छी तरह से रिज़र्व बैंक द्वारा समय-समय पर लिए गए वास्तविक नीतिगत दर संबंधी निर्णयों से संबद्ध है। वास्तविक नीतिगत दर के मुकाबले रुख का मूल्यांकन करने के लिए दिशात्मक विश्लेषण को अपनाया गया है।

तुलनात्मक विश्लेषण के लिए, रिज़र्व बैंक की रिपो दर को नीचे दी गई पद्धति के अनुसार, मीडिया के रुख के समान ही गुणात्मक संकेतक में परिवर्तित किया गया है।

$$B_t = \begin{cases} 1, & \text{if } \text{repo rate}_t > \text{repo rate}_{t-1} \\ 2, & \text{if } \text{repo rate}_t < \text{repo rate}_{t-1} \\ 3, & \text{if } \text{repo rate}_t = \text{repo rate}_{t-1} \end{cases} \dots (5)$$

जहां t समयावधि के लिए रिपो दर वास्तविक रिपो दर है।

अगले चरण में, हम j दिन के लिए संकेतक के कार्यकलाप को निम्नानुसार परिभाषित करेंगे।

$$I_{j,t}^i = \begin{cases} 1, & \text{if } \text{SCC}_{i,j}|_t = B_t \\ 0, & \text{otherwise} \end{cases} \dots (6)$$

$$I_{j,t}^k = \begin{cases} 1, & \text{if } \text{SCC}_{k,j}|_t = B_t \\ 0, & \text{otherwise} \end{cases} \dots (7)$$

अंत में, रिपो दर में दिशात्मक परिवर्तन की तुलना में रुख का मूल्यांकन करने के लिए हम निम्नानुसार मापक, साइन सक्सेस रेशियो (एसएसआर)<sup>6</sup> की गणना करते हैं।

$$\text{SSR}_{ms,i,j} = \frac{\sum_{t=1}^m I_{j,t}^i}{m} \dots (8)$$

5 रिपो दर एक नीतिगत लिखत है, जहां पिछले अनुभव से पता चलता है कि रिपो दर में यथास्थिति एक नियमित घटना है और परिवर्तन (वृद्धि या कमी) जब भी होता है तो, हमेशा असतत दृष्टि से होता है। और, इसलिए, रिपो दर में परिवर्तन की तुलना में मीडिया के रुख (वृद्धि, कमी, तटस्थ) का सत्यापन दिशात्मक आधार पर किया गया है।

6 इस साइन सक्सेस रेशियो को बूनो एवं अन्य, 2018 के अनुरूप परिभाषित किया गया है।

$$\text{SSR}_{ms,k,j} = \frac{\sum_{t=1}^m I_{j,t}^k}{m} \dots (9)$$

एसएसआर, जैसा कि ऊपर परिभाषित किया गया है, रिपो दर (दिशात्मक रूप से) में वास्तविक परिवर्तन के साथ मिलान किए जाने पर मीडिया के रुख से मेल खाता है। बड़े एसएसआर से संकेत मिलता है कि मीडिया नीतिगत निर्णय में काफी हद तक दिशात्मक परिवर्तन का अनुमान लगाने में सक्षम है।

### IV. आनुभविक परिणाम

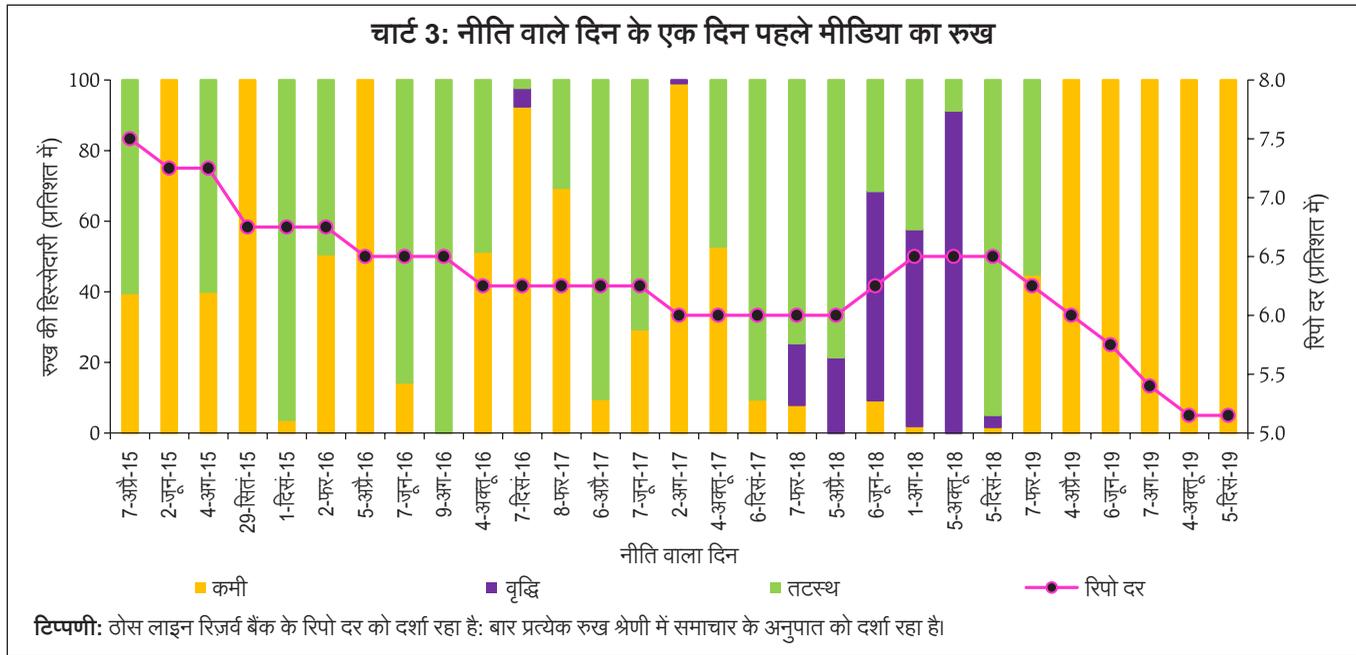
विश्लेषण से पता चलता है कि विचाराधीन अधिकांश समय अवधि के लिए रुख विशेष रूप से रुख श्रेणियों में किसी एक (वृद्धि/कमी/तटस्थ) पर केंद्रित था, जो किसी विशेष दर कार्रवाई के प्रति मीडिया के समग्र झुकाव को दर्शाता है। नीति की घोषणा के दिन से एक दिन पहले (संचयी) समाचारों का अनुपात चार्ट 3 में प्रस्तुत किया गया है।

यह पाया गया है कि कुछ अवसरों को छोड़कर रुख संबंधी एकाग्रता दिशात्मक रूप से नीतिगत निर्णय के अनुरूप थी। अन्य दिनों के लिए समान चार्ट परिशिष्ट I में दिए गए हैं।

हमने खंड III.2.3 में परिभाषित विभिन्न दिवसों के लिए एसएसआर की गणना की और इसे सारणी 2 में प्रस्तुत किया गया है। यह देखा गया है कि मीडिया का रुख कुछ मौकों को छोड़कर सीधे तौर पर रिज़र्व बैंक द्वारा लिए गए नीतिगत दर के निर्णय के अनुरूप थी, जो कि एसएसआर के उच्च मान से स्पष्ट था।

नीति की घोषणा की तारीख के करीब आने के साथ समाचार कवरेज आम तौर पर जैसा-जैसे बढ़ता है, वैसे-वैसे रुख भी सुदृढ़ होने लगता है, जो एसएसआर में वृद्धि से परिलक्षित होता है।

संचयी आधार पर, एसएसआर नीति वाले दिन से पहले छह दिनों के लिए 68 प्रतिशत और नीति वाले दिन से दो दिन पहले 76 प्रतिशत निकला। 72 प्रतिशत पर उच्च एसएसआर के साथ नीति की घोषणा के दिन से तीन दिन पहले भी रुख मजबूत थे।



## V. निष्कर्ष

पिछले एक दशक में, कई केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत परिवर्तनों और प्रत्याशाओं को सहारा देने के पीछे की मंशा के बारे में बताते हुए अर्थव्यवस्था में प्रमुख हितधारकों की सहायता के लिए संचार-

व्यवस्था और पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप माना जाता है कि इससे मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता बढ़ेगी।

**सारणी 2: मीडिया रुख बनाम नीतिगत दर संबंधी निर्णय**

संदर्भ दिवस (j)	एससीसी <sub>ij t</sub> / एससीसी <sub>kj t</sub>	विशिष्ट दिन			एसएसआर <sub>ms,i,j</sub>	संचयी दिवस			एसएसआर <sub>ms,k,j</sub>
		B <sub>t</sub>				B <sub>t</sub>			
		1	2	3		1	2	3	
6	1	2		2	68	2		2	68
	2		8	6			8	6	
	3			7				7	
5	1	1			70	2		1	71
	2		10	7			10	7	
	3	1		8				8	
4	1	2		1	69	2		2	69
	2		9	6			9	6	
	3		1	7			1	9	
3	1	1		2	69	2		2	72
	2		8	4			9	5	
	3	1	2	11			1	10	
2	1	2		1	72	2		1	76
	2		9	6			9	5	
	3		1	10			1	11	
1	1	1		1	76	2		1	76
	2		10	5			9	5	
	3	1		11			1	11	

**टिप्पणी:** रिपो दर में बदलाव की दिशा पकड़ने के लिए मानी जाने वाली कुल समयावधि 29 (अप्रैल 2015 से दिसंबर 2019) है। हालाँकि, कुछ दिनों के लिए कोई प्रासंगिक समाचार आइटम नहीं थे और इसलिए, समयावधि की गणना 29 तक नहीं हो सकती है।

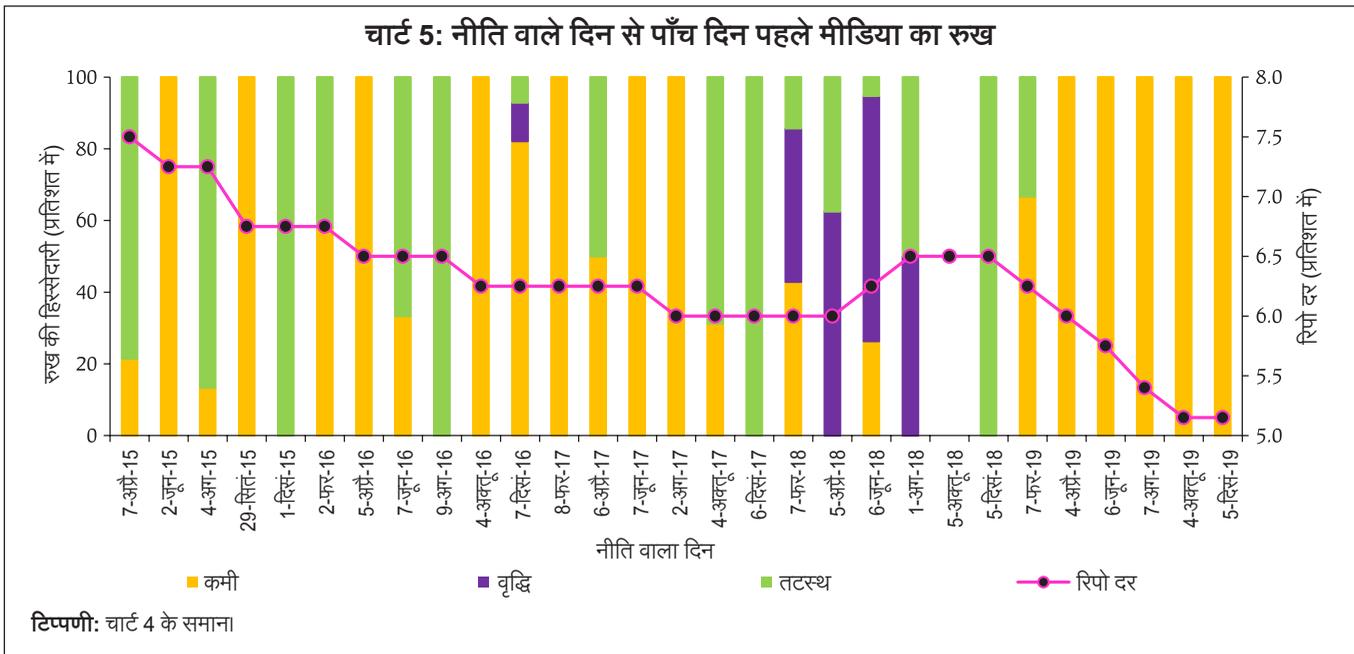
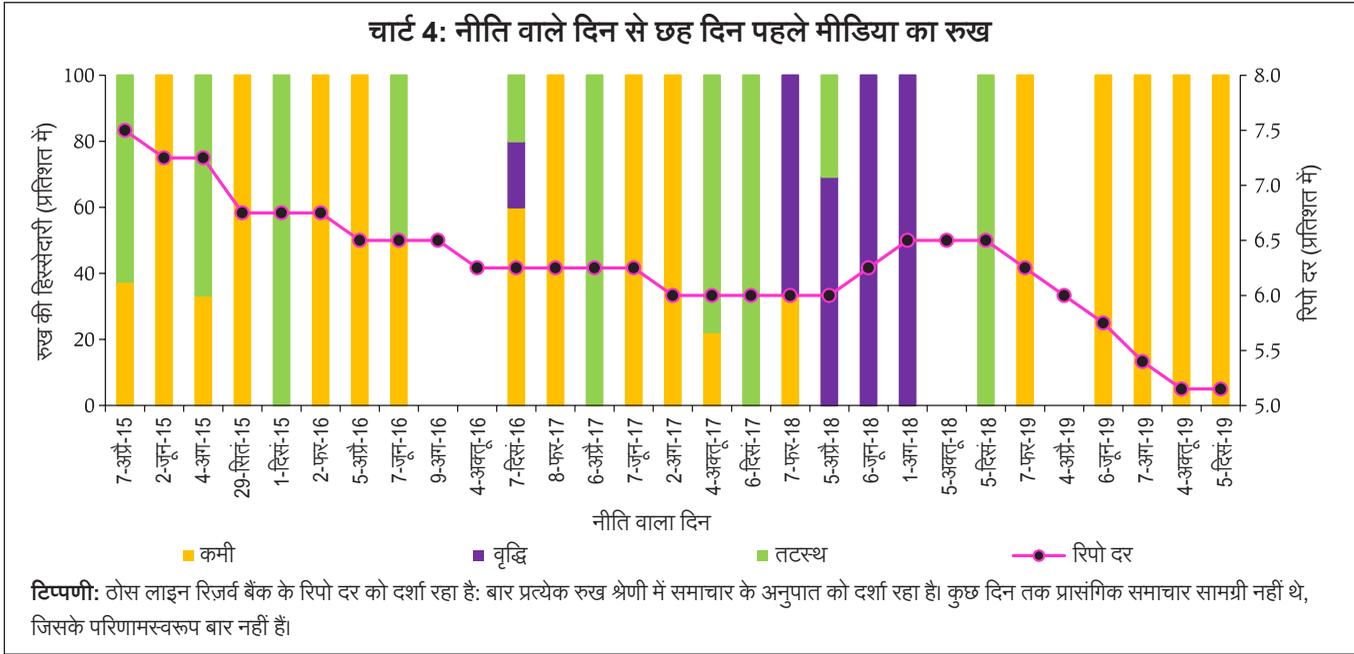
नीतिगत दर संबंधी केंद्रीय बैंक के फैसले का अर्थव्यवस्था में विभिन्न हितधारकों द्वारा उत्सुकता से इंतजार किया जाता है और प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसका व्यापक कवरेज मिलता है। इस आलेख में, हमने समाचार सामग्रियों में निहित असंरचित टेक्स्ट का उपयोग किया है और नीतिगत दर निर्णय पर एक रुख संकेतक का निर्माण किया है। रिपो दर में मीडिया के रुख के कारण दिशात्मक बदलाव के मूल्यांकन के लिए एक मापक साइन सक्सेस रेशियो (एसएसआर) का निर्माण किया जाता है।

यह पाया गया है कि अध्ययन की अवधि के दौरान अधिकांश मौकों पर नीतिगत दर के निर्णय की वास्तविक दिशा के अनुरूप नीतिगत घोषणा की तारीख से पहले मीडिया के रुख के आधार पर एससीसी को ग्रहण कर लिया गया था। इस प्रकार, नीतिगत निर्णय के बारे में मीडिया की प्रत्याशाओं को मापने के लिए एसएससी जैसे मापक को ट्रैक किया जा सकता है। कार्य-पद्धति में प्रमुख समष्टि-आर्थिक चर के बारे में मीडिया के रुख को मापने के लिए उनके वास्तविक सार्वजनिक रिलीज से पहले बढ़ाए जाने की क्षमता है।

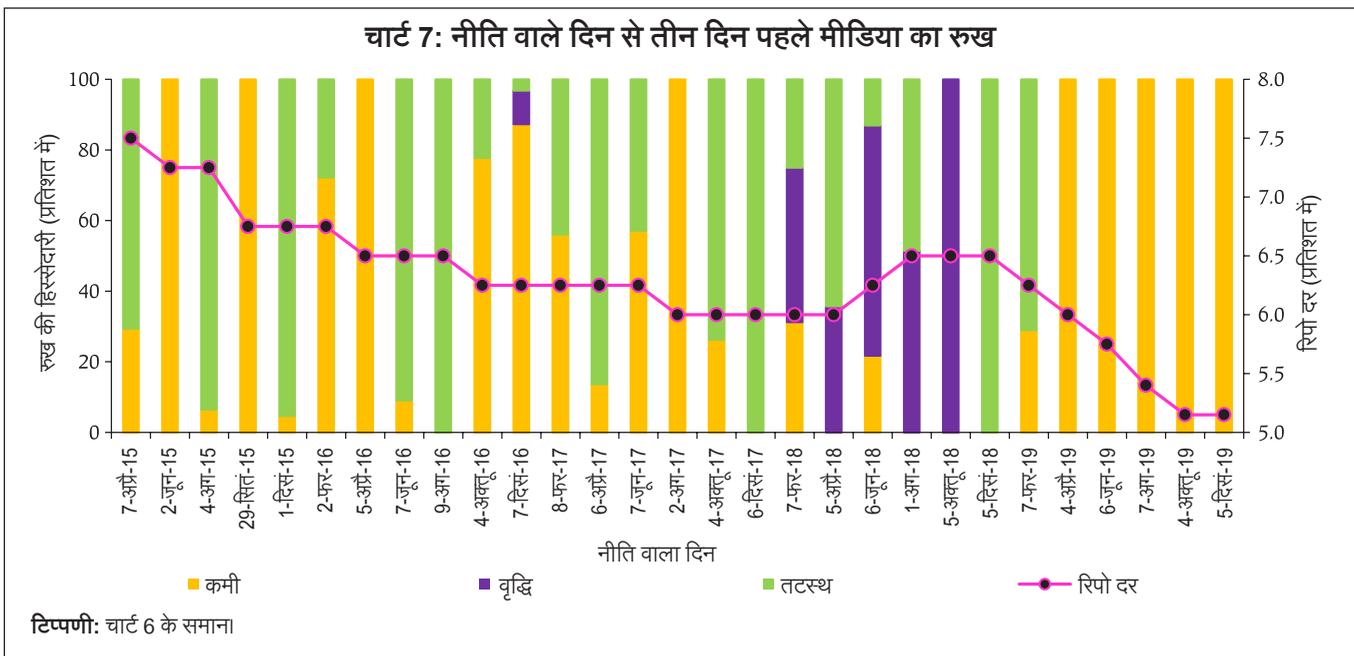
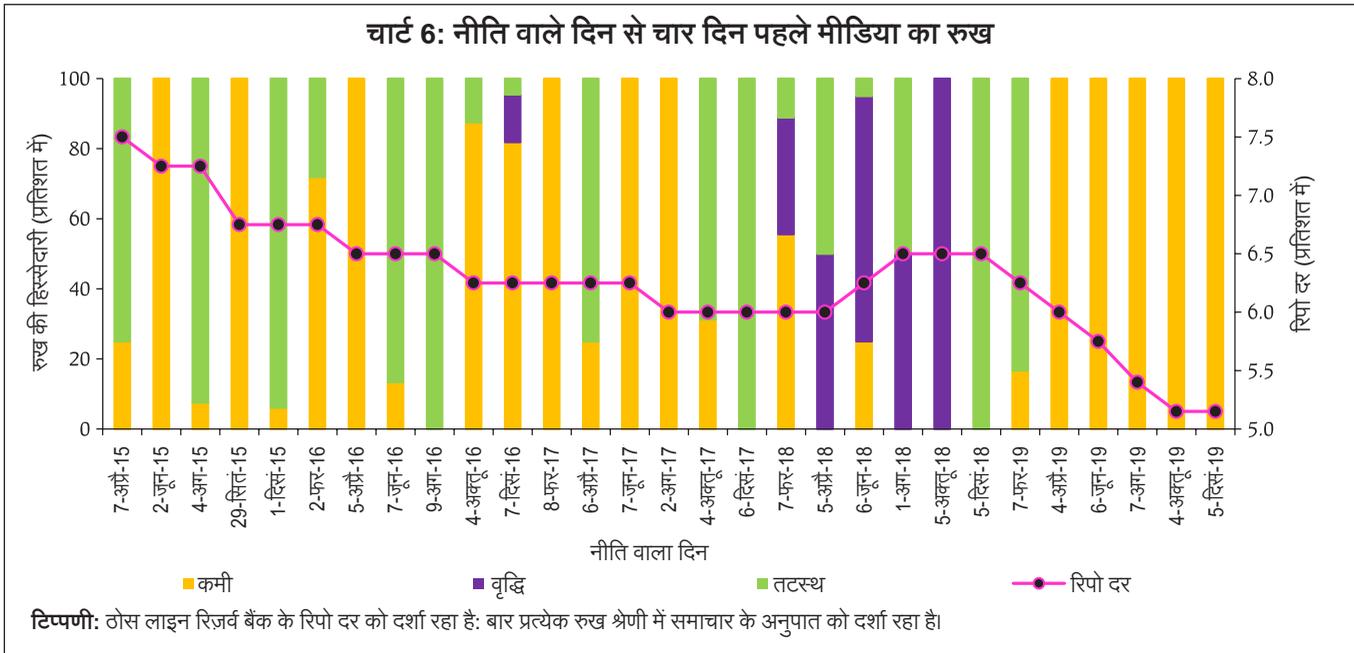
## संदर्भ

- Beckers, B., Kholodilin, K.A. and Ulbricht, D. (2017), "Reading between the Lines: Using Media to Improve German Inflation Forecasts", *German Institute for Economic Research, Discussion Papers 1665*.
- Berger, H., Ehrmann, M., and Fratzscher, M. (2006), "Monetary Policy in the Media", *European Central Bank (ECB), Working Paper No. 679*.
- Beyer, A., Nicoletti, G., Papadopoulou, N., Papsdorf, P., Rünstler, G., Schwarz, C., Sousa, J. Vergote, O. (2017), "The transmission channels of monetary, macro- and microprudential policies and their interrelations", *Occasional Paper 191*.
- Buono, D., Kapetanios, G., Marcellino, M., Mazzi, G.L., and Papailias, F. (2018), "Big Data Econometrics: Now Casting and Early Estimates," *Universita' Bocconi, BAFFI CAREFIN, Centre for Applied Research on International Markets, Banking, Finance, and Regulation, Working Papers 82*.
- Lamla, M. J. and Sturm, J. E (2013), "Interest Rate Expectations in the Media and Central Bank Communication", *Swiss Economic Institute (KOF), Working Papers No. 334*.
- Lucca, D. O. and Trebbi, F. (2009), "Measuring Central Bank Communication: An Automated Approach with Application to FOMC Statements", *National Bureau of Economic Research (NBER) Working Paper No. 15367*.
- Murray, A. (1987), "Fed Chief sees no acceleration in inflation rate", *Wall Street Journal, Eastern Edition, New York, September 22*.
- Hendry, S (2012), "Central Bank Communication or the Media's Interpretation: What Moves Markets?", *Bank of Canada, Working Paper 9*.
- Subbarao, D. (2011), "Dilemmas in Central Bank Communication - Some Reflections Based on Recent Experience", *Second Business Standard Annual Lecture, New Delhi*.
- Tobback, E, Nardelli, S. and Martens, D. (2017), "Between Hawks and Doves: Measuring Central Bank Communication", *ECB, Working Paper No. 2085*.
- Weidmann J. (2018), "Central bank communication as an instrument of monetary policy", *Lecture at the Centre for European Economic Research*.
- Zulen, A. A and Wibisono, O. (2018), "Measuring Stakeholders' Expectations for the Central Bank's Policy Rate", *paper presented at IFC - Bank Indonesia International Workshop and Seminar on Big Data for Central Bank Policies / Building Pathways for Policy Making with Big Data*.

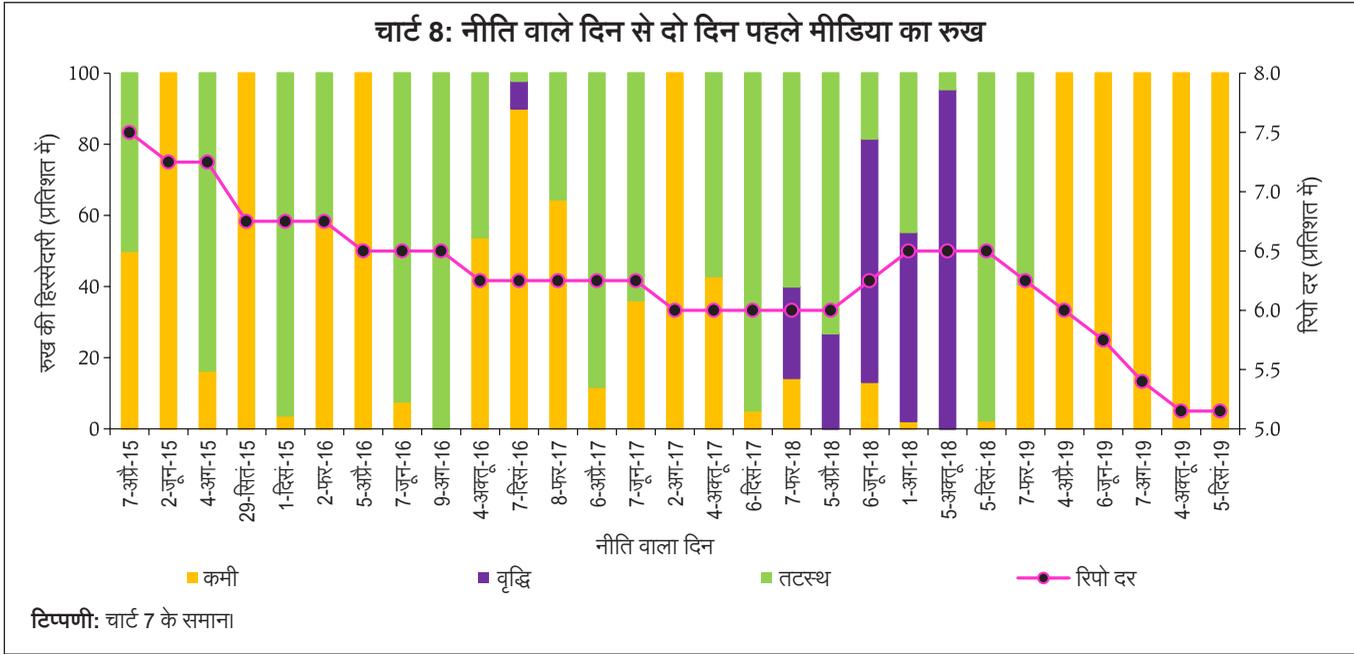
परिशिष्ट I : रुख अनुपात बनाम रिपो दर (जारी)



परिशिष्ट I : रुख अनुपात बनाम रिपो दर (जारी)



परिशिष्ट I : रुख अनुपात बनाम रिपो दर (समाप्त)



# वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक  
भारतीय रिज़र्व बैंक  
मुद्रा और बैंकिंग  
मूल्य और उत्पादन  
सरकारी खाते और खज़ाना बिल  
वित्तीय बाजार  
बाह्य क्षेत्र  
भुगतान और निपटान प्रणालियाँ  
अवसरिक श्रृंखला



## विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिदा आर्थिक संकेतक	63
	<b>भारतीय रिज़र्व बैंक</b>	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	64
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	65
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय	66
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरिकी डॉलर)	67
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	67
	<b>मुद्रा और बैंकिंग</b>	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	68
7	मुद्रा स्टॉक (एम <sub>3</sub> ) के स्रोत	69
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	70
9	कुल चलनिधि राशियां	70
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	71
11	आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत	71
12	वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण	72
13	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश	72
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक	73
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन	74
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	75
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	76
	<b>मूल्य और उत्पादन</b>	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)	77
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	77
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	77
21	थोक मूल्य सूचकांक	78
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	82
	<b>सरकारी खाते और खजाना बिल</b>	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	82
24	खजाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	83
25	खजाना बिलों की नीलामी	83
	<b>वित्तीय बाजार</b>	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	84
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	85
28	वाणिज्यिक पत्र	85
29	चुनिदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	85
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	86

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	<b>बाह्य क्षेत्र</b>	
31	विदेशी व्यापार	87
32	विदेशी मुद्रा भंडार	87
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	87
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	88
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	88
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	89
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	89
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमरिकी डॉलर)	90
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (करोड़ ₹)	91
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमरिकी डॉलर)	92
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (करोड़ ₹)	93
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	94
	<b>भुगतान और निपटान प्रणालियाँ</b>	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	95
	<b>अवसरिक श्रृंखला</b>	
44	लघु बचत	97
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	98
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	99
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	100
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	101
49	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	102

टिप्पणियां : .. = उपलब्ध नहीं।

– = शून्य/नगण्य

प्रा/अ= प्रारंभिक/अनंतिम      आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

## सं. 1 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2019-20	2018-19		2019-20	
		ति3	ति4	ति3	ति4
	1	2	3	4	5
<b>1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)</b>					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	3.9	5.6	5.6	3.5	3.0
1.1.1 कृषि	4.0	2.0	1.6	3.6	5.9
1.1.2 उद्योग	0.8	4.4	1.4	-0.4	-0.01
1.1.3 सेवाएं	5.0	7.3	8.3	4.9	3.5
1.1क अंतिम खपत व्यय	6.3	7.0	7.3	7.6	4.2
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	-2.8	11.4	4.4	-5.2	-6.5
	2019-20	2019		2020	
	1	मई	जून	मई	जून
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	-0.8	4.5	1.3	-34.7	-
<b>2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)</b>					
2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	7.9	11.1	10.4	10.5	9.6
2.1.2 ऋण	6.1	13.5	11.9	5.5	5.6
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	6.1	13.3	11.9	5.5	5.4
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	10.6	3.7	1.8	16.7	18.9
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	9.4	13.8	13.5	11.8	11.8
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	8.9	10.3	10.1	11.7	12.3
<b>3 अनुपात (%)</b>					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	3.00	4.00	4.00	3.00	3.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	18.25	19.00	19.00	18.00	18.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	4.6	4.9	5.1	3.8	3.7
3.4 ऋण-जमा अनुपात	76.4	76.8	76.4	73.3	73.6
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	60.3	-212.9	-60.4	-38.7	-37.6
3.6 निवेश-जमा अनुपात	27.6	27.7	27.6	29.3	29.9
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	36.2	302.3	105.3	91.4	122.7
<b>4 व्याज दरें (%)</b>					
4.1 नीति रिपो दर	4.40	6.00	5.75	4.00	4.00
4.2 रिवर्स रिपो दर	4.00	5.75	5.50	3.35	3.35
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	4.65	6.25	6.00	4.25	4.25
4.4 बैंक दर	4.65	6.25	6.00	4.25	4.25
4.5 आधार दर	8.15/9.40	8.95/9.40	8.95/9.40	8.15/9.40	7.40/9.00
4.6 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.40/7.90	8.05/8.50	8.05/8.50	6.95/7.50	6.70/7.45
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	5.90/6.40	6.25/7.50	6.25/7.30	5.10/5.90	5.10/5.65
4.8 बचत जमा दर	3.00/3.50	3.50	3.50	2.75/3.50	2.70/3.50
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.05	5.90	5.78	3.62	3.54
4.10 91-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.36	6.19	6.03	3.19	3.19
4.11 182-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.97	6.27	6.16	3.40	3.42
4.12 364-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) आय	4.94	6.30	6.16	3.41	3.54
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय (एफबीआईएल)	6.71	7.07	6.93	5.79	5.90
<b>5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिया</b>					
5.1 भा.रु.-अमरिकी डॉलर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	74.84	69.81	68.92	75.64	75.48
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	82.64	77.73	78.36	83.91	84.63
5.3 फारवर्ड प्रीमिया अमरिकी डॉलर					
1-माह (%)	8.98	3.95	4.61	3.49	3.66
3-माह (%)	5.93	3.95	4.64	3.60	3.66
6-माह (%)	5.05	3.93	4.70	3.73	3.82
<b>6 मुद्रास्फीति (%)</b>					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.76	3.0	3.2	6.3	6.1
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	7.54	8.7	8.6	5.1	5.1
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	1.69	2.8	2.0	-3.2	-1.8
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	6.77	6.8	6.4	-2.9	-1.2
6.3.2 ईंधन और पावर	-1.63	2.0	-2.1	-19.8	-13.6
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	0.29	1.5	1.0	-0.4	0.1
<b>7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)</b>					
7.1 आयात	-7.80	6.3	-10.1	-52.4	-47.6
7.2 निर्यात	-5.13	3.1	-7.9	-36.2	-12.4

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) भारतीय रिजर्व बैंक के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार 31 मार्च 2018 से जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसारण शुरू किया है।

## भारतीय रिज़र्व बैंक

## सं. 2 : भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां\*

(करोड़ ₹)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2019-20	2019	2020				
		जुला.	जुला. 3	जुला. 10	जुला. 17	जुला. 24	जुला. 31
	1	2	3	4	5	6	7
<b>1 निर्गम विभाग</b>							
<b>1.1 देयताएं</b>							
1.1.1 संचलन में नोट	2412993	2149553	2639014	2651466	2649445	2644672	2646131
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	10	13	12	9	9	9	13
<b>1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां</b>	<b>2413003</b>	<b>2149566</b>	<b>2639026</b>	<b>2651475</b>	<b>2649454</b>	<b>2644681</b>	<b>2646144</b>
<b>1.2 आस्तियां</b>							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	103439	82572	112211	115268	114698	118880	123866
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	2308718	2066181	2526035	2535430	2533981	2525029	2521510
1.2.3 रुपया सिक्का	846	813	780	777	775	772	768
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
<b>2 बैंकिंग विभाग</b>							
<b>2.1 देयताएं</b>							
2.1.1 जमा राशियां	1187409	759396	1224758	1228600	1242901	1256137	1281734
2.1.1.1 केंद्र सरकार	100	100	101	100	100	100	100
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना							
2.1.1.3 राज्य सरकारें	43	42	43	43	43	43	42
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	536186	525908	441784	424190	434563	432426	435414
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	7603	4083	5191	5798	5418	5342	5443
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	3445	2618	2612	2563	2578	2481	2536
2.1.1.7 अन्य बैंक	32641	30327	24692	25425	25325	25518	25694
2.1.1.8 अन्य	605100	196317	750335	763537	764164	779543	805280
2.1.1.9 भारत के बाहर वित्तीय संस्थान	2291			6944	10710	10684	7225
2.1.2 अन्य देयताएं	1350333	1134310	1451303	1494886	1489568	1505204	1544130
<b>2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां</b>	<b>2537742</b>	<b>1893706</b>	<b>2676061</b>	<b>2723486</b>	<b>2732469</b>	<b>2761341</b>	<b>2825864</b>
<b>2.2 आस्तियां</b>							
2.2.1 नोट और सिक्के	10	13	12	9	9	9	13
2.2.2 विदेश में रखे शेष	1006357	710469	1033638	1069142	1070871	1097837	1180774
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	50477	37084	573				
2.2.3.2 राज्य सरकारें	1967	896	7004	10353	10095	5651	4857
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	285623	29570	285587	280597	280632	280577	258425
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	-	22123	22123	24998	25123	25013
2.2.3.7 एक्विजिशन बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	10064	5846	9884	9884	9863	9616	9649
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	2300			10704	14467	14425	7226
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खजाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	1042950	987096	1174768	1173895	1174701	1175717	1180831
2.2.6 अन्य आस्तियां	137993	122731	142472	146779	146833	152386	159076
2.2.6.1 सोना	127644	92052	141695	145922	145933	151254	157597

\*: डेटा अनंतिम है।

## सं. 3 : भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(करोड़ ₹)

दिनांक	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर	एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाजार स्थिरीकरण योजना	विक्रय	क्रय	दीर्घावधि रिपो परिचालन	लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन#	म्यूचुअल फंड के लिए विशेष चलनिधि सुविधा	निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9+10+11+12-2-4-7-8)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
जून 1, 2020	-	669360	-	-	10	-	-	-	-	-	-	-	-669350
जून 2, 2020	-	685893	-	-	0	-627	-	-	-	-	-	-	-686520
जून 3, 2020	-	686606	-	-	0	54	-	-	-	-	-	-	-686552
जून 4, 2020	-	658108	-	-	23	-	-	-	-	-	-	-	-658085
जून 5, 2020	-	649610	-	-	10	-	-	-	-	-	-	-	-649600
जून 6, 2020	-	6640	-	-	2846	-	-	-	-	-	-	-	-3794
जून 7, 2020	-	0	-	-	125	-	-	-	-	-	-	-	125
जून 8, 2020	-	611775	-	-	50	1017	-	-	-	-	-	-	-610708
जून 9, 2020	-	677151	-	-	0	-47	-	-	-	-	-	-	-677198
जून 10, 2020	-	676975	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-676975
जून 11, 2020	-	658315	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-658315
जून 12, 2020	-	672603	-	-	0	184	-	-	-	-	-	-	-672419
जून 13, 2020	-	808	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-808
जून 14, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
जून 15, 2020	-	639616	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-639616
जून 16, 2020	-	639403	-	-	0	163	-	-	-	-	-	-	-639240
जून 17, 2020	-	647239	-	-	0	-925	-	-	-	-	-	-	-648164
जून 18, 2020	-	623676	-	-	50	-	-	-	-	-	-	-	-623626
जून 19, 2020	-	602207	-	-	310	-	-	-	-	-	-	-	-601897
जून 20, 2020	-	27341	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-27341
जून 21, 2020	-	9	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-9
जून 22, 2020	-	588568	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-588568
जून 23, 2020	-	654115	-	-	0	2483	-	-	-	-	-	-	-651632
जून 24, 2020	-	651640	-	-	0	-850	-	-	-	-	-	-	-652490
जून 25, 2020	-	623748	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-623748
जून 26, 2020	-	634893	-	-	65	381	-	-	-	-	-	-	-634447
जून 27, 2020	-	909	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	-909
जून 28, 2020	-	0	-	-	0	-	-	-	-	-	-	-	0
जून 29, 2020	-	613688	-	-	78	-	-	-	-	-	-	-	-613610
जून 30, 2020	-	632871	-	-	0	2628	-	-	-	-	-	-	-630243

# लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन (टीएलटीआरओ ) और लक्षित दीर्घावधि रिपो परिचालन 2.0 (टीएलटीआरओ 2.0 ) शामिल है।

## सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरिकी डॉलर का क्रय-विक्रय

## i) ओटीसी सेगमेंट में ऑनशॉर / ऑफशॉर में परिचालन

मद	2019-20	2019	2020	
		जून	मई	जून
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	45097	2463	4363	9814
1.1 क्रय (+)	72205	4434	4663	14847
1.2 विक्रय (-)	27108	1971	300	5033
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (करोड़ ₹)	312005	16395	32724	73847
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमरिकी डॉलर)	45097	9902	3221	13035
(करोड़ ₹)	312005	66285	24135	97982
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरिकी डॉलर)	-4939	-13406	-1958	2459

## ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेंट में परिचालन

मद	2019-20	2019	2020	
		जून	मई	जून
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	0	0	0	0
1.1 क्रय (+)	7713	0	0	0
1.2 विक्रय (-)	7713	0	0	0
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरिकी डॉलर)	-500	0	0	0

सं. 4ए भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार)  
परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	31 जून 2020 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	6283	140	6143
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	5462	1565	3897
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	2439	0	2439
4. 1 वर्ष से अधिक	0	10020	-10020
<b>कुल (1+2+3+4)</b>	<b>14184</b>	<b>11725</b>	<b>2459</b>

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(करोड़ ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2019-20	2019	2020					जुला. 31
			जुला. 19	फरवरी 28	मार्च 27	अप्रैल 24	मई 22	
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	1262	1151	4130	1262	45	1400	310	80
2 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	10000	2800	2800	10000	10000	4900	4900	4900
3.2 बकाया	4782	2356	1815	4782	4162	1372	326	30
4 अन्य								
4.1 सीमा	-	-	-	-	50000	50000	50000	65000
4.2 बकाया	-	-	-	-	-	21369	26894	34376
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	6044	3507	5945	6044	4207	24141	27530	34486

टिप्पणी: 1. अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा अर्थात एक्जिम बैंक को 22 मई 2020 से फिरसे शुरू की गई है।

2. अन्य को पुर्नवित्त सुविधा अर्थात नाबार्ड/सिडबी/एनएचबी यू/एस को भारिबैं अधिनियम, 1934 की 17(4एच) के अनुसार 17 अप्रैल 2020 से शुरू की गई है।

## मुद्रा और बैंकिंग

## सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2019-20	2019	2020		
		जून 21	मई 22	जून 5	जून 19
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	2349715	2116677	2512742	2544417	2567008
1.1 संचलन में नोट	2420964	2179972	2584761	2613007	2634218
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	25572	25211	25572	25572	25572
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	743	743	743	743	743
1.4 बैंकों के पास नकदी	97563	89250	98334	94904	93525
2 जनता की जमाराशियां	1776199	1432959	1606278	1642416	1611690
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	1737692	1403276	1564750	1595473	1572974
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	29683	41528	46943	38716
<b>3 एम<sub>1</sub> (1 + 2)</b>	<b>4125915</b>	<b>3549636</b>	<b>4119020</b>	<b>4186833</b>	<b>4178698</b>
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	141786	143501	141786	141786	141786
<b>5 एम<sub>2</sub> (3 + 4)</b>	<b>4267701</b>	<b>3693137</b>	<b>4260806</b>	<b>4328619</b>	<b>4320484</b>
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	12674016	11866468	13111844	13192413	13140721
<b>7 एम<sub>3</sub> (3 + 6)</b>	<b>16799930</b>	<b>15416104</b>	<b>17230864</b>	<b>17379245</b>	<b>17319418</b>
8 कुल डाकघर जमाराशियां	409246	384526	409246	409246	409246
<b>9 एम<sub>4</sub> (7 + 8)</b>	<b>17209176</b>	<b>15800630</b>	<b>17640110</b>	<b>17788491</b>	<b>17728664</b>

सं. 7: मुद्रा स्टॉक (एम<sub>3</sub>) का स्रोत

(करोड़ ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019	2020		
			जून 21	मई 22	जून 5
	1	2	3	4	5
<b>1 सरकार को निवल बैंक ऋण</b>	<b>4906583</b>	<b>4589114</b>	<b>5551592</b>	<b>5567715</b>	<b>5499987</b>
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	992192	919696	1266000	1183545	1123896
1.1.1 सरकार पर दावे	1047808	984770	1266144	1191031	1180189
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	1045314	984607	1259392	1182225	1175526
1.1.1.2 राज्य सरकारें	2494	163	6752	8806	4663
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमा राशियां	55616	65074	144	7486	56293
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	55573	65032	101	7443	56251
1.1.2.2 राज्य सरकारें	43	42	43	43	42
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	3914391	3669418	4285592	4384170	4376091
<b>2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण</b>	<b>11038644</b>	<b>10258394</b>	<b>10874441</b>	<b>10897869</b>	<b>10902373</b>
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	13166	8443	5680	6796	7187
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	11025478	10249951	10868761	10891073	10895186
2.2.1 वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक ऋण	10370861	9648768	10222753	10243351	10247763
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	637776	591200	635415	637184	637516
2.2.3 वाणिज्य और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	16842	9982	10592	10538	9908
<b>3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)</b>	<b>3801036</b>	<b>3171094</b>	<b>3910796</b>	<b>3981552</b>	<b>4041348</b>
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	3590402	2959806	3700162	3770918	3830714
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	3590636	2960021	3700397	3771155	3830951
3.1.2 विदेशी देयताएं	234	215	235	237	237
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	210634	211288	210634	210634	210634
<b>4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं</b>	<b>26315</b>	<b>25954</b>	<b>26315</b>	<b>26315</b>	<b>26315</b>
<b>5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं</b>	<b>2972648</b>	<b>2628452</b>	<b>3132280</b>	<b>3094205</b>	<b>3150604</b>
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	1378342	1115978	1459643	1486036	1515001
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	1594306	1512474	1672637	1608169	1635603
<b>एम<sub>3</sub> (1+2+3+4-5)</b>	<b>16799930</b>	<b>15416104</b>	<b>17230864</b>	<b>17379245</b>	<b>17319418</b>

## सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019	2020		
		जून 21	मई 22	जून 5	जून 19
	1	2	3	4	5
<b>मौद्रिक समुच्चय</b>					
एन एम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	4125915	3549636	4119020	4186833	4178698
एन एम2 (एन एम1 + 1.2.2.1)	9745743	8812273	9938829	10044775	10013131
एन एम3 (एन एम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4- 2.5)	16923860	15601523	17342718	17491628	17430975
<b>1 घटक</b>					
1.1 जनता के पास मुद्रा	2349715	2116677	2512742	2544417	2567008
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	14226198	13098026	14497659	14613123	14538382
1.2.1 मांग जमाराशियां	1737692	1403276	1564750	1595473	1572974
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	12488506	11694750	12932909	13017650	12965408
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	5619828	5262638	5819809	5857942	5834434
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	169419	210079	156220	137376	123414
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	6868678	6432113	7113100	7159707	7130974
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	29683	41528	46943	38716
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग /सावधि निधीयन	309439	357137	290789	287145	286869
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 देशी ऋण	16802627	15739114	17436173	17494640	17426552
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	4906583	4589114	5551592	5567715	5499987
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	992192	919696	1266000	1183545	1123896
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	3914391	3669418	4285592	4384170	4376091
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	11896044	11150000	11884581	11926925	11926565
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	13166	8443	24680	28847	29238
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	11882878	11141557	11859901	11898078	11897327
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	846284	883614	979542	995174	989760
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25954	26315	26315	26315
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3612303	2891470	3721230	3793302	3852370
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2959806	3700162	3770918	3830714
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	21900	-68336	21068	22385	21656
2.4 पूंजी खाता	2670439	2432604	2788706	2804068	2821178
2.5 अन्य मदें (निवल)	846946	622411	1052294	1018561	1053084

## सं. 9: चलनिधि समुच्चय

(करोड़ ₹)

समुच्चय	2019-20	2019	2020		
	1	जून	अप्रैल	मई	जून
		2	3	4	5
<b>1 एन एम<sub>3</sub></b>	<b>16923860</b>	<b>15601523</b>	<b>17155388</b>	<b>17342718</b>	<b>17430975</b>
2 डाकघर जमाराशियां	409246	384524	409246	409246	409246
<b>3 एल<sub>1</sub> (1 + 2)</b>	<b>17333106</b>	<b>15986047</b>	<b>17564634</b>	<b>17751964</b>	<b>17840221</b>
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	57479	2932	56424	53017	52109
4.1 सावधि मुद्रा उधार	7928	2656	9928	10801	10801
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	46249	31	43199	38899	37950
4.3 सावधि जमाराशियां	3302	245	3297	3317	3358
<b>5 एल<sub>2</sub> (3 + 4)</b>	<b>17390584</b>	<b>15988979</b>	<b>17621058</b>	<b>17804981</b>	<b>17892330</b>
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	31905	31905	..	..	31905
<b>7 एल<sub>3</sub> (5 + 6)</b>	<b>17422489</b>	<b>16020884</b>	<b>..</b>	<b>..</b>	<b>17924235</b>

टिप्पणी: नवंबर 2019 के बाद से, वित्तीय संस्थानों की देनदारियों पर अद्यतन डेटा इस सारणी में शामिल किया गया है, और इसलिए, पिछले डेटा के साथ इसकी तुलना नहीं की जा सकती है।

## सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019		2020	
		जून 21	मई 22	जून 5	जून 19
	1	2	3	4	5
<b>1 घटक</b>					
1.1 संचलन में मुद्रा	2447279	2205926	2611076	2639322	2660533
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमाराशियां	543888	539382	468214	478833	484463
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	505131	503248	433987	445527	451363
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	29683	41528	46943	38716
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	3029674	2774992	3120817	3165097	3183711
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	791299	905209	853984	853901	841684
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण	992192	919696	1266000	1183545	1123896
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	989741	919575	1259291	1174782	1119275
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	-	86080	-	-
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	1044468	983768	1172496	1181422	1174736
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	1044468	983768	1172496	1181422	1174736
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	846	839	816	803	790
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	55573	65032	101	7443	56251
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	2451	121	6709	8763	4621
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	-214059	-22930	-436696	-358491	-311450
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ऋण और अग्रिम	-214059	-22930	-417696	-336440	-289399
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	13166	8443	24680	28847	29238
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	5920	2453	1372	1135	3256
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	19000	22051	22051
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25954	26315	26315	26315
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2959806	3700162	3770918	3830714
2.3.1 सोना	230527	160265	248955	244532	250028
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	3359893	2799559	3451224	3526403	3580703
2.4 पूंजी खाता	1165066	983493	1219103	1236710	1259409
2.5 अन्य मदें (निवल)	213276	132485	240540	249326	255592

## सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(करोड़ ₹)

मद	2019-20	मार्च 31/माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया					
		2019		2020			
		जून 28	मई 29	जून 5	जून 12	जून 19	जून 26
		1	2	3	4	5	6
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	3029674	2828612	3131576	3165097	3154447	3183711	3163578
<b>1 घटक</b>							
1.1 संचलन में मुद्रा	2447279	2189484	2616468	2639322	2658733	2660533	2660382
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमाराशियां	543888	609537	468973	478833	456516	484463	463901
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	38507	29590	46136	46943	39199	38716	39296
<b>2 स्रोत</b>							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	992192	992751	1179922	1183545	1163168	1123896	1134432
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-214059	-47104	-329604	-336440	-359443	-289399	-322330
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	13166	8755	7316	6796	7949	7187	9203
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3590402	2939668	3708976	3770918	3824565	3830714	3811722
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	26315	25954	26315	26315	26315	26315	26315
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	1378342	1091413	1461348	1486036	1508106	1515001	1495763

## सं. 12: वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण

(करोड़ ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार/ माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2019-20	2019		2020	
		जून 21	मई 22	जून 5	जून 19
	1	2	3	4	5
<b>1 घटक</b>					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	13381983	12320748	13650980	13765618	13691815
1.1.1 मांग जमाराशियां	1617003	1288828	1444907	1474515	1452440
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	11764979	11031920	12206073	12291103	12239375
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	5294241	4964364	5492733	5530996	5507719
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	169419	210079	156220	137376	123414
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	6470739	6067556	6713340	6760107	6731656
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	309439	357137	290789	287145	286869
<b>2 स्रोत</b>					
2.1 देशी ऋण	14913131	13998321	15259565	15391528	15383601
2.1.1 सरकार को ऋण	3684917	3464636	4052677	4148205	4141325
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	11228214	10533685	11206889	11243323	11242276
2.1.2.1 बैंक ऋण	10370861	9648768	10222753	10243351	10247763
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	10319097	9577349	10143337	10157668	10158474
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	11378	8256	11861	12094	12643
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	8653	2010	1694	1666	1072
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	837321	874651	970580	986212	980798
2.2 वाणिज्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	21900	-68336	21068	22385	21656
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	315641	245786	295272	289788	289675
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	185510	171718	178935	174763	175313
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	108231	142404	95269	92641	92706
2.3 निवल बैंक रिजर्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	899410	605629	939673	866470	823903
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	536186	503248	433987	445527	451363
2.3.2 उपलब्ध नकदी	87260	79451	87990	84503	83141
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	-275964	-22930	-417696	-336440	-289399
2.4 पूंजी खाता	1481202	1424941	1545433	1543188	1537598
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	661818	432788	733105	684433	712879
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	495445	347883	423646	446449	426797
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	65654	-50121	53427	77841	75819

## सं. 13: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश

(करोड़ ₹)

मद	मार्च 27, 2020 की स्थिति	2019	2020		
		जून 21	मई 22	जून 5	जून 19
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	3747349	3466646	4054371	4149871	4142397
2 वाणिज्यिक पत्र	104526	97240	120516	119680	111433
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	14106	11579	11791	11783	11800
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	75415	69242	70782	70740	70645
3.3 अन्य	5734	5624	5257	5207	5208
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	125710	126331	133229	137347	131832
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	226559	257391	289350	293852	303462
4.3 अन्य	191690	160466	155155	157126	156846
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	35610	55543	61861	64440	67201
5.2 वित्तीय संस्थाएं	97665	91147	122807	126024	122359

## सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक

(करोड़ ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक			
	2019-20	2019	2020		2019-20	2019	2020	
		जून	मई	जून		जून	मई	जून
1	2	3	4	5	6	7	8	
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	219	215	210	210	142	139	134	134
<b>1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं</b>	<b>320240</b>	<b>261115</b>	<b>335419</b>	<b>327674</b>	<b>314513</b>	<b>256028</b>	<b>329918</b>	<b>322336</b>
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	239943	184953	260155	250131	234348	180169	254851	244950
1.2 बैंकों से उधार राशि	64001	64878	59310	61179	64001	64720	59270	61179
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	16295	11285	15954	16364	16163	11139	15796	16207
<b>2 अन्य के प्रति देयताएं</b>	<b>14905949</b>	<b>13916921</b>	<b>15183762</b>	<b>15211857</b>	<b>14480607</b>	<b>13567386</b>	<b>14748737</b>	<b>14777587</b>
2.1 कुल जमाराशियां	13975551	13026758	14360865	14332042	13567492	12691204	13942646	13915263
2.1.1 मांग	1653242	1434823	1543308	1520856	1617003	1403345	1506683	1485899
2.1.2 मीयादी	12322309	11591936	12817557	12811186	11950489	11287859	12435963	12429364
2.2 उधार	313908	360894	295629	293320	309439	357469	291432	289056
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	616491	529269	527268	586496	603676	518713	514660	573267
<b>3 रिजर्व बैंक से उधार</b>	<b>285623</b>	<b>54185</b>	<b>291023</b>	<b>290512</b>	<b>285623</b>	<b>54185</b>	<b>291023</b>	<b>290512</b>
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अन्य	285623	54185	291023	290512	285623	54185	291023	290512
<b>4 उपलब्ध नकदी और रिजर्व बैंक के पास शेष</b>	<b>643038</b>	<b>666700</b>	<b>538381</b>	<b>533003</b>	<b>623446</b>	<b>651388</b>	<b>522867</b>	<b>517853</b>
4.1 उपलब्ध नकदी	89671	81166	90088	90075	87260	79375	87645	87658
4.2 रिजर्व बैंक के पास शेष	553367	585534	448293	442928	536186	572013	435222	430194
<b>5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां</b>	<b>323680</b>	<b>368717</b>	<b>338771</b>	<b>330655</b>	<b>260238</b>	<b>319278</b>	<b>265058</b>	<b>260792</b>
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	181460	263547	206775	213456	155401	239889	168900	177347
5.1.1 चालू खाते में	17204	19631	17397	21562	14457	16024	15019	19589
5.1.2 अन्य खातों में	164256	243916	189379	191894	140945	223864	153881	157758
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	43335	32525	46440	41258	20273	16512	18907	15365
5.3 बैंकों को अग्रिम	38266	29711	26106	24288	30531	26552	24775	23141
5.4 अन्य आस्तियां	60619	42935	59450	51654	54032	36325	52476	44940
<b>6 निवेश</b>	<b>3865544</b>	<b>3606079</b>	<b>4205866</b>	<b>4289354</b>	<b>3747349</b>	<b>3503314</b>	<b>4083247</b>	<b>4166420</b>
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	3850819	3599693	4197381	4281675	3738696	3502670	4081619	4165563
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	14724	6386	8485	7679	8653	644	1628	856
<b>7 बैंक ऋण</b>	<b>10705336</b>	<b>9985468</b>	<b>10555736</b>	<b>10571857</b>	<b>10370861</b>	<b>9700765</b>	<b>10225673</b>	<b>10240265</b>
7क खाद्यान्न ऋण	82172	90712	113172	115026	51763	63678	82765	84620
7.1 ऋण नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	10480934	9757672	10366873	10381618	10149509	9477239	10038841	10051961
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	26214	27439	22268	21675	25658	26331	22005	21421
7.3 देशी बिल - भुनाए गए	147209	140811	128038	126940	145683	138557	126919	125979
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	20866	24037	14638	16172	20458	23707	14435	15955
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	30114	35509	23919	25452	29554	34930	23474	24950

## सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

(करोड़ ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 27, 2020	2019	2020		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष 2020
			जून 21	मई 22		
	1	2	3	4	5	6
<b>1 सकल बैंक ऋण</b>	<b>9263134</b>	<b>8547555</b>	<b>9108882</b>	<b>9136004</b>	<b>-1.4</b>	<b>6.9</b>
<b>1.1 खाद्यान्न ऋण</b>	<b>51590</b>	<b>71178</b>	<b>79135</b>	<b>88990</b>	<b>72.5</b>	<b>25.0</b>
<b>1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण</b>	<b>9211544</b>	<b>8476377</b>	<b>9029747</b>	<b>9047014</b>	<b>-1.8</b>	<b>6.7</b>
<b>1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां</b>	<b>1157795</b>	<b>1125788</b>	<b>1146207</b>	<b>1152934</b>	<b>-0.4</b>	<b>2.4</b>
<b>1.2.2 उद्योग</b>	<b>2905151</b>	<b>2812032</b>	<b>2861607</b>	<b>2875210</b>	<b>-1.0</b>	<b>2.2</b>
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	381825	366185	352949	352696	-7.6	-3.7
1.2.2.2 मझौले	105598	105170	99847	95670	-9.4	-9.0
1.2.2.3 बड़े	2417728	2340677	2408811	2426844	0.4	3.7
<b>1.2.3 सेवाएं</b>	<b>2594945</b>	<b>2284715</b>	<b>2543070</b>	<b>2528489</b>	<b>-2.6</b>	<b>10.7</b>
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	144466	141711	149290	146715	1.6	3.5
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	20051	18312	19812	20592	2.7	12.5
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	45977	39603	45777	46253	0.6	16.8
1.2.3.4 नौवहन	6557	6080	5249	5155	-21.4	-15.2
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	177085	168679	173325	173914	-1.8	3.1
1.2.3.6 व्यापार	552392	511576	538619	543012	-1.7	6.1
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	263397	230097	252442	255206	-3.1	10.9
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	288995	281479	286177	287806	-0.4	2.2
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	229770	205495	227847	229263	-0.2	11.6
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	807383	635098	804287	798514	-1.1	25.7
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	611264	558161	578864	565071	-7.6	1.2
<b>1.2.4 व्यक्तिगत ऋण</b>	<b>2553652</b>	<b>2253843</b>	<b>2478863</b>	<b>2490381</b>	<b>-2.5</b>	<b>10.5</b>
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	9298	5771	8703	8847	-4.9	53.3
1.2.4.2 आवास	1338964	1187027	1329147	1335902	-0.2	12.5
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	79496	67105	63594	61457	-22.7	-8.4
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	5334	5368	4502	5803	8.8	8.1
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	108094	94890	92887	97586	-9.7	2.8
1.2.4.6 शिक्षा	65745	67641	65205	65017	-1.1	-3.9
1.2.4.7 वाहन ऋण	220609	200419	214548	214602	-2.7	7.1
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	726112	625622	700277	701167	-3.4	12.1
<b>1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र</b>	<b>2897461</b>	<b>2751954</b>	<b>2795546</b>	<b>2803776</b>	<b>-3.2</b>	<b>1.9</b>
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	1146624	1118660	1138386	1144499	-0.2	2.3
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	1149394	1062806	1077748	1132391	-1.5	6.5
1.2अ.2.1 विनिर्माण	381825	366185	352949	352696	-7.6	-3.7
1.2अ.2.2 सेवाएं	767568	696621	724799	779695	1.6	11.9
1.2अ.3 आवास	449945	440022	463004	463729	3.1	5.4
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	38237	28690	34818	35826	-6.3	24.9
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	51906	54237	52088	52035	0.2	-4.1
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	388	383	399	399	2.8	4.2
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	731409	701478	739806	740428	1.2	5.6
1.2अ.8 निर्यात ऋण	16114	14279	17381	16719	3.8	17.1

## सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन

(करोड़ ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 27, 2020	2019	2020		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष 2020
			जून 21	मई 22		
	1	2	3	4	5	6
<b>1 उद्योग</b>	<b>2905151</b>	<b>2812032</b>	<b>2861607</b>	<b>2875210</b>	<b>-1.0</b>	<b>2.2</b>
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	43927	41129	42094	42890	-2.4	4.3
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	154146	151625	149382	157937	2.5	4.2
1.2.1 चीनी	27382	29572	26556	25491	-6.9	-13.8
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	19240	20100	17980	17589	-8.6	-12.5
1.2.3 चाय	5375	5110	4406	5108	-5.0	-0.0
1.2.4 अन्य	102149	96843	100440	109749	7.4	13.3
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	16522	14376	16111	15025	-9.1	4.5
1.4 वस्त्र	192424	193595	189249	189236	-1.7	-2.3
1.4.1 सूती वस्त्र	89283	91947	86023	86401	-3.2	-6.0
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	2116	2122	1958	2046	-3.3	-3.6
1.4.3 मानव-निर्मित वस्त्र	26074	25984	26349	26835	2.9	3.3
1.4.4 अन्य वस्त्र	74951	73542	74919	73954	-1.3	0.6
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	11098	11150	10609	10936	-1.5	-1.9
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	12233	11691	12432	12591	2.9	7.7
1.7 कागज़ और कागज़ से बने उत्पाद	30965	30142	31570	31675	2.3	5.1
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	75834	55775	73835	73323	-3.3	31.5
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	202949	174540	182315	180006	-11.3	3.1
1.9.1 उर्वरक	49066	33118	34781	34486	-29.7	4.1
1.9.2 औषधि और दवाइयां	53427	49021	51800	52040	-2.6	6.2
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	42233	39493	40832	39455	-6.6	-0.1
1.9.4 अन्य	58223	52908	54902	54025	-7.2	2.1
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	50415	45828	48645	48402	-4.0	5.6
1.11 कांच और कांच के सामान	8777	9832	8165	8132	-7.3	-17.3
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	58689	56126	58234	57163	-2.6	1.8
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	350325	352015	354466	350359	0.0	-0.5
1.13.1 लोहा और स्टील	262396	266162	268756	266465	1.6	0.1
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	87929	85853	85710	83894	-4.6	-2.3
1.14 सभी अभियांत्रिकी	157259	164574	155201	147283	-6.3	-10.5
1.14.1 इलेक्ट्रॉनिक्स	30159	37942	30438	29742	-1.4	-21.6
1.14.2 अन्य	127100	126632	124763	117541	-7.5	-7.2
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	82606	81419	84499	85374	3.4	4.9
1.16 रत्न और आभूषण	59515	66218	57447	55686	-6.4	-15.9
1.17 निर्माण	104288	97160	100381	102608	-1.6	5.6
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	1053913	1026481	1055249	1069160	1.4	4.2
1.18.1 पावर	559774	563743	568131	568950	1.6	0.9
1.18.2 दूरसंचार	143760	106831	138289	146173	1.7	36.8
1.18.3 सड़क	190676	186128	192041	194921	2.2	4.7
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	159703	169779	156788	159116	-0.4	-6.3
1.19 अन्य उद्योग	239266	228356	231723	237424	-0.8	4.0

## सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(करोड़ ₹)

I मद्	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति								
	2019-20	2019		2020					
		मई 31	मार्च 13	मार्च 27	अप्रैल 10	अप्रैल 24	मई 08	मई 22	मई 29
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	31	32	31	31	31	31	31	31	31
<b>1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)</b>	<b>123812.9</b>	<b>62639.2</b>	<b>123095.1</b>	<b>123812.9</b>	<b>123662.3</b>	<b>125204.9</b>	<b>125346.7</b>	<b>125096.8</b>	<b>125375.1</b>
2 मांग और मीयादी देयताएं									
<b>2.1 मांग देयताएं</b>	<b>26007.5</b>	<b>17939.1</b>	<b>24248.2</b>	<b>26007.5</b>	<b>24423.4</b>	<b>24706.2</b>	<b>25729.6</b>	<b>23631.3</b>	<b>24755.4</b>
2.1.1 जमाराशियां									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	5295.0	4866.0	5573.2	5295.0	4572.9	5177.3	5919.2	5151.9	5276.6
2.1.1.2 अन्य	14,317.3	10129.4	12161.4	14317.3	13051.0	13835.8	13552.3	12649.7	13674.1
2.1.2 बैंकों से उधार	100.0	70.0	199.9	100.0	0.0	0.0	0.0	0.0	25.0
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	6295.2	2873.8	6313.7	6295.2	6799.5	5693.1	6258.0	5829.8	5779.7
<b>2.2 मीयादी देयताएं</b>	<b>167558.4</b>	<b>99457.8</b>	<b>167444.2</b>	<b>167558.4</b>	<b>173146.8</b>	<b>173854.7</b>	<b>175140.7</b>	<b>179693.5</b>	<b>177855.8</b>
2.2.1 जमाराशियां									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	56564.0	46246.8	54997.7	56564.0	60609.3	60943.0	61787.7	63944.7	64012.5
2.2.1.2 अन्य	109495.7	52509.8	110933.7	109495.7	110611.3	111369.1	111794.3	112447.2	111701.0
2.2.2 बैंकों से उधार	630.2	0.0	630.0	630.2	955.6	629.9	629.9	640.9	755.9
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	868.6	701.2	882.7	868.6	970.6	912.7	928.7	2660.7	1386.3
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	35.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	52538.8	47320.8	49412.6	52538.8	51935.2	50287.7	57302.1	58212.6	56219.3
4.1 मांग	13764.4	14109.5	14027.1	13764.4	13624.3	12779.0	13496.5	13771.3	13701.3
4.2 मीयादी	38774.4	33211.3	35385.6	38774.4	38310.8	37508.7	43805.6	44441.3	42517.9
<b>5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष</b>	<b>9425.7</b>	<b>4857.5</b>	<b>8860.3</b>	<b>9425.7</b>	<b>6899.9</b>	<b>7122.4</b>	<b>7278.1</b>	<b>7869.0</b>	<b>7525.9</b>
5.1 उपलब्ध नकदी	748.4	350.0	694.2	748.4	711.7	761.9	673.5	676.9	711.2
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	8677.2	4507.5	8166.1	8677.2	6188.2	6360.5	6604.7	7192.1	6814.7
<b>6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष</b>	<b>1489.1</b>	<b>993.3</b>	<b>1127.9</b>	<b>1489.1</b>	<b>1009.2</b>	<b>1140.3</b>	<b>1651.3</b>	<b>991.6</b>	<b>1338.0</b>
<b>7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश</b>	<b>50626.9</b>	<b>31103.6</b>	<b>49381.9</b>	<b>50626.9</b>	<b>53518.3</b>	<b>52294.4</b>	<b>54080.9</b>	<b>52055.1</b>	<b>53179.8</b>
<b>8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा</b>	<b>25259.9</b>	<b>15031.4</b>	<b>22642.7</b>	<b>25259.9</b>	<b>25731.8</b>	<b>27393.7</b>	<b>32111.1</b>	<b>30755.6</b>	<b>30633.2</b>
<b>9 बैंक ऋण (10.1+11)</b>	<b>110575.6</b>	<b>62846.0</b>	<b>108078.9</b>	<b>110575.6</b>	<b>108889.7</b>	<b>107724.1</b>	<b>108234.9</b>	<b>109907.7</b>	<b>110987.8</b>
10 अग्रिम									
<b>10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट</b>	<b>110575.0</b>	<b>62841.7</b>	<b>108078.4</b>	<b>110575.0</b>	<b>108889.1</b>	<b>107723.5</b>	<b>108234.3</b>	<b>109907.1</b>	<b>110987.2</b>
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	81300.1	78346.8	80135.6	81300.1	82861.4	81907.8	81947.9	82010.5	79337.2
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	1.2	4.4	1.2	1.2	1.2	1.2	0.6	0.6	0.6

# मूल्य और उत्पादन

## सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2019-20			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	जून '19	मई '20	जून '20(अ)	जून '19	मई '20	जून '20(अ)	जून '19	मई '20	जून '20(अ)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
<b>1 खाद्य और पेय पदार्थ</b>	<b>146.3</b>	<b>149.6</b>	<b>147.5</b>	<b>141.0</b>	<b>151.4*</b>	<b>152.0</b>	<b>145.6</b>	<b>154.8*</b>	<b>155.1</b>	<b>142.7</b>	<b>152.7*</b>	<b>153.1</b>
1.1 अनाज और उत्पाद	140.7	143.2	141.4	137.8	147.5	146.8	140.7	150.4	149.8	138.7	148.4	147.7
1.2 मांस और मछली	163.3	161.4	162.6	163.5	181.5	187.8	159.6	188.1	189.5	162.1	183.8	188.4
1.3 अंडा	142.1	145.7	143.5	136.2	146.4	146.2	140.4	150.0	150.8	137.8	147.8	148.0
1.4 दूध और उत्पाद	146.5	146.0	146.3	143.2	154.9	155.5	143.4	155.4	155.3	143.3	155.1	155.4
1.5 तेल और चर्बी	127.1	121.8	125.1	124.3	139.2	139.8	118.6	131.9	132.7	122.2	136.5	137.2
1.6 फल	144.0	148.8	146.2	143.3	146.2	141.9	150.9	153.0	150.3	146.8	149.4	145.8
1.7 सब्जी	163.5	187.8	171.7	140.6	145.1	147.2	169.8	161.8	165.2	150.5	150.8	153.3
1.8 दाल और उत्पाद	133.7	132.0	133.1	128.7	151.1	149.4	127.4	151.4	150.2	128.3	151.2	149.7
1.9 चीनी और उत्पाद	112.0	113.4	112.5	110.6	116.2	115.3	111.8	117.2	117.0	111.0	116.5	115.9
1.10 मसाले	145.6	145.1	145.5	140.4	158.7	157.9	141.0	154.7	155.5	140.6	157.4	157.1
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	138.8	130.2	135.2	138.0	141.4	142.8	129.0	134.1	136.6	134.2	138.4	140.2
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	157.6	156.7	157.2	156.6	161.9*	163.1	155.1	162.4*	162.0	155.9	162.1*	162.6
<b>2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ</b>	<b>166.3</b>	<b>169.0</b>	<b>167.0</b>	<b>164.2</b>	<b>171.2*</b>	<b>180.5</b>	<b>166.7</b>	<b>183.4</b>	<b>181.9</b>	<b>164.9</b>	<b>174.4*</b>	<b>180.9</b>
<b>3 कपड़ा और जूते</b>	<b>151.3</b>	<b>143.7</b>	<b>148.3</b>	<b>150.7</b>	<b>153.2*</b>	<b>155.4</b>	<b>142.4</b>	<b>150.8*</b>	<b>148.4</b>	<b>147.4</b>	<b>152.3*</b>	<b>152.6</b>
3.1 कपड़ा	152.0	145.7	149.5	151.4	154.0*	156.5	144.3	153.0*	150.4	148.6	153.6*	154.1
3.2 जूते	146.9	132.4	140.9	146.5	148.2*	149.0	131.7	138.6*	137.1	140.4	144.2*	144.1
<b>4 आवास</b>	--	<b>152.2</b>	<b>152.2</b>	--	--	--	<b>149.4</b>	<b>155.6</b>	<b>154.7</b>	<b>149.4</b>	<b>155.6</b>	<b>154.7</b>
<b>5 ईंधन और लाइट</b>	<b>148.6</b>	<b>131.5</b>	<b>142.2</b>	<b>147.8</b>	<b>146.4</b>	<b>146.5</b>	<b>130.5</b>	<b>136.2</b>	<b>142.5</b>	<b>141.2</b>	<b>142.5</b>	<b>145.0</b>
<b>6 विविध</b>	<b>145.6</b>	<b>135.9</b>	<b>140.9</b>	<b>143.3</b>	<b>149.2*</b>	<b>150.9</b>	<b>133.6</b>	<b>143.0*</b>	<b>141.8</b>	<b>138.6</b>	<b>146.2*</b>	<b>146.5</b>
6.1 घरेलू सामान और सेवा	150.6	138.7	145.0	149.6	152.1*	150.2	137.4	145.9*	143.7	143.8	149.2*	147.1
6.2 स्वास्थ्य	153.6	142.1	149.3	151.7	157.0	157.8	140.3	146.1	146.6	147.4	152.9	153.6
6.3 परिवहन और संचार	132.6	122.2	127.1	130.2	136.3*	138.9	119.6	129.1*	128.7	124.6	132.5*	133.5
6.4 मनोरंजन	148.3	135.9	141.3	146.4	151.8*	151.5	134.3	142.9*	137.9	139.6	146.8*	143.8
6.5 शिक्षा	159.8	150.9	154.5	157.7	161.8*	169.2	148.9	158.0*	155.0	152.5	159.6*	160.9
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	139.2	138.4	138.9	134.8	145.7*	150.4	133.7	150.5*	151.8	134.3	147.7*	151.0
<b>सामान्य सूचकांक (सभी समूह)</b>	<b>147.3</b>	<b>145.1</b>	<b>146.3</b>	<b>143.6</b>	<b>151.2*</b>	<b>152.5</b>	<b>142.1</b>	<b>150.6*</b>	<b>150.5</b>	<b>142.9</b>	<b>150.9*</b>	<b>151.6</b>

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

\* मई 20 के लिए प्रेरित सीपीआई सूचकांक एनएसओ द्वारा प्रकाशित सूचकांक हैं।

## सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2019-20	2020		
				जून	मई	
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	323	316	330	332
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	980	950	1019	1018
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	-	986	957	1025	1024

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

## सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2019-20	2020		
		जून	मई	
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	37018	33121	46343	47315
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	42514	37187	45097	48213

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए भारत बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि., मुंबई।

**सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक**  
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2020			
			जून	अप्रैल	मई (अ)	जून (अ)
	1	2	3	4	5	6
<b>1 सभी पण्य</b>	<b>100.000</b>	<b>121.8</b>	<b>121.5</b>	<b>119.2</b>	<b>117.7</b>	<b>119.3</b>
<b>1.1 प्राथमिक वस्तुएं</b>	<b>22.618</b>	<b>143.3</b>	<b>141.0</b>	<b>137.8</b>	<b>136.2</b>	<b>139.3</b>
<b>1.1.1 खाद्य वस्तुएं</b>	<b>15.256</b>	<b>155.8</b>	<b>152.2</b>	<b>154.5</b>	<b>152.3</b>	<b>155.3</b>
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+ दाल)	3.462	159.6	155.4	161.8	160.0	161.6
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	174.7	166.8	161.4	152.3	159.3
1.1.1.3 दूध	4.440	146.7	145.5	151.6	151.2	151.4
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	147.0	146.0	146.2	147.1	152.5
1.1.1.5 मसाले	0.529	143.9	133.9	147.1	147.3	145.6
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.948	144.0	144.2	141.8	146.2	147.8
<b>1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं</b>	<b>4.119</b>	<b>128.7</b>	<b>128.7</b>	<b>123.9</b>	<b>123.0</b>	<b>125.1</b>
1.1.2.1 फाइबर	0.839	128.2	133.9	121.4	119.6	117.2
1.1.2.2 तिलहन	1.115	151.4	150.0	150.6	153.4	154.8
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.960	104.8	106.1	105.0	103.8	103.8
1.1.2.4 फूल	0.204	238.0	208.3	169.9	156.2	200.5
<b>1.1.3 खनिज</b>	<b>0.833</b>	<b>154.5</b>	<b>153.4</b>	<b>154.1</b>	<b>156.8</b>	<b>154.1</b>
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	147.4	146.8	145.1	148.0	145.1
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	179.0	176.6	185.7	187.7	185.7
<b>1.1.4 कच्चा तेल और नैसर्गिक गैस</b>	<b>2.410</b>	<b>85.3</b>	<b>87.2</b>	<b>49.9</b>	<b>49.7</b>	<b>57.8</b>
<b>1.2 ईंधन और बिजली</b>	<b>13.152</b>	<b>102.2</b>	<b>102.2</b>	<b>89.8</b>	<b>83.7</b>	<b>88.3</b>
<b>1.2.1 कोल</b>	<b>2.138</b>	<b>125.3</b>	<b>124.0</b>	<b>126.5</b>	<b>126.5</b>	<b>126.5</b>
1.2.1.1 कुकिंग कोल	0.647	138.1	133.9	141.9	141.9	141.9
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोल	1.401	119.0	119.0	119.0	119.0	119.0
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	129.1	129.9	131.1	131.1	131.1
<b>1.2.2 खनिज तेल</b>	<b>7.950</b>	<b>92.3</b>	<b>94.0</b>	<b>70.6</b>	<b>60.6</b>	<b>68.2</b>
<b>1.2.3 बिजली</b>	<b>3.064</b>	<b>111.8</b>	<b>108.3</b>	<b>113.9</b>	<b>113.9</b>	<b>113.9</b>
<b>1.3 विनिर्मित उत्पाद</b>	<b>64.231</b>	<b>118.3</b>	<b>118.5</b>	<b>118.7</b>	<b>118.1</b>	<b>118.6</b>
<b>1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>9.122</b>	<b>133.9</b>	<b>130.8</b>	<b>136.3</b>	<b>135.7</b>	<b>137.4</b>
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	137.5	140.5	136.2	135.6	135.2
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियस, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	136.1	132.3	132.0	139.3	139.2
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	114.3	115.6	116.2	115.6	119.4
1.3.1.4 सब्जियाँ और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	119.3	112.4	126.4	126.2	128.0
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	145.0	139.8	151.1	148.4	148.8
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	146.3	145.0	146.4	145.6	145.7
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	135.5	136.0	127.0	124.0	117.5
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	133.5	132.2	136.6	136.4	137.2
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	118.3	117.3	118.4	117.3	119.0
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	127.2	128.4	127.8	127.3	128.0
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	132.7	133.7	126.3	133.8	142.0
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	139.7	145.8	138.1	139.8	160.7
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	132.4	124.8	144.0	144.1	141.6
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	128.7	131.6	133.1	129.4	134.0
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	159.9	154.5	151.3	146.7	146.8
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	173.6	172.1	166.1	167.8	167.6
<b>1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण</b>	<b>0.909</b>	<b>123.6</b>	<b>123.3</b>	<b>125.0</b>	<b>124.8</b>	<b>124.6</b>
1.3.2.1 शराब और स्पिरिट	0.408	117.8	116.4	119.8	119.9	119.7
1.3.2.2 माल्ट लिकर और माल्ट	0.225	125.7	124.8	127.6	127.4	127.7
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी के अन्य उत्पाद	0.275	130.5	132.5	130.7	130.1	129.3
<b>1.3.3 विनिर्मित तंबाकू उत्पाद</b>	<b>0.514</b>	<b>153.4</b>	<b>154.0</b>	<b>156.4</b>	<b>160.6</b>	<b>158.0</b>
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	153.4	154.0	156.4	160.6	158.0

**सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)**  
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			जून	अप्रैल	मई (अ)	जून (अ)
<b>1.3.4 वस्त्र विनिर्माण</b>	<b>4.881</b>	<b>117.7</b>	<b>119.4</b>	<b>117.0</b>	<b>116.3</b>	<b>114.9</b>
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	107.9	110.7	105.7	104.4	102.0
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	130.1	130.7	131.5	130.8	130.2
1.3.4.3 बुने हुए और क्रॉचिडेट फेब्रिक्स	0.193	114.5	115.0	113.1	114.2	116.9
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	134.5	135.2	133.0	133.7	133.8
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	143.1	139.4	147.3	148.7	148.9
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	116.8	118.2	117.3	119.4	118.4
<b>1.3.5 विनिर्मित तैयार वस्त्र</b>	<b>0.814</b>	<b>138.3</b>	<b>138.0</b>	<b>138.9</b>	<b>138.5</b>	<b>139.1</b>
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर वुलन के तैयार वस्त्र	0.593	139.2	139.3	139.0	139.4	139.5
1.3.5.2 बुने हुए क्रॉचिडेट वस्त्र	0.221	135.9	134.6	138.6	136.4	138.0
<b>1.3.6 चमड़ा और उससे बने हुए उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>0.535</b>	<b>118.6</b>	<b>118.6</b>	<b>117.7</b>	<b>117.8</b>	<b>116.7</b>
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगायी	0.142	105.5	106.2	104.1	104.5	101.0
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और दोहन	0.075	136.3	136.4	138.3	138.4	139.0
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	120.3	120.0	119.0	118.9	118.5
<b>1.3.7 लकड़ी के विनिर्माण और लकड़ी और कॉर्क के उत्पाद</b>	<b>0.772</b>	<b>133.7</b>	<b>134.5</b>	<b>132.6</b>	<b>133.4</b>	<b>132.9</b>
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	122.2	126.2	119.8	120.6	119.6
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड का विनिर्माण, लॅमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पॅनल और बोर्ड	0.493	135.5	134.9	134.8	135.9	135.4
1.3.7.3 बिल्डरों की बढईगीरी	0.036	176.2	175.5	177.3	177.6	179.8
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	125.7	129.2	123.4	123.1	122.5
<b>1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>1.113</b>	<b>121.1</b>	<b>122.5</b>	<b>120.6</b>	<b>120.9</b>	<b>120.5</b>
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और कागज़ बोर्ड	0.493	125.0	127.2	123.5	124.6	123.3
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	115.0	115.1	116.6	116.3	117.4
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	121.2	122.6	120.0	119.6	119.3
<b>1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन</b>	<b>0.676</b>	<b>150.6</b>	<b>148.0</b>	<b>150.8</b>	<b>149.0</b>	<b>151.7</b>
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	150.6	148.0	150.8	149.0	151.7
<b>1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>6.465</b>	<b>117.5</b>	<b>119.0</b>	<b>115.2</b>	<b>115.1</b>	<b>115.8</b>
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	119.9	123.4	115.4	115.2	115.3
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	123.1	123.4	123.4	123.8	123.7
1.3.10.3 प्लास्टिक और सिंथेटिक रबड़ प्राथमिक रूप में	1.001	112.4	114.5	106.2	106.5	108.8
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रोकैमिकल उत्पाद	0.454	122.6	121.9	120.3	121.0	123.1
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	114.7	116.4	113.2	113.3	113.9
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	118.6	119.5	118.0	116.2	119.3
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	114.2	114.6	114.6	114.7	114.4
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	97.9	100.3	95.4	93.3	91.1
<b>1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>1.993</b>	<b>127.3</b>	<b>125.7</b>	<b>130.3</b>	<b>130.2</b>	<b>130.8</b>
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	127.3	125.7	130.3	130.2	130.8
<b>1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद का विनिर्माण</b>	<b>2.299</b>	<b>108.5</b>	<b>109.3</b>	<b>107.3</b>	<b>107.3</b>	<b>107.9</b>
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रीट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	98.9	99.3	98.1	98.7	97.8
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	93.5	94.2	92.8	93.7	93.1
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	115.4	116.5	114.1	113.7	115.1
<b>1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>3.202</b>	<b>116.7</b>	<b>118.3</b>	<b>117.8</b>	<b>117.5</b>	<b>118.0</b>
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	124.5	125.7	122.4	121.6	125.6
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	108.7	109.4	107.3	107.3	109.0
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	102.8	100.7	107.7	106.2	110.1
1.3.13.4 चीनी मिट्टी के बर्तन और चीनी मिट्टी	0.222	113.9	114.5	111.8	109.4	109.2
1.3.13.5 सीमेन्ट, गूना और प्लास्टर	1.645	119.5	121.8	122.6	122.7	122.5

**सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)**  
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			जून	अप्रैल	मई (अ)	जून (अ)
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेंट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	121.6	121.0	123.0	124.7	124.8
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	120.2	119.7	121.5	119.1	118.7
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	86.6	94.6	77.6	77.6	77.6
<b>1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण</b>	<b>9.646</b>	<b>106.2</b>	<b>108.7</b>	<b>107.0</b>	<b>103.2</b>	<b>103.9</b>
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	100.6	105.0	113.1	96.4	97.0
1.3.14.2 मेटेलिक आयसन	0.653	107.7	113.5	111.1	100.3	102.1
1.3.14.3 नरम इस्पात-अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	95.1	96.2	96.3	95.0	94.7
1.3.14.4 नरम इस्पात- लंबे उत्पाद	1.081	105.5	108.4	106.2	105.3	104.6
1.3.14.5 नरम इस्पात- चपटे उत्पाद	1.144	108.7	113.7	105.1	105.2	105.5
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	102.8	107.4	101.6	102.3	102.5
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील अर्ध निर्मित	0.924	102.9	106.3	102.0	101.3	101.4
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	126.2	129.7	125.3	124.5	121.8
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	107.0	106.9	104.9	103.5	104.9
1.3.14.10 कास्टिंग	0.925	112.8	113.5	106.9	106.4	109.3
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	146.5	143.5	145.2	145.9	147.5
<b>1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>3.155</b>	<b>115.5</b>	<b>116.2</b>	<b>114.8</b>	<b>114.4</b>	<b>114.8</b>
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	113.9	114.7	112.9	112.2	111.5
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	124.4	124.4	124.5	125.2	125.4
1.3.15.3 बाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलरर्स को छोड़कर	0.145	104.7	102.6	107.7	107.7	107.7
1.3.15.4 धातु की फॉर्मिंग, दबाना, स्टैंपिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	100.5	101.2	98.9	101.4	100.3
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	100.5	100.2	100.8	101.0	101.1
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	124.0	126.1	122.6	119.9	122.9
<b>1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण</b>	<b>2.009</b>	<b>110.4</b>	<b>111.4</b>	<b>109.9</b>	<b>109.9</b>	<b>109.9</b>
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	98.1	97.4	98.2	98.1	97.5
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	135.0	135.0	135.0	135.0	135.0
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	117.0	116.7	115.1	115.0	115.4
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	98.8	102.2	98.0	98.1	98.3
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	111.5	112.5	111.0	111.0	111.0
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	139.1	138.7	141.1	141.1	142.0
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	103.6	104.2	104.3	104.3	103.9
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	110.2	109.5	112.2	112.2	112.1
<b>1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण</b>	<b>2.930</b>	<b>111.3</b>	<b>110.9</b>	<b>110.3</b>	<b>110.4</b>	<b>111.1</b>
1.3.17.1 विद्युतमोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	109.0	107.5	108.7	108.1	109.8
1.3.17.2 बैटरी और एक्युमुलेटर	0.236	117.0	117.6	117.0	116.6	117.8
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	109.9	113.6	99.4	104.0	100.1
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	109.7	109.3	108.3	109.0	109.6
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	111.1	111.4	111.1	112.0	111.3
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	119.9	120.4	118.1	118.1	118.1
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	108.6	108.9	109.4	109.1	109.4
<b>1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण</b>	<b>4.789</b>	<b>113.1</b>	<b>113.2</b>	<b>113.0</b>	<b>112.9</b>	<b>112.7</b>
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	104.8	104.7	104.7	104.0	103.5
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	119.9	119.3	119.9	120.7	120.6
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	111.2	111.6	111.9	109.2	111.4
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गैयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	110.1	110.2	113.6	114.3	111.7
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर	0.008	80.0	79.3	81.0	81.0	81.3
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने-उतारने वाले उपकरण	0.285	111.5	110.6	111.2	112.0	111.8

**सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)**  
(आधार: 2011-12=100)

पण्य	भारांक	2019-20	2019	2020		
			जून	अप्रैल	मई (अ)	जून (अ)
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	130.9	133.7	128.4	128.4	128.1
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	120.6	119.7	121.6	121.3	120.6
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	108.1	107.4	109.6	109.6	109.5
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	75.1	74.5	75.0	74.4	76.2
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	125.2	125.3	119.3	125.3	125.2
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	119.7	120.8	119.2	119.3	117.5
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	126.3	126.8	125.7	125.8	124.5
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	66.0	66.6	64.3	64.3	64.3
<b>1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण</b>	<b>4.969</b>	<b>114.5</b>	<b>114.7</b>	<b>115.0</b>	<b>115.9</b>	<b>116.3</b>
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	115.2	115.7	115.4	116.8	117.9
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	113.7	113.5	114.5	114.9	114.6
<b>1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण</b>	<b>1.648</b>	<b>118.0</b>	<b>117.0</b>	<b>120.5</b>	<b>123.9</b>	<b>124.5</b>
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली -वस्तुओं का निर्माण	0.117	158.8	158.8	158.8	158.8	158.8
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	106.4	106.6	105.2	105.2	106.4
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	114.3	113.0	117.6	121.9	122.6
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	128.9	128.7	128.2	128.5	128.6
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	126.1	125.1	127.4	127.4	127.2
<b>1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण</b>	<b>0.727</b>	<b>130.9</b>	<b>132.1</b>	<b>132.3</b>	<b>132.0</b>	<b>131.0</b>
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	130.9	132.1	132.3	132.0	131.0
<b>1.3.22 अन्य विनिर्माण</b>	<b>1.064</b>	<b>112.7</b>	<b>108.7</b>	<b>120.0</b>	<b>119.7</b>	<b>123.3</b>
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	109.9	105.6	117.6	117.1	120.9
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	174.0	177.2	174.5	177.2	172.7
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	129.7	128.1	130.8	131.4	130.8
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	136.9	137.7	137.0	135.9	139.9
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और सामग्री	0.049	162.1	161.1	163.2	165.0	167.2
<b>2 खाद्य सूचकांक</b>	<b>24.378</b>	<b>147.6</b>	<b>144.2</b>	<b>147.7</b>	<b>146.1</b>	<b>148.6</b>

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

## सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भारत	2018-19	2019-20	अप्रैल-मई		मई	
				2019-20	2020-21	2019	2020
	1	2	3	4	5	6	7
<b>सामान्य सूचकांक</b>	100.00	130.1	129.1	131.0	71.0	135.4	88.4
<b>1 क्षेत्रवार वर्गीकरण</b>							
1.1 खनन और उत्खनन	14.37	107.9	109.6	109.0	82.9	110.1	87.0
1.2 विनिर्माण	77.63	131.5	129.6	131.0	62.0	135.8	82.4
1.3 बिजली	7.99	156.9	158.4	169.9	137.6	176.9	149.6
<b>2 उपयोग आधारित वर्गीकरण</b>							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	126.1	127.0	128.9	98.9	131.9	105.5
2.2 पूंजीगत माल	8.22	108.4	93.4	100.1	22.1	103.9	37.1
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	126.2	137.7	131.3	60.2	138.8	77.6
2.4 बुनियादी/निर्माण वस्तुएं	12.34	141.7	136.5	140.0	52.4	145.0	84.1
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	130.4	119.0	130.5	23.7	133.8	42.2
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	145.5	145.5	144.9	102.1	149.8	132.3

स्रोत : राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

## सरकारी खाते और खजाना बिल

## सं. 23: केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि करोड़ ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल-जून			
	2020-21 (बजट अनुमान)	2020-21 (वास्तविक)	2019-20 (वास्तविक)	बजट अनुमानों का प्रतिशत	
				2020-21	2019-20
	1	2	3	4	5
<b>1 राजस्व प्राप्तियां</b>	<b>2020926</b>	<b>150008</b>	<b>284886</b>	<b>7.4</b>	<b>14.5</b>
1.1 कर राजस्व (निवल)	1635909	134822	251411	8.2	15.2
1.2 करेतर राजस्व	385017	15186	33475	3.9	10.7
<b>2 पूंजीगत प्राप्तियां</b>	<b>224967</b>	<b>3573</b>	<b>4764</b>	<b>1.6</b>	<b>4.0</b>
2.1 ऋण की वसूली	14967	3573	2407	23.9	16.2
2.2 अन्य प्राप्तियां	210000	0	2357	0.0	2.2
<b>3 कुल प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर) (1+2)</b>	<b>2245893</b>	<b>153581</b>	<b>289650</b>	<b>6.8</b>	<b>13.9</b>
<b>4 राजस्व व्यय</b>	<b>2630145</b>	<b>727671</b>	<b>658705</b>	<b>27.7</b>	<b>26.9</b>
4.1 ब्याज भुगतान	708203	160493	141755	22.7	21.5
5 पूंजी व्यय	412085	88273	63000	21.4	18.6
<b>6 कुल व्यय (4+5)</b>	<b>3042230</b>	<b>815944</b>	<b>721705</b>	<b>26.8</b>	<b>25.9</b>
<b>7 राजस्व घाटा (4-1)</b>	<b>609219</b>	<b>577663</b>	<b>373819</b>	<b>94.8</b>	<b>77.1</b>
<b>8 राजकोषीय घाटा (6-3)</b>	<b>796337</b>	<b>662363</b>	<b>432055</b>	<b>83.2</b>	<b>61.4</b>
<b>9 सकल प्राथमिक घाटा (8-4.1)</b>	<b>88134</b>	<b>501870</b>	<b>290300</b>	<b>569.4</b>	<b>670.6</b>

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय बजट 2020-21

## सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(करोड़ ₹)

मद	2019-20	2019		2020				
		जून 28	मई 22	मई 29	जून 5	जून 12	जून 19	जून 26
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>1 91-दिवसीय</b>								
1.1 बैंक	10165	29701	41246	41694	42211	49004	38559	37408
1.2 प्राथमिक व्यापारी	9190	16704	12996	13674	19535	17525	22659	15861
1.3 राज्य सरकारें	8173	59642	8197	8397	8470	9015	11105	13097
1.4 अन्य	48004	82522	84328	93778	98824	104767	120270	138769
<b>2 182-दिवसीय</b>								
2.1 बैंक	66419	46323	75823	90674	108294	108056	114429	127626
2.2 प्राथमिक व्यापारी	43302	59538	48120	41997	42500	51596	56060	50405
2.3 राज्य सरकारें	13386	6276	13884	14043	12945	12900	12805	12805
2.4 अन्य	22465	22633	91498	94556	88648	92604	94691	97950
<b>3 364-दिवसीय</b>								
3.1 बैंक	49660	51139	77030	82668	93741	95826	98535	102736
3.2 प्राथमिक व्यापारी	70672	88436	61956	57959	57851	67411	70871	71661
3.3 राज्य सरकारें	11945	15895	12759	12650	12380	12380	12385	12395
3.4 अन्य	70576	45808	122344	124967	124127	122528	126358	131078
<b>4 14-दिवसीय मध्यवर्ती</b>								
4.1 बैंक								
4.2 प्राथमिक व्यापारी								
4.3 राज्य सरकारें	155112	121965	119119	121818	121819	113664	120515	153167
4.4 अन्य	617	230	1038	1531	454	661	926	440
<b>कुल खज़ाना बिल</b>								
<b>(14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#</b>	423957	524618	650182	677057	709527	743611	778727	811790

# 14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

## सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि करोड़ ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां		स्वीकृत बोलियां		कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)		
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या				कुल अंकित मूल्य	
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी					प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
<b>91-दिवसीय खज़ाना बिल</b>										
<b>2020-21</b>										
मई 27	15000	89	70436	2043	34	14997	2043	17040	99.21	3.1939
जून 3	15000	80	53117	1302	41	14998	1302	16300	99.17	3.3501
जून 10	15000	172	85393	2209	43	14991	2209	17200	99.16	3.4096
जून 17	15000	150	87378	8785	35	14996	8785	23781	99.19	3.2897
जून 24	15000	106	87275	5885	23	14993	5885	20879	99.21	3.1947
<b>182-दिवसीय खज़ाना बिल</b>										
<b>2020-21</b>										
मई 27	16000	136	56393	2	21	15998	2	16000	98.33	3.3998
जून 3	16000	116	58267	3	39	15997	3	16000	98.31	3.4475
जून 10	16000	104	43381	26	53	15999	26	16025	98.28	3.5098
जून 17	16000	105	52742	0	43	16000	0	16000	98.30	3.4770
जून 24	16000	105	64337	0	8	16000	0	16000	98.32	3.4197
<b>364-दिवसीय खज़ाना बिल</b>										
<b>2020-21</b>										
मई 27	14000	104	49865	0	8	14000	0	14000	96.71	3.4099
जून 3	14000	84	49979	775	48	14000	775	14775	96.58	3.5494
जून 10	14000	104	40825	1	52	13999	1	14000	96.55	3.5832
जून 17	14000	98	50290	0	37	14000	0	14000	96.57	3.5598
जून 24	14000	117	50157	0	35	14000	0	14000	96.59	3.5399

## वित्तीय बाजार

## सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा		भारित औसत दरें
	उधार लेना/उधार देना		उधार लेना/उधार देना
	1		2
जून	1, 2020	1.80-4.35	3.58
जून	2, 2020	1.50-4.25	3.54
जून	3, 2020	1.80-4.25	3.58
जून	4, 2020	2.15-4.15	3.74
जून	5, 2020	1.80-4.45	3.60
जून	6, 2020	2.15-4.02	3.12
जून	8, 2020	1.80-4.25	3.53
जून	9, 2020	1.80-4.20	3.52
जून	10, 2020	1.80-4.25	3.56
जून	11, 2020	1.80-4.10	3.59
जून	12, 2020	1.80-4.10	3.55
जून	15, 2020	1.80-4.15	3.58
जून	16, 2020	1.80-4.25	3.57
जून	17, 2020	1.80-4.05	3.55
जून	18, 2020	1.80-4.05	3.58
जून	19, 2020	1.80-4.10	3.60
जून	20, 2020	2.15-3.30	2.50
जून	22, 2020	1.80-4.20	3.57
जून	23, 2020	1.80-4.10	3.52
जून	24, 2020	1.80-4.10	3.53
जून	25, 2020	1.80-4.05	3.56
जून	26, 2020	1.80-4.10	3.54
जून	29, 2020	1.80-4.10	3.55
जून	30, 2020	1.80-4.10	3.66
जुला.	1, 2020	1.80-4.10	3.55
जुला.	2, 2020	1.80-4.10	3.51
जुला.	3, 2020	1.80-4.05	3.47
जुला.	4, 2020	2.15-3.30	2.48
जुला.	6, 2020	1.80-4.10	3.49
जुला.	7, 2020	1.80-4.10	3.46
जुला.	8, 2020	1.80-4.10	3.50
जुला.	9, 2020	1.80-4.05	3.51
जुला.	10, 2020	1.80-4.10	3.50
जुला.	13, 2020	1.80-4.10	3.47
जुला.	14, 2020	1.80-4.10	3.46
जुला.	15, 2020	1.80-4.10	3.51

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित

## सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2019	2020			
	जून 21	मई 8	मई 22	जून 5	जून 19
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (करोड़ ₹)	215944.00	171180.00	160455.00	140165.00	121465.00
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (करोड़ ₹)	28069.79	386.44	5705.35	3631.84	5500.59
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	5.97-6.96	4.70-6.42	3.50-7.83	3.37-5.20	3.92-5.08

## सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2019	2020			
	जून 30	मई 15	मई 31	जून 15	जून 30
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (करोड़ ₹)	503943.30	433624.85	425817.00	413652.40	391482.30
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (करोड़ ₹)	107691.05	62636.85	52155.65	68691.70	56270.85
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	5.79-11.89	3.83-12.69	3.13-12.14	3.31-13.11	3.18-13.35

## सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(करोड़ ₹)

मद	2019-20	2019	2020					
		जून 28	मई 22	मई 29	जून 5	जून 12	जून 19	जून 26
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	26815	31501	19494	19390	13685	19515	19427	18541
2 नोटिस मुद्रा	3660	5685	433	5974	4661	416	4996	478
3 मीयादी मुद्रा	790	1259	848	1444	959	608	1078	690
4 सीबीएलओ / त्रिपक्षीय रिपो	300691	298523	359931	379531	281007	316867	440563	379722
5 बाजार रिपो	221719	255194	297965	375863	331678	324437	387748	301952
6 कापॉरेट बांड में रिपो	2468	3404	2908	5995	5700	6327	3525	1764
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	67793	77216	43866	57930	47587	38471	41314	-
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	93960	130125	79453	78604	64753	61701	59953	60318
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	5800	4574	5607	4419	3160	4752	4040	7861
10 खजाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	3720	4986	3804	4925	3654	7276	10242	7991
10.2 182-दिवसीय	2380	2884	2662	5500	2786	4230	7728	3242
10.3 364-दिवसीय	2900	2831	2706	5429	2539	2635	2174	2589
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	2310		195	17605	1717	2175	7192	1375
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	111070	145399	94427	116483	78608	82769	91330	83375
11.1 भारतीय रिजर्व बैंक	-	15	110	335	306	151	74	371

टिप्पणी : मुद्रा बाजार के संपार्श्विक उधार और ऋण दायित्व (सीबीएलओ) खंड को समाप्त किया गया तथा उसके स्थान पर 5 नवंबर 2018 से त्रिपक्षीय रिपो लाया गया।

**सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम**

(राशि करोड़ ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2019-20		2019-20 (अप्रै.-जून)		2020-21 (अप्रै.-जून)*		जून 2019		जून 2020*	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<b>1 इक्विटी शेयर</b>	<b>72</b>	<b>64926</b>	<b>24</b>	<b>52792</b>	<b>5</b>	<b>53141</b>	<b>8</b>	<b>558</b>	<b>2</b>	<b>53127</b>
1ए प्रीमियम	70	43259	24	31573	5	52710	8	537	2	52703
1.1 पब्लिक	57	9867	19	3397	4	16	7	548	1	2
1.1.1 प्रीमियम	55	9434	19	3314	4	9	7	528	1	2
1.2 राइट्स	15	55059	5	49394	1	53124	1	10	1	53124
1.2.1 प्रीमियम	15	33825	5	28259	1	52702	1	9	1	52702
<b>2 अधिमान शेयर</b>	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
<b>3 बांड और डिबेंचर</b>	<b>34</b>	<b>14984</b>	<b>11</b>	<b>4176</b>	<b>2</b>	<b>400</b>	<b>2</b>	<b>936</b>	–	–
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	34	14984	11	4176	2	400	2	936	–	–
3.1.1 पब्लिक	34	14984	11	4176	2	400	2	936	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
<b>4 कुल (1+2+3)</b>	<b>106</b>	<b>79910</b>	<b>35</b>	<b>56967</b>	<b>7</b>	<b>53540</b>	<b>10</b>	<b>1494</b>	<b>2</b>	<b>53127</b>
4.1 पब्लिक	91	24851	30	7573	6	416	9	1484	1	2
4.2 राइट्स	15	55059	5	49394	1	53124	1	10	1	53124

टिप्पणी : अप्रैल 2020 से इक्विटी के मुद्दों पर मासिक डेटा उनकी लिस्टिंग की तारीख के आधार पर संकलित किया गया है।

स्रोत : भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी)।

\* : आंकड़े अनंतिम हैं।

## बाह्य क्षेत्र

## सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2019-20	2019		2020			
			जून	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	करोड ₹	2218233	173683	198233	158930	78951	144166	165899
	मिलियन अमरिकी डॉलर	313139	25012	27729	21376	10356	19054	21908
1.1 तेल	करोड ₹	291418	18973	24589	17960	9473	12325	14143
	मिलियन अमरिकी डॉलर	41164	2732	3440	2416	1243	1629	1868
1.2 तेल से इतर	करोड ₹	1926815	154709	173644	140970	69479	131841	151756
	मिलियन अमरिकी डॉलर	271975	22280	24290	18960	9114	17425	20040
2 आयात	करोड ₹	3355762	279771	268093	231717	130525	167978	159892
	मिलियन अमरिकी डॉलर	473995	40290	37502	31165	17121	22202	21114
2.1 तेल	करोड ₹	925031	76587	77067	74570	35537	26381	37342
	मिलियन अमरिकी डॉलर	130532	11029	10780	10029	4661	3487	4931
2.2 तेल से इतर	करोड ₹	2430731	203184	191026	157148	94988	141597	122551
	मिलियन अमरिकी डॉलर	343463	29261	26721	21136	12460	18715	16183
3 व्यापार शेष	करोड ₹	-1137530	-106089	-69859	-72788	-51574	-23812	6006
	मिलियन अमरिकी डॉलर	-160857	-15278	-9772	-9790	-6765	-3147	793
3.1 तेल	करोड ₹	-633613	-57614	-52478	-56610	-26065	-14056	-23199
	मिलियन अमरिकी डॉलर	-89368	-8297	-7341	-7614	-3419	-1858	-3063
3.2 तेल से इतर	करोड ₹	-503917	-48475	-17381	-16178	-25509	-9756	29205
	मिलियन अमरिकी डॉलर	-71489	-6981	-2431	-2176	-3346	-1289	3857

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

## सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2019		2020				
		जुला. 19	जून 12	जून 19	जून 26	जुला. 3	जुला. 10	जुला. 17
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	करोड ₹	2963555	3850473	3852021	3834323	3830997	3883436	3883221
	मिलियन अमरिकी डॉलर	430376	507644	505566	506838	513254	516362	517637
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	करोड ₹	2761770	3555312	3558465	3537579	3532436	3577102	3577433
	मिलियन अमरिकी डॉलर	401091	468737	467039	467603	473263	475635	476880
1.2 स्वर्ण	करोड ₹	167502	251616	250028	253609	253906	261190	260631
	मिलियन अमरिकी डॉलर	24304	33173	32815	33523	34017	34729	34743
1.3 एसडीआर	एसडीआरएस मिलियन	1047	1048	1048	1048	1048	1048	1048
	करोड ₹	9964	11026	11027	10926	10806	10925	10912
	मिलियन अमरिकी डॉलर	1447	1454	1447	1444	1448	1453	1455
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	करोड ₹	24320	32520	32502	32209	33849	34220	34244
	मिलियन अमरिकी डॉलर	3534	4280	4264	4267	4526	4545	4560

\* अंतर, यदि कोई हो, तो पूर्णांकन के वजह से है।

## सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2019-20	2019	2020		2019-20	2020-21
		जून	मई	जून	अप्रैल-जून	अप्रैल-जून
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	130581	133586	131137	132249	2754	2531
1.1 एफसीएनआर (बी)	24244	24364	22876	22461	1194	-1783
1.2 एनआर (ई) आरए	90367	93422	92228	93648	1057	4012
1.3 एनआरओ	15969	15801	16033	16140	503	302

## सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	2019-20	2019-20	2020-21	2019	2020	
		अप्रैल-मई	अप्रैल-मई	मई	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5	6
<b>1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)</b>	<b>43013</b>	<b>7204</b>	<b>4400</b>	<b>2818</b>	<b>2383</b>	<b>2016</b>
<b>1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.2)</b>	<b>56006</b>	<b>9624</b>	<b>5937</b>	<b>4084</b>	<b>3402</b>	<b>2535</b>
<b>1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश</b>	<b>74390</b>	<b>12275</b>	<b>8090</b>	<b>5409</b>	<b>4479</b>	<b>3611</b>
1.1.1.1.1 इक्विटी	51734	9271	5236	3907	2884	2352
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	3265	271	93	208	80	13
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	39364	7564	4253	2979	2169	2084
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7348	1212	667	608	524	143
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की इक्विटी पूंजी	1757	224	224	112	112	112
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	14175	2233	2233	1116	1116	1116
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	8482	771	621	386	479	143
<b>1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश</b>	<b>18384</b>	<b>2651</b>	<b>2153</b>	<b>1325</b>	<b>1076</b>	<b>1076</b>
1.1.1.2.1 इक्विटी	18212	2638	2139	1319	1069	1069
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	173	13	14	6	7	7
<b>1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)</b>	<b>12993</b>	<b>2420</b>	<b>1538</b>	<b>1265</b>	<b>1019</b>	<b>519</b>
1.1.2.1 इक्विटी पूंजी	7572	1164	600	582	443	156
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	3151	525	525	263	263	263
1.1.2.3 अन्य पूंजी	5674	987	544	549	379	165
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	3403	256	131	128	66	66
<b>1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)</b>	<b>1403</b>	<b>2947</b>	<b>-575</b>	<b>1836</b>	<b>83</b>	<b>-659</b>
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	-	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	552	3156	-1974	1940	-1001	-972
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	-851	209	-1398	105	-1085	-313
<b>1 विदेशी निवेश अंतर्वाह</b>	<b>44417</b>	<b>10151</b>	<b>3824</b>	<b>4654</b>	<b>2467</b>	<b>1357</b>

## सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	2019-20	2019	2020		
		मई	मार्च	अप्रैल	मई
	1	2	3	4	5
<b>1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण</b>	<b>18760.69</b>	<b>1486.06</b>	<b>1358.82</b>	<b>499.14</b>	<b>617.62</b>
1.1 जमाराशियां	623.37	50.15	112.96	60.17	43.18
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	86.43	9.41	8.99	3.21	3.06
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	431.41	31.64	49.22	24.80	25.47
1.4 उपहार	1907.71	154.20	190.91	55.15	75.42
1.5 दान	22.33	2.79	0.76	2.68	0.39
1.6 यात्रा	6955.98	568.28	307.24	121.13	157.76
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	3439.74	300.03	346.31	148.25	150.75
1.8 चिकित्सा उपचार	33.90	2.46	3.21	1.35	1.31
1.9 विदेश में शिक्षा	4991.07	334.39	312.68	78.76	155.84
1.10 अन्य	268.75	32.71	26.55	3.66	4.45

**सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और  
सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)**

मद	2018-19	2019-20	2019	2020	
			जुला.	जून	जुला.
	1	2	3	4	5
<b>36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)</b>					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	72.64	73.28	74.87	69.59	70.04
1.2 रीर	114.01	116.75	117.72	113.84	114.58
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	74.18	74.33	76.09	70.52	70.97
2.2 रीर	116.32	119.61	120.92	116.75	117.49
<b>6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक</b>					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	63.07	63.59	65.12	59.58	59.63
1.2 रीर	121.70	125.76	126.96	121.69	120.96
2 आधार : 2017-18 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	92.88	93.63	95.89	87.73	87.81
2.2 रीर	94.20	97.32	98.27	94.19	93.63

**सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार - पंजीकरण**

(राशि अमरिकी मिलियन डॉलर में)

मद	2019-20	2019	2020	
		जून	मई	जून
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	1292	104	79	105
1.2 राशि	38011	3499	991	852
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	41	5	1	1
2.2 राशि	14921	1900	500	170
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	1333	109	80	106
3.2 राशि	52932	5399	1491	1022
4 भारत औसत परिपक्वता (वर्षों में)	6.00	4.80	4.16	5.11
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारत औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.34	1.59	1.61	2.44
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-25.00	0.00-9.53	0.00-10.50	0.00-10.00

## सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	324141	309979	14162	334313	315519	18794
1 चालू खाता (1.1+1.2)	165160	169807	-4647	157116	156558	558
1.1 पण्य	87367	122581	-35214	76527	111569	-35042
1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	77792	47226	30567	80590	44990	35600
1.2.1 सेवाएं	54630	33299	21331	53060	31033	22027
1.2.1.1 यात्रा	7583	5112	2470	6860	4208	2652
1.2.1.2 परिवहन	5154	5436	-282	5016	5761	-745
1.2.1.3 बीमा	720	603	117	623	426	198
1.2.1.4 जीएनआईई	156	285	-129	182	284	-102
1.2.1.5 विविध	41018	21863	19155	40378	20354	20024
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	21439	1571	19868	23285	2159	21125
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	10290	11109	-820	11474	11928	-454
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1111	618	494	1024	1256	-232
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	760	336	424	631	350	281
1.2.2 अंतरण	17972	1812	16160	20579	2179	18400
1.2.2.1 आधिकारिक	69	226	-157	26	299	-273
1.2.2.2 निजी	17903	1587	16317	20553	1880	18673
1.2.3 आय	5190	12115	-6925	6950	11778	-4827
1.2.3.1 निवेश आय	4033	11521	-7488	5523	11079	-5557
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1157	593	564	1428	698	729
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	158982	139740	19241	176311	158960	17350
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	93816	77960	15856	99638	101420	-1782
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	16654	10235	6420	20871	8908	11963
2.1.1.1 भारत में	15461	5671	9790	19255	4070	15185
2.1.1.1.1 इक्विटी	11058	5636	5422	13923	4062	9861
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	3650		3650	3772		3772
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	753	36	718	1560	8	1552
2.1.1.2 विदेश में	1193	4563	-3370	1616	4838	-3222
2.1.1.2.1 इक्विटी	1193	1683	-489	1616	2107	-491
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	758	-758	0	788	-788
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	2123	-2123	0	1943	-1943
2.1.2 संविभाग निवेश	77162	67726	9436	78767	92511	-13745
2.1.2.1 भारत में	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
2.1.2.1.1 एफआईआई	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	58600	50602	7998	60171	66381	-6209
2.1.2.1.1.2 ऋण	18207	14736	3471	16812	25345	-8534
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0		0	0		0
2.1.2.2 विदेश में	355	2388	-2033	1783	785	998
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	31255	20997	10258	27444	17526	9918
2.2.1 बाह्य सहायता	2554	1301	1253	2000	1420	580
2.2.1.1 भारत द्वारा	12	30	-18	2	28	-26
2.2.1.2 भारत को	2542	1271	1271	1998	1392	606
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	17993	10456	7537	16368	6030	10338
2.2.2.1 भारत द्वारा	7291	7000	292	1983	1053	930
2.2.2.2 भारत को	10702	3456	7246	14385	4977	9408
2.2.3 भारत को अल्पावधि	10708	9241	1468	9077	10076	-1000
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	10052	9241	812	9077	9725	-649
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	656	0	656	0	351	-351
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	21606	29670	-8064	22109	26716	-4606
2.3.1 वाणिज्य बैंक	20599	29668	-9069	21996	26716	-4719
2.3.1.1 आस्तियां	443	16542	-16099	4813	10222	-5409
2.3.1.2 देयताएं	20156	13127	7029	17183	16493	690
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	14974	11563	3411	16844	14079	2765
2.3.2 अन्य	1007	1	1006	113	0	113
2.4 रुपया ऋण चुकौती		7	-7		7	-7
2.5 अन्य पूंजी	12304	11107	1197	27119	13292	13827
3 भूल-चूक		431	-431	886		886
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	14162	-14162	0	18794	-18794
4.1 आईएमएफ	0	0	0			
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	14162	-14162	0	18794	-18794

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आंशिकरूप से संशोधित

## सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(करोड़ ₹)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	2284475	2184661	99814	2419902	2283860	136042
1 चालू खाता (1.1+1.2)	1164009	1196763	-32754	1137275	1133238	4037
1.1 पण्य	615745	863926	-248181	553933	807581	-253649
1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	548264	332837	215427	583342	325657	257686
1.2.1 सेवाएं	385022	234684	150338	384069	224629	159441
1.2.1.1 यात्रा	53440	36030	17411	49657	30461	19197
1.2.1.2 परिवहन	36323	38310	-1987	36311	41701	-5390
1.2.1.3 बीमा	5072	4249	823	4512	3081	1430
1.2.1.4 जीएनआईई	1101	2009	-908	1316	2057	-741
1.2.1.5 विविध	289085	154086	134999	292273	147329	144944
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	151099	11073	140026	168546	15631	152914
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	72520	78297	-5777	83051	86341	-3290
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	7832	4353	3479	7410	9092	-1682
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	5353	2365	2988	4567	2532	2035
1.2.2 अंतरण	126664	12772	113892	148962	15774	133188
1.2.2.1 आधिकारिक	486	1590	-1104	189	2167	-1978
1.2.2.2 निजी	126178	11182	114996	148773	13607	135166
1.2.3 आय	36578	85381	-48803	50311	85253	-34942
1.2.3.1 निवेश आय	28422	81198	-52776	39977	80198	-40221
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	8156	4183	3973	10333	5055	5278
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	1120466	984859	135607	1276212	1150622	125590
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	661194	549446	111748	721222	734119	-12897
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	117377	72131	45246	151075	64481	86594
2.1.1.1 भारत में	108965	39968	68997	139378	29459	109919
2.1.1.1.1 इक्विटी	77934	39718	38216	100781	29401	71380
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	25723	0	25723	27305	0	27305
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	5309	250	5058	11292	58	11234
2.1.1.2 विदेश में	8411	32162	-23751	11697	35022	-23324
2.1.1.2.1 इक्विटी	8411	11860	-3449	11697	15253	-3556
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	5343	-5343	0	5702	-5702
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	14960	-14960	0	14067	-14067
2.1.2 संविभाग निवेश	543817	477315	66502	570147	669638	-99491
2.1.2.1 भारत में	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
2.1.2.1.1 एफआईआई	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	412998	356633	56365	435547	480491	-44945
2.1.2.1.1.2 ऋण	128320	103855	24464	121691	183461	-61770
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	2499	16827	-14328	12909	5686	7223
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	220281	147982	72299	198653	126862	71791
2.2.1 बाह्य सहायता	17999	9166	8833	14475	10277	4198
2.2.1.1 भारत द्वारा	81	209	-128	14	201	-187
2.2.1.2 भारत को	17918	8957	8961	14461	10076	4385
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	126813	73691	53122	118476	43648	74828
2.2.2.1 भारत द्वारा	51389	49334	2055	14351	7622	6729
2.2.2.2 भारत को	75424	24357	51067	104125	36026	68099
2.2.3 भारत को अल्पावधि	75469	65125	10344	65702	72938	-7236
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	70846	65125	5721	65702	70397	-4695
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	4623	0	4623	0	2541	-2541
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	152275	209105	-56830	160037	193379	-33343
2.3.1 वाणिज्य बैंक	145176	209094	-63919	159220	193379	-34160
2.3.1.1 आस्तियां	3121	116581	-113460	34842	73992	-39151
2.3.1.2 देयताएं	142054	92513	49541	124378	119387	4991
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	105531	81492	24039	121926	101911	20016
2.3.2 अन्य	7099	10	7089	817	0	817
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	50	-50	0	50	-50
2.5 अन्य पूंजी	86716	78277	8439	196301	96212	100089
3 भूल-चूक	0	3039	-3039	6415	0	6415
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	99814	-99814	0	136042	-136042
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	99814	-99814	0	136042	-136042

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आशिकरूप से संशोधित

**सं. 40: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण**

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नाम	निवल	जमा	नाम	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)</b>	<b>165158</b>	<b>169786</b>	<b>-4628</b>	<b>157116</b>	<b>156531</b>	<b>584</b>
<b>1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क+1अ.ख.)</b>	<b>141998</b>	<b>155880</b>	<b>-13883</b>	<b>129586</b>	<b>142601</b>	<b>-13015</b>
<b>1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)</b>	<b>87367</b>	<b>122581</b>	<b>-35214</b>	<b>76527</b>	<b>111569</b>	<b>-35042</b>
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	86579	114412	-27832	75738	106394	-30656
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	788	0	788	789	0	789
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण		8170	-8170		5175	-5175
<b>1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)</b>	<b>54630</b>	<b>33299</b>	<b>21331</b>	<b>53060</b>	<b>31033</b>	<b>22027</b>
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	78	11	67	66	8	58
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	41	358	-317	41	309	-269
1.अ.ख.3 परिवहन	5154	5436	-282	5016	5761	-745
1.अ.ख.4 यात्रा	7583	5112	2470	6860	4208	2652
1.अ.ख.5 निर्माण	747	625	122	931	708	223
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	720	603	117	623	426	198
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1111	618	494	1024	1256	-232
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	120	1826	-1706	182	1641	-1459
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	22262	2029	20233	23967	2638	21329
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	10290	11109	-820	11474	11928	-454
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	451	649	-198	588	819	-231
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	156	285	-129	182	284	-102
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	5917	4638	1279	2105	1046	1059
<b>1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)</b>	<b>5190</b>	<b>12115</b>	<b>-6925</b>	<b>6950</b>	<b>11778</b>	<b>-4827</b>
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1157	593	564	1428	698	729
1.आ.2 निवेश आय	3390	11109	-7719	4487	10921	-6434
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1411	4708	-3297	2163	4654	-2491
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	71	2435	-2364	88	2346	-2259
1.आ.2.3 अन्य निवेश	354	3951	-3596	457	3910	-3452
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	1553	15	1538	1778	10	1768
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	643	412	231	1036	159	878
<b>1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)</b>	<b>17970</b>	<b>1791</b>	<b>16179</b>	<b>20579</b>	<b>2152</b>	<b>18427</b>
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	17903	1587	16317	20553	1880	18673
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	17322	1199	16123	20102	1358	18745
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	581	387	194	451	522	-71
1.इ.2 सामान्य सरकार	67	204	-138	26	272	-247
<b>2. पूंजी खाता (2.1+2.2)</b>	<b>84</b>	<b>167</b>	<b>-83</b>	<b>142</b>	<b>161</b>	<b>-19</b>
2.1 अनुत्पादित वित्तर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	14	94	-81	9	40	-31
2.2 पूंजी अंतरण	70	72	-3	133	121	12
<b>3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)</b>	<b>158900</b>	<b>153757</b>	<b>5143</b>	<b>176169</b>	<b>177620</b>	<b>-1451</b>
<b>3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)</b>	<b>16654</b>	<b>10235</b>	<b>6420</b>	<b>20871</b>	<b>8908</b>	<b>11963</b>
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	15461	5671	9790	19255	4070	15185
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	14708	5636	9072	17695	4062	13633
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	11058	5636	5422	13923	4062	9861
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	3650		3650	3772		3772
3.1.अ.2 ऋण लिखत	753	36	718	1560	8	1552
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	753	36	718	1560	8	1552
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	1193	4563	-3370	1616	4838	-3222
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1193	2441	-1247	1616	2895	-1279
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	1193	1683	-489	1616	2107	-491
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश		758	-758		788	-788
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	2123	-2123	0	1943	-1943
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक		2123	-2123		1943	-1943
<b>3.2 संविभाग निवेश</b>	<b>77162</b>	<b>67726</b>	<b>9436</b>	<b>78767</b>	<b>92511</b>	<b>-13745</b>
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	76807	65338	11469	76983	91726	-14743
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	58600	50602	7998	60171	66381	-6209
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	18207	14736	3471	16812	25345	-8534
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	355	2388	-2033	1783	785	998
<b>3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन</b>	<b>6425</b>	<b>5687</b>	<b>739</b>	<b>11473</b>	<b>9287</b>	<b>2186</b>
<b>3.4 अन्य निवेश</b>	<b>58659</b>	<b>55948</b>	<b>2711</b>	<b>65058</b>	<b>48119</b>	<b>16939</b>
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	15981	11564	4417	16957	14079	2878
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	1007	1	1006	113	0	113
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	14974	11563	3411	16844	14079	2765
3.4.2.3 सामान्य सरकार						
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र						
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूंजी)	26172	29862	-3690	23520	20086	3433
3.4.3अ भारत को ऋण	18869	22832	-3963	21535	19006	2529
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	7303	7030	273	1985	1081	904
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	21	364	-344	37	45	-8
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	10708	9241	1468	9077	10076	-1000
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	5777	4917	860	15468	3832	11635
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार						0
<b>3.5 आरक्षित आस्तियां</b>	<b>0</b>	<b>14162</b>	<b>-14162</b>	<b>0</b>	<b>18794</b>	<b>-18794</b>
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण						
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए						
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए						
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	14162	-14162	0	18794	-18794
<b>4. कुल आस्तियां / देयताएं</b>	<b>158900</b>	<b>153757</b>	<b>5143</b>	<b>176169</b>	<b>177620</b>	<b>-1451</b>
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	81302	67117	14184	92776	83455	9321
4.2 ऋण लिखत	71822	67561	4261	67925	71539	-3613
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	5777	19079	-13303	15468	22627	-7159
<b>5. निवल भूल-चूक</b>		<b>431</b>	<b>-431</b>	<b>886</b>		<b>886</b>

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आंशिक रूप से संशोधित

## सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(कोड़ ₹)

मद	जनवरी-मार्च 2019 (पीआर)			जनवरी-मार्च 2020 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
<b>1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)</b>	<b>1163995</b>	<b>1196614</b>	<b>-32620</b>	<b>1137271</b>	<b>1133041</b>	<b>4230</b>
<b>1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)</b>	<b>1000767</b>	<b>1098610</b>	<b>-97843</b>	<b>938002</b>	<b>1032210</b>	<b>-94208</b>
<b>1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)</b>	<b>615745</b>	<b>863926</b>	<b>-248181</b>	<b>553933</b>	<b>807581</b>	<b>-253649</b>
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	610190	806347	-196157	548221	770126	-221905
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	5555	0	5555	5712	0	5712
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	57579	-57579	0	37456	-37456
<b>1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)</b>	<b>385022</b>	<b>234684</b>	<b>150338</b>	<b>384069</b>	<b>224629</b>	<b>159441</b>
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	552	79	473	475	57	418
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	291	2524	-2233	295	2240	-1944
1.अ.ख.3 परिवहन	36323	38310	-1987	36311	41701	-5390
1.अ.ख.4 यात्रा	53440	36030	17411	49657	30461	19197
1.अ.ख.5 निर्माण	5263	4402	861	6740	5124	1616
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	5072	4249	823	4512	3081	1430
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	7832	4353	3479	7410	9092	-1682
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	844	12867	-12023	1319	11876	-10557
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	156901	14303	142598	173487	19096	154390
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	72520	78297	-5777	83051	86341	-3290
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	3178	4571	-1394	4259	5927	-1669
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	1101	2009	-908	1316	2057	-741
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	41704	32690	9015	15237	7575	7662
<b>1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)</b>	<b>36578</b>	<b>85381</b>	<b>-48803</b>	<b>50311</b>	<b>85253</b>	<b>-34942</b>
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	8156	4183	3973	10333	5055	5278
1.आ.2 निवेश आय	23889	78292	-54403	32476	79049	-46573
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	9947	33182	-23235	15659	33689	-18030
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	498	17161	-16663	634	16984	-16351
1.आ.2.3 अन्य निवेश	2498	27843	-25345	3311	28299	-24989
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	10946	107	10840	12873	76	12797
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	4533	2907	1626	7502	1149	6352
<b>1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)</b>	<b>126649</b>	<b>12623</b>	<b>114026</b>	<b>148958</b>	<b>15577</b>	<b>133381</b>
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	126178	11182	114996	148773	13607	135166
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और/अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	122084	8454	113630	145508	9826	135681
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	4094	2728	1365	3265	3781	-516
1.इ.2 सामान्य सरकार	472	1441	-969	185	1970	-1785
<b>2. पूँजी खाता (2.1+2.2)</b>	<b>589</b>	<b>1176</b>	<b>-587</b>	<b>1027</b>	<b>1167</b>	<b>-140</b>
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	97	666	-569	67	293	-226
2.2 पूँजी अंतरण	492	510	-18	960	874	85
<b>3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)</b>	<b>1119892</b>	<b>1083646</b>	<b>36245</b>	<b>1275189</b>	<b>1285693</b>	<b>-10505</b>
<b>3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)</b>	<b>117377</b>	<b>72131</b>	<b>45246</b>	<b>151075</b>	<b>64481</b>	<b>86594</b>
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	108965	39968	68997	139378	29459	109919
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	103657	39718	63939	128086	29401	98685
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	77934	39718	38216	100781	29401	71380
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	25723	0	25723	27305	0	27305
3.1.अ.2 ऋण लिखत	5309	250	5058	11292	58	11234
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	5309	250	5058	11292	58	11234
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	8411	32162	-23751	11697	35022	-23324
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	8411	17203	-8792	11697	20955	-9257
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	8411	11860	-3449	11697	15253	-3556
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	5343	-5343	0	5702	-5702
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	14960	-14960	0	14067	-14067
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	14960	-14960	0	14067	-14067
<b>3.2 संविभाग निवेश</b>	<b>543817</b>	<b>477315</b>	<b>66502</b>	<b>570147</b>	<b>669638</b>	<b>-99491</b>
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	541318	460488	80830	557238	663952	-106714
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	412998	356633	56365	435547	480491	-44945
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	128320	103855	24464	121691	183461	-61770
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	2499	16827	-14328	12909	5686	7223
<b>3.3 वित्तीय डेबिटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन</b>	<b>45285</b>	<b>40078</b>	<b>5206</b>	<b>83046</b>	<b>67224</b>	<b>15822</b>
<b>3.4 अन्य निवेश</b>	<b>413413</b>	<b>394308</b>	<b>19105</b>	<b>470921</b>	<b>348309</b>	<b>122612</b>
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	112631	81503	31128	122743	101911	20832
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट, एनआरजी)	7099	10	7089	817	0	817
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	105531	81492	24039	121926	101911	20016
3.4.2.3 सामान्य सरकार	0	0	0	0	0	0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईपीबी और बैंकिंग पूँजी)	184456	210459	-26003	170245	145393	24852
3.4.3अ भारत को ऋण	132986	160916	-27930	155879	137570	18309
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	51470	49543	1927	14365	7823	6542
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	145	2568	-2424	270	328	-58
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	75469	65125	10344	65702	72938	-7236
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	40713	34653	6059	111962	27740	84222
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
<b>3.5 आरक्षित आस्तियां</b>	<b>0</b>	<b>99814</b>	<b>-99814</b>	<b>0</b>	<b>136042</b>	<b>-136042</b>
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	0	0	0	0	0	0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	99814	-99814	0	136042	-136042
<b>4. कुल आस्तियां / देयताएं</b>	<b>1119892</b>	<b>1083646</b>	<b>36245</b>	<b>1275189</b>	<b>1285693</b>	<b>-10505</b>
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	572995	473028	99967	671555	604085	67470
4.2 ऋण लिखत	506184	476152	30032	491672	517827	-26155
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	40713	134467	-93755	111962	163782	-51820
<b>5. निवल भूल-चूक</b>	<b>0</b>	<b>3039</b>	<b>-3039</b>	<b>6415</b>	<b>0</b>	<b>6415</b>

टिप्पणी: पी: प्रारंभिक पीआर: आशिकरूप से संशोधित

## सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमरिकी डॉलर)

मद	वित्तीय वर्ष/समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2019-20		2019				2020	
			मार्च		दिसंबर		मार्च	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	182957	418232	169964	399229	179734	426940	182957	418232
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	118442	395426	111122	382105	117163	404393	118442	395426
1.2 अन्य पूंजी	64515	22806	58841	17124	62572	22547	64515	22806
2 संविभाग निवेश	3847	246632	4699	260313	4845	266707	3847	246632
2.1 इक्विटी	602	134778	590	147479	2619	148859	602	134778
2.2 ऋण	3246	111854	4109	112834	2226	117848	3246	111854
3 अन्य निवेश	50999	430081	54187	419087	53415	429303	50999	430081
3.1 व्यापार ऋण	1460	104276	924	105192	2224	105216	1460	104276
3.2 ऋण	6741	180011	9880	167919	6180	177286	6741	180011
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	26011	130761	25158	130644	27099	133331	26011	130761
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	16787	15034	18225	15332	17912	13469	16787	15034
4 रिज़र्व्स	477807		412871		459863		477807	
5 कुल आस्तियां/देयताएं	715610	1094945	641720	1078629	697858	1122950	715610	1094945
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		-379335		-436909		-425092		-379335

# भुगतान और निपटान प्रणाली

## सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक भाग I - भुगतान प्रणाली संकेतक - भुगतान तथा निपटान प्रणाली सांख्यिकी

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	विव 2018-19	2019	2020		विव 2018-19	2019	2020	
		जून	मई	जून		जून	मई	जून
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>ए. निपटान प्रणाली</b>								
<b>वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)</b>								
<b>1 सीसीआईएल प्रचलित प्रणाली (1.1 से 1.3)</b>	-	-	1.71	2.23	-	-	10829793	13383223
1.1 सरकारी प्रतिभूति समाशोधन (1.1.1 से 1.1.3)	-	-	0.94	1.01	-	-	7785920	9590341
1.1.1 आउटराइट	-	-	0.56	0.54	-	-	1010178	928567
1.1.2 रेपो	-	-	0.21	0.27	-	-	3130998	4244619
1.1.3 त्रि-पक्षीय रिपो	-	-	0.18	0.21	-	-	3644744	4417155
1.2 विदेशी मुद्रा समाशोधन	-	-	0.75	1.19	-	-	2934498	3658697
1.3 रुपये के डेरिवेटिव @	-	-	0.01	0.02	-	-	109375	134185
<b>बी. भुगतान प्रणाली</b>								
<b>I वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)</b>								
<b>1 ऋण अंतरण - आरटीजीएस (1.1 से 1.2)</b>	-	-	90.04	119.68	-	-	7041869	8651978
1.1 ग्राहक लेनदेन	-	-	88.68	118.09	-	-	6225396	7641700
1.2 इंटरबैंक लेनदेन	-	-	1.36	1.59	-	-	816473	1010278
<b>II खुदरा</b>								
<b>2 ऋण अंतरण - खुदरा (2.1 से 2.7)</b>	-	-	18091.79	20341.65	-	-	2018010	2499421
2.1 एईपीएस (निधि अंतरण) @	-	-	0.87	0.89	-	-	41	47
2.2 एपीबीएस \$	-	-	1154.21	1371.10	-	-	14245	11767
2.3 ईसीएस जमा	-	-	0.00	0.00	-	-	-	-
2.4 आईएमपीएस	-	-	1666.80	1989.12	-	-	169402	206951
2.5 एनएसीएच जमा \$	-	-	995.55	1337.21	-	-	134182	112236
2.6 एनईएफटी	-	-	1929.39	2274.01	-	-	1481750	1906586
2.7 यूपीआई @	-	-	12344.97	13369.31	-	-	218392	261835
2.7.1 जिसमें से यूएसएसडी@	-	-	0.75	0.85	-	-	14	15
<b>3 डेबिट ट्रांसफर और डायरेक्ट डेबिट (3.1 से 3.4)</b>	-	-	672.90	837.03	-	-	50962	70703
3.1 भीम आधार पे @	-	-	13.40	14.67	-	-	159	186
3.2 ईसीएस नामे	-	-	0.00	0.00	-	-	-	-
3.3 एनएसीएच नामे \$	-	-	640.09	788.94	-	-	50767	70492
3.4 एनईटीसी (बैंक खाते से जुड़ा) @	-	-	19.41	33.42	-	-	36	25
<b>4 कार्ड भुगतान (4.1 से 4.2)</b>	-	-	3752.17	4339.08	-	-	80274	105266
4.1 क्रेडिट कार्ड (4.1.1 से 4.1.2)	-	-	1028.86	1248.55	-	-	32225	42773
4.1.1 पीओएस आधारित \$	-	-	432.30	588.58	-	-	13470	19293
4.1.2 अन्य \$	-	-	596.56	659.97	-	-	18755	23479
4.2 डेबिट कार्ड (4.2.1 से 4.2.1)	-	-	2723.30	3090.54	-	-	48049	62494
4.2.1 पीओएस आधारित \$	-	-	1121.15	1475.32	-	-	18814	25788
4.2.2 अन्य \$	-	-	1602.16	1615.22	-	-	29235	36705
<b>5 प्रीपेड भुगतान लिखत (5.1 से 5.2)</b>	-	-	3031.90	3546.66	-	-	12808	14494
5.1 वालेट	-	-	2532.20	2905.67	-	-	11080	12132
<b>5.2 कार्ड (5.2.1 से 5.2.2)</b>	-	-	499.70	640.98	-	-	1729	2362
5.2.1 पीओएस आधारित \$	-	-	40.82	35.36	-	-	551	710
5.2.2 अन्य \$	-	-	458.89	605.62	-	-	1177	1652
<b>6 पेपर-आधारित लिखत (6.1 से 6.2)</b>	-	-	306.77	496.68	-	-	260227	401666
6.1 सीटीएस (एनपीसीआई प्रबंधित)	-	-	306.50	496.37	-	-	260012	401441
6.2 अन्य	-	-	0.27	0.32	-	-	215	225
<b>कुल - खुदरा भुगतान (2 + 3 + 4 + 5 + 6)</b>	-	-	25855.54	29561.10	-	-	2422282	3091551
<b>कुल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6)</b>	-	-	25945.57	29680.78	-	-	9464152	11743529
<b>कुल डिजिटल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5)</b>	-	-	25638.80	29184.09	-	-	9203924	11341863

## भाग II - भुगतान के प्रकार तथा चैनल

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि. व. 2019-20	2019	2020		5	2019		2020
			जून	मई		जून	जून	
	1	2	3	4	5	6	7	8
<b>ए. अन्य भुगतान चैनल</b>								
<b>1 मोबाइल भुगतान (मोबाइल ऐप आधारित) (1.1 से 1.2)</b>			14622.03	16188.00			485513	599381
1.1 इंटर-बैंक \$			1264.97	1423.94			94592	118965
1.2 इंटर-बैंक \$			13357.06	14764.06			390921	480416
<b>2 इंटरनेट भुगतान (नेटबैंकिंग / इंटरनेट ब्राउज़र आधारित) @ (2.1 से 2.2)</b>			2003.48	2431.49			2478416	3123215
2.1 इंटर-बैंक @			482.55	533.60			1249062	1529247
2.2 इंटर-बैंक @			1520.93	1897.89			1229353	1593967
<b>बी. एटीएम</b>								
<b>3 एटीएम से नकद निकासी (3.1 से 3.3)</b>			4094.01	4735.87			197265	231372
3.1 क्रेडिट कार्ड का उपयोग करना \$			2.76	3.23			141	163
3.2 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$			4076.31	4717.74			196628	230588
3.3 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$			14.94	14.91			496	620
<b>4 पीओएस पर नकद निकासी \$ (4.1 से 4.2)</b>			36.25	29.42			116	116
4.1 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$			36.06	27.82			116	114
4.2 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$			0.19	1.60			1	3
<b>5 माइक्रो एटीएम में नकद निकासी @</b>			1000.69	990.75			17929	19749
5.1 एईपीएस @			1000.69	990.75			17929	19749

## भाग III - भुगतान अवसंरचना (लाख)

प्रणाली	वि. व. 2019-20	2019		2020	
		जून	मई	जून	जून
	1	2	3	4	
<b>भुगतान प्रणाली अवसंरचना</b>					
<b>1 कार्ड की संख्या (1.1 से 1.2)</b>			8925.29	9027.03	
1.1 क्रेडिट कार्ड			571.80	572.89	
1.2 डेबिट कार्ड			8353.49	8454.14	
<b>2 पीपीआई की संख्या @ (2.1 से 2.2)</b>			18689.42	19008.07	
2.1 वॉलेट @			17302.28	17553.64	
2.2 कार्ड @			1387.15	1454.43	
<b>3 एटीएम की संख्या (3.1 से 3.2)</b>			2.34	2.34	
3.1 बैंक के स्वामित्व वाले एटीएम \$			2.10	2.10	
3.2 व्हाइट लेबल एटीएम \$			0.24	0.24	
<b>4 माइक्रो एटीएम की संख्या @</b>			2.84	2.96	
<b>5 पीओएस टर्मिनलों की संख्या</b>			50.22	50.39	
<b>6 भारत क्यूआर @</b>			20.59	21.51	

@: नवंबर 2019 से नया समावेश

\$: नवंबर 2019 से अलग से शुरू किया गया समावेश - अभी तक अन्य मदों का हिस्सा रहा होगा

नोट: 1. डेटा अनंतिम है।

- कार्ड पेमेंट्स (डेबिट / क्रेडिट कार्ड्स) और प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के लिए नवंबर 2019 के डेटा की पहले के महीनों / अवधि के साथ तुलना नहीं हो सकती है, क्योंकि डेटा के परिभाषाओं में संशोधन के साथ अधिक ग्रेन्युलर डेटा प्रकाशित किया जा रहा है।
- केवल घरेलू वित्तीय लेनदेन पर विचार किया गया है। नए प्रारूप में ई-कॉमर्स लेनदेन लिया जाता है; फास्ट टैग लेनदेन; डिजिटल बिल भुगतान और एटीएम आदि के माध्यम से कार्ड-टू-कार्ड ट्रांसफर आदि इसके अलावा, असफल लेनदेन, चार्जबैक, रिवर्सल, एक्सपायर्ड कार्ड / वॉलेट को शामिल नहीं किया गया है।

# अवसरिक श्रृंखला

## सं. 44: लघु बचत

(करोड़ ₹)

योजना		2018-19	2019		2020	
			फरवरी	दिसंबर	जनवरी	फरवरी
		1	2	3	4	5
<b>1. लघु बचत</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>115714</b>	<b>9839</b>	<b>15814</b>	<b>15184</b>	<b>16911</b>
	<b>बकाया</b>	<b>918459</b>	<b>899191</b>	<b>1015010</b>	<b>1030037</b>	<b>1046766</b>
<b>1.1 कुल जमाराशियां</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>91108</b>	<b>7130</b>	<b>12117</b>	<b>11091</b>	<b>11460</b>
	<b>बकाया</b>	<b>618418</b>	<b>606920</b>	<b>693812</b>	<b>704903</b>	<b>716363</b>
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	31037	2360	3455	3106	2690
	बकाया	140247	134863	150462	153568	156258
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां					
	बकाया					
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	-31	-19	-31	-25	-20
	बकाया	3107	2877	2984	2959	2939
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	53	0	-827	-2	-3
	बकाया	10	-8	-18	-20	-23
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	10967	928	1753	1712	1887
	बकाया	192658	191653	203460	205172	207059
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	13990	1184	2070	2133	2131
	बकाया	55708	54446	69464	71597	73728
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	25000	2451	4296	3999	4494
	बकाया	124292	121687	152622	156621	161115
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	71534	70179	86344	88247	90327
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	5910	5824	6749	6854	6970
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	6901	6910	7328	7397	7464
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	39947	38774	52201	54123	56354
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	10081	215	1401	168	281
	बकाया	102401	101407	114842	115010	115291
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	11	11	0	0	0
	बकाया	-26	-26	-25	-25	-25
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	21	21	21	21	21
<b>1.2 बचत प्रमाणपत्र</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>16067</b>	<b>1732</b>	<b>3326</b>	<b>3524</b>	<b>3937</b>
	<b>बकाया</b>	<b>221517</b>	<b>219257</b>	<b>240900</b>	<b>244267</b>	<b>248022</b>
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	11318	1262	2272	2458	2619
	बकाया	98492	94795	110050	112508	115127
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	334	3	0	0	1
	बकाया	263	300	-289	-289	-288
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	-18678	-1609	-971	-1713	-1120
	बकाया	19303	21232	6782	5069	3949
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	23018	2065	2025	2782	2452
	बकाया	93630	91314	113273	116055	118507
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	93	12	0	-1	0
	बकाया	2	-47	-179	-180	-180
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	-18	-1	0	-2	-15
	बकाया	-80	-82	-82	-84	-99
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	9907	11745	11345	11188	11006
<b>1.3 लोक भविष्य निधि</b>	<b>प्राप्तियां</b>	<b>8539</b>	<b>977</b>	<b>371</b>	<b>569</b>	<b>1514</b>
	<b>बकाया</b>	<b>78524</b>	<b>73014</b>	<b>80298</b>	<b>80867</b>	<b>82381</b>

स्रोत : महालेखाकार, पोस्ट और टेलीग्राफ।

टिप्पणी: अप्रैल 2017 से प्राप्तियों का डेटा निवल रसीदें हैं, अर्थात् सकल रसीद माइनस सकल भुगतान

## सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

श्रेणी	केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां				
	2019				2020
	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर	मार्च
	1	2	3	4	5
<b>(क) कुल (₹ करोड़ में)</b>	<b>5921026</b>	<b>6072243</b>	<b>6314426</b>	<b>6512659</b>	<b>6486585</b>
1. वाणिज्य बैंक	40.28	39.05	39.66	39.05	40.41
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.31	0.36	0.42	0.39	0.39
3. बीमाकृत कंपनियां	24.34	24.88	24.86	24.90	25.09
4. म्यूच्युअल फंड	0.35	0.64	0.77	1.53	1.43
5. सहकारी बैंक	2.29	2.17	2.01	1.97	1.90
6. वित्तीय संस्थाएं	1.05	1.05	1.15	1.14	0.53
7. कॉरपोरेट	0.97	0.99	0.92	0.84	0.81
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.22	3.27	3.31	3.33	2.44
9. भविष्य निधियां	5.47	5.35	4.87	4.93	4.72
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	15.27	15.67	14.99	14.72	15.13
11. अन्य	6.46	6.57	7.05	7.23	7.17
11.1 राज्य सरकार	2.00	2.02	1.99	1.97	2.05

श्रेणी	राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां				
	2019				2020
	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर	मार्च
	1	2	3	4	5
<b>(ख) कुल (₹ करोड़ में)</b>	<b>2777229</b>	<b>2826935</b>	<b>2905169</b>	<b>3047353</b>	<b>3265990</b>
1. वाणिज्य बैंक	33.87	32.57	32.53	32.46	34.99
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.58	0.81	0.72	0.64	0.76
3. बीमाकृत कंपनियां	33.04	33.94	33.39	32.50	31.63
4. म्यूच्युअल फंड	1.20	1.24	1.12	1.20	1.14
5. सहकारी बैंक	4.55	4.65	4.24	4.16	4.12
6. वित्तीय संस्थाएं	0.42	0.44	0.33	0.31	0.11
7. कॉरपोरेट	0.29	0.32	0.28	0.31	0.30
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.09	0.08	0.05	0.04	0.02
9. भविष्य निधियां	22.15	21.88	22.36	23.66	22.22
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	3.81	4.08	4.98	4.73	4.71
11.1 राज्य सरकार	0.11	0.14	0.16	0.17	0.18

श्रेणी	खजाना बिल				
	2019				2020
	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर	मार्च
	1	2	3	4	5
<b>(ग) कुल (₹ करोड़ में)</b>	<b>412704</b>	<b>524618</b>	<b>538041</b>	<b>514588</b>	<b>538409</b>
1. वाणिज्य बैंक	57.56	53.60	50.81	45.19	61.06
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	2.68	1.85	1.92	2.07	2.26
3. बीमाकृत कंपनियां	6.61	5.13	5.55	5.76	7.45
4. म्यूच्युअल फंड	2.78	13.00	14.08	20.42	13.24
5. सहकारी बैंक	2.48	2.54	2.55	2.07	2.55
6. वित्तीय संस्थाएं	2.49	2.14	1.82	2.12	0.58
7. कॉरपोरेट	2.23	1.67	1.57	1.66	1.89
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9. भविष्य निधियां	0.08	0.07	0.01	0.01	0.02
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11. अन्य	23.10	19.99	21.70	20.70	10.95
11.1 राज्य सरकार	17.91	15.59	17.91	16.36	6.22

## सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(करोड़ ₹)

मद	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
	1	2	3	4	(सं.अ.) 5	(ब.अ.) 6
<b>1. कुल वितरण</b>	<b>3285210</b>	<b>3760611</b>	<b>4265969</b>	<b>4515946</b>	<b>5516932</b>	<b>6071777</b>
1.1 गतिविधियां	1872062	2201287	2537905	2635110	3344948	3660857
1.1.1 राजस्व	1483018	1668250	1878417	2029044	2543965	2830634
1.1.2 पूंजी	332262	412069	501213	519356	694352	732102
1.1.3 ऋण	56782	120968	158275	86710	106630	98121
1.2 गैर गतिविधियां	1366769	1510810	1672646	1812455	2089516	2315637
1.2.1 राजस्व	1269520	1379727	1555239	1741432	2002766	2204742
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	584542	648091	724448	814757	901783	1009776
1.2.2 पूंजी	94687	127306	115775	69370	85375	109030
1.2.3 ऋण	2563	3777	1632	1654	1375	1865
1.3 अन्य	46379	48514	55417	68381	82469	95284
<b>2. कुल प्राप्तियां</b>	<b>3189737</b>	<b>3778049</b>	<b>4288432</b>	<b>4528422</b>	<b>5364245</b>	<b>6003162</b>
2.1 राजस्व प्राप्तियां	2387693	2748374	3132201	3376416	4205473	4653758
2.1.1 कर प्राप्तियां	2020728	2297101	2622145	2978134	3512454	3910428
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	1212348	1440952	1652377	1853859	2186529	2399337
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	805176	852271	965622	1121189	1323113	1506912
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	3204	3878	4146	3086	2812	4179
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	366965	451272	510056	398282	693019	743330
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	39622	35779	33220	34224	36739	33619
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	60955	59827	69063	142433	136636	170056
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	22072	16561	20942	42213	56398	63131
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	38883	43266	48122	100219	80238	106926
<b>3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]</b>	<b>836563</b>	<b>952410</b>	<b>1064704</b>	<b>997097</b>	<b>1174823</b>	<b>1247962</b>
<b>3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार</b>						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	823630	939662	1046708	989167	1179716	1250914
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	-37476	231090	617123	144792	386389	...
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	-334185	60472	195816	-144847	325987	...
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	861106	708572	429585	844375	793327	----
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	12933	12748	17997	7931	-4893	-2952
<b>3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार</b>						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	823630	939662	1046708	989167	1179716	1250914
3ख.1.1 बाजार उधार (निवल)	664058	673298	689821	794856	831554	959294
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	-56580	-78515	-105038	-163222	-217165	-208528
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	34339	35261	45688	42351	42703	42482
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	5109	-3322	-6436	18423	-14577	-871
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	27545	13470	17792	25138	16011	13706
3ख.1.6 नकद शेष	95474	-17438	-22463	-12476	152688	68615
3ख.1.7 अन्य	53684	316908	427343	284095	368504	376216
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	12933	12748	17997	7931	-4893	-2952
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	26.3	27.3	27.8	26.4	29.0	28.8
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	25.6	27.4	27.9	26.5	28.2	28.5
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	19.2	20.0	20.4	19.8	22.1	22.1
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	16.2	16.7	17.1	17.4	18.5	18.5
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	6.7	6.9	6.9	5.8	6.2	5.9

...: उपलब्ध नहीं। सं.अ.: संशोधित अनुमान, ब.अ.: बजट अनुमान

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज

## सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(करोड़ ₹)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	जून 2020 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
1	आंध्र प्रदेश	1449	28	1100	17	1085	2
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	127	21	-	-	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	49	1	-	-	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	151	2	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	-	935	27	163	1
11	झारखंड	-	-	-	-	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	334	30	919	23	1270	5
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	24	4	0	-	-	-
17	मेघालय	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	83	16	18	1	-	-
19	नगालैंड	524	30	16	2	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	89	4	-	-	-	-
22	पंजाब	407	4	159	4	-	-
23	राजस्थान	-	-	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	1875	28	413	7	-	-
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तराखंड	-	-	-	-	-	-
28	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
29	पश्चिम बंगाल	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

## सं.48: राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश

(करोड़ ₹)

क्र.सं.	राज्य /संघ शासित प्रदेश	जून 2020 के अंत तक			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	निलामी खजाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	8172	802	--	-
2	अरुणाचल प्रदेश	1385	2	--	-
3	असम	4377	54	--	-
4	बिहार	6890	--	--	-
5	छत्तीसगढ़	4370	--	1	4750
6	गोवा	587	295	--	-
7	गुजरात	12811	476	--	-
8	हरियाणा	2055	1186	--	-
9	हिमाचल प्रदेश	--	--	--	-
10	जम्मू और कश्मीर	--	--	--	-
11	झारखंड	--	--	--	-
12	कर्नाटक	4175	--	--	-
13	केरल	2120	--	--	-
14	मध्य प्रदेश	--	904	--	-
15	महाराष्ट्र	40584	420	--	4000
16	मणिपुर	373	99	--	-
17	मेघालय	656	36	9	-
18	मिज़ोरम	543	39	--	-
19	नगालैंड	1617	33	--	-
20	उड़ीसा	13239	1432	83	18005
21	पुदुचेरी	288	--	--	1107
22	पंजाब	461	--	8	-
23	राजस्थान	--	--	129	1800
24	तमिलनाडु	6544	--	40	8635
25	तेलंगाना	5593	1211	--	-
26	त्रिपुरा	326	5	--	-
27	उत्तराखंड	184	--	180	-
28	उत्तरप्रदेश	3117	78	--	-
29	पश्चिम बंगाल	10888	524	214	-
	<b>कुल</b>	<b>131356</b>	<b>7595</b>	<b>663</b>	<b>38297</b>

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं

## सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(करोड़ ₹)

क्र. सं.	राज्य	2018-19		2019-20		2020-21						2020-21 में अब तक कुल राशि उठाई गई है	
		सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	अप्रैल		मई		जून		सकल	निवल
						सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई	सकल राशि उठाई	निवल राशि उठाई		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	आंध्र प्रदेश	30200	23824	42915	33944	5000	3834	5000	4417	4000	3417	14000	11667
2	अरुणाचल प्रदेश	719	693	1366	1287	428	428	-	-	-	-	428	428
3	असम	10595	8089	12406	10496	500	500	-	-	-	-	500	500
4	बिहार	14300	10903	25601	22601	-	-1000	-	-	-	-	-	-1000
5	छत्तीसगढ़	12900	12900	11680	10980	-	-	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	2350	1850	2600	2000	200	200	300	200	200	200	700	600
7	गुजरात	36971	27457	38900	28600	2080	2080	3000	1793	1500	1500	6580	5373
8	हरियाणा	21265	17970	24677	20677	5000	4000	4000	3200	-	-	9000	7200
9	हिमाचल प्रदेश	4210	2108	6580	4460	-	-	-	-	-	-800	-	-800
10	जम्मू और कश्मीर	6684	4927	7869	6760	800	300	500	500	400	400	1700	1200
11	झारखंड	5509	4023	7500	5656	-	-	-	-500	-	-	-	-500
12	कर्नाटक	39600	31383	48500	42500	2000	2000	2000	2000	3000	3000	7000	7000
13	केरल	19500	14784	18073	12617	5930	5930	3000	3000	2500	2500	11430	11430
14	मध्य प्रदेश	20496	14971	22371	16550	2000	2000	2000	2000	1000	1000	5000	5000
15	महाराष्ट्र	20869	3117	48498	32998	7000	7000	5000	5000	11500	10623	23500	22623
16	मणिपुर	970	667	1757	1254	200	200	150	150	100	100	450	450
17	मेघालय	1122	863	1344	1070	-	-	-	-	-	-	-	-
18	मिज़ोरम	0	-123	900	745	100	-	-	-	60	60	160	60
19	नगालैंड	822	355	1000	423	200	200	-	-100	-	-	200	100
20	उड़ीसा	5500	4500	7500	6500	3000	3000	-	-	-	-	3000	3000
21	पुदुचेरी	825	475	970	470	-	-	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	22115	17053	27355	18470	1600	800	1000	1000	1600	1600	4200	3400
23	राजस्थान	33178	20186	39092	24686	2750	2750	4500	4000	7250	3938	14500	10688
24	सिक्किम	1088	795	809	481	467	467	-	-	-	-	467	467
25	तमिलनाडु	43125	32278	62425	49826	8000	8000	8000	8000	9500	8563	25500	24563
26	तेलंगाना	26740	22183	37109	30697	4000	3166	4000	3583	4461	4044	12461	10794
27	त्रिपुरा	1543	1387	2928	2578	-	-	-	-	-	-100	-	-100
28	उत्तराखंड	46000	33307	67453	50494	5000	3000	500	-1500	-	-2033	5500	-533
29	उत्तरप्रदेश	6300	5289	5100	4500	1000	500	-	-	-	-	1000	500
30	पश्चिम बंगाल	42828	30431	59242	43132	2000	-500	5000	3500	1000	-	8000	3000
	<b>कुल</b>	<b>478323</b>	<b>348643</b>	<b>634521</b>	<b>487454</b>	<b>59255</b>	<b>48855</b>	<b>47950</b>	<b>40243</b>	<b>48071</b>	<b>38011</b>	<b>155276</b>	<b>127108</b>

- : शून्य

टिप्पणी : 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देनदारियाँ जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियों के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

## वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

### सारणी सं. 1

- 1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।  
 3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।  
 4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।  
 4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।  
 4.10 से 4.12 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।  
 4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।  
 7.1 और 7.2: विदेशी व्यापार यूएस डॉलर से संबंधित है।

### सारणी सं. 2

- 2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।  
 2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

### सारणी सं. 4

<http://nsdp.rbi.org.in> के 'रिज़र्व टेम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्बर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

### सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुनर्वित्त सुविधा, अर्थात् एक्विजम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

### सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकड़े सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।  
 2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

### सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

### सारणी सं. 8

एनएम्<sub>2</sub> और एनएम्<sub>3</sub> में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।  
 2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।  
 2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

### सारणी सं. 9

वित्तीय सस्थाओं में एक्विजम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।  
 एल<sub>1</sub> और एल<sub>2</sub> मासिक आधार पर और एल<sub>3</sub> तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।  
 जहाँ आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहाँ अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

### सारणी सं. 13

कालम सं. (1) (2) और (3) में दर्शाये गए आंकड़ें अंतिम (आरआरबीसहित) और कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम (आरआरबी को छोड़कर) हैं।

### सारणी सं. 14

कालम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़ें अनंतिम हैं।

### सारणी सं. 15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा 41 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 90 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है।

मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका.प्लान. बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

### सारणी सं. 17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।

4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

### सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

### सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

### सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वेप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

### सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी सस्थांओ/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है।

हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

### सारणी सं. 35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

### सारणी सं. 36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का संकेतक। 6-मुद्राओंवाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2016-17 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

**सारणी सं. 37**

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

**सारणी सं. 38, 39, 40 और 41**

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

**सारणी सं. 43**

भाग I- ए. भुगतान प्रणाली

1.1.3: प्रतिभूति खंड के अंतर्गत त्रिपक्षीय रेपो का परिचालन 05 नवंबर, 2018 से किया गया है।

भाग I-बी भुगतान प्रणाली

4.1.2: अन्य 'में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

4.2.2: अन्य 'में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड अंतरण और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5: दिसंबर 2010 से उपलब्ध है।

5.1: माल और सेवाओं की खरीद और वॉलेट के माध्यम से निधि अंतरण शामिल है।

5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेन के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।

6.1: तीन ग्रेडों से संबंधित - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।

6.2: अन्य 'में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल है जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन केंद्र से संबंधित है।

भाग II- ए अन्य भुगतान चैनल

1: मोबाइल भुगतान -

○ बैंकों और यूपीआई ऐप के मोबाइल ऐप के माध्यम से किए गए लेनदेन शामिल है।

○ जुलाई 2017 के डेटा में केवल व्यक्तिगत भुगतान और मोबाइल के माध्यम से पहल किए गए, संसाधित और अधिकृत किए गए कॉर्पोरेट भुगतान शामिल हैं। अन्य कॉर्पोरेट भुगतान जो मोबाइल के माध्यम से शुरू नहीं किए गए हैं, संसाधित और अधिकृत नहीं हैं, को शामिल नहीं किया गया है।

2: इंटरनेट भुगतान --नेटबैंकिंग 'के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट से किया गया वित्तीय लेनदेन शामिल है।

भाग II-बी एटीएम

3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई से किए गए लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना

3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स (डब्ल्यूएलएओ) के एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलएओ को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

**सारणी सं. 45**

(-): नगण्य को दर्शाता है।

जून 2016 से टेबल फार्मेट संशोधित किया है, जिसमें केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खजाना बिलों सहित शामिल है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉ म एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

#### सारणी सं. 46

वर्ष 2011-12 के आधार पर जीडीपी डेटा है। वर्ष 2018-19 का जीडीपी डेटा केंद्रीय सांख्यिकीय कार्यालय द्वारा 31 मई 2019 को जारी राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान से संबंधित है। वर्ष 2019-20 का जीडीपी डेटा केंद्रीय बजट 2019-20 से लिया गया है। वर्ष 2017-18 से एनसीटी दिल्ली और पदुचेरी के आंकड़े भी शामिल किए गए हैं।

राष्ट्रीय आपदा आकस्मिकता निधि व्यय को छोड़कर कुल प्राप्तियां और कुल व्यय।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुनःचुकोती सहित) और राज्य सरकार के निवल चुकोती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डाटा केंद्र और राज्य सरकारों को दिये गये उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते हैं।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार है।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधारियां शामिल हैं।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किये गये निवल निवेश को दर्शाते है।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी.1.7: वित्तीय संस्थानों, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश लेखा से लिये गये ऋण, खजाना बिलों (364-दिन के खजाना बिलों को छोड़कर) सहित।

#### सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और निलामी खजाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यू एमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए आग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

:- नगण्य

#### सारणी सं. 48

समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खजाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारों में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों की खजाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (<https://rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=17618>) में उपलब्ध हैं।

‘वर्तमान सांख्यिकी’ का टाइम सीरिज डाटा <https://dbie.rbi.org.in> पर उपलब्ध है।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंडबुक**) में उपलब्ध हैं।

## भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2020	₹300 एक प्रति (काउंटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4,200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3,360 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क - डाक प्रभार सहित <sup>@</sup> ) ₹2,520 (एक वर्ष का रियायती दर <sup>@</sup> )	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकीय हैंड बुक 2018-19	₹650 (सामान्य) ₹700 (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकीय हैंड बुक 2018-19	₹600 (सामान्य) ₹650 (डाक प्रभार सहित) ₹450 (रियायती) ₹500 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2019-20 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फुलर कैपिटल अकाउंट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹140 एक प्रति (काउंटर पर) ₹170 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	25 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹80 एक प्रति (काउंटर पर) ₹120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
7. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (काउंटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
8. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन: दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (काउंटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
9. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 38, 2017	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
10. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 39, 2018	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
11. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 40, सं. 1, 2019	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
12. पर्सपेक्टिव्स ऑन सेंट्रल बैंकिंग गवर्नंस; स्पीक (1935-2010) प्लैटिनम जुबिली	₹1400 एक प्रति (काउंटर पर)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

## टिप्पणियां:

- उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट ([www.rbi.org.in](http://www.rbi.org.in)) पर उपलब्ध हैं।
  - टाइम सीरीज डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (<http://dbie.rbi.org.in>)।
  - भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।
- \* भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
- @ इलेक्ट्रॉनिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है।

**सामान्य अनुदेश:**

1. बिक्री हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशन कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमि क और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशन के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की बिक्री तथा वितरण (सोमवार से शुक्रवार) तक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेल: spsdcs@rbi.org.in है।
5. सदस्यता शुल्क मुख्यतः एनईएफटी द्वारा किया जाना चाहिए और अग्रपेपर, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, निदेशक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंजिल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई - 400 001।

एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित है :

लाभार्थी का नाम	आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारिबैंक
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBISOMBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8024129-19
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रताशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर 'पहले आओ, पहले पाओ' आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शि कायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. कृपया अपनी अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई-मेल आईडी spsdcs@rbi.org.in पर मेल करें ताकि हम आपसे संपर्क कर सकें।